# THE Globe

GLOBEN LE GLOBE DER GLOBUS گلوب
EL GLOBO O GLOBO द ग्लोब विश्व

WORLD'S CHILDREN'S PRIZE MAGAZINE #66/67 2019

VOTE! RÖSTA!
¡VOTA! WÄHLT!
வாக்களிப்பீர் رای دهید
ဆန္ဒမဲထည့်ခြင်း! मत
တၢ်ထၢနၣ်တၢ်ဖး! !:ووٹ
ลงคะแนน! मतदान
!:ووٹ !صوِّت
HÃY BẦU!

WORLD'S CHILDREN'S PRIZE FOR THE RIGHTS OF THE CHILD

PRIX DES ENFANTS DU MONDE POUR LES DROITS DE L'ENFANT

PREMIO DE LOS NIÑOS DEL MUNDO POR LOS DERECHOS DEL NIÑO

PRÊMIO DAS CRIANÇAS DO MUNDO PELOS DIREITOS DA CRIANÇA

DER PREIS DER KINDER DER WELT FÜR DIE RECHTE DES KINDES!

बाल अधिकारों हेतु विश्व बाल पुरस्कार

बाल अधिकारका लागी विश्व बाल पुरस्कार

بچوں کے حقوق کے انعام کا عالمی پروگرام

# World's Children's Prize

## for the Rights of the Child

कवर पृष्ठ पर युवा लोग जिम्बाब्वे में चिहोटा के ग्लोरी एवं टॉकमोर ग्लोबल वोट के लिए गांव के मतपत्र बक्से पकड़े हैं। वे दोनों बाल अधिकार राजदूत हैं।

The lottery for a better world

**Thanks! Tack! Merci ! ¡Gracias! Danke! Obrigado! CẢM ƠN ကျေးဇူး**
**!:مهرباني धन्यवाद நன்றி سپاس !شُكراً ขอบคุณ တ်ာ်ဘျုး !:شکریہ**


• स्वीडन की महारानी सिल्विया • स्वीडिश पोस्टकोड लॉटरी • फॉरम सिड • सिडा • जूलिया एवं हंस रौज़िंग ट्रस्ट • महारानी सिल्विया की केयर अबाउट दी चिल्ड्रेन फाउंडेशन • सर्व फैमिली फाउंडेशन • क्राउन प्रिंसेस मार्गरिट्ा मेमारियल फण्ड • स्पारबैंक फाउंडेशन रिकार्ने कीप स्वीडन टायडी • स्वीडिश ओलंपिक समिति रोटरी जिले 2370 एवं 9350

**सभी बाल अधिकार प्रायोजक एवं दानकर्ता:**
• माइक्रोसॉफ्ट • गूगल • फोरसाइट ग्रुप • ट्विच हेल्थ कैपिटल • हेल्गो एक्सन जॉनसन फाउंडेशन • पुनामुस्ता • ग्रिपशाल्म कासेल प्रशासन • स्वेन्स्का कल्तुर्पार्लर • आईसीए टॉघेलन स्कोमाकार्गार्डन • रोड़ा मैगासिनेट • लिला अकादमीन

# नमस्ते!

ग्लोब पत्रिका आपके एवं अन्य सभी युवा लोगों के लिए है जो वर्ल्ड चिल्ड्रेन्स प्राइज़ कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। यहाँ आप विश्व भर के मित्रों से मिलेंगे, अपने अधिकारों के बारे में जानेंगे और इस पर कुछ सुझाव लेंगे कि इस संसार को अधिक बेहतर बनाने के लिए आप क्या कर सकते है!

दि ग्लोब के इस संसकरण के लोग निम्नलिखित देशों में रहते हैं:

विश्व के बच्चों का पुरस्कार क्या है?.....4

बाल न्यायमूर्ति दल से मिलो!.....6

बाल अधिकार क्या हैं?.....12

दुनिया के बच्चे कैसे हैं? .....14

लोकतंत्र का मार्ग.....16

संसार भर में वैश्विक मतदान.....19

हमारे साथ ज़िम्बाब्वे, बुर्किना फासा, डी आर कॉगो, पाकिस्तान, बर्मा एवं अन्य देशों की यात्रा पर आओ। बाल अधिकार राजदूतों एवं अन्य बच्चों से मिलो जो अपने हीरो को एवं अपने अधिकारों के लिए मतदान देते हैं!

इस साल के बाल अधिकार हीरो

स्पेस निहान्गाज़ा..... 34

अशोक दयालचंद..... 52

गायलैन्डे मेसाडियु..... 70

वैश्विक लक्ष्य ..... 88

एक बेहतर विश्व के लिए राउंड दी ग्लोब रन ..... 90

यू मी समान अधिकार राजदूत ..... 91

बाल अधिकार राजदूत तथा जिम्बाब्वे में लड़कियों के अधिकार ..... 94

नो लिटर जेनरेशन ..... 108

विश्व बाल प्रत्रकार सम्मेलन ..... 128

हम वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के संरक्षक हैं ..... 129

हम बाल अधिकारों का जश्न मना रहे हैं ..... 130



**मुख्य संपादक एवं उत्तरदायी प्रकाशक:** मैगनस बर्गमार **संसकरण 66–67 के योगदानकर्ता:** कार्मिला फ्लॉयड, एंड्रियास लॉन, एरिक हल्कजेअर, जोहान बजर्के, जेस्पर क्लीमिड्सन, सोफिया मार्सेटिक, चार्ल्स डार्विन, किम नेयलर, अली हैदर, मार्लीन विनबर्ग, जान–एके विनक्विस्ट, कीप स्वीडन टायडी **अनुवाद:** सेमैंन्टिक्स (अंग्रेजी, स्पैनिश), सिन्ज़िया गुएनियट (फ्रेंच), ग्लेन्डा कोल्ब्रान्ट (पुर्तगाली), प्रीती शंकर (हिंदी)। **डिजाइन:** फिडेलिटी **कवर फोटो:** जोहान बजर्के **बैक कवर:** चार्ल्स डार्विन **प्रिंटिंग:** पुनामुस्ता ओए

दी ग्लोब को फॉरम सिड के माध्यम से सिडा (स्वीडिश अंतर्राष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी) द्वारा आंशिक रूप से वित्त पोषित किया जाता है। यह जरूरी नहीं कि यहां पर व्यक्त किये गए विचारों को सिडा भी सिडा भी साझा करे। इसका उत्तरदायित्व केवल लेखकों एवं प्रकाशन के लिए जिम्मेदार पार्टी का है।

दी ग्लोब बिक्री के लिए नहीं है।



वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ फाउंडेशन
Box 150, SE-647 24 Mariefred, Sweden
Tel. +46-159-12900
info@worldschildrensprize.org
www.worldschildrensprize.org
facebook.com/worldschildrensprize
Insta @worldschildrensprize
youtube.com/worldschildrensprize
twitter @wcpfoundation



ISSN 1102-8343

# वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़

क्या तुम इस संसार को एक बेहतर स्थान बनाने के लिए इसमें बदलाव लाने वाला बनना चाहते हो? फिर वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ (डब्लूसीपी) कार्यक्रम तुम्हारी सहायता कर सकता हैं। बाल अधिकार राजदूतों, बाल अधिकार नायकों एवं अन्य विश्व भर के बच्चों को जान कर, तुम इन सब बातों को अधिक समझोगेः

- करुणा
- सभी व्यक्तियों के बराबर मूल्य
- बाल अधिकार
- मानवाधिकार
- लोकतंत्र कैसे काम करता है
- अन्याय, गरीबी, जातिवाद एवं उत्पीड़न के विरुद्ध कैसे लड़ें
- संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक लक्ष्यों, जिन पर विश्व के देश पर्यावरण की रक्षा के लिए सहमत हो गए हैं और 2030 तक विश्व को बेहतर स्थान बनाना चाहते हैं।

### एक परिवर्तनकर्ता बनो!

एक परिवर्तनकर्ता बनने का अवसर लो और सभी लोगों के समान मूल्य एवं अधिकारों के लिए खड़े हो! तुम अपनी आवाज को सुना सकते हो और अपने देश में एवं विश्व भर में, अब और भविष्य में जहां रहते हो, वहां के जीवन को प्रभावित कर सकते हो। लाखों अन्य बच्चों के साथ, तुम एक अधिक दयालु विश्व के निर्माण में शामिल हो सकते हो जिसमें सबसे समान व्यवहार किया जाता है, जहां बाल अधिकारों का सम्मान किया जाता है और जहां लोग एवं पर्यावरण दोनो पनपते हैं।

वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज कार्यक्रम नवंबर 2018 से लेकर 16 मई 2019 तक चलता है। तुम अपने वोट के परिणामों को 16 अप्रैल 2019 तक दर्ज कर सकते हो।

## तुम्हारे जीवन में अधिकार और लोकतंत्र

यह जानने के साथ शुरू करो कि क्या बाल अधिकारो के संयुक्त राष्ट्र सम्मलेन का सम्मान वास्तव में किया जा रहा है, उदाहरण के लिए स्कूल में। इसके बारे में बात करोः तुम्हारे शहर और तुम्हारे देश के बच्चों के लिए स्थिति को कैसे सुधारा जा सकता है? क्या तुम अपनी आवाज उन मुद्दों के बारे में सुना सकते हैं जो तुमको और तुम्हारे दोस्तों को प्रभावित करते हैं?
लोकतंत्र के इतिहास का अध्ययन करो और, यदि चाहो, तो अपने स्कूल में डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब शुरू करो!

पृष्ठ 12–13

## राउण्ड–दी–वर्ल्ड रन, एक बेहतर विश्व के लिए

*राउंड–द–वर्ल्ड रन (दौड़)* से पहले, आप और आपके मित्र वैश्विक लक्ष्यों के बारे में जानेंगे, मुख्य रूप से वे जो लिंग समानता और लड़कियों के लिए समान अधिकार (लक्ष्य 5), असमानताओं को कम करने (लक्ष्य 10) और शांति एवं न्याय (लक्ष्य 16 ) से सम्बन्धित हैं। आप और आपके मित्र क्या परिवर्तन देखना चाहते हैं, इसके बारे में क्यों न कुछ पोस्टर और अन्य सामग्री बनाएं? और सोशल मीडिया पर शब्द फैलाना न भूलें। 1 अप्रैल को राउंड–द–वर्ल्ड रन शूरू होगा जिसमें आप मीडिया, निर्णय लेने वाले और अभिभावकों को उन बदलावों के बारे में बताएंगे जिन्हें आप देखना चाहते हैं। फिर स्कूल में सब बच्चे एक श्रृंखला बनायेंगे, जो जितना लम्बी संभव हो सके, उंगली से उंगली तक। श्रृंखला की लंबाई मापें और इसकी रिपोर्ट करें। तब सभी बच्चों की श्रृंखलाओं की लंबाई एक साथ जोड़ दी जाएगी, ताकि आप बेहतर विश्व के लिए अपने सुझावों को विश्व भर में पहुंचा सकें। फिर 3 किमी चलें या दौड़ें ताकि सबको जोड़कर आप उस दिन विश्व की कई बार प्ररिक्रमा कर सकेंगे!

पृष्ठ 22–23, 34–87 एवं 88–107

## नो लिटर जेनरेशन (कूड़ा रहित पीढ़ी)

16 मई को, विश्व भर के वैश्विक मित्र स्कूलों में बच्चे *नो लिटर दिवस* मनाएंगे। अपने शहर में विद्यालय और सड़कों पर कूड़ा उठाकर दिखाएँ कि आप *नो लिटर जेनरेशन* का भाग हैं। और तुम्हारे और विश्व के अन्य सभी बच्चों के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के अधिकार के बारे में दूसरों से बात करने का अवसर प्राप्त करें।

पृष्ठ 108–127

'नो लिटर दिवस (कूड़ा रहित दिवस) 16 मई को है, लेकिन तुम्हारा स्कूल 13 मई से शुरू होने वाले सप्ताह के दौरान किसी भी समय इसे मनाने के लिए चुन सकता है, या सावन के मौसम में कभी भी जब तुमको सुविधा हो।

### महत्वपूर्ण दिनांक

1 अप्रैल – राउण्ड–दी–वर्ल्ड रन, एक बेहतर विश्व के लिए
16 अप्रैल – अपने विश्व मतदान के लिए परिणाम दर्ज करने की अंतिम तिथि
16 मई – नो लिटर डे*

# क्या है?

अब तक पूरे विश्व में 42 मिलियन (1 मिलियन = दस लाख) बच्चों ने डब्लूसीपी कार्यक्रम के माध्यम से बाल अधिकारों और लोकतंत्र के बारे में सीखा है। 116 देशों के 70,000 से अधिक स्कूलों ने ग्लोबल मित्र स्कूलों के रूप में पंजीकृत किया है और वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज को अपना समर्थन दिया है।

## सारे विश्व में बाल अधिकार

बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन सभी बच्चों पर लागू होता है, हर जगह। बाल न्यायमूर्ति दल, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूतों और उन बच्चों जिनको सुरक्षित रखने और सशक्त करने के लिए वे लड़ते हैं, से मिलकर और जानकारी प्राप्त करो। पता लगाओ कि आजकल विश्व के बच्चों का जीवन वास्तव में कैसा है।

पृष्ठ 6–11, 14–15
91–107 और 120.127

## बाल अधिकारों के नायकों से मिलो

हर साल, तीन अद्भुत बाल अधिकार हीरो को विश्व के बच्चों के पुरस्कार के लिए उम्मीदवार के रूप में नामांकित किया जाता है। उन्हें जानो और जिन बच्चों के लिए वे लडते हैं, उनकी जिंदगी की कहानियों के माध्यम से उन बच्चों को जानो।

पृष्ठ 34–87

**क्या तुम्हें पता था?**
डब्लूसीपी कार्यक्रम सभी लोगों के समान मूल्य, बाल अधिकार, लोकतंत्र एवं सतत् विकास की विश्व की सबसे बड़ी वार्षिक शिक्षा पहल है।

## वो बड़ी घोषणा!

जब लाखों बच्चों के वोटों को जोड़ दिया जाता है, तो यह घोषणा की जाती है कि नामित बाल अधिकार नायकों में से किसने सबसे अधिक वोट प्राप्त किये है और तब *वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज फॉर दी राइटस ऑफ दी चाइल्ड* पुरस्कार के प्राप्तकर्ता के अतिरिक्त, अन्य दो प्रत्याशी *वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज ऑनररी अवार्ड* माननीय पुरस्कार भी प्राप्त करेंगे। परिणामों की घोषणा करने के लिए अपने पूरे स्कूल को इकट्ठा करो! या स्थानीय मीडिया को बाल प्रत्रकार प्रेस सम्मेलन में आमंत्रित करो, जो कई अलग–अलग देशों में एक ही समय आयोजित किया जाता है। बाद में बाल अधिकार नायकों को ग्रिप्शॉल्म कासेल, मेरीफ्रेड, स्वीडन में सम्मानित किया जाता है, जिसका नेतृत्व बाल न्यायमूर्ति दल करता है।

पृष्ठ 128

## विश्व मतदान (ग्लोबल वोट)

एक बार तुम बाल अधिकारों एवं नामांकित बाल अधिकार नायकों के बारे में जान लेते हो, तब तुम विश्व मतदान में शामिल हो सकते हो। अपने ग्लोबल वोट की तारीख को बहुत समय पहले निर्धारित करो और चुनाव पर्यवेक्षकों की नियुक्ति से लेकर मतपत्र बक्से तैयार करने तक, एक लोकतंत्रिक चुनाव के लिए आवश्यक सब कुछ तैयार करों। अपने ग्लोबल वोट दिवस का अनुभव करने के लिए मीडिया, माता–पिता एवं राजनेताओं को आमंत्रित करो। *worldschildrensprize.org* पर मतपत्र बॉक्स के माध्यम से अपने स्कूल के वोट के परिणाम को दर्ज करो।

पृष्ठ 19–33

**विश्व के बच्चों के पुरस्कार के लिए आयु सीमा**
डब्लूसीपी कार्यक्रम उस वर्ष के किसी भी व्यक्ति के लिए खुला है जब तक कि वे दस साल के होते है और जब तक 10 साल से 18 साल की आयु के रहते हैं। (बाल अधिकार के संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन का कहना है कि जब तक तुम 18 साल के नहीं हो जाते, तब तक तुम बच्चे रहते हो)। कम आयु सीमा कई कारणों से होती है। ग्लोबल वोट में भाग लेने के लिए तुमको नामांकित व्यक्तियों के काम के बारे में सब कुछ सीखना होगा। जिन बच्चों के लिए वे लड़ते हैं, वे कई बार भयानक अनुभवों से गुजर चुके होते हैं, और उनकी कहानियाँ छोटे बच्चों के लिए डरावनी हो सकती हैं। यहां तक कि बड़े बच्चों को यह कठिन लग सकता है। यही कारण है कि जब तुम डब्लूसीपी कार्यक्रम के साथ काम कर रहे हो, तब वयस्कों के साथ बात करना महत्वपूर्ण होता है।

Follow us on social media!
@worldschildrensprize
@worldschildrensprize
worldschildrensprize
@wcpfoundation
worldschildrensprize.org

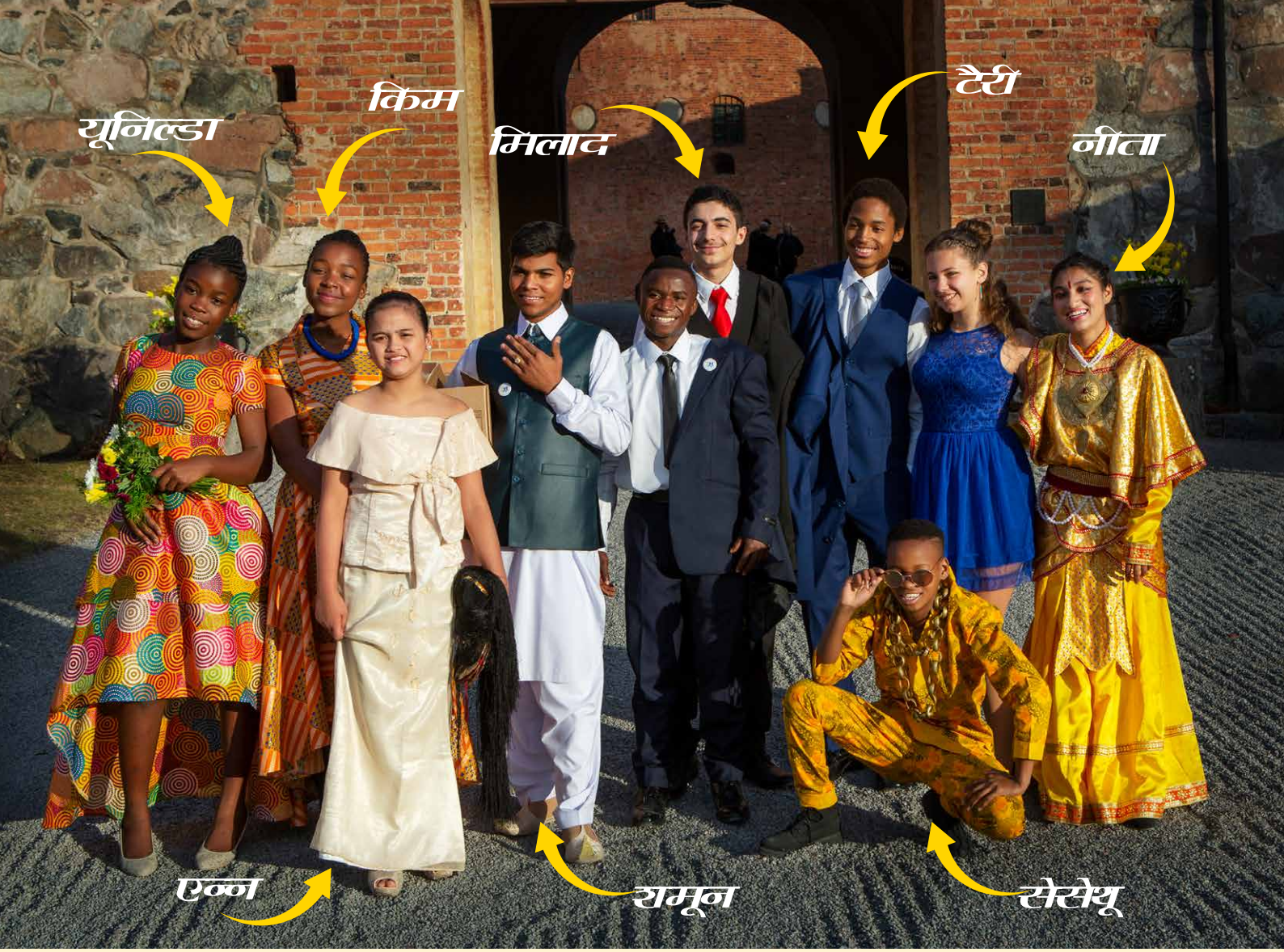


2018 डब्लूसीपी समारोह के चित्र में दो जूरी सदस्य, जो अब 'सेवानिवृत्त' हैं: डीआर कांगो से डियू मर्सी और इजराइल से नेटा।

# बाल न्यायमूर्ति दल से मिलो!

वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के बाल न्यायमूर्ति दल के सदस्य अपने जीवन के अनुभवों द्वारा बाल अधिकारों पर विशेषज्ञ हैं। प्रत्येक जूरी बच्चा मुख्य रूप से विश्व के उन सभी बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है जो अपने अनुभव साझा करते हैं। वे अपने देश और महाद्वीप के बच्चों का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। जहां जक भी संभव होता है, जूरी में सभी महाद्वीपों एवं सभी प्रमुख धर्मों के बच्चे सम्मिलित किये जाते हैं।

जूरी के सदस्य अपनी जीवन की कहानियां साझा करते हैं तथा बाल अधिकारों के उन उल्लंघनों का जिनका उन्होंने स्वयं अनुभव किया है अथवा जिनके विरुद्ध वे अभियान चलाते हैं। इस प्रकार, वे बाल अधिकारों के बारे में दुनिया भर के लाखों बच्चों को सिखाते हैं। वे जूरी के सदस्य उस वर्ष के अंत तक बने रह सकते हैं तब तक वे 18 वर्ष के नहीं हो जाते।

हर साल, बाल जूरी, वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ फॉर दी राइट्स ऑफ दी चाइल्ड के लिए नामित किया गए सभी बच्चों में से तीन अंतिम उम्मीदवारों का चयन करती है।

जूरी के सदस्य अपने गृह देशों और विश्व भर में वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के लिए राजदूत होते हैं। बाल जूरी वार्षिक वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ समारोह का स्वीडन में नेतृत्व करती है। उस सप्ताह के दौरान, जूरी बच्चे स्कूलों में जाते हैं और अपनी जिन्दगियों तथा बाल अधिकारों के बारे में बताते हैं।

*worldschildrensprize.org* पर आपको जूरी के बच्चों के बारे में आप पूर्व जूरी सदस्यों से मिल सकेंगे।

2018 में कई नए जूरी बच्चों को नियुक्त किया गया था।

❤ हमने अपनी जूरी बच्चों के उपनामों को उनकी पहचान की सुरक्षा के कारण शामिल नहीं किया है।

झोन्न नारा

## ❤ झोन्न नारा, 17

ब्राजील

**उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है जो स्वदेशी मूल के समूहों के सदस्य हैं और उनके अधिकारों के लिए लड़ती है और उन बच्चों के लिए भी जो दुर्व्यवहार के शिकार हुए हैं और जो पर्यावरण के विघटन से प्रभावित हुए हैं।**

झोन्न नारा ब्राजील में अमेजॅनस में रहती है और गुआरानी स्वदेशी लोगों के सबसे युवा नेताओं में से एक है। वे घने जंगल में रहते थे, लेकिन तब से उसके लोगों को उनके गांवों से खदेड़ दिया गया है। वर्षावन को काट दिया गया है और उसकी जगह मवेशी खेतों एवं उन उद्योगों ने ले ली है जो पर्यावरण को जहरीले रसायनों एवं दूषित पानी से प्रदूषण कर रहे हैं। अब गुआरानी लोग सड़क के किनारे शिविरों में रह रहे हैं, जहां वे न तो मछली पकड़ सकते हैं और न ही शिकार कर सकते हैं। गरीबी से वयस्क निराश हो गए हैं, और वे शराब पीने, नशा करने और लड़ने में लगे रहते हैं।

झोन्न नारा से भी उसके हिंसक सौतेले पिता ने दुरुव्यवहार किया था।

गुआरानी लोगों को जंगल काटने और जमीन का शोषण करके पैसे कमाने वाले लोगों द्वारा घमकियां एवं हिंसा को भुगतना पड़ा है। जब झोन्न नारा 10 साल की थी, तब एक नकाबपोश पुरुषों का समूह उसके गांव में आया था और उसके दादा को गोली से मार डाला, जो उसके लोगों के नेताओं में से एक थे।

''जब हम विरोध करते हैं, तब हमें धमकी दी जाती हैं, हमारे साथ दुर्व्यवहार किया जाता है और हमें मार डाला जाता है। वे हमसे छुटकारा पाना चाहते हैं, लेकिन हम कभी हार नहीं मानेंगे,'' झोन्न नारा कहती है। वह दुखी होती है जब स्कूल में उससे एवं अन्य स्वदेशी बच्चों के साथ अन्य विद्यार्थियों की अपेक्षा बद्तर व्यवहार किया जाता है। ''यह बहुत दर्द देता है।''

नूर

## ❤नूर, 17

फ़िलस्टीन

**उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है जो संघर्ष वाले क्षेत्रों में रहते हैं, उनका जो उन सशस्त्र समूहों द्वारा कब्ज़ा किया गए क्षेत्रों के अधीन रहते हैं और जो बच्चे शांति के लिए संवाद का समर्थन करते हैं।**

''बंदूक की आवाज की मेरी पहली याद रात के मध्य की है, जब मैं चार वर्ष की थी। हम बेसमेंट पर उतर गये। बाद में जब हमने वापस आने की कोशिश की, मेरी दादी के कमरा में आग लगी हुई था और गोलियों के छेद थे तथा हर जगह शार्पनेल पड़े थे। कुछ समय पहले, जब हम स्कूल की परीक्षा में बैठे थे, तब एक आंसू गैस ग्रेनेड अचानक कक्षा में फेंक दिया गया। मेरी आंखों को लगा जैसे वे जल रही थीं और मुझे सांस लेने में मुश्किल हो रही थी। मेरे मित्र और मैं घर की ओर भागे लेकिन इजराइली सैनिकों ने हमें रोक दिया और हमें वापस जाने के लिए मजबूर कर दिया। मैं बहुत निराश और डर गई थी, मुझे कमजोरी और पूरी तरह से शक्तिहीन लगा। हमने उनसे कहा कि हम बस निर्दोष बच्चे थे।

अंत में जब मैं घर पहुची तो मेरे आँसू बहने लगे। मेरी दादी ने मुझे सांतवना देने के लिए कुरान से पढ़ कर सुनाया, और मुझे जैतून का तेल पिलाया। उन्होंने सलाह दी कि मैं अपनी शिक्षा जारी रखूं, और मुझे स्कूल पसंद है। ''नूर सैनिकों को पसंद नहीं करती, लेकिन वह चाहती है कि उसके लोग इजरायली लोगों के साथ पड़ोसीयों और दोस्तों की तरह रहें।

''हमें उनके विश्वास का सम्मान करना चाहिए और उनको हमारा। हमें एक–दूसरे का सम्मान करना चाहिए! ''

## ❤ किम, 15

जिम्बाब्वे

**उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है जिन्हें बाल अधिकारों के लिए खड़े होने के लिए सशक्त किया गया है, और विशेष रूप से लड़कियों के समान अधिकारों के लिए।**

जब किम एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत बनी, तो वह अपने स्कूल में तुरंत एक बाल अधिकार क्लब शुरू करना चाहती थी लेकिन उसके मुख्य शिक्षक ने उसे मना कर दिया। किम ने हार नहीं मानी, और अंत में उसे अपना क्लब शुरू करने की अनुमति मिल गई। अब तक वह हजारों बच्चों को उनके अधिकारों की जानकारी दे चुकी है और उसने एक बेहतर विश्व के लिए बच्चों को लड़ने के लिए प्रोत्साहित किया है।

''जब मैं छोटी थी, तब मुझे पता नहीं था कि बच्चों के भी अधिकार होते हैं। मुझे दुःख हुआ जब मैंने उन बच्चों को देखा जो स्कूल नहीं गए थे, जिन बच्चों को पीटा गया था और युवा लड़कियां जो यौन उत्पीड़न एवं बाल विवाह के अधीन रह चुकी थीं। अब मेरी राजदूत भूमिका में अन्य बच्चों के लिए बोलना शामिल है जो चुप्पी में पीड़ित हैं और बताने की हिम्मत नहीं करते, या जिन्हें नहीं पता था कि उनके भी अधिकार हैं। मैं विशेष रूप से लड़कियों के लिए लड़ती हूं, उदाहरण के लिए, बाल विवाह को समाप्त करना और जिससे लड़कियों को स्कूलों में अलग शौचालयों का अधिकार मिले। एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत होना सम्मानजनक लगता है। इसका अर्थ मेरे लिए सब कुछ होता है। और मुझे पता है कि मेरी पीढ़ी यह सुनिश्चित करेगी कि विश्व के बच्चों की बेहतरी के लिए बदलाव लाया जाए।''

## ❤ शमून, 16

पाकिस्तान

**बाल मजदूरों, दास बच्चों एवं उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है जिनका 'अस्तित्व नहीं हैं' क्योंकि उनके जन्म कभी पंजीकृत नहीं किये गए।**

शामून का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था जो एक ईंट भट्ठा मालिक के लिए कर्ज दास था जब उसके पिता लड़के थे। सारे परिवार को मजबूरी में सुबह से रात तक काम करना पड़ता है जिससे वह लगभग 600 अमेरिकी डॉलर के पुराने कर्ज का भुगतान कर सके। शामून के पिता ने ईंट भट्ठा श्रमिकों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और बच्चों के लिए एक संध्या का स्कूल खोला। ईंट भट्ठा मालिक को यह अच्छा नहीं लगा, और उसने शामून के पिता को भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। अगली सुबह, मालिक ने शमून और उसकी मां को बुलवाया।

''माँ ने मुझे बता दिया था कि यदि हमने ईंट भट्ठे के मालिक को पिताजी का पता दिया तो वह उन्हें मार डालेगा। और मालिक ने मुझे छड़ी से पीटा। तब मुझे एहसास हुआ कि हम उसके दास थे।''

दो वर्ष बीत गए, तब भट्ठे का मालिक शमून के पिता को चोट नहीं पहुंचाने के लिए मान गया, और अब वह घर वापस आ सकते थे। शामून का परिवार अब ऋण दास नहीं हैं, लेकिन अब भी वे एक ईंट भट्ठे में काम करते हैं। शामून स्कूल जाता है और जब भी वह घर के कार्यों में मदद कर सकता है तब वह करता है।

''शाम को वह ईंट भट्ठा के बच्चों और युवा लोगों के लिए अपना संध्या का स्कूल चलाता है। शिक्षा उन्हें बहादुर बनाती है और उनके परिवारों की आत्मनिर्भर होने में सक्षम बनाती है। शिक्षा ही स्वतंत्र होने का

जूरी बच्चे मिलाद और तारी डब्लूसीपी समारोह को जाते हुए।

PHOTO: SOFIA MARCETIC

मार्ग है!''

## ❤ मिलद, 16

सीरिया

**युद्ध क्षेत्रों में बढ़े हो रहे बच्चों तथा विस्थापित बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है।**

मिलाद को सीरिया में नौ साल की उम्र में युद्ध से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। उसका मार्ग उसे सीरिया में अपने घर शहर अलेप्पो से होते हुए, कोबेन तक और फिर तुर्की में ले गया।

''वहां जीवित रहना मुश्किल था। हर दिन हजारों नए शरणार्थी आ रहे थे, और बहुत सारे बच्चे सड़क पर भीख मांगा करते थे। मैंने एक कारखाने में काम किया, क्योंकि वहा कोई स्कूल नहीं था।''

दो साल बाद, मिलद की मां ने कहा कि उसे यूरोप जाना है जिससे वह स्कूल जा सके। बहुत सारे शरणार्थी भू–मध्य सागर में यात्रा कर रहे थे, लेकिन हजारों की मौत हो गई जब उनकी अतिसंवेदनशील नौकाएं पलट गईं। तब परिवार ने पैसा जोड़ा और एक तस्कर को निकलने के लिए भुगतान दिया। यात्रा के दौरान वे कई दिनों तक लापता रहे। परिवार बहुत चिंतित रहा। आखिरकार जब तस्कर संपर्क में आया, तो उसने मिलाद जाने के लिए और अधिक धन मांगा।

आज, मिलाद अपने परिवार के साथ स्वीडन में रहता है, जो उससे पुनः जुड़ गया। वह स्वीडन में खुश है, लेकिन वह अलेप्पो वाले सबसे अच्छे मित्र को याद करता है।

''मेरा शहर बमबारी से नष्ट हो गया है, यह दुखद है। मैं आभारी हूं कि मैं यहां आने में सक्षम रहा, क्योंकि हम सीरिया में मर गए होते, ''मिलाद कहता है। ''अब मैं दूसरों के बारे में चिंतित हूं। हम केवल अपने बारे में ही नहीं सोच सकते।''

## ❤ टैरी, 15

अमेरीका

**उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है जो बेघर हैं।**

जब टैरी नौ वर्ष का था, तब वह संयुक्त राज्य अमेरिका के 2.5 मिलियन बेघर बच्चों में से एक बन गया जो आश्रयों में, कारों में, टूटे–फूटे होटलों या सड़कों पर रहते थे। टैरी के परिवार (उनकी मां और पांच भाई बहन) एक आश्रय में रहते थे, जहां बेघर लोगों को सोने की जगह दी जाती थी। यह लॉस एंजिल्स के बेघर क्षेत्र में था, जहां हजारों लोग सड़कों पर रहते हैं।

''मेरे परिवार के पास एक कमरा था और वे शौचालय एवं स्नान दूसरों के साथ साझा केरते थे। बेघर होने के बारे में सबसे कठिन बात इधर–उधर भटकना और स्कूलों को अक्सर बदलना थी। मै भविष्य के बारे में बहुत चिंतित था और कैसे अपने परिवार की जीवित रखने में मदद कर सकूंगा। कभी–कभी प्रेरित रहना मुश्किल था, लेकिन मेरी माँ ने हमेशा हमें अपने आप में विश्वास करने में मदद की है, और सौभाग्य से मुझे स्कूल पसंद है। गणित मुझे खुश करता है!''

आखिरकार टैरी के परिवार का अपना घर है। कभी–कभी वह उन बच्चों की मदद करता है जो अभी भी अपने स्कूल के काम से बेघर हैं। बड़ा होकर मैं एक लेखक बनना चाहता हूं। ''मुझे अपनी कहानियां लिखना पसंद है। यदि मैं एक लेखक बनने में सफल होता हूं तो मैं अपने परिवार की पहले, फिर अन्य बेघर लोगों की मदद करूंगा।''

## ❤ नीता, 15

नेपाल

**उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है जिनका बाल यौन व्यापार में शोषण किया गया है।**

जब नीता 11 साल की थी, तो उसे एक दोस्त ने स्कूल से बाहर निकलने के लिए राजी किया और उसके साथ राजधानी, काठमांडू में गया। वे कुछ मस्ती करने और अन्वेषण करने की योजना बना रहे थे। इसके बजाए, नीता को काठमांडू के एक बार में उन लोगों के साथ छोड़ा दिया गया जिन्हें वह नहीं जानती थी। उसे नशा दिया गया और उसके साथ भयानक दुर्व्यवहार किया गया। जब उसने रोया और घर जाने की इजाजत मांगी, तो उसे बार के मालिक ने पीटा और कमरे में बंद कर दिया। अंत में, बार में काम करने वाले एक युवक ने नीता और तीन अन्य लड़कियों की बचाने में मदद करने का वादा किया। असल में उसंने उन्हें बेचने की योजना बनाई थी, लेकिन जब वे मुख्य बस स्टेशन पहुंचे तो गार्ड संदिग्ध हो गए। उन्होंने पुलिस को बुला लिया, और नीता को एक घर में ले जाया गया जहां उन लड़कियों को रखा जाता था जो बाल यौन व्यापार से पीड़ित थीं। पुलिस को उस आदमी की रिपोर्ट दर्ज करने के लिए वहां से मदद मिली। वह आदमी अब जेल में है।

''मैं आभारी हूं कि मुझे जीवन में दूसरा अवसर मिला'', नीता कहती है, ''अब मैं बाल अधिकार क्लब की सदस्य हूं और मैं बाल अधिकारों के लिए अभियान चलाती हूं।''

## ❤ अनन्थी, 15

भारत

**बाल विवाह करने के लिए मज़बूर बच्चों और जिन लड़कियों को जन्म के समय मारे जाने का जोखिम उठाना पड़ाता है, उनका प्रतिनिधित्व करती है।**

जब अनन्थी छोटी थी, तो उनकी मां ने कहाः ''हम तुमको मारने की योजना बना रहे थे, लेकिन हमने तुमको जिन्दा रहने दिया।'' उनके गांव में, जब तक की किसी को भी याद है, कई लड़कियां को जन्म पर ही मार दिया गया है, गरीबी के कारण तथा इस लिए कि बेटियां बेटों की तुलना में कम मूल्यवान हैं। लेकिन अब इस क्षेत्र के सैकड़ों

गांवों ने लगभग पूरी तरह से बच्ची लड़कियों को मारने की परंपरा को खत्म कर दिया है। लड़कियों को स्कूल में जाने में मदद मिली है और उनके माता–पिता को शिक्षा और समर्थन दिया गया है।

''अब वे जानते हैं कि लड़कियां एक उपहार हैं, सजा नहीं,'' अनन्थी कहती है। ''लोग क्यों नहीं समझते कि एक लड़की का उतना ही मूल्य है – कि वह अपने परिवार की देखभाल यदि लड़कों से बेहतर नहीं, तो उनके समान कर सकती है? मैं जो भी कर सकती हूं वो करती हूं सबको यह दिखाने के लिए कि सब लड़कियों को जीने का अधिकार है।''

अनन्थी के गांव में बाल विवाह आम है, लेकिन वह कम से कम 25 साल तक शादी करने की योजना नहीं बना रही है। सबसे पहले वह शिक्षा और अच्छी नौकरी लेना चाहती है।

''वे कोशिश करके मेरी शादी जल्दी कर सकते हैं, लेकिन मैं इसका विरोध करूंगी। मेरे पति दयालु होगा और घर का काम साझा करेगा। और मेरी शिक्षा ही मेरा दहेज होगी (धन एवं संपत्ति जो लड़की के परिवार को लड़के के परिवार को देनी चाहिए)।''

## ❤ डैरियो, 13

रोमानिया

**उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है जो बाल गृहों में बड़े होते हैं और जिनके खिलाफ भेदभाव किया जाता है क्योंकि वे गरीब हैं और/या क्योंकि वे रोमा हैं या अपने देश में एक अल्पसंख्यक जातीय समूह के हैं।**

डैरियो यूरोप में सबसे गरीब और सबसे खतरनाक क्षेत्रों में से एक में, फेरेन्टेरी में बड़ा हुआ, फुटपाथ पर, एक लकड़ी की झोंपड़ी में, जिसे उसके पिता ने बनाया था, बिना हीटिंग, शौचालय या प्रवाह वाले पानी के। उसके परिवार की स्थिति के बावजूद, डारियो की मां ने यह सुनिश्चित किया कि उसके बच्चों को अच्छा जीवन मिले, लेकिन उसके पिता ने शराब पी कर परिवार का सारा पैसा उड़ाना शुरू कर दिया।

''जब मैं 9 साल का था, तब मेरी माँ ने मुझे और मेरी छोटी बहन को सड़कों पर भोजन के लिए कुछ पैसे लाने के लिए भेजा। एक दिन पुलिस ने हमें पकड़ लिया और हमें बाल गृह में जाना पड़ा। पहले यह वास्तव में कठिन था क्योंकि वहां सब कुछ बिलकुल अलग था। मैंने अपनी मां को याद किया और हर दिन रोया, लेकिन थोड़ी देर बाद, जब हमने दोस्त बनाये, तो स्थितिं बेहतर हो गईं। ''

डारियो की तरह, बाल गृह के कई बच्चे रोमा परिवारों से आये हैं। रोमा सैकड़ों वर्षों से यूरोप के

सबसे अल्पसंख्यक जातीय समूह हैं जिनके विरुद्ध भेदभाव किया जाता रहा है।

''मैं बाल अधिकारों के बारे में और अधिक जानना चाहता हूं और मैं उन बच्चों की मदद कैसे कर सकता हूं जिनका मेरी तरह मुश्किल समय गुज़रा है। यदि मैं निर्णय ले सकता होता, तो मैं अपने क्षेत्र में सारा कूड़ा साफ करवा देता और नशीले ड्रग्स भी समाप्त करवा देता ताकि लोग एक–दूसरे के प्रति सहानुभूति रखें। और किसी को भी बाल गृहों में नहीं रहना होता, बल्कि वो अपने परिवारों के साथ रहता।''

## ❤ यूनिल्डा, 15

**मोज़ाम्बिक**

**उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है जिनके साथ रिश्तेदारों द्वारा दुर्व्यवहार किया गया है और फिर चुप रहने की धमकी दी गई है।**

युनिल्डा की समस्या तब शुरू हुई जब उसके माता–पिता अलग हो गए और उनकी मां को काम करने के लिए विदेश जाना पड़ा।

''मैं, मेरे भाई और बहन को हमारे दादा–दादी के साथ रहना पड़ा और मां ने घर को पैसे और कपड़े भेजे, लेकिन हमें इसमें से कुछ भी नहीं मिला। इसके बजाय मेरी दादी ने हमारे चचेरे भाई को सब दे दिये।''

अंत में, यूनिल्डा और उसके दो भाई–बहन उसके माता–पिता के पास चले गए और आशा की कि वहां स्थिति बेहतर होगी। पहले सबकुछ अच्छा था। युनिल्डा को खाना, वस्त्र मिले और उसने स्कूल जाना शुरू कर दिया। लेकिन जब वह नौ वर्ष की थी, तो कुछ हुआ जिससे सब कुछ बदल गया। हर बार जब यूनिल्डा घर पर अकेली होती थी, तब एक उससे बड़ी उम्र का रिश्तेदार आया करता था और उससे दुर्व्यवहार करता था। उसने किसी को नहीं बताया क्योंकि उस आदमी ने उसे मारने की धमकी दी अगर उसने चुप नहीं रहा। आखिरकार, बहुत लंबे समय बाद उसने दुर्व्यवहार को रोकने में मदद मांगने की हिम्मत की।

यूनिल्डा अब एक गौरान्वित डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत है जो इसके लिए लड़ा करती है कि अन्य बच्चों को कभी भी एसा अनुभव न करना पड़े। उसने शिक्षकों के विरुद्ध बच्चों को मारने और बाल विवाह का भी विरोध किया है।

''बहुत सी लड़कियां सोचती हैं कि यदि वे जल्दी शादी करती हैं तो उनका जीवन बेहतर रहेगा, लेकिन वास्तव में यह बदतर रहता है क्योंकि बाल विवाह उनके सपनों को मार देता है। हर लड़की को यह जानने की जरूरत है। मैं दूसरों के अधिकारों और अन्य बच्चों के अधिकारों के लिए लड़ाई में शामिल होने के लिए सबको प्रोत्साहित करती हूं तथा अपने अच्छे और बुरे अनुभवों को साझा करती हूं।''

जूरी बच्चे सेसेथू, एन्न, नीता और किम, मैरीफ्रेड में ग्रिपशॉल्म कासेल के सामने।

## ❤ एन्न, 15

**फिलिपीन्स**

**उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है जिनका बाल सेक्स व्यापार में शोषण किया गया है।**

एन्न फिलीपींस की राजधानी, मनीला में एक गरीब परिवार में, बड़ी हुई। वह अपने सात भाई–बहनों में से सबसे कम उम्र की थी। वह स्कूल से प्यार करती थी, लेकिन उसे पता था कि उसके बड़े भाई–बहनों की तरह उसे जल्द ही स्कूल की फीस के कारण स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

जब एन्न 11 वर्ष की थी, तब उसे पड़ोसी के घर में आमंत्रित किया गया, जहां उसे एक युवा औरत मिली जो उसकी बड़ी बहन की दोस्त थी। महिला ने एन्न को उसे ऊपर के वस्त्र उतार कर उसकी तस्वीरें लेने के लिए कहा। एन्न के समझ में नहीं आया क्यों। उसने उसकी मां को पैसे दिये, उसने यह नहीं पूछा कि यह कहां से आये। कुछ दिनों बाद, एन्न ने उसे बताया। उसकी मां को गुस्सा आया, लेकिन परिवार के अन्य लोगों ने उसे लड़ाई नही करने के लिए आश्वस्त किया। शायद वे डर गए थे कि महिला पैसे वापस मांगेगी, जो वो पहले ही भोजन पर खर्च कर चुकी थी। बाद में वही बात फिर से हुई। इस बार दो पुरुष थे जब तस्वीरें ली जा रही थीं। उनमें से एक किसी दूसरे देश का पर्यटक था।

एक वयस्क को नहीं कहने की हिम्मत करने के लिए एन्न बहुत छोटी थी। वह यह समझने के लिए भी बहुत छोटी थी कि पड़ोसी महिला बाल यौन व्यापार के माध्यम से पैसे कमाने के लिए उसका इस्तेमाल कर रही थी। एक दिन, महिला एन्न और कुछ अन्य बच्चों को लेकर एक होटल ले गई। उन्हें वहां बुजुर्गों को बेचा जाना था, लेकिन कुछ भी होने से पहले, पुलिस ने उनको पकड़ लिया। वे गुप्त रूप से महिला पर नज़र रखे थी। वह और जो पुरुष बच्चों को खरीदना चाहते थे, दोनों जेल में बंद कर दिये गए।

एन्न अब वंछित लड़कियों के लिए बने एक सुरक्षा गृह में रहती है। घर लौटने के लिए अभी भी बहुत खतरा है। ''मैं अक्सर अपने परिवार को पत्र लिखती हूं और उन्हें अपने नए जीवन के बारे में बताती हूं। मेरे बहुत सारे दोस्त हैं और मैं अपने स्कूल में खुश हूं। अब मुझे पता है कि मेरे साथ जो हुआ वह मेरे अधिकारों का उल्लंघन था, यह मेरी गलती नहीं थी। अब मैं अन्य लड़कियों की रक्षा और सशक्तता में मदद करना चाहता हूं।''

## ❤ शाई, 15

**इज़राइल**

**उन बच्चों का प्रतिनिधित्व करता है जो संघर्ष वाले क्षेत्र में बड़े होते हैं और जो शांति के लिए वार्ता करवाना चाहते हैं।**

''जब मैं आठ वर्ष का था, तो सामाजिक न्याय के लिए एक विरोध प्रदर्शन हुआ था, जिसमें मेरा परिवार शामिल था। इस अनुभव ने मुझे बदल दिया और मेरे व्यक्तित्व में परिवर्तन किया। मैंने एक 12 वर्षीय बालक को यह कहते देखा कि हम बच्चों कैसें अंतर ला सकते हैं।''

''मुझे पहली और दूसरी कक्षा में धमकाया गया, जिसने मेरा आत्मविश्वास तोड़ दिया। चौथी कक्षा में मुझे दोबारा धमकाया गया, लेकिन इस बार मैंने कराटे का उपयोग करके स्वयं को बचाव लिया जो मेने सीख लिया था। इस अनुभव ने मुझे अपने और अपने गुस्से को नियंत्रित करना सिखाया, और मैं कभी भी चोट लगने पर किसी और को चोट नहीं पहुंचाना चाहूंगा।''

''तीसरे स्तर तक इजराइल की स्थिति मेरी समझ में आ गई थीः अरब खराब हैं और यहूदी अच्छे हैं। लेकिन जब मैंने अपनी मां को यह बताया तो उसने एक नक्शा निकाला और मुझे इस संघर्ष के बारे में बताया। उस पल से मैंने समझ लिया कि कोई अच्छा या बुरा नहीं है, केवल दो विरोधी कथाएं हैं। मैं अपने दोस्तों और बच्चों को अपने चारों ओर यह दिखाने की कोशिश करता हूं कि वास्तव में कोई बुरा पक्ष और अच्छ पक्ष नहीं है, और हम सभी को इस संघर्ष को समाप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

''यद्यपि मैं अभी भी यह भूला नहीं हूं कि मैं एक संघर्ष क्षेत्र में रहता हूं, मेरे आस–पास के लोग लगातार पीड़ित हैं, दोनों तरफ के लोग। इतनी मौतें और दर्द है, कि मुझे हमेशा ऐसा लगता है कि मुझे अपने कंधे के ऊपर से देखना (सतर्क रहना) पड़ता है। हालांकि, मुझे पता है कि यदि लोग समझ सकते हैं जो मैं तीसरी कक्षा में समझ गया तो हम बेकार युद्ध लड़ने के बजाय मिल कर कुछ काम कर सकते हैं। इजराइल में एक बच्चे के रूप में, मुझे लगता है कि इस बड़ी हो चूकी दुनिया में मेरे हाथ थोड़ा बंधे हैं, अतः मैं अन्य बच्चों के साथ रह कर युद्ध के बजाय शांति चाहता हूं।

''मेरे विचार बहुत सरल हैंः हम पर्याप्त नहीं कर रहे हैं। दोनों पक्षों को यह समझने की जरूरत है कि उनका लक्ष्य शांति होना चाहिए।''

# सेसेथू महारानी से मिलती है

सेसेथू, 14, दक्षिण अफ्रीका में केप टाउन के बाहर खएलिटशा के शहरी इलाके में बड़ी हुई। वहां बहुत गरीबी, हिंसा और आपराधिकता है, और सेसेथू जो बहरी है, को हमेशा सावधान रहना पड़ता है। जब उसे साधारण सुनने वाले बच्चे चिढ़ाया करते थे, तब उसने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वह डब्लूसीपी की बाल जूरी में होगी और स्वीडन की महारानी से मिलेगी ...
जूरी में, सेसेथू बहरे बच्चों तथा अन्य अलग–अलग प्रकार से विकलांग बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है।

मैं ग्रामीण इलाके के एक गांव में बहरी पैदा हुई थी, लेकिन जब मैं छः वर्ष की थी तब हम यहां खएलिटशा रहने चले आये क्योंकि मेरे माता–पिता को काम खोजने की जरूरत थी।
''एक दिन जब हम बैठे टीवी पर एक फुटबॉल का मैच देख रहे थे, तब नशे में पुरुषों का एक समूह बाहर सड़क पर आपस में बहस करने लगा। इसमें मेरे पिता भी शामिल थे जिनकी उस समय गोली लगने से मृत्यु हो गई, तब बहस समाप्त हो गई। जब मैं नौ वर्ष की थी, तब मेरी मां बीमार हो गई और उसकी मृत्यु हो गई।
''तब से मैं अपनी दादी के साथ रह रही हूं। हमारे पास एक बुनियादी छोटा घर है। इसमें कोई शौचालय, इत्यादि नहीं है, लेकिन यह खएलिटशा के कई घरों से बेहतर है।''

### धमकाया गया

''अपने बचपन में मुझे साधारण सुनने वाले बच्चों द्वारा निरन्तर धमकाया जाता था। वे इस तथ्य का सम्मान नहीं करते थे कि मैं बोलने के लिये संकेत वाली भाषा का उपयोग करती हूं, वे केवल मुझे चेहरे बनाने और चिढ़ाने वाले संकेत देते हैं। मैं बहरी हूँ, लेकिन अपने बहरे होने पर निराश या शर्मिंदा नहीं हूँ! मुझे इस पर गर्व है! मुझे आशा है कि भविष्य में हम बहरे बच्चों के लिए स्थिति बेहतर हो जाएगी, जिससे हम साधारण सुनने वाले बच्चों से सामाजिकता बढ़ाकर उनसे संपर्क कर सकेंगें। फिर वे हमें भी समझने में सक्षम हो सकेंगे।''

06.30 स्कूल बस मुझे उठा लेती है। स्कूल पैदल जाना या टैक्सी लेना हम बहरे बच्चों के लिए विशेषतः खतरनाक है।

### एक टैक्सी लेना खतरनाक

''मैं अपना लगभग सारा समय स्कूल या घर पर बिताती हूं। यह सुरक्षित नहीं है, खासकर हम बहरी लड़कियों के लिए, जो मदद के लिए बुला नहीं सकती।
''मेरी स्कूल बस हर सुबह मुझे उठाती है। टैक्सी लेना हमारे लिए सुरक्षित नहीं है। टैक्सी ड्राइवर खतरनाक हो सकते हैं। पिछले वर्ष, मेरी दोस्त का टैक्सी ड्राइवर द्वारा अपहरण कर लिया गया था। जब वह स्कूल लौट कर आई, तब उसने बताया कि चालक ने उस पर हमला किया था। यहां कई बेधर लड़कियों पर हमला किया जाता है। उनके बीच बहुत झगड़े भी होते हैं, और उनके पास हथियार हैं जिनसे वे एक–दूसरे पर गोली चलाते हैं।''

### समान अधिकार

''अपने स्कूल में, हमने दि ग्लोब से बाल अधिकारों के बारे में सीखा है, और मैं अन्य बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में बताना चाहती हूँ। उन्हें और बाकी समाज को दिखाना चाहती हूं कि हम साधारण सूनने वाले बच्चों की तरह महत्वपूर्ण हैं

05.30 मैं जल्दी उठता हूं और स्वये को झो लेती हूं जब मेरी दादी हमारे लिए दलिया बनाती हैं।

और उनके बराबर अधिकार हैं। यदि हमें समान अवसर नहीं मिलते हैं, तो हम शक्तिहीन महसूस करते हैं।''

''अब मैं गर्व से वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ अंतर्राष्ट्रीय जूरी की सदस्य हूं। मैं अपने जूरी वाले मित्रों एवं बाल अधिकार नायकों से मिलने के लिए स्वीडन गई जो अपने पुरस्कार प्राप्त करने आए थे। बाल जूरी के सदस्यों के रूप में, हमने मैरीफ्रेड में ग्रिपशॉल्म कासेल में डब्लूसीपी पुरस्कार समारोह का नेतृत्व किया। समारोह के दौरान, उन्होंने मुझ पर एक फिल्म मुझे दिखाई और इससे मुझे बड़ा गर्व लगा।''

**08.00** मेरा पसंदीदा समय तब होता है जब मैं स्कूल जाती हूं। मेरे सारे दोस्त वहां संकेत वाली भाषा बोलते हैं।

मुझे स्कूल पसंद है! यहां हम सभी ''मैं तुम्हें प्यार करता हूं'' के लिए संकेत बना रहा है।

**17.00** जब मैं स्कूल से घर जाती हूं, तो मैं दलिया खाती हूं और अपनी दादी की सब कुछ धोने में मदद करती हूं।

**21.00** दादी और मैं बिस्तर साझा करते हैं। मुझे अपनी दादी से प्यार है और मुझे उसके साथ बिस्तर में घुसना अच्छा लगता है। मेरे लिए, मेरी दादी मेरा नाम है, जिसका होसा भाषा में अर्थ है: मेरा उपहार! *मेरा उपहार!*

**12.00** मुझे खेल और व्यायाम पसंद है। हम अक्सर शारीरिक शिक्षा की कक्षा में फुटबॉल खेलते हैं।

## महारानी को शुक्रिया!

''मुझे स्वीडन के महारानी सिल्विया को फूलों के गुलदस्ते के साथ धन्यवाद देने वाला चुना गया था।''

* worldschildrensprize.org/sesethu पर सेसेथू के बारे में फिल्म देखें।

PHOTO: OLIVIA WINBERG & SOFIA MARCETIC

# बाल अधिकारों का जश्न मनाएं

Fira barnets rättigheter

Célèbre les droits de l'enfant

Celebre os Direitos da Criança

बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन तुम पर और 18 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों पर लागू होता है। संयुक्त राज्य अमेरिका* को छोड़कर विश्व के सभी देशों ने सम्मेलन को स्वीकृति दी है (अनुपालन करने का वचन दिया है)। इसका अर्थ है कि उन्हें पहले बच्चों के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखना चाहिए और बच्चों को क्या कहना है उसे सुनना चाहिए।

सम्मेलन के मूल सिद्धांत:

सब बच्चे समान हैं और उनके समान अधिकार हैं।
हर बच्चे को अपनी मूल आवश्यकताओं को पूरा करने का अधिकार है।
हर बच्चे को दुरुपयोग और शोषण से सुरक्षा का अधिकार है।
हर बच्चे को अपनी राय व्यक्त करने और सम्मान किये जाने का अधिकार है।

सम्मेलन क्या होता है?

सम्मेलन एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है, वह देशों के बीच एक अनुबंध है। संयुक्त राष्ट्र का बाल अधिकारों पर सम्मेलन, उसके मानव अधिकारों पर छः सम्मेलनों में से एक है।

*अमरीका ने सम्मेलन पर हस्ताक्षर किए हैं लेकिन यह कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन अपने साथ बाल अधिकारों की एक लंबी श्रृंखला लाती है जो कि दुनिया के सभी बच्चों पर लागू होती है। हमने उनमें से कुछ को यहां पर संक्षेप में प्रस्तुत किया है।

**अनुच्छेद 1**
ये अधिकार दुनिया के 18 साल से कम उम्र के सभी बच्चों पर लागू होते हैं।

**अनुच्छेद 2**
सभी बच्चों के समान अधिकार हैं और उन्हें भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।
तुम्हारी उपस्थिति, तुम्हारी त्वचा का रंग, लिंग, तुम्हारी भाषा, तुम्हारा धर्म या तुम्हारे विचारों के कारण किसी को भी तुम्हारे साथ दुर्व्यवहार नहीं करना चाहिए।

**अनुच्छेद 3**
जो लोग बच्चों को प्रभावित करने वाले निर्णय लेते हैं, उन्हें बच्चों के हितों को पहले ध्यान में रखना चाहिए।

**अनुच्छेद 6**
तुम्हारे पास जीवित रहने और विकसित होने का अधिकार है।

**अनुच्छेद 7**
तुमको एक नाम एवं राष्ट्रीयता मिलने का अधिकार है।

**अनुच्छेद 9**
तुम्हारे पास अपने माता–पिता के साथ रहने का अधिकार है, जब तक कि तुम्हारे साथ बुरा न हो।
यदि संभव हो तो तुमको अपने माता–पिता द्वारा देखभाल किये जाने का अधिकार है।

**अनुच्छेद 12–15**
सभी बच्चों को यह कहने का अधिकार है जो वे सोचते हैं। तुम्हारी राय ली जानी चाहिए और तुमसे संबन्धित सभी मामलों में वो सम्मानित की जानी चाहिए – घर में, स्कूल में तथा अधिकारियों एवं अदालतों द्वारा।

**अनुच्छेद 18**
तुम्हारे माता–पिता तुम्हारी परवरिश एवं विकास के लिए संयुक्त रूप से जिम्मेदार हैं। उन्हें हमेशा अपनी रुचियों को पहले रखना चाहिए।

**अनुच्छेद 19**
तुमको हिंसा, उपेक्षा, दुराचार तथा सभी प्रकार के दुर्व्यवहार से सुरक्षा मिलने का अधिकार है। तुम्हारा अपने माता–पिता या अन्य अभिभावकों द्वारा शोषण नहीं किया जाना चाहिए।

**अनुच्छेद 20–21**
यदि तुम अपने परिवार को खो चुके हो तो तुम देखभाल प्राप्त करने के हकदार हैं।

**अनुच्छेद 22**
यदि तुमको अपना देश छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है, तो तुम्हारे पास अपने नए देश में वो सभी अधिकार हैं जो अन्य बच्चों के हैं। यदि तुम अकेले हो, तो तुमको विशेष सुरक्षा एवं सहायता मिलने का अधिकार है। यदि संभव हो तो तुमको अपने परिवार के साथ पुनः जोड़ देना चाहिए।

**अनुच्छेद 23**
सभी बच्चों को एक अच्छा जीवन बिताने का अधिकार है। यदि तुम विक्लांग हो तो तुमको अतिरिक्त समर्थन एवं सहायता मिलने का अधिकार है।

**अनुच्छेद 24**
जब तुम बीमार होते हो, तो तुमको आवश्यक सहायता एवं देखभाल मिलने का अधिकार है।

**अनुच्छेद 28–29**
तुमको स्कूल जाने और महत्वपूर्ण चीजें सीखने का अधिकार है, जैसे मानवाधिकारों के सम्मान एवं संस्कृतियों के प्रति सम्मान।

**अनुच्छेद 30**
प्रत्येक बच्चे के विचारों और मान्यताओं का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि तुम अल्पसंख्यक हो, तो तुमको अपनी भाषा, तुम्हारी स्वयं की संस्कृति और तुम्हारा अपना धर्म का अधिकार है।

**अनुच्छेद 31**
तुम्हारे पास खेलने, आराम करने और खाली समय मिलने का अधिकार है, और स्वस्थ वातावरण में रहने का अधिकार है।

**अनुच्छेद 32**
तुमको खतरनाक काम करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए, जो तुम्हारी स्कूली शिक्षा को बाधित करता हो और आपके स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता हो।

**अनुच्छेद 34**
किसी को भी तुमसे दुर्व्यवहार करने या तुमको वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। यदि तुम्हारे साथ दुर्व्यवहार किया जाता है तो आप सुरक्षा एवं सहायता मिलने के हकदार हैं।

**अनुच्छेद 35**
किसी को भी तुम्हारा अपहरण करने या तुमको बेचने की अनुमति नहीं है।

**अनुच्छेद 37**
किसी को भी तुमको क्रूर एवं हानिकारक विधि से दण्ड नहीं देना चाहिए।

**अनुच्छेद 38**
तुमको कभी भी सैनिक बनने या सशस्त्र संघर्ष में भाग लेने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

**अनुच्छेद 42**
सभी वयस्कों और बच्चों को इस सम्मेलन के बारे में पता होना चाहिए। तुमको अपने अधिकारों के बारे में जानने का अधिकार है।

बच्चे के अधिकारों के बारे में, शिकायत करने के बच्चों के अधिकार के बारे में, और worldschildrensprize.org पर वैश्विक लक्ष्यों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करें।

बच्चे के अधिकारों का 30वां जश्न मनाएं
20 नवंबर विश्व के बच्चों के लिए जश्न मनाने का दिन है।
उस दिन 1989 में, संयुक्त राष्ट्र ने बाल अधिकार के सम्मेलन को अपनाया।

## शिकायत करने का अधिकार!

यदि किसी बच्चे को उसके मूल देश में कोई सहायता नहीं मिलती अथवा उसके बाल अधिकारों का उल्लंघन किया जाता है तो वह सीधे बाल अधिकारो की संयुक्त राष्ट्र समिति में अपनी शिकायतें दर्ज कर सकता है। यह संयुक्त राष्ट्र के बाल अधिकारों के समझौते की अपेक्षा एक नए प्रोटोकॉल के कारण संभव हो सका है। जिन देशों में प्रोटोकॉल को मंजूरी दे दी गई है, उनके बच्चों को अपने अधिकारों के बारे में सुने जाने की बेहतर संभावना है। स्वीडन ने अभी तक प्रोटोकॉल को मंजूरी नहीं दी है। तुम और तुम्हारे मित्र अपने राजनेताओं से संपर्क करके उनसे मांग सकते हो कि वे ऐसा करें।

# दुनिया के बच्चे कैसे हैं?

सभी देश जिन्होंने बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मलेन की पुष्टि की है, उन्होंने बाल अधिकारों का सम्मान करने का वचन दिया है। फिर भी, सभी देशों में इन अधिकारों का उल्लंघन करना साधारण बात है।

## जीवित रहने एवं विकसित होने का अधिकार

तुमको जीवित रहने एवं विकसित होने का अधिकार है। आपको अच्छे स्वास्थ्य का अधिकार भी है, और सहायता मिलने का भी यदि आप बीमार हैं। भोजन, साफ पानी और अच्छे स्वच्छता की कमी कई बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। जब मां जन्म दे रही होती है तो खराब परिस्थितियों के कारण जीवन के पहले 24 घंटों के दौरान दस लाख बच्चे मर जाते हैं।

विश्व में पांच साल से कम उम्र के 7 में से 1 बच्चे कुपोषित हैं। यह उनके बाकी जीवन में विकास को प्रभावित करता है। अनेकों बच्चे, 15,000 प्रति दिन, पांच साल की उम्र तक पहुंचने से पहले मर जाते हैं। गरीब देशों में, आधे से अधिक बच्चे उन बीमारियों से मर जाते हैं जिनको रोका जा सकता था जैसे न्यूमोनिया, डायरिया, टिटेनस एवं एड्स। प्रति दिन, पांच साल की उम्र से कम वाले, 5 लाख बच्चे को मलेरिया मार देता है। केवल 10 में 5 बच्चों को ही चिकित्सा मिल पाती है, तथा सबसे गरीब मलेरिया वाले देशों में, केवल 10 में 5 बच्चे मच्छरदानी में सो पाते हैं। लेकिन काफी सुधार हुआ है: सन् 1990 से वैश्विक शिशु मृत्यएं आधे से अधिक कम हो गई हैं!

## नाम एवं राष्ट्रीयता

तुम्हारे जन्मदिन से ही तुमको एक नाम मिलने का तथा अपने देश के नागरिक के रूप में पंजीकृत होने का अधिकार मिल जाता है।

हर साल 140 मिलियन (1 मिलियन = दस लाख) बच्चे पैदा होते हैं। 3 में से 1 बच्चे का कभी पंजीकरण नहीं होता। कोई दस्तावेज सबूत नहीं है कि वे मौजूद हैं! इससे कुछ कार्य बाधित हो सकते हैं जैसे स्कूल जाना या डाक्टर को दिखाना!

## विकलांगताएं

यदि तुममें कोई विकलांगता है, तब भी तुम्हारे वही अधिकार हैं जो साधारण लोगों के। यदि तुम सुनने सक बाधित हो, बहरे हो, या कोई अन्य कारण से बाधित हो तो तुमको समर्थन प्राप्त करने का अधिकार है जिससे तुम समाज में एक सक्रिय भूमिका निभा सको। विकलांगताओं वाले बच्चे समाज में सबसे अधिक संवेदनशील हैं। कई देशों में उन्हें स्कूल जाने की अनुमति नहीं होती। अनेकों के साथ कमजोर प्राणियों जैसा व्यवहार किया जाता है और उन्हें छिपा कर रखा जाता है। विश्व में विकलांगताओं वाले लगभग 200 मिलियन बच्चे हैं।

## बाल श्रम

तुमको आर्थिक शोषण से सुरक्षित रहने का अधिकार है एवं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक कार्य तथा जो कार्य तुमको स्कूल जाने से बाधित करते हैं से भी। सभी कार्य 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए वर्जित है।

विश्व के सबसे गरीब देशों में, 4 में लगभग 1 बच्चे को मजबूरी में काम करना पड़ता है। उनमें से ज्यादातर को जो काम करना पड़ता हैं वह उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य, विकास और शिक्षा के लिए हानिकारक है। कुछ 5.5 मिलियन बच्चे बाल मजदूरी के सबसे खराब स्वरूपों में मजबूर हो जाते हैं, जैसे ऋण दास, सैनिक या बाल यौन व्यापार से पीड़ित। प्रति वर्ष 1.2 मिलियन बच्चे तस्करों का शिकार हो जाते हैं; कुछ अपने ही देश में जबकि अन्य को विदेशों में भेज दिया जाता है।

## शिक्षा

तुमको स्कूल जाने का अधिकार है। सभी के लिए प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय निःशुल्क होना चाहिए।

विश्व में लगभग 10 में 9 से अधिक बच्चे स्कूल जाते हैं, लेकिन अब भी 263 मिलियन बच्चे हैं जो कोई शिक्षा नहीं प्राप्त करते हैं। उनमें से 63 मिलियन 6–11 वर्ष के हैं। और अधिक बच्चे अब स्कूल जाना शुरू कर रहे हैं, किन्तु अनेकों को अपनी शिक्षा समाप्त करने से पहले पढ़ाई छोंड़ देनी पड़ती है। उनमें से आधे से अधिक बच्चे जो स्कूल नहीं जाते हैं, लड़कियां हैं।

## डिजिटलीकरण

प्रौद्योगिकी और इंटरनेट तक पहुंच बढ़ रही है, और यह बच्चों और युवाओं को सशक्त बनाने और सूचित करने में एक महत्वपूर्ण कारक है। लेकिन इंटरनेट और मोबाइल फोन तक पहुंच बराबर नहीं है।

10 बच्चों में से 3 को इंटरनेट की पहुंच नहीं है। अफ्रीका के बच्चों के लिए स्थिति सबसे खराब है, जहां 10 में से 6 के पास इंटरनेट उपलब्ध नहीं है।

## दंड

बच्चों को केवल एक अंतिम उपाय के रूप में और सबसे कम संभव समय के लिए कैद किया जा सकता है। किसी भी बच्चे को यातना या अन्य क्रूर उपचार के अधीन नहीं किया जा सकता है। जिन बच्चों ने अपराध किया है उन्हें देखभाल और सहायता दी जानी चाहिए। बच्चों को आजीवन कारावास की सजा नहीं दी जा सकती है न ही मृत्यु दण्ड दिया जा सकता है।

विश्व में कम से कम 1 मिलियन बच्चे कैदी हैं। कैदी बच्चों से अक्सर बुरी तरह से व्यवहार किया जाता है।

## युद्ध एवं शरणार्थी

युद्ध के समय तुमको सुरक्षा एवं देखरेख मिलने का अधिकार है और तब भी यदि तुम कोई शरणार्थी हो। संघर्ष से प्रभावित बच्चों एवं शरणार्थी बच्चों को अन्य बच्चों जैसे अधिकार हैं।

विश्व में लगभग 28 मिलियन बच्चों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर किया गया है, जो कुछ वर्षों पहले से कहीं अधिक है। एक विशाल बहुमत को अपने घरों को छोड़कर मजबूरी में पड़ोसी देश में रहना पड़ता हैं। पिछले 10 वर्षों में युद्ध में कम से कम 2 मिलियन बच्चे मारे गए हैं। 6 मिलियन को गंभीर शारीरिक चोटों का सामना करना पड़ा है, जबकि 10 मिलियन बच्चों को मनोवैज्ञानिक नुकसान उठाना पड़ा है। 1 मिलियन ने अपने माता–पिता को खो दिया है या उनसे अलग हो गए हैं। लगभग 3,00,000 बच्चे युद्धों में सैनिक, कैरियर्स या माइन क्लीनर्स के रूप में उपयोग किए जा रहे हैं। प्रति वर्ष 1,500 से अधिक बच्चे खानों से मारे जाते हैं या घायल होतें हैं।

## अल्पसंख्यक समूह एवं स्वदेशी लोग

जो बच्चे अल्पसंख्यक समूहों या स्वदेशी लोगों के हैं उनको अपने देश में अपनी भाषा, संस्कृति एवं मत का अधिकार है। स्वदेशी लोगों के उदाहरण – अपने देश में रहने वाले पहले लोगों को – में शामिल हैं – ऑस्ट्रेलियाई आदिवासी और ग्रीनलैण्ड के इन्युइट लोग।

स्वदेशी एवं अल्पसंख्यक बच्चों को बहुधा अन्यायों का सामना करना पड़ता है। कुछ को अपनी भाषा बोलने की अनुमति नहीं होती। अन्य को अपने धर्म का पालन नहीं करने दिया जाता। उनमें से बहुत से भेदभाव किया जाता है, जिसका अर्थ है कि उनके पास अन्य बच्चों के समान अवसर नहीं हैं, उदाहरण के लिए, जब शिक्षा और चिकित्सा देखभाल की बात आती है।

## पर्यावरण

जलवायु परिवर्तन अधिक सूखा, अधिक बाढ़, गर्म तरंगें एवं अन्य समस्याग्रस्त मौसम की स्थिति पैदा कर रहा है। बच्चे मरते हैं और घायल होते हैं, लेकिन प्राकृतिक आपदाओं से भोजन तथा स्वच्छ जल और अधिक कम हो सकता है, तथा डायरिया एवं मलेरिया के प्रसार को बढ़ा सकता है जो कि बच्चों को प्रायः प्रभावित करते हैं।

आधे बिलियन से अधिक बच्चे उन क्षेत्रों में रहते हैं जो अक्सर बाढ़ से प्रभावित होते हैं, और 160 मिलियन उन क्षेत्रों में रहते हैं जहां गंभीर सूखा पड़ने का खतरा रहता है।

## हिंसा

तुमको सभी प्रकार की हिंसा, उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं अपमान से सुरक्षा मिलने का अधिकार है।

3 बच्चों में से 1 को धमकाया जाता है। 2 और 14 साल के बीच की आयु के 4 बच्चों में से 3 को अपने घर पर किसी न किसी प्रकार के शारीरिक दंड या हिंसा को भोगना पड़ता है। कई देश अपने स्कूलों में शारीरिक दंड की अनुमति देते हैं। केवल 55 देशों ने बच्चों पर सभी प्रकार के शारीरिक दंडों पर प्रतिबंध लगाया है।

## एक अच्छी जिंदगी

तुमको एक घर, भोजन, वस्त्र, शिक्षा, स्वास्थ्य देखरेख एवं सुरक्षा मिलने का अधिकार है।

1.3 बिलियन से ज्यादा लोग, या 7 में से 1, अत्यधिक गरीबी में रहते हैं। इनमें से लगभग आधे बच्चे हैं। लगभग 100 मिलियन बच्चे सड़कों पर रहते हैं। कई लोगों के लिए, सड़कों उनका एकमात्र घर है। अन्य लोग सड़कों पर काम करते हैं और वहां अपना दिन बिताते हैं, लेकिन रात को अपने–अपने परिवारों में लौट जाते हैं।

## तुम्हारी आवाज सुनाई देनी चाहिए!

आपको यह कहने का अधिकार है कि आप किसी भी मुद्दे के बारे में क्या सोचते हैं जो आपको प्रभावित करता है। वयस्कों को निर्णय लेने से पहले बच्चे की राय सुननी चाहिए, जो सदैव बच्चे के सर्वोत्तम हित में होनी चाहिए। क्या आज तुम्हारे देश में और विश्व में इसी तरह की स्थिति हैं? तुम और बाकी विश्व के बच्चों को सबसे अच्छा पता है!

CHARLES DRAWIN

# लोकतंत्र का मार्ग

प्रति वर्ष वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ कार्यक्रम तुम्हारे लोकतांत्रिक ग्लोबल वोट के साथ समाप्त होता है, जो तुम्हारे द्वारा ही आयोजित किया जाता है! आओ समय की एक यात्रा पर चलें, जिसके द्वारा हम संसार में लोकतंत्र के उदय को देखें।

## लोकतंत्र क्या है?

सम्भवतः आप और आपके मित्र कुछ मुद्दों पर समान राय रखते हैं, लेकिन अन्य मुद्दों पर अलग–अलग विचार रखते हैं? शायद आप एक–दूसरे को सुनकर इस मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं जब तक आप एक समाधान तक नहीं पहुंच पाते, जो हर कोई स्वीकार कर ले। इस मामले में, आप सहमती में हैं और एक समझौते पर पहुंच जाते हैं। कभी–कभी आपको असहमति के बावजूद सहमत होना पड़ता है। फिर बहुमत – सबसे बड़ा समूह – निर्णय लेता है। इसे लोकतंत्र या प्रजातंत्र कहते हैं।

एक लोकतंत्र में, सभी लोगों के समान मूल्य एवं समान अधिकार होने चाहिए। हर कोई अपनी राय व्यक्त कर सके एवं निर्णयों को प्रभावित कर सके। लोकतंत्र का विपरीत तानाशाही होती है। ऐसा तब होता है जब केवल एक या कुछ लोग ही सारे निणर्य लेते हैं और किसी को भी विरोध करने की अनुमति नहीं होती। एक लोकतंत्र में, हर व्यक्ति की आवाज़ सुनी जानी चाहिए, लेकिन लोगों को आपसी सहमति द्वारा समझौता करना पड़ता है और मुद्दों पर मतदान द्वारा निर्णय लेना होता है।

प्रत्यक्ष लोकतंत्र तब होता है जब आप किसी विशेष मुद्दे पर वोट देते हैं, उदाहरण के लिए, बच्चे यह निर्णय लेते हैं कि वर्ल्ड चिल्ड्रेन्स प्राइज़ किसे मिलना चाहिए। एक अन्य उदाहरण, जब कोई देश एक निश्चित मुद्दे पर एक जनमत संग्रह रखता है। अधिकांश लोकतांत्रिक देश प्रतिनिधि लोकतंत्र द्वारा नियंत्रित होते हैं ऐसा तब होता है जब नागरिक अपना प्रतिनिधि बनने के लिए लोगों को चुनते हैं – राजनेता – जो लोगों की इच्छानुसार देश का शासन चलाते हैं।

### संयुक्त निर्णय

युगों–युगों से, लोग एक समूह, जनजाति या गांव में निर्णय लेने के लिए एकत्र होते रहे हैं, शायद शिकार या कृषि के बारे में। कुछ समूहों में संयुक्त निर्णय लेने के दौरान रस्में होती हैं। कभी–कभी एक वस्तु, जैसे एक पंख, एक से दूसरे को पहुंचाया जाता है, और जो भी उस पंख को पकड़े होता है, उसे बोलने दिया जाता है।

### लोकतंत्र शब्द का जन्म

508 ईसा पूर्व में लोकतंत्र शब्द का जन्म होता है, ग्रीक शब्द 'डैमोस' (लोगों) और 'क्रैटोस' (शक्ति या शासन) से। ग्रीस के नागरिकों को एक सीढ़ी पर चढ़ कर महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी राय देनी होती है। यदि वे एक समझौते पर नहीं पहुंच पाते हैं, तो लोग हाथ उठाकर उस मुद्दे पर वोट देते हैं। केवल पुरुषों को इस समय वोट देने का अधिकार है। महिलाओं, गुलामों और विदेशियों को नागरिक नहीं माना जाता है और उनको निर्णय लेने में कुछ कहने की अनुमति नहीं है।

### कोई महिला या दास नहीं

1789 में संयुक्त राज्य अमेरिका का पहला संविधान लिखा जाता है। इसमें कहा गया है कि लोगों को समाज संबन्धी निर्णयों पर अधिकार होना चाहिए, और लोगों को कहने और सोचने का अधिकार होना चाहिए जो वे चाहते हों। हालांकि, संविधान महिलाओं एवं दासों पर लागू नहीं होता।

508 BC 1700s 1789

### 1700 के दशक के तानाशाह शासक

1700 के दशक में, अधिकांश देशों पर तानाशाह नेताओं ने स्वेच्छा से शासन किया। यूरोप में, देशों पर राजाओं और सम्राटों का शासन होता है, जो लोगों की इच्छा को अनदेखा कर सकते हैं। लेकिन कुछ विचारक प्राचीन विचारों में रुचि रखते हैं कि सभी लोग अपने अधिकारों के साथ मुक्त और समान पैदा होते हैं। वे पूछते हैं कि समाज के कुछ समूहों में दूसरों की तुलना में अधिक शक्ति और धन क्यों होना चाहिए। कुछ लोग शासकों के उत्पीड़न की आलोचना करते हैं और मानते हैं कि यदि लोगों को अधिक ज्ञान हो तो वे समाज में अन्याय के विरुद्ध विरोध करेंगे।

### धनवान की आवाज

1789 में फ्रांसीसी क्रांति शुरू होती है। इसके पीछे के विचार यूरोप भर में फैले जाते हैं और समाज के विकास को प्रभावित करते हैं। पर अब भी, केवल पुरुषों को ही नागरिक माना जाता है। क्या अधिक है, अक्सर केवल उन पुरुषों को जो वोट देने और राजनेता बनने की अनुमति है, वे धनवान लोग हैं, जिनके पास ज़मीन और भवन हैं।

## महिलाएं मतदान देने का अधिकार मांगती हैं

1800 के अंत में, अधिक से अधिक महिलाएं राजनीतिक चुनावों में वोट देने का अधिकार मांगती हैं। 1906 में, फिनलैंड यूरोप का पहला देश है, जो महिलाओं को वोट देने देता है। 1921 में स्वीडन एवं यूके भी वैसा ही करते हैं। 1945 तक या बाद में भी, यूरोप, अफ्रीका एवं एशिया के अधिकांश देशों की महिलाओं को वोट देने की अनुमति नहीं है।

MUSEUM OF LONDON

## सबको समान अधिकार

संयुक्त राष्ट्र की मानव अधिकारों पर सार्वभौमिक घोषणा को अपना लिया जाता है। घोषणा में कहा जाता है कि सभी लोग समान मूल्य के हैं, और वे समान स्वतंत्रता और अधिकार साझा करते हैं।

## अफ्रीका में पहला लोकतंत्र

1957 में पश्चिम अफ्रीका में घाना अपने औपनिवेशिक शासक, ग्रेट ब्रिटेन से स्वतंत्र हो जाता है। क्वामे न्क्रूमा उस देश का पहला नेता बन जाता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका का उपनिवेशण सैकड़ों वर्ष पूर्व हुआ था। यूरोप की महान शक्तियों ने सैनिकों एवं खोजकर्ताओं को भेजा, जिससे वे वहां की भूमि पर कब्जा कर सकें, प्राकृतिक संसाधनों को चुरा सकें, और लोगों को गुलामों में बदल दें।

1856 | 1921 | 1947 | 1948 | 1955 | 1957

## पहला गुप्त मतपत्र

1856 में विश्व के पहले गुप्त मतदान का आयोजन तस्मानिया, ऑस्ट्रेलिया में किया गया था, जिसमें मतपत्रों का उपयोग किया गया जिन पर प्रत्याशियों के नाम मुद्रित थे।

## विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र

1947 में भारत ने स्वयं को ब्रिटिश साम्राज्य से मुक्त किया और विश्व में सबसे बड़ा लोकतंत्र बन जाता है। स्वतंत्रता की लड़ाई महात्मा गांधी के नेतृत्व में होती है, जो बिना हिंसा किये, उत्पीड़न का विरोध करने में विश्वास रखते हैं।

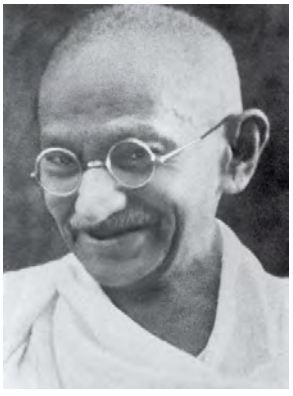

## संयुक्त राज्य अमेरिका में समान अधिकार

संयुक्त राष्ट्र की मानव अधिकारों पर सार्वभौमिक घोषणा को अपना लिया जाता है। घोषणा में कहा जाता है कि सभी लोग समान मूल्य के हैं, और वे समान स्वतंत्रता और अधिकार साझा करते हैं।

## बच्चों के लोकतांत्रिक ग्लोबल वोट

2018/2019 में वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ कार्यक्रम अट्ठारहवीं बार होगा। अब तक, लगभग 42 मिलियन बच्चों ने अपने अधिकारों और लोकतंत्र के बारे में सीखा है – हर नई पीढ़ी के लिए आवश्यक ज्ञान। यह तुमको और तुम्हारे मित्रों के लिए जिन्दगी भर सहायक रहेगा, जिससे वे एक समाज बना सकें जिसमें लोकतंत्र मजबूत हो तथा बाल अधिकारों एवं मानवाधिकारों का सम्मान किया जाता हो। जब तुम बाल अधिकारों के बारे में सब कुछ जान लेते हो, और बाल अधिकार नायकों के बारे में भी, तब समय आ गया है कि तुम लोकतांत्रिक ग्लोबल वोट की तैयारी करो। तुम्हारा वोट तुम्हारा निर्णय है। किसी को भी तुमको यह नहीं बताना चाहिए कि तुम किसे वोट दो। जो उम्मीदवार बहुमत प्राप्त करेगा, उसे 2019 का बाल अधिकारों के लिए वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ मिलेगा!

## संयुक्त राष्ट्र के बाल अधिकारों पर सम्मेलन को स्वीकार किया गया

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल अधिकारों पर सम्मेलन को अपनाया। यह बताता है कि हर बच्चे को अपनी राय व्यक्त करने और सम्मान मिलने का अधिकार है।

## अरब का वसंत

2010 में ट्यूनीशिया में एक गरीब नौजवान स्वयं को आग लगा लेता है जब उसका सब्जी का ठेला पुलिस द्वारा जब्त कर लिया जाता है। जब उसकी मृत्यु की खबर फैलती है, तो हजारों दुखी लोग तानाशाह के खिलाफ प्रदर्शन करते हैं जो देश पर राज्य करता है। पड़ोसी देशों के लोग भी प्रेरित हो जाते हैं, और मिस्र एवं लिबिया के तानाशाह शासनों को पलट दिया जाता है। आज, ये नई लोकतंत्र बेहद नाजुक हैं, और कई देशों जहां अरब के वसंत ने एक पायदान प्राप्त किया है, वे बड़ी समस्याएं अनुभव कर रहे हैं।

1989 | 1994 | 2010 | 2015 | 2018–2019

## दक्षिण अफ्रीका में सभी के लिए मतदान अधिकार

1994 में नेल्सन मंडेला दक्षिण अफ्रीका के पहले लोकतांत्रिक ढंग से निर्वाचित अध्यक्ष बन जाते हैं। वह देश की नस्लवादी रंगभेद प्रणाली के विरुद्ध अपनी लड़ाई के लिए 27 वर्षों तक जेल में रहा, जो त्वचा के रंग के अनुसार लोगों को अलग किया करता था। मंडेला का चुनाव पहली बार है जिसमें सभी दक्षिण अफ्रीका नागरिक समान स्तर पर चुनाव में भाग ले सकते थे।

## नये वैश्विक लक्ष्य (ग्लोबल गोल्स)

भले ही पहले से कहीं ज्यादा देशों ने लोकतंत्र की शुरुआत की है, फिर भी लोग अन्याय और दमन से पीड़ित हैं। अतः, विश्व के नेताओं ने 2015 में संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में एक बेहतर और अधिक न्यायपूर्ण विश्व के लिए 17 नये वैश्विक लक्ष्यों के लिए लड़ने पर सहमति व्यक्त की।

विश्व मतदान (ग्लोबल वोट) द्वारा
तुम अपनी आवाज सुना सकते हो और
यह निर्णय लेने में सहायक हो सकते हो
कि बाल अधिकारों के लिए
वर्ल्ड चिल्ड्रेन्स प्राइज़ किसे दिया जाए।

# विश्व मतदान का समय

तुमको तब तक वोट देने का अधिकार है जब तक तुम 18 साल के होते हो और बने रहते हो। जब तुम इस वर्ष का डब्लूसीपी कार्यक्रम शुरू करो, तुम ग्लोबल वोट दिवस के लिए एक दिनांक निर्धारित करो, जिससे तुम्हारे पास बहुत सारा समय बचे, कई सप्ताह या महीने, जिसमें तुम प्रत्याशियों के बारे में जान सको और जहां वे रहते है तथा सारे विश्व में बाल अधिकारों के बारे में।

किसी और को तुम्हारे निर्णय को प्रभावित नहीं करना चाहिए – न तुम्हारे मित्र, न शिक्षक और न ही माता–पिता। किसी को पता नहीं चलना चाहिए कि तुमने किसको वोट दिया, जब तक तुम उन्हें स्वयं न बताओ। जिस व्यक्ति को वोट देने का अधिकार है, उसका नाम मतदान रजिस्टर में सम्मिलित होना चाहिए। हर नाम को इस सूची से पार किया जाना चाहिए जब वे अपना मतपत्र प्राप्त करे या जब वह मतपत्र बॉक्स में अपना वोट डाले।

### 1 अपने दिन पर लोगों को आमंत्रित करो!

ग्लोबल वोट दिवस में अपने परिवार और दोस्तों, स्थानीय मीडिया और राजनेताओं को आमंत्रित करो!

### 2 कल्पनाशील मतपत्र बनाओ

### 3 प्रमुख लोगों को नियुक्त करो

- अध्यक्षता अधिकारी मतदान रजिस्टर में नामों को चिन्हित करते हैं और मतपत्र जारी करते हैं।
- चुनाव पर्यवेक्षकों को यह सुनिश्चित करना होता है कि सब कुछ ठीक से हो रहा है।
- वोट काउंटर मतदानों को गिनते हैं।

### 4 महत्वपूर्ण मतदान बूथ

मतदान कक्ष में एक बार में एक ही व्यक्ति जाए जिससे कोई उसे वोट देते समय देख न सके।

### 5 बेईमानी रोको

जो लोग भी वोट डालें, उन्हें चिह्नित करके दोबारा मतदान देने से रोकें, उदाहरण के लिए, अपने अंगूठे पर स्याही, एक पेंट की गई कील, हाथ या चेहरे पर एक रेखा। ऐसी स्याही का उपयोग करें जो आसानी से नहीं धुले!

### 6 वोटों की गणना करो

जश्न मनाओ, और फिर अपने परिणामों को डब्लूसीपी के पास दर्ज करो, सभी तीन उम्मीदवारों के लिए।

तुम विभिन्न देशों में उनके ग्लोबल वोट दिवसों पर पृष्ठों 20–33 पर जाकर प्रेरणा ले सकते हो।

# हम लड़कियों के अधिकारों के

''जब तक हमने ग्लोबल वोट के लिए स्वयं को तैयार किया, तब तक हमने बाल अधिकारों एवं लिंग समानता के बारे में बहुत कुछ सीख लिया। हमने सीखा कि बच्चों के रूप में हम अपनी आवाज़ें उठा सकते हैं और अपने अधिकारों के लिए खड़े हो सकते हैं!'' डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत ग्लोरी, 13 कहती है। वह जिम्बाब्वे में चिहोटा के मानयैरा माध्यमिक विद्यालय में अपने राजदूत सहयोगियों के साथ ग्लोबल वोट के लिए ज़िम्मेदार है। मतदान शुरू होने से पहले, ग्लोरी अपनी कविता 'बाल दुर्व्यवहार' पढ़ती है। चिहोटा में, ग्लोबल वोट एक महत्वपूर्ण एवं गंभीर कार्यक्रम समझा जाता है, लेकिन बाल अधिकारों का जश्न मनाने के लिए एक बड़ी दावत भी!

*(आप ग्लोरी तथा जिम्बाब्वे में लड़कियों के अधिकारों के बारे में पृष्ठों 94–107 पर और अधिक पढ़ सकते हैं।)*

## वे हमारी स्वतंत्रता के लिए लड़ते हैं

''आज एक महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि हम उन लोगों के लिए मतदान दे रहे हैं जो हमारे अधिकारों, हमारी आजादी के लिए लड़ते हैं! वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ ने मुझे सिखाया है कि बाल श्रम गलत है। मैं यह पहले नहीं जानती थी। बाल श्रम यहां इतना आम है कि यह पूरी तरह सामान्य लगता है। यही कारण है कि मुझे लगता है कि हमें अपने अधिकारों के बारे में जानना बहुत महत्वपूर्ण है। इस तरह हम स्वयं को शोषण होने से बचा सकते हैं।''

*तापिकनाशे, 14*

## किसी भी धोखाधड़ी रोकने के लिए चिह्नित करना

एक बार मतपत्र को मतदान पेटी में, निर्वाचन अधिकारी के पर्यवेक्षण में डाल दिया जाता है, तब मतदाता के पास अपनी छोटी उंगली पर एक स्याही चिह्न लगा दिया जाता है। इससे कोई दोबारा वोट नहीं दे सकता।

## हर किसी को स्कूल जाना चाहिए!

'आज हमने एक ऐसे व्यक्ति को मतदान दिया है जो हमारे अधिकारों के लिए खड़ा है, और यह बहुत अच्छा लग रहा है। मैंने वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ में शामिल होकर बाल अधिकारों के बारे में बहुत कुछ सीखा है, जैसे कि हर बच्चे को स्कूल जाने का अधिकार है। यहां, बहुत सारे अनाथ बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं क्योंकि उनके माता–पिता की मृत्यु हो चुकी है जिस कारण वे अपनी पढ़ाई का खर्चा नहीं उठा सकते। यह सही नहीं है। कई लड़कियां स्कूल नहीं जा पातीं क्योंकि उनकी शादी कर दी जाती है। जहां मैं रहती हूँ, वहीं लड़कियों की जबरदस्ती 15 साल की आयु में शादी कर देना आम बात है। डब्लूसीपी ने मुझे सिखाया है कि लड़कियों और लड़कों को स्कूल जाने का समान अधिकार है।''

*तपारा, 13*

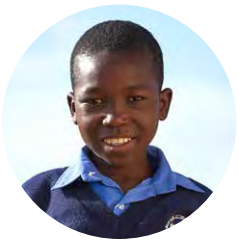

# लिए खड़े हैं!

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

यहां, तुमको अपना मतपत्र प्राप्त होता है

वोट डालने के लिए कतार

**दि ग्लोब पढ़ने का आखिरी अवसर**
मतदान देने से पहले मतदाताओं को बाल अधिकार नायकों के बारे में सब कुछ पता होना चाहिए।

**गुप्त मतपत्र**
मतदान कक्ष में, कोई भी तुमको परेशान नहीं कर सकता है न ही देख सकता है कि तुम किसे वोट दे रहे हो। तुमको गुप्त में वोट डालने का अधिकार है।

**चुनाव अधिकारी**
वे मतदाताओं को बारी–बारी से मतदान कक्ष में बुलाते हैं।

**वोट गिनने का समय!**
वोट काउंटर अपना काम शुरू करते हैं।

## छोटी सी बात पर पिटाई

''जिम्बाब्वे में, लड़कियों का मूल्य लड़कों के समान नहीं होता। हम में से कई दुर्व्यवहार और हमले की शिकार हो जाती हैं। और अक्सर हमें स्कूल जाने की अनुमति नहीं मिलती। आज, हमने डब्लूसीपी उम्मीदवारों के लिए वोट दिया जो बाल अधिकारों का सम्मान करते हैं। शायद वे उम्मीदवार यहां आकर हमारी भी मदद कर सकते हैं। हमें इसकी आवश्यकता है! वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ हमें अपने अधिकारों के बारे में बहुत कुछ सिखाता है। मुझे नहीं पता था कि माता–पिता के लिए अपने बच्चों को पीटना कितना गलत था। यहां पर, कोई भी छोटी सी बात के लिए, यह हर समय होता रहता है। अब मुझे पता है कि यह हमारे अधिकारों के विरुद्ध है। इस लिए डब्लूसीपी हमारे लिए महत्वपूर्ण है। मैं पायलट बनना चाहती हूँ। यदि मैं सफल होती हूँ, तो मैं अपने माता–पिता और अन्य रिश्तेदारों की देखभाल करूंगी जो गरीबी में रहते हैं। और मैं अच्छे कपड़े खरीदूंगी!''

*रिजॉइस, 14*

## हमें लोकतंत्र सिखाया जा रहा है

''कई बच्चों को दुर्व्यवहार का शिकार होना पड़ा है। बहुतों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता है, उनके पास घर का अधिकार और सोने की जगह नहीं होती, और कुछ के पास लगभग कोई कपड़े नहीं होते। हम डब्लूसीपी कार्यक्रम के साथ काम कर रहे हैं और हमने अपने अधिकारों के बारे में बहुत कुछ सीखा है। अब मुझे पता है कि हमें इन सभी चीजों का अधिकार है और उन्हें मूल आवश्यक्ताओं के रूप में समझा जाता है। डब्लूसीपी ने हमें यह भी सिखाया है कि लोकतांत्रिक चुनाव कैसे चलाया जाता है। यह अतिं महत्वपूर्ण है!''

*विम्बाइनाशे, 12*

# दि ग्लोब की प्रतीक्षा करना जब स्कूल

## बच्चों एवं वयस्कों को पढ़ाना

''हम फिर से दि ग्लोब के अपने स्कूल में आने के लिए बेताब थे। मैं एक बाल अधिकार राजदूत हूँ और मैं अन्य बच्चों को डब्लूसीपी कार्यक्रम के बारे में पढ़ाने की योजना बना रहा था। लेकिन एक दिन हमने स्कूल में गोलियां चलने की आवाज़ सुनी। मुझे तुरंत एहसास हुआ कि हमारे गांव पर हमला हो रहा था और मैं जितनी तेज भाग सकता था उतनी तेज़ जंगल की ओर भागा, जहां हम अपनी जान बचाने के लिए छिप गए। हमें जो कुछ भी वहां उग़ रहा था उसे खा कर जीना पड़ा। विद्रोहियों ने हमारे स्कूल पर कब्ज़ा कर लिया और लोगों को मारने के लिए वहीं इंतजार किया। उन्होंने हमारे स्कूल को नष्ट कर दिया और अनेकों घरों को जला डाला।

मुझे पता चला कि मेरे पिता का मार डाला गया। इसने मुझे बहुत दुखी कर दिया। मैंने यह भी सोचा कि शायद मैं अब कभी स्कूल नहीं जा सकूंगा।

रेडियो पर, मैंने सुना है कि हमें एक नए स्कूल में इकट्ठे होना है। जब हम पहुंचे, तब इसकी कोई दीवार नहीं थी। एक महीने बाद, दि ग्लोब हमारे नए स्कूल में आया। एक बाल अधिकार राजदूत के रूप में, मैं अपने स्कूल में, अन्य बच्चों को ही नहीं, बल्कि वयस्कों को भी आले अधिकारों के बारे में पढ़ाने जा रहा हूँ। जब मैं बड़ा हो जाऊंगा तो मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि जिन लोगों ने यह नरसंहार किया था उन पर मुकदमा चलाया जाए।''

*असेलमे, 13*

उपेन्डे के नए स्कूल में छात्र इतने भयानक अनुभवों से गुजर चुके हैं, लेकिन वे बाल अधिकारों के बारे में जानने और डब्लूसीपी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं।

डीआर कांगो में बेनी के उपेन्डे गांव में, 13 वर्षीय असेलमे, और उसके मित्र, दि ग्लोब की अपनी प्रतियों को स्कूल पहुंचने की प्रतीक्षा कर रहे थे जिससे वे फिर से डब्लूसीपी कार्यक्रम में शामिल हो सकें। लेकिन एक दिन जब वे कक्षा में बैठे थे, तब उनको गांव में अपने घरों से बंदूकों से गोलियां चलने की आवाज़ें सुनाई दीं। उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें भागना पड़ेगा और वे जंगल में भाग गए। गांव में आये विद्रोही समूह ने उनके स्कूल को नष्ट कर दिया और बहुत सारे लोगों को मार डाला। जब दि ग्लोब स्कूल पहुंची, तब तक बच्चों के नए स्कूल में कोई दीवारें नहीं थीं।

नए स्कूल में दीवारों में से एक को बनाने करने के लिए पर्याप्त लकड़ी नहीं थी। वर्षा होने पर, कक्षा में गीला हो जाता है।

## हर किसी का समान मूल्य है

''मैं अपने छोटे भाई–बहनों के साथ भाग गया। एक सशस्त्र आदमी ने मेरी छोटी बहन से बुरा व्यवहार किया। जब मेरे माता–पिता आए, तब मने एक नए स्कूल में जाना शुरू किया। एक दिन, मैंने एक दूसरे स्कूल से लड़कों और लड़कियों को दि ग्लोब के साथ आते देखा। उन्हें बाल अधिकार राजदूत कहा जा रहा था और उन्होंने हमें और हमारे शिक्षकों को डब्लूसीपी कार्यक्रम के बारे में बताया। तब मुझे हुआ यह एहसास हुआ कि सभी बच्चों का समान मूल्य है। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए लड़ना चाहता हूँ कि हमारी देश की सरकार, बच्चों के लिए जिम्मेदारी लेती है और हमारे अधिकारों का सम्मान करती है।''

*जॉर्ज, 13*

स्कूल जाने तथा खेलने का अधिकार

''जब शूटिंग शुरू हुई, मैं जंगल में भाग गया, जहां मैं जंगली फल खा कर रहता था। मेरी बहनों और अन्य दोस्तों पर विद्रोहियों ने हमला किया और उनको यौन संक्रमित बीमारियों से संक्रमित किया। उन्होंने मेरे पिता को मार डाला, और मैं हर समय उनके बारे में सोचता हूँ। जब बाल अधिकार राजदूत यहां आए, तो उन्होंने हमें सिखाया कि हमें स्कूल जाने और खेलने का अधिकार है। अब मैं स्वयं एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत हूँ तथा अन्य बच्चों को उनके अधिकारों और उनके लिए लड़ने के बारे में सिखाना चाहता हूँ जिससे दूसरों को उसका अनुभव न करना पड़ें जिससे मेरे परिवार को भुगतना पड़ा।''

*माथे, 14*

जिस विद्रोही समूह ने गांव में लोगों को मारा और घरों को जला था उसने उपेन्डे में बच्चों के स्कूल को भी नष्ट कर दिया।

PHOTOS: TUZZA ALONDA/WCPF

# नष्ट कर दिया गया

असेलमे (मुख्य समूह में), राजकुमार (समूह में बाईं ओर), विविन (समूह में पीछे), और यूजीनी तथा मैथ (समूह में दाईं ओर) दि ग्लोब से अपने स्कूल के दोस्तों को जोर से बच्चों के अधिकारों के बारे में पढ़ कर सुनाते हैं।

## मैं बच्चों एवं माता–पिता को पढ़ाता हूँ

''हर साल हम आमतौर पर कक्षा में और घर में दि ग्लोब पढ़ते हैं। मैं बाल अधिकारों के बारे में और अधिक जानने की सोच रहा था, लेकिन फिर मुझे अपनी जिन्दगी बचाने के लिए अपने स्कूल से भागना पड़ा। बाल अधिकार राजदूतों ने हमें सिखाया कि दुनिया के सभी बच्चों के समान अधिकार हैं, जैसे स्कूल जाने का अधिकार, भोजन, कपड़े और साफ पानी रखना। मैं अपने मरने तक बाल अधिकारों की रक्षा करती रहूँगा। मैं बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में शिक्षित करूंगा और उनके माता–पिता को बताऊंगा कि उन्हें बाल अधिकारों का सम्मान करना चाहिए!''

*प्रिन्स, 15*

## लड़कियों के अधिकारों पर शिक्षण

''हमारे लिए विद्यार्थियों को अच्छा प्रदर्शन करना कठिन होता है क्योंकि हमारे पास स्कूल में बड़ी मुश्किल स्थिति है। मैं अपने स्कूल और अपने गांव में एक बाल अधिकार राजदूत हूँ। मैं बच्चों को उनके अधिकारों तथा विशेष रूप से लड़कियों के अधिकारों के बारे में सिखाता हूँ।''

*विविन, 17*

## शांति रखना सीखो!

''हम स्कूल में आने वाली दि ग्लोब की प्रतीक्षा कर रहे थे, लेकिन हमें जंगल में भागना पड़ा, जहां मैं और मेरे भाई तीन दिन तक बिना कुछ खाए–पीए रहे। हम बहुत खुश हुए जब हमने देखा कि हमारे माता–पिता बच गए। बाल अधिकार राजदूत नए स्कूल में दि ग्लोब लेकर आये। डब्लूसीपी कार्यक्रम को धन्यवाद, कि हम जान गये हैं कि बाल अधिकार कितने महत्वपूर्ण होते हैं। मैं अपने स्कूल के दोस्तों और शिक्षकों को बाल अधिकारों के बारे में पढ़ाना जारी रखूंगा और साथ–साथ वयस्कों को जहां मैं रहता हूँ और हमारे नेताओं को। मैं बच्चों के बीच शांति फैलाना चाहता हूँ और वयस्कों से कहना चाहता हूँ कि वे 'शांति रखें!'''

*यूजीनी, 13*

यूजीनी के घर पर रॉकेट लॉन्चर का गोली मार उसे जला दिया गया। उसका परिवार बच गया और अब एक नए घर में रहता है।

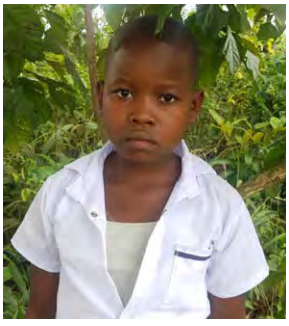

## विश्व के सबसे भयानाक युद्धों में से एक

डीआर कांगो में युद्ध 20 से अधिक वर्षों से चल रहा है और यह दुनिया के इतिहास में सबसे बड़ा और सबसे क्रूर रहा है। युद्ध में होने वाले हमलों के कारण अथवा उसके के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में भूख और बीमारियों से, जैसा कि उपेन्डे में हुआ था, पचास लाख से अधिक लोगों की मौत हो गई है। सैकड़ों हजारों बच्चों को बाल सैनिक बनने के लिए मजबूर किया गया है, सेना. नियों के लिए सेक्स गुलाम हैं या बलात्कार के अधीन हैं। लाखों लोग अपने ही देश में शरणार्थी बन गए हैं, और कई लाख बच्चे स्कूलों में नहीं पढ़ते हैं। वर्तमान संघर्ष 1994 में पड़ोसी देश रवांडा में नरसंहार के बाद शुरू हुआ था। नरसंहार के हजारों अपराधी डीआर कांगो के जंगलों में भाग गए, जहां वे बने रहे। डीआर कांगो में सोने और हीरे जैसे विशाल धन हैं, तथा टंगस्टन और कोल्टन भी, जिन खनिजों का उपयोग मोबाइल फोन, कंप्यूटर एवं कंप्यूटर खेलों में किया जाता है। यह युद्ध इस पर बहुत अधिक है कि डीआर कांगो की खानों और संपत्ति पर कौन नियंत्रण रखेगा। बेल्जियम, यूके, रूस, मलेशिया, चीन और भारत की कंपनियों की पहचान की गई है क्योंकि वे विभिन्न सशस्त्र समूहों से इन खनिजों को खरीदती हैं, जिन्हें आमतौर पर संघर्ष खनिज कहा जाता है, जो समूह क्रूरता से बाल अधिकारों का उल्लंघन कर रहे हैं और युद्ध को जारी रखे हैं।

पाकिस्तान

# ऋण दासों के लिए स्कूलों में

इरफान और सैमा के स्कूल में ग्लोबल वोट, जहां छात्र उन परिवारों से आते हैं जो कागज और अन्य कबाड़ इकट्ठा करने से जीवित रहते हैं। स्कूल के बाद हर दिन बच्चों को इस काम में मदद करनी पड़ती है।



वोट करने के लिए एक लंबी कतार है। बच्चों को अपना मतपत्र प्राप्त करने से पहले, अपने फिंगरप्रिंट छोड़ना जरूरी होता है।

## दि ग्लोब मुझे अपने अधिकारों के बारे में बताती है

''दो साल पहले तक मैं रोजाना कागज और अन्य कबाड़ इकट्ठा करने में सारा दिन बिताता करता था। फिर उन्होंने हमारे लिए एक स्कूल खोल दिया। शुरुआत में मेरे पिता मुझे वहां नहीं जाने देना चाहते थे, लेकिन मेरी मां ने उनको राजी कर लिया। शर्त यह थी कि मैं हर दिन स्कूल के बाद काम करूंगा।

मुझे स्कूल जाने बहुत अच्छा लगता है और मुझे लगता है जैसे मेरा जीवन अब बेहतर हो गया है। स्कूल बारह बजे समाप्त होता है और मैं घर आकर खाता हूँ यदि मेरी मां के पास हमारे लिए कुछ खाने का होता है। फिर मैं काम पर जाता हूँ। मैं जो इकट्ठा करता हूँ उसे एक विक्रेता को बेच देता हूँ और उससे मिले पैसे शाम को घर आने पर अपनी मां को दे देता हूँ। एक बार जब मैं अपना होमवर्क कर लेता हूँ, तब मैं आमतौर पर सो जाता हूँ।

मैं एक शिक्षक बनना चाहता हूँ और अपने जैसे सभी बच्चों के लिए कई स्कूल खोलना चाहता हूँ। जब हमें पहली बार दि ग्लोब पत्रिका मिली, तो हम बहुत खुश थे। हमारा शिक्षक इसे हमारे लिए जोर से पढ़ता है और हम उसे बहुत घ्यान से सुनते हैं। मैंने बाल अधिकारों और लड़कियों के अधिकारों के बारे में बहुत सी नई बातें

सीखी हैं। मुझे लगता है कि यह सब हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम बच्चे आमतौर पर दि ग्लोब से कहानियों के बारे में अपने माता–पिता को बताते हैं, और मेरी मां वास्तव में उन्हें पसंद करती है।

बच्चों को काम नहीं करना चाहिए, उन्हें स्कूल जाना चाहिए, और जब वे घर आते हैं तो उन्हें खेलना होना चाहिए न कि कोई काम करने के लिए कहे। हर किसी के पास अपना घर होना चाहिए और किसी को भी उसे घर से बाहर निकलने के लिए नहीं कहना चाहिए, जैसे वे हम से कहते हैं।''

*इर्फान, 13*
*ब्रिक स्कूल, बरकत कालोनी*

## हर किसी को लड़कियों के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए

''हम पीढ़ियों से कबाड़ इकट्ठा कर रहे हैं। यह गंदा काम है, लेकिन अगर हमने ऐसा नहीं किया तो हमारे पास पैसे नहीं होंगे। मैं सुबह स्कूल जाती हूँ, फिर मैं अपनी मां को धोने के साथ मदद करती हूँ और कबाड़ इकट्ठा करने के लिए जाती हूँ। जब मैं जो एकत्र करती हूँ उसे एक विक्रेता को बेचती हूँ, तो वह अक्सर मुझे अनुचित तरह से छूता है। जब मैं उसे रोकती हूँ, तो वह बस हंस देता है। मैंने दि ग्लोब से सीखा है कि लड़कियों के पास अधिकार हैं और हर किसी को हमारे अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। पुरुष अक्सर महिलाओं और लड़कियों का अपमान करते हैं। वे सोचते हैं कि लड़कियां बेकार हैं। वे अक्सर अपनी बेटियों और पत्नियों को

पीटते हैं। अगर लड़के कोई बेवकूफी करते हैं, तो कोई उन्हें नहीं रोकता। हर कोई लड़कियों से कहता है कि अगर वे कुछ बेवकूफी करती हैं तो उन्हें पीटा या मार दिया जाएगा।

मेरा शिक्षक हमें दि ग्लोब पढ़ कर सुनाता है। हम उसे ध्यान से सुनते हैं और जो हम सुनते हैं उस पर विचार करते हैं। यह बहुत सकारात्मक है कि लोगों को बच्चों के अधिकारों और लड़कियों के अधिकारों के बारे में और अधिक जानकारी मिल रही है। मुझे दि ग्लोब और डब्लूसीपी कार्यक्रम और ग्लोबल वोट में भाग लेना पसंद है। हम अपने माता–पिता के साथ दि ग्लोब में कहानियों के बारे में बात करते हैं।''

*साइमा, 13*
*ब्रिक स्कूल, बरकत कालोनी*

# ग्लोबल वोट

ईंट भट्ठे पर मतदान कक्ष।




आमीर के स्कूल में ग्लोबल वोट, जहां कई मतदान देने वाले छात्र गांव के ईंट भट्ठे में ऋण गुलाम परिवारों के सदस्य हैं। कई विद्यार्थियों को विद्यालय से पहले या उसके बाद हर दिन सैकड़ों ईंट बनाना आवश्यक है।

ईंट भट्ठी के बच्चे उर्दू में दि ग्लोब पढ़ते हैं, जो काले और सफेद रंग में छपी है।

## हम बच्चे हर समय डब्लूसीपी के बारे में बात करते हैं

''ईंट भट्ठे मालिक के लिए मेरे पिता का कर्ज का मतलब है कि हम यहां से नहीं जा सकते हैं। हम बहुत गरीब हैं और अक्सर हमारे पास भोजन नहीं होता। पैसे पाने के लिए हमारा एकमात्र विकल्प है अधिक ईंटें बनाना। यदि हम जाने की कोशिश करते, तो मालिक के लोग हमें पीट देते और मालिक को इसकी रिपोर्ट कर देते, जो शायद मेरे पिता को कष्ट पहुंचाता और मार डालता।

बचपन से ईंटें बनाना कोई मजेदार नहीं होता, लेकिन अब मेरा जीवन बहुत अच्छा है क्योंकि मैं स्कूल जा सकता हूँ। लोकिन, मुझे अपने परिवार की मदद के लिए सप्ताह में छह दिन, हर दोपहर, 200 से अधिक ईंटें बनानी पड़ती हैं।

लोग सोचते हैं कि लड़कियों का कम मूल्य होता है और हमें उनको सम्मान देने की आवश्यकता नहीं है। यहां कई लोग लड़कियों को पीटते हैं। वे नहीं चाहते हैं कि हमें बात करने की अनुमति दी जाए और अपनी बेटियों को स्कूल नहीं भेजते। लेकिन हमारे ईंट भट्ठे पर लोग अपने दृष्टिकोण बदलना शुरू कर रहे हैं। वे लड़कियों को स्कूल जाने से नहीं रोकते हैं और मैं इसे पूरी मंजूरी देता हूँ।

हमने बाल अधिकारों के बारे में सीखा है, और यह कि डब्लूसीपी कार्यक्रम के माध्यम से उनकां सम्मान किया जाना चाहिए। यह एक बहुत अच्छा कार्यक्रम है, जिसने हमें यह भी सिखाया है कि हर किसी को लड़कियों के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। जब मुझे दि ग्लोब पत्रिका मिलती है, तो मैं अपने दोस्तों को एक साथ इकट्ठा करता हूँ। मैं इसे जोर से पढ़ता हूँ और वे उसकी कहानियों को सुनते हैं। मेरी दादी मेरे पास रहती है और वह मुझे समय समय पर दि ग्लोब से और पढ़ने के लिए कहती है। ईंट भट्ठी पर लगभग हर कोई डब्लूसीपी से अवगत है क्योंकि हम बच्चे हर समय इसके बारे में बात करते हैं। और वे लोग देखते हैं कि जब हम ग्लोबल वोट में भाग लेते हैं।''

*नाइहा, 13*
*खोखर ईंट भट्टा*

## अब मैं अपने अधिकारों को समझता हूँ

''मालिक को हमारा कर्ज 700,000 रुपये (6,000 अमरीकी डालर) है। कोई भी इतना भुगतान नहीं कर सकता है। मुझे उम्मीद है कि मुझे शिक्षा और नौकरी मिल सकती है, ताकि मैं कर्ज का भुगतान कर सकूं और मेरे माता–पिता एक दिन मुक्त हो सकें। मैं एक डॉक्टर बनना चाहता हूँ।

मैं मिट्टी को ईंटों के साथ मिलाने के लिए सुबह पांच बजे अपने पिता के साथ जाता हूँ। फिर मैं 200 ईंटें बनाता हूँ, खाने के लिए घर भाग जाता हूँ और जल्दी से स्कूल चला जाता हूँ। मेरा स्कूल एक बजे समाप्त होता है, थोड़ा खाता हूँ और फिर 300 ईंट बनाता हूँ। तब मेरे पिता आते हैं और मैं अगले दिन के काम के लिए मिट्टी मिलाता हूँ। मैं छः बजे घर आता हूँ और 2–3 घंटे तक अपना होमवर्क करता हूँ।

लोग लड़कियों और महिलाओं के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते। हमने दि ग्लोब में पढ़ा है कि लड़कियों के अधिकार हैं, और मुझे लगता है कि सभी लोगों को उनका सम्मान करना चाहिए। मुझे वास्तव में डब्लूसीपी कार्यक्रम का हिस्सा बनना पसंद है। मैं बच्चों के अधिकारों और व्यक्तिगत बच्चों की कहानियों और उनके द्वारा अपने अधिकारों की रक्षा के बारे में जान रहा हूँ। अब मैं अपने अधिकारों को समझता हूँ और अपने पिता और बाकी परिवार को इसके बारे में समझा दिया है। वे भी सोचते हैं कि यह अच्छा है, और मेरे पिता अब मुझे पहले से अधिक समर्थन देते हैं। मुझे बाल अधिकार नायकों के बारे में पढ़ना प्रिय है और मैंने उनके जैसा अच्छा व्यक्ति बनने का मन बना लिया है।''

*आमिर, 14*
मजिद ईंट भट्टा

हावुका

कैरोलाइन

दुल्स

एलाइन

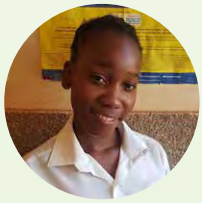
कैटरीना

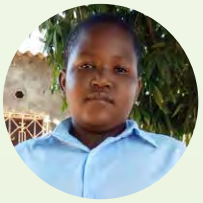
सिमियाओ

नायला

## वे मुझे 'वकील' कहते हैं

''जहां मैं रहती हूँ वहां बहुत से अन्याय होते हैं, और बच्चे स्वतंत्र रूप से बात नहीं कर सकते। डब्लूसीपी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां तस्करी और बच्चों का दुरुपयोग बढ़ रहा है। बाल अधिकार राजदूत होने का मतलब है कि प्रकाश फैलाना जहां कोई भी नहीं है। मैं परिवारों और पड़ोसियों से बच्चों के अधिकारों के बारे में बात करता हूँ। मेरी कक्षा में, वे मुझे 'वकील' कहते हैं क्योंकि मैं लिंग समानता का समर्थन करता हूँ। मैं एक चेंजमेकर बने रहूँगा क्योंकि जो लोग मुझे सबसे ज्यादा पसंद करते हैं, वे लोगों के सोचने के तरीके को बदल रहे हैं।''

*हावुका, 15,*
*कमुनहाओ ना काओलहेटा स्कूल*

## डब्लू.सी.पी. मेरा हिस्सा है

''यहां माता–पिता बच्चों के बोलने का अधिकार नहीं मानते हैं। जब एक पड़ोसी की बेटी, जो दस वर्ष की है, कुछ कहने की कोशिश करती है, उसके दादा उसे मार देते हैं। डब्लूसीपी मेरा हिस्सा है, और अधिक जानने के लिए और दूसरों को इसे पारित करने में सक्षम होने का सम्मान है। मैं लड़कियों और लड़कों को अपने अधिकारों की रक्षा कैसे करता हूँ। मैं विशेष रूप से लड़कियों और उनके परिवारों से बात करता हूँ। मैंने सीखा है कि जब हमारे अधिकारों का उल्लंघन होता है तो हमें इसे अपने पास नहीं रखना चाहिए, हमें किसी को इसके बारे में बताना होगा।''

*कैरोलाइन, 15*

## एक नायिका की तरह लगता है

''यहां लड़कों और लड़कियों के बराबर अधिकार नहीं हैं। लड़कियों को जल्दी उठना है और सभी घर का काम करना है। एक बाल अधिकार राजदूत के रूप में, मैंने बच्चों के माता–पिता से बहुत कुछ कहा है कि उन्हें बाल अधिकारों का सम्मान कैसे करना चाहिए। मुझे एक नायिका जैसा लगता है जब मैं देखती हूँ कि अन्य बच्चें मेरी सहायता से अपने अधिकारें का उल्लंघन होने पर इसे स्वीकारना मना कर देता हूँ। यह डब्लूसीपी कार्यक्रम है जिसने मुझे सिखाया है कि सभी बच्चों के अधिकार हैं और हर किसी को उनका सम्मान करना चाहिए। जब मुझे एक बच्चे से दुर्व्यवहार होता दिखता है, तो मैं इसकी रिपोर्ट करता हूँ और कहता हूँ कि ऐसा नहीं होना चाहिए। मुझे वास्तव में दि ग्लोब पसंद है। मेरी दादी मेरे सौतेले भाई को भारी कनस्तरों को ले जाने के लिए मजबूर किया करती थी, जो अनाथ है, लेकिन जब उसने दि ग्लोब पढ़ी, तो उसने महसूस किया कि वह गलत थी!''

*दुल्से, 12,*
*1 डे जुन्हो स्कूल*

मोजाम्बिक में यह सभी लड़कियां डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत हैं और उन्होंने डब्लूसीपी कार्यक्रम और प्रोजेक्ट 'मोजाम्बिक फॉर गर्ल्स राइट्स' में भाग लिया है।

## मैं दूसरों की मदद करता हूँ

''यहां लड़कियों को घर पर सारा काम करना पड़ता है और उनको हमेशा स्कूल जाने में देर हो जाती है। एक बाल अधिकार राजदूत के रूप में, मैं हमेशा इस तरह की समस्याओं को हल करने की कोशिश करता हूँ। जब मैंने उन्हें एक लड़की से कहते सुनाः ''यदि तुम काम नहीं करोगे, तो आज तुमको खाने के लिए कुछ नहीं मिलेगा'', तब मैंने उसे अपना स्कूल बैग एवं यूनीफार्म ले कर मेरे घर आने के लिए कहा। मैंने स्कूल जाने से पहले अपनी मां से उसे नाश्ता देने के लिए कहा। मेरे लिए, एक राजदूत होने का अर्थ है लड़कियों और लड़कों दोनों की मदद करना। दि ग्लोब हमें उन समस्याओं को स्वीकार नहीं करना सिखाता है जिनसे हम घिरे हुए हैं। मुझे लगता है कि मैं कई परिवारों में चीजें बदल सकता हूँ। एक लड़की जिसे हम देखने के लिए आए थे वह अपने पिता और दादी के साथ रह रही थी, और उसे सारा काम करना पड़ता था। ''क्षमा करें, लेकिन हम चाचा से उसकी मदद करने के लिए कहने आए हैं ताकि वह स्कूल जा सके।' अगले दिन, परिवार में सब कुछ ठीक था और उसके पिता ने अपनी बेटी को काम में मदद करना शुरू कर दिया था।''

*एलाइन, 12*

## हम बच्चे एक साथ मजबूत हैं

''डब्लूसीपी ने मुझे सिखाया कि मेरी आवाज कैसे सुनें और हम बच्चे कितने मजबूत हैं यदि हम अपनी आवाजें मिलकर उठाते हैं! मैं एक बाल अधिकार राजदूत हूँ और मैं अपने स्कूल के दोस्तों को अपने अधिकारों के बारे में सिखाती हूँ। जब मैं छोटा थी, तब मेरे माता–पिता ने मुझसे बात करने के बजाय मुझे मारते थे। लेकिन डब्लूसीपी कार्यक्रम ने चीजों को बदल दिया है, और मेरे माता–पिता ने मुझे मारने के बजाए मुझसे बातों पर चर्चा करना शुरू कर दिया है। डब्लूसीपी कार्यक्रम से पहले, मुझे अपनी मां की मदद करने के लिए सभी घरेलू काम करना पड़ता था। लेकिन अब मेरे भाई को भी घर का काम करने के लिए दे दिया गया है।''

*केटरीना, 16,*
*मैलंगटाना वैलेन्टे नग्वेन्या स्कूल*

## दि ग्लोब माता–पिता को समझने में मदद करती है

''जहां मैं रहता हूँ वहां मैंने माता–पिता को सिखाया है कि वे बच्चे के अधिकारों का सम्मान करें। मुझे अच्छा लगता है जब मैं लड़कियों और लड़कों की उनके अधिकारों को जानने में मदद कर पाती हूँ। हम सभी के समान अधिकार हैं, और डब्लूसीपी कार्यक्रम हम लड़कियों की सुरक्षा तथा हमारे अधिकारों के उल्लंघनों को कम करने के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है। मुझे दि ग्लोब प्रिय है क्योंकि यह बहुत सारे बच्चों को सिखाती है कि उनके भी अधिकार हैं। मेरी मां कहती है कि जब माता–पिता दि ग्लोब पढ़ते हैं, तो वे समझ जाते हैं कि उन्हें बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।''

*सिमियाओ, 12,*
*1 डे जुन्हो स्कूल*

## यहाँ चीजों को बदलना

''लड़कियां व्यवस्थित विवाह के लिए राज़ी हो जाती हैं क्योंकि वे बात करने की हिम्मत नहीं कर पातीं। हम उन्हें अपने डर को भूलना सिखाते हैं। हम माता–पिता को यह समझने के लिए भी कहता है कि उन्हें बदलने की जरूरत है। मझे अच्छा लगता है जब मैं अन्य लड़कियों या लड़कों को उनके अधिकारों को समझने में मदद करती हूँ। बाल अधिकार राजदूत के रूप में, मैं एक नए व्यक्ति की तरह महसूस करता हूँ जो बदलाव करने के लिए एक नई दुनिया में आ गया है। हम राजदूत बराबर अधिकारों के लिए लड़ सकते हैं। मैंने दि ग्लोब को अपने छोटे भाई बहनों को जोर से पढ़ा और वे मुझसे सवाल पूछते हैं।''

*नायला, 12,*
1 डे जुन्हो स्कूल

कैमरून

## डब्लूसीपी परिवार के अंदर समानता को बढ़ाता है

''हमारे घर का कानून है कि लड़कों को दुकानों में हमारे माता–पिता की सहायता करने के लिए बाजार जाना होता है, जबकि लड़कियां घर के सारे काम करती हैं। मैं एक डब्लूसीपी राजदूत हूँ और मैंने अपने घर के कानून को बदलने का फै. सला किया। मैंने अपनी मां के साथ इस पर चर्चा की और कहा कि यह गलत है कि लड़कियां घर के सारे काम करती हैं। इसलिए मैंने स्कूल के बाद घर जाकर अपनी बहनों की उनके कार्यों में उनकी मदद करने का अपना मन बना लिया। मेरे पिता ने मेरी गतिविधियों को मंजूरी नहीं दी, जिससे मेरे पिता और मां के बीच बहुत असहमति आई। मैं नहीं माना, इसलिए उन्होंने यह मामला स्कूल के अधिकारियों को बताया। प्रबंधक मेरे माता–पिता पर हँसे और सब ने इसका मज़ाक बनाया। मैने उनको समझाया कि डब्लूसीपी कार्यक्रम बच्चे के अधिकारों को निर्दिष्ट करता है और मेरे माता–पिता को दि ग्लोब देता है। इससे हमारे घर में शांति आई है और सभी परिवार के सदस्य खुश हैं। मेरे पिता ने मुझे नाश्ते बना. ने और कभी–कभी अपने कपड़े धोने के लिए कहा। मेरे भाइयों ने घरेलू कामों के साथ भी मदद करना शुरू कर दिया। मेरे परिवार का दृष्टिकोण बदलने और हमारे घर को खुश एवं शांतिपूर्ण बनाने के लिए डब्लूसीपी कार्यक्रम को धन्यवाद!''

*इवु, 11*

## स्कूल में पढ़ाई अधिक, पिटाई कम

''यहां बच्चों के जीवन में बहुत कुछ बदल गया है। डब्लूसीपी कार्यक्रम से पहले, हमारे पास कोई अधिकार नहीं था। अब वयस्क बच्चों को कम पीटते हैं और मेरे माता–पिता मुझे पहले की तरह नहीं मारते हैं। बच्चों को खेतों में काम करना पड़ता था, लेकिन जब उन्होंने बच्चों के अधिकारों और डब्लूसीपी गतिविधियों के बारे में सुना, तो उन्होंने अपने माता–पिता से स्कूल जाने की अनुमति ली क्योंकि यह उनके अधिकारों में से एक है। लड़कियां अब अपने अधिकारों के बारे में और अधिक जानती हैं और माता–पिता समझते हैं कि लड़कियों को मूल्यवान समझना चाहिए। मेरा बड़ा भाई और बहन अब घर पर एक साथ काम करते हैं, इसलिए स्थिति पहले से बेहतर हो रही हैं। मैं डब्लूसीपी कार्यक्रम के माध्यम से एक परिवर्तक बन गया और अब मैं अन्य बच्चों के जीवन के बारे में और अधिक जान गया हूँ और उनकी परवाह करता हूँ।''

*कैरिन, बाल अधिकार राजदूत*

बर्मा / म्यान्मार

## वयस्कों को पढ़ाना

''मैं चाहता हूँ कि मेरा गांव बच्चों के अधिकार का सम्मान करे। हमें बच्चों को लिंग समानता के लिए लड़ने की जरूरत है। लड़कियों और महिलाओं को दबा कर रखा जाता है, इसलिए हमें पुरुषों को शिक्षित करने का प्रयास करना चाहिए। मेरे अधिकारों के बारे में डब्लूसीपी को धन्यवाद मुझे अपने अधिकारों के बारे में पढ़ाने के लिए और मुझे गांव में अन्य बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में बताने में सक्षम बनाने के लिए। कभी–कभी मुझे स्कूल के समय खेत में जा कर काम पड़ता है, लेकिन मैं कई बच्चे देखता हूँ जो स्कूल नहीं जाते हैं क्योंकि उन्हें खेतों में काम करना पड़ता है, अपने छोटे भाई–बहनों की देखभाल करते हैं और घर के काम करते हैं। अब क्योंकि वयस्कों को बाल अधिकारों के बारे में और पता है, मुझे उम्मीद है कि बच्चों के जीवन में सुधार होगा। मैं वयस्कों को सिखाना चाहता हूँ कि लड़कियों और लड़कों के समान अधिकार हैं और समान मूल्य हैं। मैं उन्हें यह भी सिखाना चाहता हूँ कि गरीब लोगों को नीचा न समझें, बच्चों को सैनिक बनने के लिए मजबूर न करें और उनको बिलकुल भी चोट न पहुंचाएं।''

*कैरिन, बाल अधिकार राजदूत*

कई स्कूलों के बच्चे ले नार डर्न स्कूल में अपना ग्लोबल वोट देने के लिए एक साथ आए हैं।

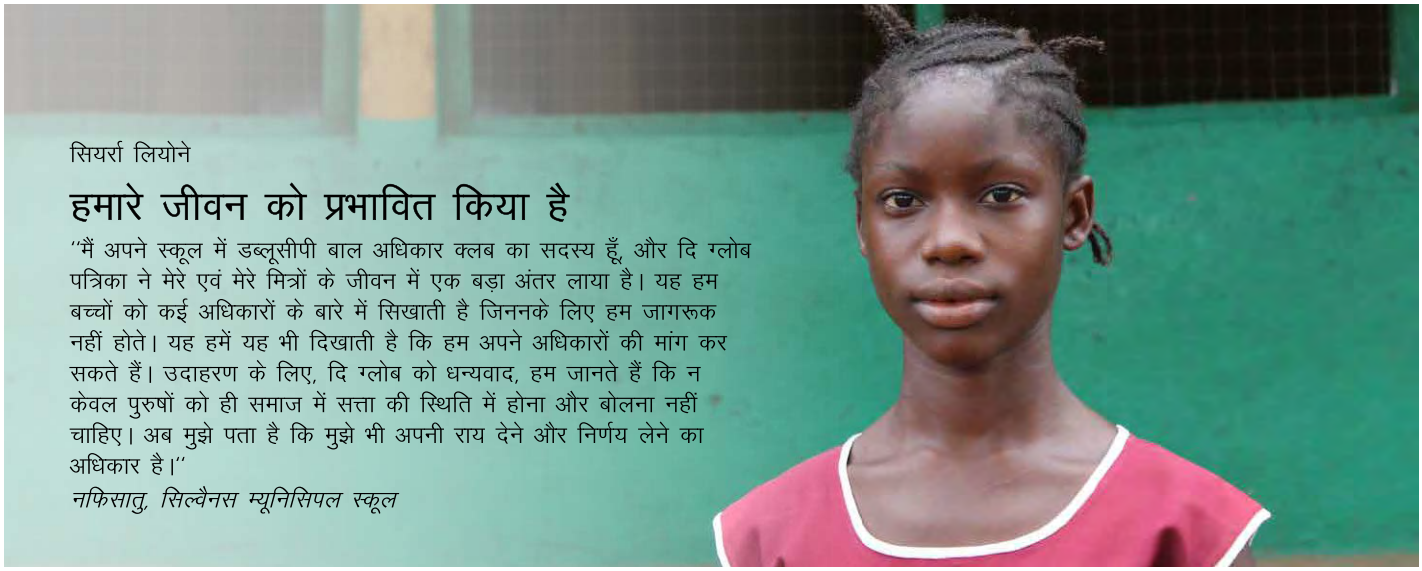

सियर्रा लियोने

## हमारे जीवन को प्रभावित किया है

''मैं अपने स्कूल में डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब का सदस्य हूँ, और दि ग्लोब पत्रिका ने मेरे एवं मेरे मित्रों के जीवन में एक बड़ा अंतर लाया है। यह हम बच्चों को कई अधिकारों के बारे में सिखाती है जिननके लिए हम जागरूक नहीं होते। यह हमें यह भी दिखाती है कि हम अपने अधिकारों की मांग कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, दि ग्लोब को धन्यवाद, हम जानते हैं कि न केवल पुरुषों को ही समाज में सत्ता की स्थिति में होना और बोलना नहीं चाहिए। अब मुझे पता है कि मुझे भी अपनी राय देने और निर्णय लेने का अधिकार है।''

*नफिसातु, सिल्वैनस म्यूनिसिपल स्कूल*

कोटे डी'आईवोयर के बैकारीडौउगौउ स्कूल में मतदान देने की कतार।

दाईं ओर का लड़का मतदान सूची पर चिन्हित किया जा रहा है और उसे अपना मत पत्र दिया जा रहा है। बाईं ओर के लड़के की उंगली पर स्याही लगाई जा रही है जिससे मतदाताओं को धोखा देने और दोबारा मतदान देने से रोका जा सके।

# कोको देश में ग्लोबल वोट

कोटे डी'आईवोयर कई कोको बागानों वाला देश है। बच्चे अक्सर कोको की फसल काटने के लिए काम करते हैं। उनमें से कुछ पड़ोसी देशों से आते हैं, और उनके साथ कभी–कभी बहुत बुरा व्यवहार किया जाता है। अन्य, बच्चे, बैकारीडौउगौउ गांव की की तरह, अपने माता–पिता के साथ काम करते हैं और डब्लूसीपी कार्यक्रम तथा ग्लोबल वोट में शामिल होते हैं।

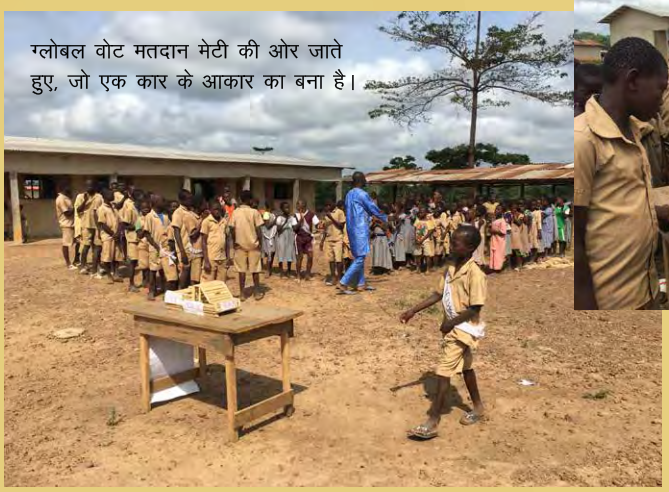

ग्लोबल वोट मतदान मेटी की ओर जाते हुए, जो एक कार के आकार का बना है।

चुनाव पर्यवेक्षकों की देखरेख में, बैकारीडौउगौउ स्कूल में वोट काउंटर के लिए अपना समय।

## सभी के लिए जन्म प्रमाण पत्र!

''मैं यहां गांव में बच्चों को जानती हूँ जिनके अधिकारों का उल्लंघन किया जाता है। उनमें से ज्यादातर के पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है। उनमें से कुछ के पास स्कूल यूनीफार्म तक नहीं है।

सुबह, मैं अपने दांतों को मांझने के बाद, 'यार्ड' को साफ करती हूँ, पानी लाती हूँ और स्नान करने से पहले धोना करती हूँ। एक बार मैं भोजन कर लेती हूँ, फिर मैं अपनी मां के साथ खेतों में जाती हूँ, शुक्रवार और रविवार को छोड़कर, जब मैं कपड़े धोती हूँ। मैं एक कुल्हाड़ी की मदद से याम फसल में से घास निकालती हूँ और कोको फली की फसल काटती हूँ।

मैं गांव के बच्चों को स्कूल की यूनीफार्म पहने देखना चाहती हूँ और उनके लिए खेतों में काम करने के लिए जाने से पहले पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराना चाहती हूँ। लेकिन सबसे अधिक, मैं चाहती हूँ कि वे जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करें।

डब्लूसीपी कार्यक्रम हमें अपने अधिकारों के बारे में बताता है, और ग्लोबल वोट हमें चुनावों के बारे में सब कुछ बताता है। मैं आमतौर पर अपने मित्रों से बाल अधिकारों के बारे में बात करती हूँ, दोनों जो स्कूल जाते हैं और जो नहीं जाते। दि ग्लोब हम बच्चों को बहुत कुछ सिखाता है, और उसने मुझे अन्य बच्चों के जीवन के बारे में भी बहुत कुछ सिखाया है।''

*लैरिस्सा, 10, बाल अधिकार राजदूत,*
*ईपीपी बैकारीडौउगौउ स्कूल*

मतदान बूथ सुनिश्चित करता है कि बैकारीडौउगौउ विद्यार्थियों के वोट गुप्त रहते हैं। कोई भी नहीं जानता कि किसने मतदान किया है।

## दि ग्लोब पढ़ना एक खोज की यात्रा जैसा है

''मैं अपने माता–पिता के साथ कोको वृक्षारोपण पर काम करता हूँ, एक कुल्हाड़ी से घास काट देता हूँ और कोको की फलियां तोड़ कर ले जाता हूँ। कभी–कभी मैं अपने पिता और बुआ के साथ काम करता हूँ, सोने के लिए पैनिंग करता हूँ। मैं कुदाल से एक गड्ढा खोदता हूँ, और जब धरती खुद जाती है तो इसे बोने के लिए पानी से कुल्लाता हूँ।

हमें माता–पिता को शिक्षित करने की जरूरत है ताकि वे अपने बच्चों को स्कूल जाने दें और भोजन कक्ष जैसी स्कूल की इमारतों का निर्माण करने में मदद करें। मेरी इच्छा है कि सभी बच्चे पढ़ने के लिए स्कूल जाएं। मेरे गांव में ऐसा नहीं है। कुछ लड़कियां विवाहित हैं क्योंकि उनके माता–पिता नहीं जानते कि स्कूल कितना महत्वपूर्ण है या युवाओं से शादी करने से सम्बन्धित सभी खतरों के बारे में है। इससे पहले, मुझे अपने अधिकारों के बारे में पता नहीं था। लेकिन अब मैं डब्लूसीपी को इसके लिए धन्यवाद देता हूँ, और मैंने अपने मित्रों से अपने अधिकारों के बारे में बात करता हूँ। मुझे डब्लूसीपी कार्यक्रम पसंद है। यह मुझे बताती है कि विश्व भर के बच्चे कैसे रहते हैं।

मेरे लिए, दि ग्लोब पढ़ना एक खोज की यात्रा की तरह है, जो मुझे बाल अधिकारों के बारे में सिखाता है। मैंने अपने माता–पिता और मेरे भाइयों–बहनों को दि ग्लोब दिखाई। वे खुश हैं कि मैंने इसे पढ़ा, लेकिन मेरे माता–पिता का लगता है कि यह झूठ है कि बच्चे वह सब कुछ कर सकते हैं जो दि ग्लोब उनको सिखाती है।''

*पौल, 14,*
*ईपीपी*
*बैकारीडौउगौउ*
*स्कूल*

वोट के परिणाम निकलने का समय हो गया।

ग्युनिया बिस्साउ

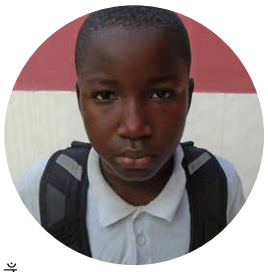

## शिक्षकों ने हमें पीटा

''मुझे वास्तव में दि ग्लोब पढ़ना प्रिय है, जिसने मुझे बहुत सी महत्वपूर्ण चीजें सिखाई हैं। स्कूल में जहां मैं अतिरिक्त सबकों में भाग लेता हूँ, शिक्षक ने विद्यार्थियों को पीटा करते हैं। कभी–कभी मैं डरता हूँ जब मैं वहां जाता हूँ। एक बार, मैंने यहां अपने शिक्षक पर विश्वास करके उसे गुप्त रूप से बताया कि शिक्षक वहां शारीरिक और मानसिक हिंसा के अधीन रहते हैं तो उसने कहा कि जो लोग इसकी अनुमति देते हैं उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। मैंने दि ग्लोब में पढ़ा है कि, बच्चों के रूप में, हमें हिंसा और हमलों से संरक्षित किया जाना चाहिए, लेकिन उस स्कूल के शिक्षक? खैर, वे इसका विपरीत करते हैं।''

*फरनैन्डो, 10*
*प्रोफसर जोस डे सौउस स्कूल*

## मैं लड़कियों को बाल विवाह से बचाना चाहती हूँ

''मैं उन लड़कियों के लिए रिसेप्शन सेंटर के पास रहती हूँ जिन्हें बुजुर्ग पुरुषों से शादी करने के लिए मजबूर किया गया है। यह वह था जिसने मुझे दि ग्लोब वोट दिया और ग्लोबल वोट में भाग लेने का मौका दिया। उनमें से कुछ भागने में कामयाब रहे। उन्होंने पुलिस से मदद के लिए कहा, और फिर वे एएमआईसी केंद्र में आए। मैं आमतौर पर उनसे मिलता हूँ, और उनको अपना मित्र बना लिया है जिन्होंने मुझे बताया कि उन पर कैसे अत्याचार किए गए थे जब तक वे अपने रिश्तेदारों की मर्ज़ी से विवाह करने के लिए मान नहीं गए। जब मैं एक 12 वर्षीय लड़की से मिली जिसको एक 60 वर्षीय व्यक्ति से शादी करने के लिए मजबूर किया गया, तो मैं बहुत दुखी हुई। इसने मुझे एक वकील के रूप में प्रशिक्षण और भविष्य में न्यायाधीश बनने का सपना दिखाया, ताकि मैं उन लोगों से न्याय कर सकूं जो इस तरह की हरकते करते हैं और लड़कियों के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं।''

*न'देई, 13,*
*डौमिंगोज़ रैमौस*
*स्कूल*

ग्युनिया

## सभी बच्चों का बराबर मूल्य है

''मेरी मां ने मुझे गांव की गरीबी से बचने के लिए राजधानी शहर में अपनी चाची के साथ रहने में मदद की, जहां मैं पढ़ना जारी रख सक हूँ। यहां, मुझे घरेलू काम करना पड़ता है और यह मेरी पढ़ाई को प्रभावित करता है, खासकर परीक्षा अवधि के दौरान। मुझे समझ में नहीं आता कि लड़कियों के अधिकारों का उल्लंघन क्यों किया जाता है जब सभी बच्चों के समान अधिकार होते हैं, भले ही वे अमीर हों या गरीब। डब्लूसीपी हमें दिखाता है कि सभी बच्चों के बराबर मूल्य है, और हम अपने अधिकारों के लिए खड़े हो सकते हैं और दूसरों को हमारी रक्षा करने के लिए प्राप्त कर सकते हैं।''

*अमिनाता*

## मैं परिवर्तन लाती हूँ

''जब मैं अपनी बात कहना चाहती हूँ तो वयस्क मुझे नहीं सुनते हैं। अगर मैं घर के सभी काम खत्म नहीं कर पाता हूँ तो मैं खेल या आराम नहीं कर सकती। यहां, बच्चों के अधिकारों का सबसे आम उल्लंघन यह है कि बच्चे स्कूल जाने में सक्षम नहीं हैं। लड़कियों को लड़कों के समान मुल्यवान नहीं देखा जाता। हमें खाना बनाना, धोना और साफ करना पड़ता है, इसलिए हमारे पास खेलने का समय नहीं होता। हमें माता–पिता को सभी बच्चों के अधिकारों का समान रूप से सम्मान करने के लिए कहना पड़ता है। डब्लूसीपी के साथ काम करके, मेरे दोस्तों और मैंने अपने ज्ञान एवं अनुभव साझा किये हैं। मैंने बाल अधिकारों के बारे में सीखा है, जिन्हें मैं पहले से नहीं जानती थी, उन नायकों के बारे में जो बच्चों के लिए लड़ते हैं, लोकतंत्र के इतिहास के बारे में और तथ्य यह है कि मुझे स्वतंत्र रूप से अपनी लोकतांत्रिक राय व्यक्त करने का अधिकार है। मैं दि ग्लोब को घर ले जाती हूँ और अपने माता–पिता को इसे पढ़ने के लिए देती हूँ। वे उत्सुक हैं! मैं खुद को किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में देखती हूँ जो परिवर्तन लाता है। एक बाल अधिकार राजदूत के रूप में, मैं बच्चों के सर्वोत्तम हितों के लिए लड़ना चाहती हूँ।''

*जैक्विलीन,15, इकोले काम्बोइन्से*

## राष्ट्रपति को दि ग्लोब दिखाओ

''मुझे अपनी राय व्यक्त करने के अधिकार को छोड़कर, अन्य सभी अधिकारों का सम्मान करने का अधिकार है। यहां, जब वयस्क बात करते हैं, तब बच्चों को कुछ भी कहने की अनुमति नहीं होती। लेकिन मैं मुझे गर्व है कि मैं एक बाल अधिकार राजदूत हूँ, और मैं सबको बताता हूँ कि उन्हें बाल अधिकारों और लोकतंत्र का सम्मान करने का अधिकार है! मैं अपने माता–पिता और दोस्तों को दि ग्लोब दिखाता हूँ। वे इसे पसंद करते हैं, क्योंकि इससे वे अपने अधिकारों के बारे में नई बातें सीखते हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि हमें अपने स्थानीय राजनेताओं को दि ग्लोब दिखानी चाहिए।
और बुर्किना फासो के राष्ट्रपति भी क्यों नहीं? बड़ा होकर मैं भी बाल अधिकार नायकों की तरह बदलाव लाना चाहता हूँ।''

*आईडा, 10,*
*इकोले प्रिवी चायफ*



## बाल विवाह को नहीं कहना

''जहां मैं रहती हूँ, वहां हम खेल नहीं पाते जैसा हम चाहते हैं। न ही हम हिंसा के खिलाफ सुरक्षित हैं, और हम खुद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त नहीं कर सकते। जब मैं बात करना चाहती हूँ, तब वयस्क मुझे चुप रहने के लिए कहते हैं। लड़कियों और लड़कों से अलग–अलग व्यवहार किया जाता है।
मैं अपने स्कूल में बाल अधिकार क्लब का नेतृत्व करती हूँ, और मैं वहां बच्चों के अधिकारों के बारे में बात करती हूँ। मैं समझाती हूँ कि लोकतंत्र का अर्थ है दूसरों को सुनना और निर्णय लेना। हमारे क्लब ने ग्लोबल वोट दिवस का आयोजन किया। इस चुनाव में मतदान अच्छा लगा जिसमें केवल बच्चे ही भाग ले सकते थे। हम दि ग्लोब को बारी–बार से घर ले जाने के लिए ले जाते हैं। मुझे यह पसंद नहीं आता जब मेरी बारी नहीं होती! मेरे भाइयों और बहनों ने इसे पढ़ा, और हम अपनी मां से उस पर भी बात करते हैं जो हमने उसमें पढ़ा है। भविष्य में, मैं उन लड़कियों के लिए घर बनाना चाहती हूँ जो परंपरा को तोड़ना चाहती हैं और बाल विवाह को नहीं कहना चाहती हैं।''

*डजैमिल्ला, 10,*
*इकोले प्रिवी ले मिस्साजेर*








# सारा परिवार दि ग्ल

बुर्किना फासो में बच्चों को दि ग्लोब एवं दी वर्ल्डज चिल्ड्रेन्स पुरस्कार प्रिय है, और कई चीजें स्पष्ट हैंः लड़कियों के अधिकारों को और अधिक सम्मान करने की आवश्यकता है, परिवार एक साथ दि ग्लोब पढ़ते हैं, और बच्चे अपने माता–पिता को बाल अधिकारों और लड़कियों के समान अधिकारों के बारे में सिखाते हैं।

## हमारे पड़ोसी ने दि ग्लोब उधार मांगी

''कुछ लड़कियों को नौकरानी के रूप में काम करने के लिए मजबूर किया जाता है। वे आराम करने की अनुमति के बिना लंबे समय तक काम करते हैं, और उन्हें भुगतान भी नहीं मिलता है। यह गलत है! कई लड़कियों को बहुत जल्दी शादी करने और स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

मैंने डब्लूसीपी कार्यक्रम के साथ बहुत सी चीजें की हैंः सबकुछ – कहानियों को पढ़ने से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लेने तक। हमारे पास स्कूल में एक बाल अधिकार क्लब है, और मैंने एक बाल अधिकार राजदूत के रूप में प्रशिक्षण लिया है। मेरे सारे परिवार ने दि ग्लोब को पढ़ा, और यहां तक कि हमारे पड़ोसी ने भी उसे पढ़ने के लिए मांगा। फिर हम चर्चा करते हैं कि हमने क्या पढ़ा है! यह पहली बार है जब उन्होंने बच्चों के अधिकारों और उनके महत्व के बारे में सुना है। एक बाल अधिकार राजदूत के रूप में, मैं हमेशा बच्चे के सर्वोत्तम हितों के लिए लड़ना चाहता हूँ। जब मैं बड़ा होता हूँ, तो मैं विकलांग बच्चों की मदद करना चाहता हूँ, क्योंकि उनसे अक्सर बुरी तरह व्यवहार किया जाता है। मैं उनके समान अधिकारों के लिए लड़ना चाहता हूँ।''

*नैन्सी एरिऐनए 10,*
*इकोले प्रिवी ले मिस्साजेर*

# लोब पढ़ता है!

## डब्लूसीपीः एक बेहतर जीवन के लिए दवाई

''मेरे स्कूल में डब्लूसीपी कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, मैंने बाल अधिकार हीरो के जीवन से दृश्यों का अभिनय किया। मैंने अपने बच्चों और माता–पिता के बाल अधिकारों के बारे में बताने के लिए, मेरे मित्र, जो बाल अधिकार राजदूत हैं, की भी मदद की। ग्लोबल वोट दिवस पर, मैंने सीखा कि बहुमत को निर्णय लेना मिलता है! मैं दि ग्लोब घर ले जाता हूँ, और मेरे माता–पिता, मेरे भाई बहन और मैंने इसे एक साथ जोर से पढ़ा। हम सीखते हैं कि कुछ लोग बच्चों को नुकसान पहुंचाते हैं, लेकिन ऐसे लोग भी हैं जो बच्चों की मदद करते हैं। दि ग्लोब एक एंटीडोट, एक टीका है, जो बच्चों के जीवन को बेहतर बनाता है।''

*वइवेस, 13,*
*इकोले कम्बिऔन्से*

## भविष्य के लिए प्रशिक्षण

''मेरा कहना है कि मुझे क्या लगता है इसका सम्मान नहीं किया जाता है। जहां मैं रहता हूँ, कुछ बच्चे पीटा जाता है और खाने के लिए पर्याप्त नहीं मिलता है। लड़कियों को लड़कों से कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, और उन्हें आराम करने का मौका कभी नहीं मिलता है। बाल अधिकार राजदूत के रूप में, मैं अपने माता–पिता, स्थानीय नेताओं, शिक्षकों और बच्चों को पढ़ता हूँ जहां मैं बच्चों के अधिकारों और मुफ्त विकल्पों का अधिकार रखने के अधिकार में रहता हूँ। डब्लूसीपी हमें भविष्य के लिए प्रशिक्षित करता है और एक ऐसी दुनिया जहां बच्चों के अधिकारों का सम्मान किया जाता है।''

*जर्मेन, 11,*
*इकोले प्रिवी प्रामेरी टिक्सिंगुडी विडा*

बिबाता सीईजी तांगिन बैराज में डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब की एक बैठक की ओर जाता है।

## डब्लूसीपी मेरे परिवार को सिखाता है

''क्योंकि मैं एक लड़की हूँ, मेरे पास खेलने का समय कभी नहीं है। वे मुझे बताते हैं कि मुझे कपड़े धोना है। जब मैं इसे खत्म कर लेती हूँ, तो मुझे धोना होता है। और उसके बाद, मुझे साफ करना होगा। कुछ अन्य बच्चे भी स्कूल नहीं जा सकते और कभी भी अन्य बच्चों के साथ समय नहीं बिता सकते। ऐसा लगता है कि वे जेल में हैं। बहुत सी लड़कियों को शिक्षा नहीं मिलती है और उनकी शादी हो जाती है। डब्लूसीपी कार्यक्रम का हिस्सा होने से मुझे खुशी मिलती है। मैंने इतनी सारी नई चीजें सीखी हैं, जैसे कि लोकतंत्र, बिना धोखे के, स्वयं को चुनने का अधिकार है। मैं एक बाल अधिकार राजदूत हूँ, और मैं बाल अधिकारों के लिए खड़ा हूँ। घर पर, मैंने दि ग्लोब से अपने परिवार को ज़ोर से पढ़ा। वे बाल अधिकारों के बारे में सीखते हैं, और हम इस विषय में बहुत कुछ बोलते हैं।''

*एनाबैल्ली, 11, इकोले कम्बिऔन्से*

## दि ग्लोब एक खजाने की पेटी है

''जहां मैं रहता हूँ, कई लड़कियों को बहुत मेहनत करनी पड़ती है। कुछ वयस्कों के युवा लड़कियों के साथ यौन संबंध है। कुछ लड़कियां जो काम करती हैं उन्हें अपने माता–पिता को मिलने वाले सभी पैसे देना पड़ता है, और खाने के लिए शायद ही कोई भोजन मिलता है।

मैंने अपने दोस्तों और परिवार को दि ग्लोब पढ़ा। मेरा एक दोस्त इसे वापस नहीं देना चाहता था – वह इसे अपने स्कूल में दूसरों को दिखाना चाहता था। दि ग्लोब एक खजाना छाती है! डब्लूसीपी अच्छा है क्योंकि यह हमें अधिकारों और दायित्वों के बारे में जानकारी देता है। मैं खुद को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखता हूँ जो परिवर्तन के बारे में बताता है, क्योंकि मैं बच्चों के अधिकारों के लिए खड़ा हूँ। मैं अपनी मां को समझाता हूँ कि लड़कियों और लड़कों के पास समान अधिकार हैं। जब मैंने ग्लोबल वोट डे पर मतदान किया, तो मुझे लगा जैसे मैं बच्चों के अधिकारों के लिए लड़ रहा था!''

*एस्टैली, 12,*
*इकोलवा मल्गबा डे पल्ग्रे*

बिबाता सीईजी तांगिन बैराज में डब्लूसीपी बाल अधिकार क्लब की एक बैठक की ओर जाता है।

## नेपाल

मुझे दूसरों की मदद करना सिखाया

"मेरे गांव में, बच्चों के अधिकारों का सम्मान किया जाता है, लेकिन सिर्फ इसलिए कि बच्चों को स्कूल में भेजा जा रहा है, इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें पौष्टिक भोजन मिल रहा है। बाल श्रम को रोकने के लिए मैं उस व्यक्ति से बात कर सकती हूँ जो काम के लिए बच्चे का उपयोग करता है। डब्लूसीपी कार्यक्रम का मेरे जीवन पर बहुत बड़ा असर पड़ा है। इसने मुझे दूसरों की जरूरतों की मदद करने के लिए सिखाया है। मैं दि ग्लोब को घर ले गई है। मेरी मां ने भी इसे पढ़ा और मुझे बताया कि हम इससे कई चीजें सीख सकते हैं। मैं बाल अधिकारों की रक्षा करना शुरू कर दूंगी और सारी जिन्दगी करती रहूँगा।"

*कामना, 15,*
*श्री तपेश्वर स्कूल*

बेनिन

## मैं बदलाव ला सकता हूँ

"बड़ा हो कर मैं बच्चों को हमले, दास श्रम एवं यौन हिंसा के खिलाफ लड़ना चाहता हूँ, खासकर लड़कियों से जो विशेष रूप से कमजोर हैं। डब्लूसीपी ने मुझे अपने अधिकारों के बारे में और अधिक बताया है तथा यह भी कि मैं परिवर्तन लाने के लिए क्या कर सकता हूँ।"

*हर्मिओने, 15, बाल अधिकार राजदूत,*
*एल्फ्रेड वेस्टफाल स्कूल*

## कमज़ोर लड़कियों के लिए आवाज बनना चाहता है

"एक बाल अधिकार राजदूत बनने के लिए प्रशिक्षित होने के बाद, अब मैं बाल अधिकारों की रक्षा करने और उन बच्चों के लिए आवाज़ उठाने के लिए तैयार हूँ जिनकी आवाजें नहीं सुनी जाती। यह उन लड़कियों के लिए विशेष रूप से सच है जो अक्सर भेदभाव और यहां तक कि हमलों का अनुभव करती हैं। मैं अपने स्कूल में डब्लूसीपी कार्यक्रम को लागू करने में मदद करूंगा। हमने सीखा है कि लोकतंत्र कैसे काम करता है, इसलिए मैं विशेष रूप से ग्लोबल वोट दिवस की प्रतीक्षा कर रहा हूँ!"

*श्रामदीनियथ, बाल अधिकार राजदूत,*
*ल गैटे स्कूल*

तनज़ानिया

तंजानिया में मासाई बच्चों के लिए एंगिलैंगेट स्कूल में ग्लोबल वोट।

सेनेगल

## डब्लूसीपी बाल विवाह समाप्त कर देता है

"डब्लूसीपी कार्यक्रम ने मुझे बाल अधिकारों के बारे में बहुत कुछ सिखाया है और मेरे निरंतर अध्ययन के लिए रास्ता बना रहा है। तीन वर्ष तक डब्लूसीपी से जुड़े रहने के बाद, हमारे गांव में बाल विवाह समाप्त होना शुरू हो गया है, हालांकि कुछ माता–पिता अब भी अपने बच्चों की शादी कर देते हैं।"

*कौरसौमा,*
*टौफन्डे गैन्डे स्कूल*

## लड़ने का साहस

"मेरी उम्र की अनेकों लड़कियां पहले ही शादी कर चुकी हैं। डब्लूसीपी कार्यक्रम उनको अपनी स्थिति से निपटने के लिये शक्ति देता है। आखिरकार, अगर मैं हार लूं, तो मेरी सभी बहनें भी हार जाएंगी। डब्लूसीपी के माध्यम से, हम वयस्कों को भी सिखाते हैं कि वे अपने बच्चों की शादी जल्दी न करें। हम गांव में हर किसी को समझाते हैं कि बच्चों को स्कूल जाने का अधिकार है, और उस बच्चे के विवाह से उनकी बेटियों के जीवन और स्वास्थ्य से संबन्धित गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। मुझे खुशी है कि डब्लूसीपी ने मुझे और अन्य लड़कियों को अपने अधिकारों के लिए लड़ने का साहस दिया है।"

*थिल्लो, 17,*
*लायसी डे गलोया*

## अपने पिता को उनका मन बदलने के लिए प्रेरित किया

"मेरे पिताजी ने मुझे और मेरे सभी भाई बहनों को स्कूल जाने दिया। डब्लूसीपी के बिना, वह कभी इस पर सहमत नहीं होते।"

*कौरसौम, 13,*
*टौफन्डे गैन्डे स्कूल*

## डब्लूसीपी गांव में सबको बदल देता है

"पहले, मेरे पिता चाहते थे कि मैं अपनी पारिवारिक परंपरा जारी रखूं: स्कूल छोड़ दूं और इसके बजाय हमारे गांव में कुरान स्कूल में जाऊं। डब्लूसीपी ने मेरे मन में अपने स्कूल में ही पढ़ते रहने की चाहत जगाई, और मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ जब मैंने अपने स्नातक बनने के दिन पर अपने पिता को देखा जो बड़ी दूर नदी को पार करके मेरे पास आए और मुझसे पूछा कि क्या मैं पास जाऊंगा! डब्लूसीपी वास्तव में पूरे गांव में सभी को बदल देता है!"

*टबउ, 14,*
*टौफन्डे गैन्डे स्कूल*

कांगो ब्राज़ाविल्ले

## हम सब बराबर हैं

"मेरे भाई और मैं छठी कक्षा से दि ग्लोब को पढ़ रहे हैं। इससे हमें गरिमा के साथ बढ़े होने में मदद मिली है, क्योंकि हम जानते हैं कि यद्यपि हम बच्चे हैं, फिर भी हम सभी के समान अधिकार हैं और सब बराबर हैं। हमारे माता–पिता ने डब्लूसीपी के प्रति हमारी वचनबद्धता को समझ लिया और हमें ग्लोबल वोट में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।"

*बेनी, 15,*
*ला फ्रैटरनाइट स्कूल*
*कांगो ब्राज़ाविल्ले*

कांगो ब्राज़्ज़विल्ले में जेपीई मिकालौ स्कूल में ग्लोबल वोट।

घाना

घाना के जेमस्टार स्कूल में वोटिंग कतार तथा वोटों की गणना।

फिल्लिपीन्स

## डब्लूसीपी बच्चों को एकजुट करता है

"डब्लूसीपी कार्यक्रम बच्चों के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे उन्हें सुना जा सके। उसने बाल शोषण, शोषण एवं हिंसा के अन्य रूपों के खिलाफ अपनी आवाज उठाने में दुनिया भर के बच्चों को एकजुट किया है। एक परिवर्तनकर्ता के रूप में मैं अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए अन्य बच्चों को प्रभावित करने के लिए इस कार्यक्रम से प्राप्त ज्ञान का उपयोग करूंगा।"

*मार्सिडा, 16,*
*मैंगलिन स्कूल*

## हमें सिखाता है कि हम अच्छे काम करें

"डब्लूसीपी कार्यक्रम मेरे जैसे अन्य बच्चों जिनको मदद की जरूरत है की आवाज सुनने में मदद करता है। डब्लूसीपी का भाग होना हमारे बच्चों के लिए सबसे अच्छी बात है क्योंकि यह हमें अपने अधिकारों के बारे में जानने में मदद करता है और हमें दूसरों के लिए अच्छा काम करने के लिए भी सिखाती है। मुझे आशा है कि किसी दिन मैं दुर्व्यवहार का अनुभव करने वाले अन्य बच्चों की भी मदद कर सकूंगी।"

*त्रिशा, 11,*
*एलाबेल सेन्ट्रल स्कूल*

## टोगो पुरानी आदतों को बदलना चाहता हूँ

"हर दिन जो भगवान हमें देता है, उसमें हम डब्लूसीपी क्लब में अपने मित्रों तथा अपने शिक्षकों से मानवाधिकारों के उल्लंघनों, लोकतंत्र के सम्मान की कमी और पर्यावरणीय समस्याओं की चर्चा करते हैं। हमने कई गांवों में अभियान चलाए हैं। डब्लूसीपी ने हमें परिवर्तनकर्ता बना दिया है, और हम पुरानी आदतों को बदलने और एक बेहतर विश्व के लिए काम करने की योजना बना रहे हैं।"

*जस्टाइन, 11,*
*ईएलपी सिनौउ स्कूल*

## कमज़ोर लड़कियों की आवाजें

"हम यह सुनिश्चित करने के लिए लड़ रहे हैं कि अब ऐसे बच्चे नहीं हैं जो अपनी आवाजें नहीं सुना सकें। जब हम आवाजों के बिना वाले बच्चों के बारे में बोलते हैं, तो हमारा मतलब है उन लड़कियों से होता है जो हिंसा और यौन हमले की भोगी है। जब दि ग्लोब यहां आई, तब हमने उसमें बाल अधिकारों पर लेखों एवं बच्चों की कहानियों से प्रेरणा ली। अब हम उन भयानक परिस्थितियों को खत्म करने के लिए और भी दृणता से लड़ रहे हैं जो लड़कियों को स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर करती हैं और जो उनके भविष्य को नष्ट कर देती हैं। और दि ग्लोब वास्तव में एक हथियार है जो हमें अपने स्कूलों में इस पर रोक लगाने में मदद करती है।"

*इलेट, 12,*
*सीईएफ लंकौवी स्कूल*

## स्पेस को क्यों नामित किया गया है?

# बाल अधिकार हीरो प्रत्याशी
# Spès Nihangaza

पृष्ठ 34–51

**स्पेस निहान्गज़ा को वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के लिए इसलिए नामांकित किया गया है क्योंकि 25 से अधिक वर्षों से वह बुरुंडी के अनाथ और सबसे संवेदनशील बच्चों की मदद करने के लिए संघर्ष कर रही है।**

दुनिया के तीसरे सबसे गरीब देश बुरुंडी में पांच बच्चों में से एक, लगभग 700,000 बच्चे, अनाथ हैं। जन्म के समय दस बच्चों में से चार कभी पंजीकृत नहीं कराये गए थे, जिससे उनको स्वास्थ्य देखभाल मिलना, स्कूल जाना या संपत्ति का उत्तराधिकारी होना कठिन हो गया। जब स्पेस और उसकी बहन कैरिटैस बड़े हो रहे थे, उन्हें बीमार और कमजोरों की मदद करना सिखाया गया। जब 1992 में, उन्होंने उन बच्चों की देखभाल शुरू की जिन्होंने अपने माता–पिता को एड्स में खो दिया था, तब उन्होंने एफवीएस नामक संगठन की स्थापना की, जिसे अब एफवीएस अमाडे कहा जाता है। 1993 में शुरू होने वाले लंबे गृह युद्ध के दौरान सामूहिक हत्या ने कई बच्चों को अनाथ कर किया। स्पेस और एफवीएस ने इन बच्चों को नए घरों में भेजने का काम किया है।

एफवीएस एक बोर्डिंग स्कूल चलाता है, जो सड़क के बच्चों और क्लीनिकों का केंद्र है, बच्चों को स्कूल जाने और स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंचने में मदद करता है, और गरीब परिवारों के लिए एक सामाजिक बीमा निधि चलाता है। एफवीएस ने 1,700 एकजुटता समूहों की एक प्रणाली बनाई है, जिसमें ग्रामीण एकत्रित होते हैं और पैसों का भुगतान करते हैं, जिसका उपयोग फिर छोटे व्यवसाय शुरू करने, बच्चों के स्वास्थ्य देखभाल, स्कूल यूनीफार्मों एवं स्कूल सामग्री के लिए किया जाता है। गरीब परिवारों को समर्थन दिया जाता है, और अनाथ बच्चों को बढ़ावा दिया जाता है और स्कूल जाने के लिए समर्थन प्रदान किया जाता है। स्पेस ने बाल संरक्षण समूहों की एक प्रणाली भी बनाई है जो कानूनी और मनोवैज्ञानिक समर्थन प्रदान करके जिन बाल अधिकारों का उल्लंघन किया गया है, उनकी सहायता करता है। स्पेस को कभी–कभी ''50,000 बच्चों की मां'' कहा जाता है क्योंकि वह और एफवीएस अमाडे इतने सारे बच्चों को बेहतर जीवन देने में मदद करते हैं।

**जब स्पेस निहान्गज़ा और उनकी बड़ी बहन कैरिटैस बड़े हो रहे थे, तो उन्हें दूसरों की मदद करना सिखाया गया था। बुरुंडी की राजधानी बुजंबुरा के एक अस्पताल में बीमार मरीजों की मदद करते समय, उन्हें जल्द ही एहसास हुआ कि मरीजों के बच्चों को भी मदद की जरूरत थी। इसलिए उन्होंने एफवीएस स्थापित किया, जो अब देश भर में बाल अधिकारों की रक्षा के लिए काम करती है।**

यह सब तब शुरू हुआ जब 1989 के अंत में स्पेस के चाचाओं में से दो बीमार हो गए। स्पेस ने हाल ही में एक फार्मासिस्ट के रूप में योग्यता प्राप्त की थी और एक फार्मेसी में काम कर रही थी। उसकी बड़ी बहन कैरिटैस एक नर्स का काम करती थी।

यह दो बहनें और उनके सात अन्य भाई–बहनों दूसरों की देखभाल करने के आदि थे। उनके घर का दरवाज़ा किसी भी व्यक्ति की सहायता करने के लिए खुला रहता था, जिसको मदद की जरूरत थी। स्पेस के दादाजी अक्सर बात करते थे कि उनके पर–पर दादाजी ने उनके गांव में एक घातक महामारी के समय अनाथ बच्चों की देखभाल की थी।

स्पेस के माता–पिता का घर उनके कई चचेरे भाई–बहनों का घर भी रहा, जो अपने माता–पिता की कार दुर्घटना में मृत्यु के बाद रहने चले आये थे। स्पेस के माता–पिता ने कहा कि उनके बच्चों को अपना भोजन और कमरा दोनों रिश्तेदारों एवं पड़ोसियों के साथ साझा करने के लिए तैयार रहना चाहिए जिन्हें सहायता मिलती।

इसलिए पूरे परिवार के लिए यह कदम उठाना और दो चाचाओं के बीमार होने पर उनकी मदद करना पूरी तरह से प्राकृतिक महसूस हुआ। भाई–बहनों और चचेरे भाई–बहनों ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक कार्यक्रम तैयार किया जिसमें चाचाओं का आना हर दिन हो। वे उनके लिये भोजन लाये और धोने, शेविंग तथा उनके बाल काटने में मदद करते थें। वे साफ कपड़े लाए, बैठे और उनसे बात की। कोई नहीं जानता कि चाचाओं में क्या बिगड़ गया था।

एक दिन, जब स्पास अस्पताल पहुंची, तो उसने देखा कि अन्य रोगी उसे देख रहे थे।

''प्रिय चाचा, हर कोई मुझे ऐसे क्यों देख रहा है?'' उसने पूछा।

''ठीक है, हर बार जब आप यहां आती हैं तो वे सिर्फ आपके जाने का इंतजार कर रहे हैं ताकि वे आपके द्वारा लाए जाने वाले कुछ भोजन में से कुछ खा सकें। यहां शायद ही किसी और के आगंतुक मिलने आते हैं।''

### बहुत सारे बच्चे

जब वह घर गई, तो स्पेस ने अपने बाकी परिवार को बताया कि उसे क्या पता चला था। उन्होंने उनके साथ थोड़ा अतिरिक्त भोजन लेने

स्पेस और उसकी बड़ी बहन कैरिटैस (स्पेस के बाईं ओर खड़ी) एक घर में बड़े हुए जहां उन्होंने हमेशा बीमार, गरीब और बेसहारों की मदद करने का प्रयास किया, और उन्होंने अपने पूरे जीवन में ऐसा करना जारी रखा है। यहां वे एक एकजुटता समूह का दौरा कर रहे हैं, जिनके सदस्य अनाथाश्रम के बच्चों का ख्याल रखते हैं और यह सुनिश्चित करने में सहायता करते हैं कि वे स्पेस द्वारा बनाई गई प्रणाली के अनुसार स्कूल जाते हैं।

का फैसला किया, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि वे जितना भोजन लाते थे, वह कभी पर्याप्त नहीं होता था।

उसकी बड़ी बहन कैरिटैस ने अस्पताल में महिलाओं के वार्ड का दौरा करना शुरू कर दिया। उसने देखा कि कई महिलाओं के साथ उनके बच्चे थे, क्योंकि उनकी देखभाल करने के लिए कोई और नहीं था।

जितना संभव हो उतने मरीजों की मदद करने के लिए, स्पेस, कैरिटैस और उनके भाई–बहन तथा चचेरे भाई–बहन ने अपने दोस्तों, पड़ोसियों और सहयोगियों से पूछा कि क्या वे मदद कर सकते हैं। जल्द ही अस्पताल में स्वेच्छा से अपना समय देने के लिए मरीजों के परिवार के बजाय लोगों का एक काफी बड़ा समूह एकत्रित हो गया।

स्पेस की छोटी बहन, जो डॉक्टर होने का अध्ययन कर रही थी, अस्पताल में डॉक्टरों के संपर्क में आई। एक दिन डॉक्टरों ने समझाया कि उनके बीमार चाचाओं और कई अन्य मरीजों को एड्स थी।

जो बच्चे एड्स, गृह युद्ध के दौरान सामूहिक हत्याओं या अन्य कारणों के परिणामस्वरूप अनाथ हो गए हैं, उन्होंने स्पास को सदैव अपना दोस्त पाया है।

## हमारे बच्चों की मदद करें

और तब वह दिन आया जब एक औरत, अपनी छोटी लड़की को छोड़कर मर गई।

''अब हम क्या करें?'' कैरिटैस ने पूछा।

''हमें सभी को एक बैठक में बुलाना होगा,'' स्पेस ने कहा।

उन्होंने लड़की की देखभाल करने के लिए समाचार पत्रों, रेडियो पर और विभिन्न चर्चों में विज्ञापन दिया। वह छह महीने तक कैरिटैस परिवार के साथ रहती रही। तब लड़की की चाची आई और वह उसके साथ रहने के लिए चली गई। अधिक से अधिक रोगी स्पेस, कैरिटैस और अन्य लोगों को अपनी मृत्यु के समय अपने बच्चों की देखभाल करने में मदद करवाना चाहते थे। दो–चार रोगी उनकी मदद लेने के लिए भुगतान भी करना चाहते थे।

''हमें एक संगठन स्थापित करने की जरूरत है,'' स्पेस से कैरिटैस ने कहा।

1992 के अंत में, स्पेस और कैरिटैस ने एफवीएस की स्थापना की ('फैमिली टू फाइट एड्स' अर्थात एड्स से लड़ने के लिए परिवार)। उन्होंने मरीजों के बच्चों के लिए भोजन खरीदने और स्कूली शिक्षा के लिए भुगतान करने के लिए दिये गए पैसे का इस्तेमाल किया।

## और अधिक सहायता

जब बुरुंडी की सरकार ने गरीब लोगों को सस्ते स्वास्थ्य देखभाल की पेशकश शुरू कर दी, तो एफवीएस हेल्थकेयर कार्डों का वितरण करने में मदद करने में लग गया। सरकार के साथ स्पेस का संपर्क होने से उसे अन्य संगठनों के साथ बैठकों में आमंत्रित किया जाने लगा।

''जिस तरह से आपने काम करने के तरीके के बारे में बात की थी, वो मुझे पसंद आया।,' स्विट्जरलैंड की एक महिला ने कहा।

स्पेस ने कहा धन्यवाद, लेकिन फिर महिला ने परियोजनाओं नामक किसी चीज के बारे में बात करना शुरू कर

दिया।

''मुझे खेद है, मुझे समझ में नहीं आता कि जब आप परियोजनाओं के बारे में बात करती हैं,'' स्पेस ने कहा।

''क्या आप अपना काम परियोजनाओं के रूप में नहीं करते हैं? फिर आप अपना काम करने के लिए वित्त पोषण के लिए कैसे आवेदन करते हैं? महिला ने सोचा।

''यदि मैं आपसे पूछती हूं कि आप जो पैसा कमाते हैं उसके साथ क्या करने की योजना है, तो आपका जवाब क्या होगा?''

''मरीजों के बच्चों को भोजन दे ताकि वे स्कूल जा सकें।'' महिला ने स्पेस को एक परियोजना आवेदन लिखना सिखाया और वित्त पोषण की व्यवस्था करने का वादा किया।

एचआईवी और एड्स को रोकने का कोई रास्ता नहीं था, लेकिन 2001 में, डब्लूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) ने फैसला किया कि एचआईवी पॉजिटिव बुरुंडी में हर कोई मुफ्त एंटीवायरल दवाओं के हकदार होगा जो एचआईवी वायरस को एड्स में विकसित होने से रोक देगी। एफवीएस उन संगठनों में से एक था जो दवा को सौंपता। स्पेस और कैरिटैस ने पहला एफवीएस क्लिनिक खोला, जहां एचआईवी पॉजिटिव मराज़ों को स्वास्थ्य देखभाल, चिकित्सा और मानसिक सहायता मिलती।

## अधिक अनाथ

1992 में स्थापित स्पेस और कैरिटैस का संगठन बीमार लोगों की देखभाल करने से कहीं अधिक कार्य कर रहा था। 1993 के अंत तक, बुरुंडी एक लंबे गृह युद्ध से प्रभावित था। कई बच्चों ने अपने माता–पिता को खो दिया। एफवीएस ने उनके लिए नए घरों की तलाश की, जैसे कि उन्होंने उन मरीजों के बच्चों के लिए किया था जो मर गए थे।

बच्चों के पालक माता–पिता को भोजन और कपड़े खरीदने और इन बच्चों की स्कूली शिक्षा के लिए भुगतान करने की जरूरत थी। तभी स्पेस को एफवीएस समेकन समूह (नवे न्यूज) का विचार आया।

एकजुटता समूहों के सदस्य शेयर या सदस्यता खरीदते हैं। समूहों के पैसे बच्चों के लिए स्कूल यूनीफार्में और स्कूल सामग्री खरीदने में मदद करते हैं, वयस्क छोटे व्यवसाय परियोजनाओं के लिए ऋण ले सकते हैं, और अगर समूह के किसी भी सदस्य या बच्चे बीमार पड़ते हैं तो उनकी स्वास्थ्य देखभाल के लिए भी पैसा दिया जाता है।

स्पेस के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वयस्क पैसे कमाते हैं, इसलिए वे अपने एकजुटता समूह में अधिक पैसा निवेश कर सकते हैं और अधिक बच्चों की मदद कर सकते हैं। ''जब बच्चे स्कूल जाते हैं, तो वे चीजें सीखते हैं, जिससे उनके बीमार होने या एचआईवी होने का खतरा कम हो

''यदि किसी बच्चे को शिक्षा मिलती है, तो वो नौकरी प्राप्त कर सकता है और गरीबी से बाहर निकल सकते है, और इस प्रकार बच्चे स्कूल जा सकते हैं,'' स्पेस कहती है।

## 50,000 बच्चों की मां

स्पेस को कभी–कभी यह कहा जाता है क्योंकि वह और एफवीएस अमाडे बेहतर जीवन प्राप्त करने के लिए बहुत से बच्चों की मदद करते हैं।

जाता है।''
उन्हें शिक्षा मिलती है, और वे विश्वविद्यालय जा सकते हैं और नौकरी प्राप्त कर सकते हैं ताकि वे अपने परिवार की मदद कर सकें। यदि एकजुटता समूह या बच्चे का कोई सदस्य गरीबी से बाहर निकलने का प्रबंधन करता है, तो अधिक बच्चे स्कूल जा सकते हैं। ''नावे नयूज़े भविष्य के लिए बीज बो रहा है,'' स्पेस कहती है।

## एक अच्छे विचार की शुरुआत

एक दिन, स्पास की मुलाकात एक बुजुर्ग महिला से हुई जिसकी बेटी पर हमला किया गया था और उसका एक बच्चा था जिसे वह नहीं चाहती थी। बेटी ने बच्चे को अपनी मां को दे दिया और गायब हो गई। जब स्पेस की महिला से मुलाकात हुई थी, तब बच्चा बहुत बीमार था। महिला ने समझाया कि डॉक्टर ने कहा था कि लड़की को एंटीबायोटिक दवाओं की आवश्यकता है। उसे गोलियों के दो बक्सों की जरूरत थी, लेकिन महिला केवल एक बॉक्स खरीद सकती थी। एक बार वह कुछ सब्जियां बेचने के बाद ही वह अगले बॉक्स को खरीद सकती थी, किन्तु उनकी कटाई कुछ महीनों के बादं ही हो पाती।

स्पेस का विचार है कि गरीब कैसे स्वयं की मदद कर सकते हैं और अनाथ बच्चों की बड़ी संख्या अब 1,700 एकजुटता समूहों तक फैल गयी है। यहां वह समूहों में से एक से साथ मिलती है। एकजुटता समूह में ग्रामीण सामूहिक रूप से स्वयं और अपने बच्चों के लिए एक बेहतर जीवन बना रहे हैं, लेकिन वे अनाथों के लिए पालक माता–पिता के रूप में भी कार्य करते हैं और गांव में सबसे गरीब बच्चों और परिवारों के लिए सहायता प्रदान करते हैं।

स्पेस घर गई, एफवीएस प्रबंधन टीम को एक साथ इकट्ठा किया और उनको अपना विचार प्रस्तुत किया। उन्होंने उन लोगों के लिए हेल्थकेयर बीमा बनाने का फैसला किया जिनकी उनको मदद करनी थी। तब महिला को अपने पोते के लिए दवा खरीदने के लिए फसल कटने तक इंतजार करने की जरूरत नहीं पड़ती, जिसे अभी मदद की जरूरत थी।

''जब मैं किसी ऐसे व्यक्ति को देखती हूं जिसे मदद की जरूरत होती है, तो मुझे संकोच नहीं होता है। मैं हमेशा इसी तरह रही हूँ। जब मैं एक सड़क का बच्चा देखती हूं जिसकी हमने अपने हाथों में स्कूल की किताबें पकड़े स्कूल जाने में मदद की है, तो इससे मुझे खुशी मिलती है,'' स्पेस कहती है।

## स्पेस और एफवीएस अमाडे बच्चों के लिए कैसे काम करते हैं

- वे एकजुटता समूहों को स्थापित करने में मदद करते हैं और अनाथ बच्चों के लिए पालक माता–पिता को खोजने में मदद करते हैं, जिन्हें स्कूल, स्कूल युनीफार्मों और स्कूल की चीजों के साथ सहायता भी दी जाती है। एकजुटता समूह भी गरीब परिवारों के बच्चों का समर्थन करते हैं।
- वे अपने वित्त को बढ़ावा देने और अपने पालक बच्चे की मदद करने के लिए पालक माता–पिता माइक्रोलान की पेशकश करते हैं।
- वे बाल संरक्षण समूह व्यवस्थित करते हैं, अपने नेताओं को प्रशिक्षित करते हैं और उन बच्चों को कानूनी और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करते हैं जिनके अधिकारों का उल्लंघन किया गया है।
- वे बच्चों को जन्म प्रमाणपत्र प्राप्त करने में मदद करते हैं।
- वे बच्चों में स्कूल जाने में मदद करते हैं, और वे बोर्डिंग स्कूल चलाते हैं।

## एक राजकुमारी से समर्थन

बुरुंडी में, 7 से 13 वर्ष के सभी बच्चों को स्कूल जाना चाहिए। स्कूल निशुल्क है, लेकिन कई बच्चे स्कूल यूनीफार्म, किताबें और अन्य स्कूल की चीजें लेने में असमर्थ हैं। विद्यार्थियों को छठी कक्षा के बाद अध्ययन करने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है। यदि आप पास नहीं करते हैं, तो आपको या तो स्कूल छोड़ना होगा या एक निजी स्कूल में जाने के लिए भुगतान करना होता है। कुछ ही ऐसा करने में सक्षम हैं। 2005 से पहले, तुमको सालाना एक से छह वर्षों तक भुगतान करना पड़ता था। एफवीएस समेत कई संगठन मुफ्त स्कूलिंग शुरू करने के लिए सरकार को मनाने में कामयाब रहे।
एफवीएस ने 268 विद्यार्थियों के लिए स्पेस के घर वाले शहर बुरुरी में माध्यमिक और ऊपरी माध्यमिक स्तर का स्कूल बनाया है। इनमें से 40 विद्यार्थियों को एफवीएस द्वारा छात्रवृत्ति दी गई है। स्पेस चाहती है कि स्कूल प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पेशकश करे, जिन्हें पहले एफवीएस द्वारा आगे अध्ययन करने का मौका दिया गया था, भले ही वे माध्यमिक विद्यालय के लिए प्रवेश परीक्षा पास नहीं कर पाये हों। एफवीएस स्कूल को मोनाको की राजकुमारी कैरोलिन द्वारा दान दिये गये पैसे का उपयोग करके बनाया गया है, जो एएमएडीई अमाडे संगठन की अध्यक्ष हैं। 2013 में, एफवीएस, अमाडे बुरुंडी के साथ विलय हो गया। यही कारण है कि एफवीएस को अब एफवीएस अमाडे कहा जाता है। स्पेस एएमएडीई अमाडे के बोर्ड पर है।

## एवलिन अपने परिवार के लिए बेक करती है

जब एवलिन ने सबक छोड़ दिये और अपना होमवर्क नहीं किया, तो उसे एक वर्ष का स्कूल दोबारा करना पड़ा। उसने तीसरी कक्षा के बाद स्कूल छोड़ दिया। उसने खेतों में नौकरी कर ली और फल और सब्जियां बेचीं, और अपनी तीन छोटी बहनों की मदद की। जब एवलिन 18 वर्ष की थी, तो एक दोस्त ने उसे बताया कि एफवीएस अमाडे ने उन युवा लोगों के लिए पाठ्यक्रम चलाए जिन्होंने स्कूल समाप्त नहीं किया था। एवलिन एफवीएस अमाडे के कार्यालयों में गई और उसने बेकिंग, कार मरम्मत और सिलाई में पाठ्यक्रमों के बीच चयन किया। उसने बेकर बनने का फैसला किया। वह अपनी मां की मदद करने के लिए कमाये हुए धन का उपयोग कर सकती है और अपनी बहनों की स्कूली शिक्षा के लिये भुगतान कर सकती है।

जब निनेट के पिता की मृत्यु हो गई, तो उसके सौतेले भाइयों ने सारे खेत की ज़मीन ले ली। उन्होंने गायों को लेने की भी कोशिश की जो उसके पिता निनेट, उसकी बहन और उसकी मां के पास छोड़ गए थे। तो उसकी मां गांव के बाल संरक्षण समूह में गई, जिसने यह सुनिश्चित करने के लिए लड़ा कि निनेट और उसकी बहन को भी उनके पिता की विरासत मिले।

निनेट की सौतेली माँ और उसके बेटे गायों को लेना चाहते थे और बिना किसी विरासत के निनेट को छोड़ना चाहते थे, लेकिन एफवीएस अमाडे ने उन्हें वापस पाने में मदद की।

# निनेट को उसकी गायों वापस मिल जाती हैं

जब निनेट और उसकी मां बिस्तर पर जाने वाली थीं तब उन्होंने घर के बाहर चलना सुना। उन्होंने टार्च लिया और बाहर चला गयीं। निनेट के तीन सौतेले भाई वहां खड़े थे। उनके पास तीन गाय थीं और वे उन्हें अपने साथ ले जाने आये थे।

''तुम क्या कर रहे हो? हमारी गायों को मत लो! ''निनेट की मां चिल्लायी।

''वे हमारी गाय हैं। हमारे पिता ने उन्हें खरीदा और वे हमारी हैं, ''भाइयों ने चिल्लाया।

भाइयों में से एक ने उस टार्च को ले लिया जो निनेट ने पकड़ी थी और उसे पैर से कुचल दिया जिससे वह टूट गयी। तब वे गायों के साथ अंधेरे में गायब हो गए।

कुछ दिनों बाद, निनेट की मां गांव में गई। उसने गांव में एफवीएस अमाडे के 'चाइल्ड प्रोटेक्शन ग्रुप' से मार्क को बताया जो हुआ था।

''आपको इसके बारे में गांव के नेताओं को बताने की जरूरत है,'' उन्होंने कहा।

निनेट की मां गांव के नेताओं के कार्यालय में मार्क के साथ गई और फिर से अपनी कहानी सुनाई। कुछ दिनों के बाद, निनेट की मां और बड़ी बहन एक न्यायाधीश को बताने के लिए शहर में गईं। मार्क ने एफवीएस अमाडे के वकीलों में से एक को बुलाया था, जिन्होंने मदद करने का वादा किया था।

### केवल लड़कों का वारिस होता है

जब निनेट नौ वर्ष का था, उसने पाया कि उसकी मां बहुत सावधान थी कि वह अपने आगे के मैदान पर नहीं चलती थीं। निनेट ने पूछा क्यों।

''यह हमारी भूमि नहीं है। यह आपके सौतेले भाइयों से संबंधित है, और उन्होंने कहा है कि हमें वहां फसल उगाने की इजाजत नहीं है, ''उसकी मां ने समझाया।

बुरुंडी में, जब कोई व्यक्ति मर जाता है तो महिलाएं और लड़कियां उसकी वारिस नहीं बन सकतीं। केवल लड़के ही वारिस बन सकते हैं। तो जब निनेट के पिता ने एक और औरत से मुलाकात की, तो उसकी मां को सिर्फ घर के लिए जमीन का एक छोटा टुकड़ा मिला। उसके पिता की नई पत्नी के

तीन लड़के थे और उसने सोचा कि पिताजी की मृत्यु हो जाने पर सभी भूमि और सभी जानवरों को अपने बेटों का होना चाहिए। जब निनेट छह साल की थी, तब उसके पिता की मृत्यु हो गई। उसके सौतेले भाइयों ने उसके पिता के कोई खेतों को उसे या उसके मां को नहीं लेने दिया। वे गायों को भी चाहते थे जो उनके पिता ने खरीदी थीं और जिनको निनेट की मां ने रखा था।

## झगड़े का अंत

निनेट की मां ने समस्याओं के बारे में मार्क से बात की। उसने सोचा कि निनेट और उसकी बहन को कुछ विरासत का हकदार होना चाहिए। यद्यपि कानून अन्यथा कहता है, बुरुंडी में परंपरा है कि सभी बच्चों को कुछ मिलना चाहिए जब उनके पिता की मृत्यु हो जाए।

मार्क ने एफवीएस अमाडे के वकील से बात की, जिन्होंने गांव के नेताओं से संपर्क किया। मिलकर वे कुछ जमीन साझा करने के लिए निनेट के सौतेले भाइयों को मनाने में कामयाब रहे। निनेट स्मरण करती हैं कि कैसे मार्क, वकील और गांव के मुखिया पूरे दिन खेतों का नाप लेते घूमते रहे। निनेट की मां और सौतेले भाई खड़े देखते रहे। अंत में, निनेट और उसकी बहन को उनके पिता के पुराने खेत का एक हिस्सा मिल गया।

गायों का मामला और बदतर था, जो बुरुंडी में बहुत मूल्यवान होती हैं। जब एफवीएस अमाडे के वकील ने सौतेले भाइयों को गायों को वापस देने के लिए कहा तो तो उन्होंने नहीं कहा। लेकिन एक दिन जब निनेट स्कूल से घर आयी, तो गायों फिर से खड़ी चराई कर रही थी।

"हम अदालत में जीत गए!" उसकी मां ने कहा।

निनेट के सौतेले भाई नाराज़ थे, लेकिन जब निनेट ने घर के बाहर के रास्ते पर उनमें से एक से मुलाकात की, तो उसने नमस्ते कहा। यह पहले कभी नहीं हुआ था। निनेट को एहसास हुआ कि अदालत के फैसले ने सभी झगड़ों को खत्म कर दिया था।

निनेट और उसकी मां को यह सुनिश्चित करने के लिए लड़ना पड़ा कि निनेट को अपने पिता से भूमि और मवेशियों को विरासत मिले क्योंकि केवल पुत्र बुरुंडी में उत्तराधिकारी हैं।

गांव के 'चाइल्ड प्रोटेक्शन ग्रुप' के मार्क ने एफवीएस अमाडे के वकील से संपर्क किया, जिसने निनेट के सौतेले भाइयों को निनेट के पिता द्वारा छोड़ी गई जमीन को उसके साथ साझा करवाया और अदालत से यह फैसला भी सुनवाया कि उसे गायों को भी रखने दिया जाए।

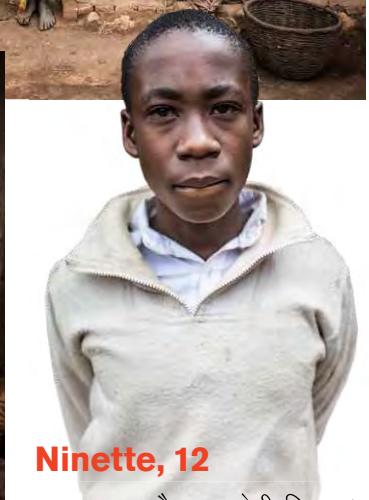

**Ninette, 12**

**बनना चाहता है:** एक मवेशी किसान।

**अक्सर:** रेत में आंकड़े खींचते हैं और उन्हें पत्थरों से सजाते हैं।

**कभी–कभी:** कंचे खेलती है।

**पसंदीदा खेल:** दौड़ना।

**पसंदीदा विषय:** फ्रेंच।

**के सपने:** विश्वविद्यालय जाना।

## एफवीएस अमाडे के बाल संरक्षण समूह

एफवीएस अमाडे ने उपनगरों और गांवों में बाल संरक्षण समूह स्थापित किये हैं, जहां वे काम करते हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए कि अनाथ बच्चों को कोई हानि न पहुंचे और उनका शोषण न किया जाए। प्रत्येक स्थान में कुछ वयस्कों को बाल अधिकारों और बुनियादी कानूनों में प्रशिक्षित किया जाता है। वे अक्सर एक ही गांव या उपनगर में एकजुटता समूहों के साथ काम करते हैं। वे अलार्म बजाते हैं जब उन्हें पता चलता है कि एक बच्चे के अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। एफवीएस अमाडे के अपने वकील हैं, जो मदद कर सकते हैं। एफवीएस अमाडे सरकार और यूनिसेफ को पूरे देश में सभी गांवों, कस्बों और उपनगरों में बाल संरक्षण समूहों की स्थापना करने में मदद कर रहा है।

TEXT: ERIK HALKJAER PHOTOS: JESPER KLEMEDSSON

# फ्लोरिएन में ग्रामीण निवेश

फ्लोरिएन की मां हमेशा बीमार रही है और उसका पिता बहुत काम करता है। फ्लोरिएन और उसके भाई–बहनों को घर पर इतनी मदद करने की जरूरत पड़ती रही है कि उनके पास स्कूल जाने के लिए सामय नहीं होता। लेकिन एक दिन फ्लोरिएन को एक बड़ा मौका मिला। उसके गांव के एकजुटता समूह ने एफवीएस अमाडे के गरीब बच्चों के लिए बोर्डिंग स्कूल में जगह मिलने में उनकी मदद की।

फ्लोरिएन को हमेशा घर आना मुश्किल लगता है। स्कूल में जो जीवन है वह घर पर रहनें के तरीके से बिलकुल अलग है। वह अपने पिता और भाई–बहनों को देखकर प्यार करती है, लेकिन जब उसकी मां नहीं होती तो वह उदास महसूस करती है। जब तक की फ्लोरिएन को याद है तब से वह बीमार रही है।

जब फ्लोरिएन घर पर ही रहती थी और गांव के स्कूल में जाती थी, तब उसकी मां कभी–कभी सुबह घर पर होती थी, लेकिन फिर वह कई दिनों तक चली जाती थी। तब वह अचानक घर पर चली आती। जब फ्लोरिएन पूछती कि वह कहाँ थी, तो वह कहती थी कि वह दोस्तों से मिलने गयी थी। उसकी मां दयालु थी और बहुत हँसती थी, लेकिन वह काम नहीं करती थी और बच्चों की देखभाल करने में बहुत अच्छा नहीं थी। स्पेस और एफवीएस अमाडे ने उन्हें एक मनोरोग क्लिनिक में भर्ती होने की व्यवस्था करने में मदद की, जहां वह अब है। फ्लोरिएन को उम्मीद है कि उसकी मां कुछ समय बाद फिर घर आ जाएगी।

## Floriane, 15

बनना चाहती हैः एक व्यापार का मालिक या एक बैंकर।
के सपनेः अभी तक से बेहतर जीवन।
पसंदः भगवान से प्रार्थना करना।
पसंद नहीं हैः बहस करना।
अपने खाली समय में पसंद करती हैः गायन और दोस्तों के साथ समय बिताना।
आदर्श मानती हैः स्पेस को!

### ग्रामीणों से मदद मिली

फ्लोरिएन का पिता बूढ़ा है। उसके पास अधिक जमीन नहीं है और वह दूसरों के लिए उनके खेतों में काम करता है। जिस घर में वे रहते हैं वह भूरी मिट्टी से बना है। उनके पास एक पुराना घर था, लेकिन वह गिर गया। फ्लोरिएन के पिता को गांव के एकजुटता समूह ने एक नया घर बनाने के लिए पैसा दिया। फ्लोरिएन के माता–पिता समूह का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उन्हें वैसे भी मदद मिली क्योंकि फ्लोरिएन की मां बीमार है और उसके पिता गरीब हैं।

उसके पिता ने अपने नए घर के लिए टीन की छत खरीदने के लिए एक बछड़ा बेच दिया। उन्होंने परिवार की गाय और नए बछड़े के रात में सोने के लिए एक छोटी सी गौशाला बनाई है। फ्लोरिएन और उसके भाई–बहन घर के बगल में शक्करकंदी उगा रहे हैं।

उसको मिली मदद के लिए ध न्यवाद के रूप में, फ्लोरिएन आमतौर पर एकजुटता समूह की बैठकों में सहायता करती है। गणित एवं वित्त उसके प्रिय विषय है, और वह समूह की कैशबुक में नोट्स बनाती है।

गांव के एकजुटता समूह ने गरीब बच्चों के लिए एफवीएस अमाडे के बोर्डिंग स्कूल में भाग लेने की व्यवस्था ने फ्लोरिएन को आश्चर्यचकित कर दिया।

### बड़ी खबर

एक दिन जब फ्लोरिएन मैदान में काम कर रही थी, तब उसका बड़ा

फ्लोरिएन की मां बीमार है और उसके पिता गरीब है। यही कारण है कि जुटता समूह ने उसके परिवार की मदद की है।

फ्लोरिएन की बड़ी बहन को हमेशा घर पर मदद करनी पड़ती है और स्कूल के लिए समय नहीं होता। उसका बड़ा भाई दूसरा बोर्डिंग स्कूल जाता है, लेकिन उसे घर पर भी मदद करनी पड़ती है।

# करते हैं

जब फ्लोरिएन घर पर होती है तब वह परिवार के छोटे क्षेत्र में मदद करती है और पानी लाती है।

TEXT: ERIK HALKJAER PHOTOS: JESPER KLEMEDSSON

भाई कुछ महत्वपूर्ण खबर के साथ आया।

''एकजुटता समूह ने निर्णय लिया है कि तुमको गरीब घरों के बच्चों के लिए बोर्डिंग स्कूल जाने का मौका मिलेगा,'' उन्होंने कहा।

फ्लोरिएन गांव के स्कूल में पहले से छठी कक्षा तक पढ़ रही थी। वहां पहुंचने में एक घण्टा लगता था। अक्सर वह बिना कोई नाश्ते किये घर से चली जाती थी क्योंकि घर पर कोई भोजन नहीं होता था। उसे स्कूल में भी कोई भोजन नहीं मिलता था। बिना भोजन के दिन लंबे लगते थे, लेकिन फ्लोरिएन चीजों को सीखने का आनंद लिया करती थी। गणित उसका पसंदीदा विषय था।

गांव के एकजुटता समूह को एहसास हुआ कि फ्लोरिएन विशेष रूप से अंकों के मामलों में प्रतिभाशाली थी, इसलिए उन्होंने एफवीएस अमाडे से पूछा कि क्या उनके पास मटाना में, संगठन के स्कूल में उसके पढ़ने के लिये कोई जगह थी, जो कि कार द्व ारा कुछ घंटों दूर था।

एकजुटता समूह ने पहले फ्लोरिएन के बड़े भाई की स्कूली शिक्षा के लिए फ्लोरिएन के पिता का भुगतान करने में मदद की थी, लेकिन फ्लोरिएन एफवीएस स्कूल में मुफ्त में जा सकती थी।

## कम्प्यूटर कक्ष के साथ वाला स्कूल

जब स्कूल का सत्र शुरू हुआ, तब फ्लोरिएन ने एक बैग में अपनी चीजें पैक की। एफवीएस अमाडे ने स्कूल शुरू होने से पहले शनिवार को उसे उठा लिया।

स्कूल बड़ा था। वहां पर एक बास्केटबॉल कोर्ट, एक चौपल और एक डाइनिंग रूम था। वहां नन थीं जो विद्यार्थियों की देखभाल करती थीं। उन्होंने फ्लोरिएन और अन्य लड़कियों को छात्रावास दिखाया जिसमें बहुत सारे पलंग बिछे थे। यहां पर घर के गांव और गांव वाले स्कूल से सब कुछ बिलकुल भिन्न था। ननों ने समझाया कि सुबह में सभी को नाश्ता दिया गया था, फिर दिन के मध्य में दोपहर का खाना था, और शाम को रात का खाना मिलता था। स्कूल में एक कंप्यूटर रूम भी था।

अगले दिन, सभी अन्य छात्र पहुंच गये। वे बहुत सारे थे। फ्लोरिएन घबरा गई था, लेकिन देश के अन्य हिस्सों से लड़कियों को जानने के लिए वह उत्साहित भी थी।

## स्पेस अतिरिक्त मां

जब स्कूल सोमवार को शुरू हुआ, फ्लोरिएन को एहसास हुआ कि यह वास्तव में हो रहा था। उसने यह भी महसूस किया कि वह वास्तव में काफी बुद्धिमान थी, और वह गणित और फ्रेंच में विशेष रूप से अच्छी थी। लेकिन उसे अपने परिवार की याद आती थी और वह अपनी मां के बारे में सोचा करती थी।

''अगर आपको मदद की जरूरत है तो आप हमेशा मेरे पास आ सकते हैं। मैं आपकी अतिरिक्त मां की तरह हो सकती हूं,'' स्पेस ने कहा।

फ्लोरिएन के अब स्कूल में बहुत सारे नए दोस्त है और वह वास्तव में इसका आनंद ले रही है। नन उसकी और उसके स्कूल के दोस्तों की अच्छी देखभाल करती हैं। शांति और शान्त वातावरण में अध्ययन करने के लिए उसको पर्याप्त समय मिल जाता है। वहां हमेशा भोजन होता है, लेकिन कभी–कभी वह उदास हो जाती है और उसे घर की याद आ जाती है। जब वह वास्तव में बुरा महसूस करती है, तब फ्लोरिएन अक्सर सोचती है कि वह यहां कितनी भाग्यशाली है कि उसको यहां आने को मिला, लेकिन गांव में घर पर उसके परिवार और दोस्तों कितना संघर्ष करते हैं। इस कारण उसका छुट्टियों में घर जाना कठिन होता है।

## सुबह के समय होमवर्क

फ्लोरिएन के पिता के पास हमेशा पैसे नहीं होते। कभी–कभी वह बीमार होता है और काम नहीं कर सकता। फिर इसके बजाय फ्लोरिएन के भाई को काम करना पड़ता है। जब वह करता है, वह स्कूल नहीं जा पाता, और उसे स्कूल जाना छोड़ना पड़ सकता है। फ्लोरिएन के छह भाई बहनों में, वह अकेली है जिसने स्कूल में नौ से अधिक वर्ष पूरे किये हैं। फ्लोरिएन की सबसे छोटी बड़ी बहन नौवीं कक्षा तक पहुंच गई है, लेकिन

स्कूल में वापस!

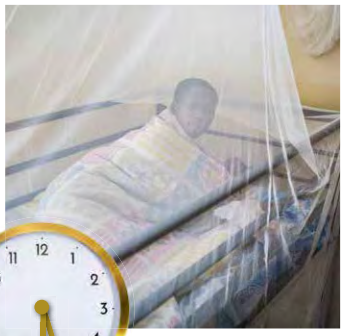

05.30
सुप्रभात!

उसे कई ग्रेडों को फिर से लेना पड़ा क्योंकि उसे घर पर मदद करनी थी। हर बार फ्लोरिएन घर आता है, उतनी मदद करने की कोशिश करती है जितनी वह कर सकती है। वह याद करती है कि जब वह घर पर रहती थी और स्कूल से घर आती थी तब कैसा था। हमेशा काम करने के लिए होता थाः उसे खेत से गायों को घर लेाना पड़ता था, किसी को पानी लाना पड़ता था, पिताजी को खेतों में मदद की जरूरत होती थी और उसे या उसकी बहन को रात का खाना बनाना पड़ता था।

होमवर्क करने के लिए उसे शायद ही कभी समय मिल पाता था। सबसे अच्छा यह होता था कि जल्दी उठो और सूर्यादय के समय ही होमवर्क कर लो। घर में कोई रोशनी नहीं थी, इसलिए जब अंधेरे होता थां तो वह पढ़ नहीं सकती थी।

14.00 फ्लोरिएन, जो गणित में अच्छी है और अपना खुद का व्यवसाय चलाने या बैंकर बनना चाहती है, वित्तीय प्रबंधन और बहीखाता में सबक ले रही है, और यहां वह कंप्यूटिंग का अध्ययन कर रही है।

**स्पेस की तरह बनना चाहता है।**

एक दिन जब फ्लोरिएन घर आयी, तो उसकी बड़ी बहन ने उसे बताया कि वह गर्भवती है। ''तुम कैसे इस स्थिति का सामना करोगी? तुम जानती हो कि तुमको स्कूल जाना है। अब तुमको इसके बजाय बच्चे का ख्याल रखना होगा। ''तो तुम क्या करोगी?'' फ्लो. रिएन ने उससे पूछा।

उसकी बहन जवाब नहीं दे सकी। वह शर्मिंदा थी। लेकिन अब फ्लोरिएन उसकी घर में बच्चे के साथ मदद करती

11.00 रविवार को एक चर्च सेवा है। यहां फ्लोरिएन कक्षा में अन्य विद्यार्थियों के साथ गा रही है जो उसकी तरह प्रोटेस्टेंट हैं। जो छात्र मुसलमान तथा एग्लिकन्स हैं वे अन्य कक्षाओं में इकट्ठे हुए हैं। कैथोलिक विद्यार्थियों की स्कूल चौपल में सेवा है। अपने खाली समय में, फ्लोरिएन आमतौर पर अपने छात्रावास से दोस्तों के साथ पॉप गाने और रैप्स गाती है।

# फ्लोरिएन के दस स्कूल मित्र

''मैं बुजंबुरा में एक गरीब परिवार से आया हूं। यहां स्कूल में मुझे पढ़ने के लिए कुछ शांति और सुकून मिलता है और मैं अच्छा खाना खाता हूं और आराम से सोता हूं। जब मैं बड़ा हो जाऊंगा, तो मैं डॉक्टर बनना चाहता हूं और अपने परिवार की मदद करना चाहता हूं।''
जेरार्ड, 13

''जब मैं छोटा था, मेरे पिता गायब हो गए। यहां अच्छे शिक्षक हैं और हमें बहुत सारा भोजन मिलते हैं। मैं एक राजदूत बनने जा रहा हूं और जब मैं बड़ा हो जाऊंगा तो अपने परिवार के साथ विदेश में रहूंगा।''
समृद्ध, 14

''मेरे पिता की मृत्यु हो गई और मेरी मां और भाई–बहनों में एचआईवी है। मैं अकेला हूं जो संक्रमित नहीं है। होमवर्क करने के लिए घर पर हमारे पास कोई प्रकाश नहीं था, और खाने के लिए बहुत कम था। यहां मुझे उन चीजों के बारे में जानने को मिलता है जिन्हें मैंने शायद घर पर स्कूल में कभी नहीं सीखा होता। जब मैं बड़ा होऊगा, मैं एक पत्रकार बनने जा रहा हूं।''
वाईएस, 13

''मेरे माता–पिता मर चुके हैं और मैं अपनी दादी के साथ बड़ा हुआ। घर पर हमेशा काम करने के लिए होता था। अब मैं अपने पुराने सहपाठियों की तुलना में स्कूल में बहुत आगे हो गया हूं। भविष्य में मैं राष्ट्रपति बनना चाहता हूं!''
फिलिस्टीन, 14

''माँ और पिताजी के पास बहुत पैसा नहीं है, लेकिन मुझे यहां अध्ययन करने का मौका दिया गया है। घर पर यहां मेरा होमवर्क करने के लिए बहुत अंधेरा था और शायद ही कोई खाना था। जब मैं स्कूल खत्म करता हूं, तो मैं डॉक्टर बनने जा रहा हूं।''
एलन, 12

16.00
स्कूल के दिन के अंत के बाद, फ्लोरिएन बास्केटबॉल खेलती है और अपनी दोस्तों के साथ समय बिताती है।

19.00 फ्लोरिएन को हर दिन नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना (यहां दर्शाया गया) परोसा जाने की आदत नहीं है।

है। वह और उसकी बहन एक बिस्तर साझा करते हैं और मच्छरदानी के भीतर, उनके बीच उसकी छोटी लड़की होती हैं।

फ्लोरिएन कभी–कभी अपनी मां से नाराज रहती है। अगर वह केवल बीमार नहीं होती, तो फ्लोरिएन की बड़ी बहन स्कूल समाप्त कर चुकी होती और उसे घर पर काम नहीं करना पड़ा होता।

फ्लोरिएन स्नातक बनना चाहती है और स्पेस की तरह बनना चाहती है, शायद एक कंपनी या एक बैंक शुरू करना चाहती है। वह गायों और बछड़े को घर पर देखना पसंद करती है, इसलिए उसके विचारों में से एक बड़े फार्म में एक पशुधन चलाने का है।

20.00
शुभ रात्रि!

''यहां होने के बारे में अच्छी बात यह है कि मैं जितना चाहूं उतना पढ़ सकती हूं और बास्केटबाल खेल सकती हूं। मैं विश्वविद्यालय में डॉक्टर होने के लिए अध्ययन करने जा रही हूं।''
*जोविथ, 12*

''मेरे पिता की मृत्यु हो गई। मेरी मां के पास नौकरी नहीं है, लेकिन वह थोड़ी खेती करने की कोशिश करती है। यहां अध्ययन करना आसान है और वे हमारी अच्छी देखभाल करते हैं। मैं अपने पिता की तरह एक वकील बनना चाहती हूं।''
*बेला, 14*

''मेरी मां की मृत्यु हो गई। जब मैं छोटी बच्ची थी और मेरे पिताजी बहुत बीमार हो गये। मैं अपनी चाची के साथ रह रही हूं, लेकिन उसके पास इतना पैसा नहीं है। यहां अध्ययन करना आसान है और मैं बाद में अपने जीवन में जितना आगे जाना चाहूं जा सकती हूं।''
*लॉरेन, 12*

''जब मैं दस वर्ष की थी, मेरी मां की मृत्यु हो गई और मेरे पिता मेरी देखभाल करने का सामना नहीं कर सके। मैं सड़क पर रहती था, लेकिन एक आदमी ने मुझे पाया और मेरा ख्याल रखा। उसने मुझे यहां स्कूल जाने में मदद की। यह अच्छा है, क्योंकि अब मुझे घर पर काम नहीं करना पड़ता है।''
*नेला, 12*

''हम घर पर बहुत सारे हैं। हमारे पिता की मृत्यु हो गई और मां के पास फसल उगाने के लिए केवल एक छोटा सा खेत है। इसलिए हम सभी स्कूल नहीं जा सकते हैं, पर मुझे यहां होने में खुशी है। मैंने बहुत सारे नये दोस्त बनाए हैं और यहां चीजें सीखना बहुत आसान है। जब मैं बडी हो जाऊगीं तो मैं एक डॉक्टर बनना चाहती हूं और दूसरों की मदद करना चाहती हूं।''
*घाएस्लेन, 13*

# ड्रम के साथ लड़की

जब आर्लेटी उदास महसूस करती है और अपने परिवार को याद करती है, तो वह आम तौर पर ड्रम बजाती है। वह बचपन से खेल रही है, और अब जब वह घर से दूर एफवीएस अमाडे के बोर्डिंग स्कूल में जाती है, वह अक्सर खेलती है।

''हर शनिवार मैं चैपिल और खेल के लिए नीचे जाती हूं। जब मैं अकेला महसूस करती हूं तो यह मदद करता है। चीजें घर पर इतना आसान नहीं थीं। मेरे पिता पांच साल पहले गायब हो गए और हम चार बच्चे हैं। यही कारण है कि मां एकजुटता समूह में शामिल हो गईं, जिसने मुझे इस स्कूल में जाने में मदद की। छुट्टियों में, मुझे याद आता है कि घर पर कितना कठिन है, लेकिन मैं यह भी सोचता हूं कि स्कूल में मुझे इतना बड़ा अवसर मिया है। मैं अनुदान प्राप्त कर सकती हूं और विश्वविद्यालय में अपनी पढ़ाई जारी रख सकती हूं। तब मैं नौकरी प्राप्त कर सकती हूं और अपने परिवार की मदद कर सकती हूं।

जब हम आठवीं कक्षा में थे, तो हमें युगांडा की एक कक्षा यात्रा पर जाना मिला था। सभी बच्चों ने अंग्रेजी बोली, लेकिन मैं वास्तव में उसमें अच्छी हूं। हम वहां तीन सप्ताह रहे, हमने भोजन पकाना साखा और व्यावसायिक परियोजनाएं जैसे साबुन या जैम बनाना और उसे बेचना। जब हम घर गए तो मैंने अपनी मां को बुलाया। मैंने कहा कि यह यात्रा मेरे लिए वास्तव में उपयोगी रही है और जो मैंने सीखा वह भविष्य में मेरी मदद करेगा। ''माँ, सब कुछ ठीक होने वाला है, चिंता मत करो,'' मैंने कहा।

# तीन टोकरीयां मदद करती हैं

तीन टोकरीयां पैसों से भरे हुई हैं जब फ्लोरिएन के गृह गांव में एकजुटता समूह अपनी बैठकों का आयोजन करता है। तब धन को तीन बक्से में रख दिया जाता है, प्रत्येक लकड़ी के बक्से में अपने स्वयं के ताला के साथ। लॉक किये गए बक्से के धन ने फ्लोरिएन के परिवार की मदद की है और उसे एफवीएस अमाडे के स्कूल में जाने में सक्षम बनाया है।...

लॉन के बीच में तीन बुनी हुई टोकरीयां और लकड़ी का एक बड़ा बक्सा हैं। बढ़िया कपड़े पहने 21 पुरुष और महिलाएं उनके चारों ओर आधे चक्र में बैठती हैं। वे सभी फ्लोरिएन के घर वाले गांव में एकजुटता समूह के सदस्य हैं। फ्लोरिएन कभी–कभी समूह की बैठकों में शामिल होती है क्योंकि वह गिनती में अच्छी है। फ्लोरिएन कैशियर के बगल में बैठती है। सबसे पहले वे उन सभी के नाम बुलाते हैं जिन्होंने समूह के धन से ऋण लिया है। उन्हें टोकरी में से एक में पैसा डाल कर अपने ऋण पर ब्याज का भुगतान करना होगा। समूह हर बार सराहना करता है। यदि कभी कोई सदस्य पैसा नहीं लगा सकता है, तो उसे अगली बार दुगना भुगतान करना होगा। जो लोग चाहें वो एक और टोकरी में धन डाल सकते हैं जो जमा करने के लिए है। एकजुटता समूह के सभी सदस्य वार्षिक सदस्यता शुल्क का भुगतान करते हैं, जिसे जमा या साझा भी कहा जाता है। जब कोई अन्य टोकरी में धन डालता है, तो वह व्यक्ति पूरे समूह के कुल योगदान का बड़ा हिस्सा खरीद रहा है। इसका मतलब है कि पूरे समूह को अधिक धन या पूंजी मिलती है।

एक टोकरी एकजुटता समूह से ग्रामीणों द्वारा लिये गए ऋण पर उनके द्वारा दिये गये ब्याज के भुगतान से भरी है।

फ्लोरिएन एकजुटता समूह की कैशबुक में सभी भुगतानों को नोट करती है।

## तीन कुंजियाँ

जो लोग तीसरी टोकरी में थोड़ा पैसा डाल सकते हैं, वे बच्चों की स्कूल यूनीफार्म और स्कूल सामग्री के लिए भुगतान करने के लिए फंड में योगदान देते हैं।

तीन टोकरीयों के पैसे सुरक्षित तीन बक्सों में रखे गए है: एक ब्याज भुगतान और जमा के लिए, एक स्वास्थ्य देखभाल और ग्रामीणों की अन्य सहायता के लिए, और एक स्कूल यूनीफार्म और बच्चों की सामग्री के लिए।

जब वह स्कूल से घर जाती है, तो फ्लोरिएन आमतौर पर एकजुटता समूह की बैठकों में जाती है। अपने गांव में एकजुटता समूह ने उन गरीब परिवारों की मदद करने का भी फैसला किया है जो समूह के सदस्य नहीं हैं।

फ्लोरिएन सब कुछ नोट कर लेती है: कौने अपने ब्साज का भुगतान कर चुका है और किसने कितना भुगतान कर दिया है, किसने एक बड़ा हिस्सा खरीदा है और किसने स्कूल सामग्री खरीदने के फण्ड में कितना पैसा लगाया है।

तब सभी धन लकड़ी के एक बड़े बक्से में विभिन्न बक्सों में रख दिया जाता है, जो टोकरीयों के बगल में जमीन पर रख दिया जाता है। बड़े बक्से में तीन बक्से खोलने के लिए तीन कुंजियों की आवश्यकता होती है।

ब्याज और जमा में भुगतान किया गया पैसा पहले बॉक्स में जाता है। जमा का एक छोटा सा हिस्सा हेल्थकेयर के लिए फंड या सदस्यों की अन्य सहायता के लिए दूसरे बॉक्स में जाता है। तीसरे बॉक्स में स्कूल यूनीफार्म और स्कूल सामग्री के लिए धन जाता है।

जबकि फ्लोरिएन समूह की कैशबुक में सबकुछ नोट करती है, अन्य लोग प्रत्येक सदस्य की अपनी कैशबुक में विवरणों को नोट करते हैं। सदस्य साल के दौरान अपने निवेश को ट्रैक करने के लिए इनका उपयोग कर सकते हैं।

एक सदस्य वर्ष के दौरान किसी भी समय छोटी व्यावसायिक परियोजनाओं के लिए ऋण का आवेदन कर सकता है। साल के अंत में, हर कोई जिसने अपनी रुचि का भुगतान किया है, वह अपने निवेश को एक छोटे से लाभ के साथ वापस ले जाता है।

### गांव की मदद करना

स्कूल की शुरुआत में हर साल स्कूल सामग्री के लिए पैसे का उपयोग किया जाता है। एकजुटता समूह गांव के सभी बच्चों के लिए स्कूल यूनीफार्म, पेन और नोटबुक खरीदता है।

फ्लोरिएन के गांव में एकजुटता समूह ने अपने सदस्यों के अलावां अधिक लोगों की मदद करने का फैसला किया है। फ्लोरिएन का परिवार गरीब है, इसलिए उन्हें एक घर बनाने में मदद दी गई है। समूह ने फ्लोरिएन को एफवीएस अमाडे के स्कूल में जगह मिलने में भी मदद की।

''मैं आपकी मदद के लिए बहुत आभ. ारी हूं। मुझे नहीं पता कि आपको कैसे धन्यवाद दूं। आप मेरे माता–पिता की तरह हैं और मुझे आशा है कि आप भविष्य में मेरे जैसे अन्य लोगों की भी मदद करेंगें,'' बैठक समाप्त होने पर फ्लोरिएन कहती है।

''हमें आपके लिए खुशी है और इसकी भी कि आपके आगे और अध्ययन करने का अवसर मिला है। आपका हमेशा यहां स्वागत हैं। आप को यह मालूम है,'' समूह की अध्यक्ष महिला क्रिस्टीन कहती है।

फ्लोरिएन ने फैसला किया है कि जब वह विश्वविद्यालय समाप्त कर लेगी और अपनी कंपनी शुरू करेगी है या उसे बैंक में नौकरी मिलती है, तो वह अपने गांव के लोगों की मदद करने जा रही है। क्योंकि उन्होंने उसकी मदद की है।

''मुझे नहीं पता कि आपको कैसे ध न्यवाद दूं। आप मेरे माता–पिता की तरह हैं और मुझे उम्मीद है कि आप भविष्य में मेरे जैसे अन्य लोगों की मदद कर सकते हैं,'' फ्लोरिएन गांव के एकजुटता समूह से कहती है।

TEXT: ERIK HALKJAER PHOTOS: JESPER KLEMEDSSON

दादी के घर में हमारे सिर पर छत का होना अच्छा लगता है। यहां एक गद्दा और एक रजाई है। बारिश होने पर एवारिस्टे भीगता नहीं है। वह एक कूड़े के ढेर पर रहता था; जहां एक भयानक गंध आती थी और यह वास्तव में गंदा था। जब भी बारिश होती थी वह भीग जाता था।

# सड़क से दादी तक

उनकी मां और पिता ने इवरिस्टे और उनके छोटे भाइयों सेलमानी और एरिक को पीटा, इसलिए वे घर से भाग गए और सड़क पर रहने लगे। एफवीएस अमाडे से सहायता ने इवरिस्टे और सेल्मनी को घर लौटने में सक्षम बना दिया है और अब वे अपनी दादी के साथ रहते हैं। वे स्कूल जाते हैं और जब चाहतें हैं फुटबॉल खेलते हैं। लेकिन उनका छोटे भाई एरिक अब भी सड़क पर रहता है ...

पढ़ना और लिखना मुश्किल होता है। सेलमानी की तुलना में इवस्टि थोड़ा बेहतर है। दादी राहेल उन्हें टोकती है क्योंकि उनकी नोटबुके बहुत मुसड़ी हुई और गंदी होती हैं।

''हम शहर में बाजार में कचरा डंप पर सोये थे। हम कोयले बनाने वाले लोगों को बेचने के लिए लकड़ी की तलाश में जल्दी उठ गये, लेकिन मेरा छोटे भाई सेलमानी नहीं चाहता था। वह इसके बजाय शहर में गायब हो गया। मैं स्वय के बाजार में गया और देखा। हमारा छोटा भाई एरिक मेरे साथ नहीं था। वह कहीं और सो गया था।''

''जब मैं डंप पर वापस आया, तो सेलमानी वहां नहीं थीं। मैंने सुना है कि पुलिस वहां सड़क के बच्चों की तलाश में थी।''

''उस रात मैंने सेलमानी के लिए वापस आने के लिए भगवान से प्रार्थना की। हम हमेशा एक साथ सोते हैं, भले ही हम दिन के दौरान अलग–अलग काम करते हैं। वह चार दिनों के लिए चला गया था। मैंने हर जगह खोज की और उसके बारे में पूछा, लेकिन किसी ने उसे नहीं देखा था। रात भर, मैंने प्रार्थना की कि उसके साथ कुछ भी बुरा नहीं हुआ हो। मैं एरिक से मिला, लेकिन वह उसकी तलाश में मदद नहीं करना चाहता था।''

## लड़कों से मदद

''एक दिन जब मैं जेल के बगल से होकर जा रहा था, तब मैंने सुना कि कोई मेरा नाम बुला रहा है:
'ईवा, ईवा!'
यह सेलमानी था। वह कुछ वयस्कों के साथ एक कार में बैठा था। उसे देखकर मुझे बहुत खुशी हुई।''

''हम एफवीएस अमाडे नामक संगठन से हैं। हमने आपके भाई को जेल से बाहर निकलने में मदद की और हम उसे सड़क के बच्चों के लिए अपने केंद्र में ले जा रहे हैं,'' वयस्कों में से एक ने बताया। ''क्या तुम भी आना चाहते हो?''

मैं चाहता था, और हमें दस दिनों के लिए एफवीएस के साथ रहना को मिला। उन्होंने हमें खाना, जूते और नए कपड़े दिए। एक दिन उन्होंने

TEXT: ERIK HALKJAER PHOTOS: JESPER KLEMEDSSON

कहा कि हम दादी के घर जाकर उसके साथ रह सकेंगे। हम खुश थे। मैंने हमेशा उसके साथ खुश महसूस किया है। हमें घर पर कुछ चीजों के साथ मदद करना पड़ता है, लेकिन हम फुटबॉल खेल सकते हैं और स्कूल जा सकते हैं। ''

### सड़क पर कठिन जीवन

''सड़क पर रहना मुश्किल था। मैं चार बार जेल जा चूका हूँ। हम घड़ियों और फोन चुराते थे। हमने थोड़ा खाना और नशीला गोंद खरीदने के लिए पैसों का इस्तेमाल किया, जिसे हमने सूंघा। पुलिस ने हमें पकड़ा क्योंकि वे सड़कों पर बच्चों को नहीं चाहते थे। वे मुझे बाहर जाने से पहले तीन या चार दिनों के लिए जेल में रहने देते थे।''

''कभी–कभी सरकार मिलिशिया के युवा लोग हमें पकड़ लिया करते थे। वे ड्रग्स पर थे और उन्होंने हमें पीटा और हमारी चीजों को चुरा लेना चाहते थे। वे हमें कुछ दिनों के लिए बंद भी कर सकते थे। ''

''जब मैंने पहली बार सड़क पर रहना शुरू किया, तो मां और पिताजी फिर से गुस्से में थे जब मैं फिर से घर आया। मैं कुछ अन्य बच्चों के साथ चला गया और उनके साथ रहा। पिताजी ने मुझे एक बोरी में फेंक दिया और पीटा और मुझे लात से मारा।''

''मां ने हमें घर पर काम करने के लिए मजबूर किया। जब हमने ऐसा नहीं किया, तो उसने हमें मारा। उसने मुझे एक बार बांध दिया, लेकिन सेलमानी ने एक चाकू से मुझे मुक्त करा दिया। ''

''यही कारण है कि हम घर से भाग गए और कभी वापस नहीं गए। जब वह सिर्फ दो साल का था तो एरिक भाग गया।'' ''अब बेहतर है जब से हम दादी के साथ रह रहे हैं। वह हमें नहीं मारती है।''

## Evariste, 10

**बनना चाहता है:** एक पुजारी।
**जाना चाहता हूं:** स्कूल जाना।
**नहीं चाहता:** सड़क पर फिर से नही रहना चाहता हूं।
**पसंद:** फुटबॉल खेलना।
**याद आती है:** वह घर जहां वह अपनी मां और पिता के साथ रहता था।
**पसंदीदा खिलौना:** एक टेडी।

### गेंद के पीछे हर कोई

जब भी वे कर सकता है, एवारिस्टे और उसका छोटा भाई सेलमानी और उनके दोस्त फुटबॉल खेलते हैं। गेंद बची हूई सामग्री को गोल आकार करके बना है। कोई नियम नहीं हैं। हर कोई गेंद के पीछे जाता है और उसको शूट करता है और जितना हो सकता है। अगर गेंद बाउण्डरी को पार करती है तो उसे जल्दी से उठा कर लाना होता है, अन्यथा वह घाटी में सदैव के लिए खो जाएगी।

एवारिस्टे और सेलमानी अपने छोटे भाई एरिक को खोजते हैं।

# अपने छोटे भाई को खोज रही हैं

**एवारिस्टे चाहता है कि उसका सबसे छोटा भाई एरिक आ सकता और दादी तथा उसके साथ रह सकता। एरिक आमतौर पर बाजार के आसपास घूमता रहता है। उन्होंने उसे एक बार पाया, लेकिन वह फिर से गायब हो गया।**

कभी–कभी स्कूल के बाद, इवरिस्ट और सेलमानी राजधानी बुजंबुरा के केंद्र में अपने छोटे भाई एरिक की तलाश में जाते हैं। उन्हें एफवीएस अमाडे से मदद मिलती है।

एवारिस्टे और सेलमानी को मोटे तौर पर पता है जहां एरिक आमतौर पर सोता है और दिन के दौरान अपना समय बिताता है। वे यह भी जानते हैं कि कौन से अन्य सड़क के बच्चे उसे जानते हैं।

उनके पास कोई फोटो नहीं है, लेकिन सेलमानी एरिक की तरह दिखता है, इसलिए बाजार में कई लोग समझते हैं कि वे किसे ढूंढ रहे हैं। बहुत से लोग कहते हैं कि वे जानते हैं कि उन्होंने एरिक को कहाँ देखा है। ''वह पहले यहां था। ''एशियाई बाजार में देखो,'' एक महिला कहती है। एक लड़की जिसे एवारिस्टे जानता

एवारिस्टे की स्कूल यूनीफार्म एक हल्की भूरे रंग की शर्ट और शॉर्ट्स की एक जोड़ी है। वे बहुत बड़े हैं, लेकिन वे कई वर्षों तक चलेगे। उसे एफवीएस अमाडे से जूते की एक जोड़ी और एक रक्सकैक मिला।

जब इवरिस्ट और सेल्मनी पाए गए, तो उन्हें अपनी दादी के साथ रहने के लिए आने से डेढ़ महीने पहले सड़क के बच्चों के लिए एफवीएस अमाडे के रिसेप्शन सेंटर में रहना पड़ा। अब चार अन्य बच्चे वहां रहते हैं।

## हमने सड़कों को छोड़ दिया है

''मैं आभारी हूं कि जेल में रहने के बाद वे यहां मेरा बहुत स्वागत कर रहे हैं। अब मैं सड़क पर दो साल रहेने के बाद फिर से स्कूल जा सकता हूं।''
*फ्रांसिन, 12*

''मैं सड़क पर दो महीने से रह रहा हूं, लेकिन अब मैं फिर से स्कूल जाना चाहता हूं और अन्य बच्चों की तरह बनना चाहता हूं।''
*एमेबिल, 12*

एवारिस्टे और सेलमानी पहले कभी स्कूल नहीं गए थे। वे एक ही कक्षा में हैं, कक्षा 1, भले ही सेलमानी एवारिस्टे से दो साल छोटा है। वे सुबह स्कूल जाते हैं, और दोपहर में, बड़े बच्चे स्कूल जाते हैं।

है कहती है कि उसने कई दिनों से एरिक नहीं देखा है। दो लड़के एवारिस्टे और सेलमानी को पहचानते हैं। वे पूछते हैं कि वे अपने विद्यालय यूनीफार्मों में क्या कर रहे हैं।

''हम दादी के साथ रहते हैं और हमने स्कूल जाना शुरू कर दिया है। यह अच्छा है,'' वे एवारिस्टे से कहते हैं।

## मिला और खो गया

कभी–कभी वे कई घंटों तक बाजार के चारों ओर घूमते हैं। कभी–कभी वे थोड़े समय के बाद ही घर जाते हैं। एफवीएस अमाडे नहीं चाहते हैं कि इवरिस्ट और सेलमानी अपने पुराने दोस्तों को वापस जाने के लिए लुभाने लगे।

हालांकि कभी–कभी वे सड़क के कुछ बच्चों जिनसे वे मिलते हैं, बाद में एफवीएस अमाडे के संपर्क में आते हैं। उन्हें एहसास है कि वे मदद प्राप्त कर सकते हैं, शायद स्कूल भी शुरू कर सकते हैं।

एक दिन, इवरिस्ट और सेलमानी को पता चलता है कि एफवीएस अमाडे के किसी व्यक्ति ने एरिक को ढूढ़ लिया है। उसने उसे पहचान लिया क्योंकि वह सेलमानी की तरह दिख रहा था। एरिक उसके साथ एफवीएस अमाडे गए, लेकिन वह केवल पांच दिनों तक रहे। उसने एवारिस्टे और सलमानी से मुलाकात की, लेकिन फिर वह गायब हो गया।

''वह ड्रग्स पर बहुत निर्भर है। अगर हम उसे फिर से पाते हैं, तो हमें उसकी ड्रग्स को छुड़वाने में मदद करनी होगी, ''एफवीएस अमाडे का एक सामाजिक कार्यकर्ता कहता है।

दादी राचेल राजधानी बुजंबुरा के बाहर एक पहाड़ी पर ऊपर रहती है। भाइयों का स्कूल पहाड़ी के तल पर ही है। नीचे उतरने में लंबा समय नहीं लगता, लेकिन जब बारिश होती है तो गंदा और फिसलन होती है।

''मैं फिर से अपनी मां को नहीं देखना चाहूँगा। वह सिर्फ मुझे भीक मंगवाना चाहती है और मैं उसे पैसे देता रहूं। अगर एसा हो सकता होता, तो मैं स्कूल जाता और वहीं रहता भी।''
*सेलेनिया, 12*

''हमें यहां बिना भीक मांगे या काम करके भोजन मिलता है। यह अच्छा है। मैं डेढ़ वर्ष से सड़क पर रहा हूं, लेकिन अब मैं स्कूल वापस जाना चाहता हूं जिससे मैं डॉक्टर बन सकूं।''
*लेवियन, 11*

TEXT: ERIK HALKJAER PHOTOS: JESPER KLEMEDSSON

सेलेस्टिन अपने जानवरों की देखभाल करता है जब वह स्कूल से घर जाता है। यहां वह अपनी बकरी और अपनी मां के बछड़े के साथ अपना होमवर्क कर रहा है।

सेलेस्टिन का मुर्गा

# सेलेस्टिन के जानवर एक बेहतर भविष्य बनाते हैं

**सेलेस्टिन के पिता उसे नहीं जानना चाहते थे, और उसे स्कूल में धमकाया गया था। लेकिन कोई भी अब उसे नहीं चिढ़ाता है। इसके बजाय, भविष्य में अपने विश्वास और अपने पशुओं से पैसे कमाने की उसकी क्षमता को सम्मानित किया जाता है।**

एक दिन जब वह आठ साल का था, सेलेस्टिन ने अपनी मां से पूछा कि वह क्या गोलियां थीं जो उसे हर दिन लेनी पड़ती थीं।

''तुम्हारे शरीर में एक वायरस है जिसे एचआईवी कहा जाता है। यदि तुम अपनी गोलियाँ नहीं लेते हो, तो तुमको एड्स हो सकती है और तुम मर सकते हो,'' उसकी मां मैरी ने समझाया, और कहा कि उसे भी वायरस था। और सेलेस्टिन के पिता को भी था।

सेलेस्टिन के पिता ने सेलेस्टिन को संक्रमित करने का आरोप उसकी मां पर लगाया। यह शायद दूसरा रास्ता था, लेकिन उसके पिता ने सेलेस्टिन और उसकी मां को घर के बाहर निकलने के लिए मजबूर कर दिया। सेलेस्टिन और उनकी मां को कुछ वर्षों तक विभिन्न गांवों में जा कर रहना पड़ा। सेलेस्टिन के पिता के रिश्तेदार नहीं चाहते थे कि वे उनके साथ रहें, लेकिन सेलेस्टिन अपने पिता की कुछ भूमि का वारिस बनने का हकदार हैं।

## बिलकुल सबकी तरह

अस्पताल में, सेलेस्टिन और उनकी मां ने एफवीएस अमाडे के एक व्यक्ति से मुलाकात की, जिसंने कहा कि उन्हें मदद मिल सकती है। एफवीएस अमाडे के वकीलों ने सेलेस्टिन को उसके पिता के रिश्तेदारों से एक घर दिलवाने में मदद की। घर उसकी दादी राहेल के घर के बगल वाला है। एफवीएस अमाडे ने यह भी सुनिश्चित किया कि सेलेस्टिन को स्कूल जाना है।

''मैंने किसी को यह नहीं बताया कि मैं एचआईवी पॉजिटिव था, लेकिन पिता के रिश्तेदारों में से एक स्कूल में काम करता था और उसने सब को बता दिया कि मेरे अंदर वायरस था,'' सेलेस्टिन कहता है।

अचानक उसके साथ कोई भी खेलना नहीं चाहता था और उसे कक्षा में अकेले बैठना पड़ा।

एक बहस के बाद, सेलेस्टिन और एक और लड़के को प्रधान अध्यापक के कार्यालय में बुलाया गया। शिक्षकों ने कहा कि सेलेस्टिन को स्कूल छोड़ना पड़ेगा। उसका रिश्तेदार सबसे बुरा था। लेकिन एफवीएस अमाडे ने प्रधान अध्यापक को बताया कि सेलेस्टिन दवा ले रही थी और एचआईवी सिर्फ अन्य बच्चों के साथ खेलकर नहीं लग सकती। तो प्रधान अध्यापक ने कहा कि वह स्कूल में रह सकता है।

''उस दिन से किसी ने मुझे छेड़ा नहीं है। उन्होंने स्कूल में सभी बच्चों को बताया कि एचआईवी क्या है और मैं बिलकुल अन्य सब बच्चों की तरह हूं,'' सेलेस्टिन कहता है।

सेलेस्टिन अपनी स्कूली किताबों की देखभाल करता है और सावधानी से उनको सुरक्षित रखने वाले कागज़ में लपेटता है।

TEXT: ERIK HALKJAER PHOTOS: JESPER KLEMEDSSON

## एक मुर्गी पांच हो जाती है

सेलेस्टिन के सभी रिश्तेदार मतलबी नहीं थे। एक दिन, उसकी चाची ने उसे एक मुर्गी दी। जब मुर्गी ने दस अंडे दिये, तो सेलेस्टिन ने केवल उनमें से पांच बेचे। वह बचाए गए पांच अंडे पांच चूज़े बन गए। उसने बेचने वाले पांच अंडों के पैसों से पांच चूजों के लिए फीड खरीदी। जब वे बड़े हो जाएंगे तो वो और अंडें देंगे। स्कूल में, सेलेस्टिन गणित पसंद करता है। उसकी मुर्गियों ने उसे अधिक जानवरों को खरीदने के लिए अर्जित धन का निवेश करने का विचार दिया।

तब मुर्गियों में से एक बीमार हो गयी और मर गया। उसने दूसरी मुर्गियों को संक्रमित कर दिया है, और वो भी मर गईं।

लेकिन सेलेस्टिन ने हार नहीं मानी। उसने पैसे बचाया और नई मुर्गीयों और एक मुर्गा खरीदा। उसने अपने मुर्गियों के लिए फीड खरीदने और अपनी मां की मदद करने के लिए अर्जित धन का इस्तेमाल किया।

## भेड़ के बदले में मोल चूहा

गांव के कई किसानों को उनकी फसलों को खाने वाले मोल के साथ समस्या है। जो कोई भी मोल पकड़ सकता है कमा सकता है और सेलेस्टिन ने अपना खुद के बहूत सारे जाल बना लिये हैं।

''मैंने एक दिन में 25 मोल पकड़े। मैं सुबह जल्दी उठ गया और जालो को बाहर डाल दिया। तब मैं स्कूल गया, और जब मैं घर गया तो कई जालों में मोल थे।''

सेलेस्टिन ने मॉल पकड़ने से अर्जित धन का उपयोग एक भेड़ खरीदने में किया। उसने भेड़ को बड़ा किया, फिर उसे बेच दिया और उस पैसे से एक बकरी खरीद ली। फिर उसने एक और बकरी और एक नई भेड़ खरीदी।

बकरियां और भेड़ उर्वरक के लिए खाद उत्पन्न करते हैं, जिसको सेलेस्टिन बाजार में बेचता है। कभी–कभी किसान उर्वरक खरीदने के लिए उसके घर आते हैं।

## अधिक से अधिक जानवरों

सेलेस्टिन अधिक जानवरों को खरीदने और उनके लिए फीड लेने के लिए पैसे का उपयोग करना चाहता है। वह अपनी मां की मदद करता है और अपने कपड़े और स्कूल की चीजों के लिए भुगतान करता है।

सेलेस्टिन की मां गांव के एकजुटता समूह की सदस्य है। उसे ऋण दिया गया है ताकि वह फल और सब्जियां उगा सकें, जिसे वह बाजार में बेचती है। वह एक गाय और एक बछड़ा खरीदने में भी सक्षम रही है।

''मैं स्कूल जाने से पहले सभी जानवरों को खिलाता हूं। जब मैं घर आता हूं, तब मैं उनकी देखभाल करता हूं। फिर मैं अंधेरा होने से पहले अपना होमवर्क करता हूं। ''

सेलेस्टिन को साइकिलों की मरम्मत करना प्रिय है और वह अक्सर एक साइकिल की मरम्मत करने वाले आदमी की मदद करता है। एक दिन वह अपनी स्थानीय साइकिल कार्यशाला बनाना चाहता है और शायद वह अपनी मोटरसाइकिल भी खरीद सके।

### अति आवश्यक दवा

जो एंटीवायरल दवा सेलेस्टिन हर दिन लेता है उसका मतलब है कि वह एड्स लगे बिना लंबा जीवन बिता सकता है।

## एफवीएस अमाडे उन लोगों की मदद करता है जो एचआईवी पॉजिटिव हैं

गर्भवती महिलाएं बच्चा पैदा होने पर एचआईवी वायरस से अपने बच्चे को संक्रमित कर सकती हैं। एचआईवी तब भी पारित किया जा सकता है जब वायरस वाले व्यक्ति का किसी अन्य व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध होता है। एचआईवी वायरस वाले व्यक्ति का रक्त किसी भी अन्य व्यक्ति को संक्रमित कर सकता है। एचआईवी के लिए अभी तक कोई इलाज नहीं है, लेकिन एंटीवायरल दवाएं वायरस को एड्स में विकसित होने से रोक सकती हैं, जो घातक है। जब तक आप एंटीवायरल दवाएं लेते हैं, तब तक आप अपने पूरे जीवन को एचआईवी के साथ जी सकते हैं। बुरुंडी में लगभग 84,000 लोग एचआईवी पॉजिटिव हैं। उनमें से दो तिहाई एंटीवायरल दवाएं लेते हैं। बुरुंडी में एचआईवी के साथ रहने वाले लोगों की संख्या पिछले कुछ वर्षों में काफी हद तक गिर गई है। एफवीएस अमाडे दो क्लिनिकें चलाता है जो एचआईवी वाले लोगों का इलाज करती हैं।

सेलेस्टिन उस घर के सामने जिसे एफवीएस अमाडे के वकील ने उसे उसके पिता के रिश्तेदारों से दिलाने में मदद की।

अशोक को क्यों नामित किया गया है?

## बाल अधिकार हीरो प्रत्याशी

# Ashok Dyalchand

पृष्ठ 52–69

अशोक दयालंद को भारत में लड़कियों के अधिकारों तथा बाल विवाह को समाप्त करने के लिए 40 वर्षों से अभियान चलाने की लंबी लड़ाई हेतु वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के लिए नामित किया गया है।

हर दिन, भारत में 15,600 लड़कियों को बाल विवाह करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। लड़कियों को जबरदस्ती स्कूल छोड़ कर अपने पति के घर में दास बनना पड़ता है। अगर वे गर्भवती हो जाती हैं तो वे मृत्यु का जोखिम उठाती हैं, क्योंकि उनका शरीर बच्चों को जन्म देने के लिए तैयार नहीं हो पाता।

लड़कियों के जीवन को बचाने के लिए, उनकी स्थिति उठाने और बाल विवाह समाप्त करने के लिए, अशोक और उनके संगठन आईएचएमपी ने लड़कियों के क्लब स्थापित किए। जबसे संगठन की स्थापना 1975 में हुई थी, 500 गांवों में लगभग 50,000 लड़कियों ने अपने अधिकारों के बारे में सीखा है और 'लाइफ स्किल्स एजुकेशन' प्राप्त की है। ज्ञान, आत्मविश्वास और एक दूसरे से समर्थन के साथ, लड़कियों ने अपने माता–पिता को मनाने में सफलता पाई है कि वे उन्हें बाल विवाह में मजबूर न करें, बल्कि उन्हें स्कूल समाप्त करने दें। अशोक ने लड़के क्लब भी स्थापित किये हैं, जहां अब तक 5,000 लड़के और युवा पुरुषों ने बाल विवाह, लड़कियों के अधिकार और लिंग समानता के बारे में सीखा है।

जब अशोक ने अपना संगठन शुरू किया, जहां आईएचएमपी कार्यरत थी, गांवों में लड़कियों की 14 साल की औसत उम्र में शादी हो रही थी। अब औसत आयु 17 है। अपने पहले बच्चे के जन्म पर एक लड़की की औसत आयु 18 हो गई है। इसका मतलब है कि कम मां और बच्चे प्रसव में मर रहे हैं। अशोक जहां काम करता है उन गांवों में लड़कियों की स्थिति भी उठाई गई है।

आईएचएमपी कई अन्य देशों में भी माता–पिता, पुलिस, गांव परिषदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी शिक्षित करता है। अशोक ने 1994 में भारत में लागू कानून की शुरुआत के लिए लड़ा जिसमें बच्चे के लिंग के आधार पर गर्भपात पर रोक लगा दी गई।

"एक लड़की को अपनी मां के गर्भ में पलने के समय से ही भेदभाव और उत्पीड़न किया जाता है, क्योंकि भारत में यदि बच्चा एक लड़की है तो कई माता–पिता गर्भपात चाहते हैं, भले ही यह अवैध है। अगर लड़की पैदा होती है, तो उसके कई मौलिक अधिकार ले लिये जायेंगे। सबसे खराब बाल उल्लंघन विवाह में ज़बरदस्ती भेजा जाना है। हर दिन, भारत में 15,600 लड़कियों को बाल विवाह करने के लिए मजबूर किया जाता है। मेरा काम इसे रोकना है," अशोक दयालचंद कहता है, जो 40 साल से अधिक के लिए लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़ रहा है।

### भारत की सभी लड़कियां

"यह तथ्य कि हम राज्य स्वास्थ्य कर्मियों की एक प्रणाली के माध्यम से काम कर रहे हैं जो पहले से मौजूद है, का मतलब है कि हम अपने बाल विवाह और लड़कियों के अधिकारों के विरुद्व वाले कार्यक्रम द्वारा भारत में सभी लड़कियों तक पहुंचने में सक्षम होने चाहिए!" अशोक कहता है।

"मैं एक सुन्दर घर में बड़ा हुआ, जो एक बड़े बगीचे से घिरा हुआ था। मेरी मां एक डॉक्टर थी और मेरे पिता ने एक बड़ा संगठन का नेतृत्व करते थे। मैं शिमला शहर के सर्वश्रेष्ठ स्कूल में गया, और अपने खाली समय में मैंने बिलियर्ड्स, फील्ड हॉकी एवं टेबल टेनिस खेला," अशोक कहता है।

"मैंने अपनी मां के कदमों के पीछे चलने का निर्णय लिया और मुझे भारत के शीर्ष चिकित्सा पाठ्यक्रम द्वारा स्वीकार कर लिया गया। "मैंने अपनी मां के पगचिन्हों पर चलने का निर्णय लिया और मुझे भारत के शीर्ष चिकित्सा पाठ्यक्रम द्वारा स्वीकार कर लिया गया। मैं एक बड़े शहर में एक अच्छे अस्पताल में एक सफल आंख विशेषज्ञ के रूप में काम करके, अच्छे पैसे कमाना और आरामदायक जीवन जीना चाहता था।"

### ग्रामीण मोबाइल अस्पताल

जब अशोक का अपने पाठ्यक्रम का प्रयोगात्मक भाग करने का समय आया, तो वह एक स्वास्थ्य सेवा टीम में शामिल हो गया जो पहाड़ के कुछ गांवों में घूमती थी। यह एक ग्रामीण मोबाइल अस्पताल था जिसने गरीब लोगों की आंखों के आपरेशन किए, जिन्हें अन्यथा कभी यह सहायता नहीं मिली होती।

"मैंने बड़े शहर वाली नाकरी नहीं की क्योंकि मैं एक अच्छा इंसान था। मैं जितनी जल्दी हो सके शहर लौट कर एक अच्छा जीवन बिताने की योजना बना रहा था। लेकिन

## लड़कियों को कचड़े में छोड़ दिया गया

"हम समझ गए कि भारत में लड़कियों की स्थिति हमारे पूर्व अनुमान से कहीं अधिक गंभीर थी, और लड़कियों के विरुद्ध भेदभाव उनकी मां के गर्भ में ही शुरू हो जाता था। अगर माता–पिता को स्कैन के दौरान पता चलता था कि उनके एक लड़की पैदा होने जा रही थी, तो कई गर्भपात करना चुनते थे। और भारत के विभिन्न भागों में, कन्या भ्रूण को जन्म लेते ही मार कर कचरे की पेटी में फेंक दिया जाता था," अशोक दुखी होकर कहता है। वह उस आंदोलन में एक महत्वपूर्ण आवाज बन गया जो लिंग के आधार पर गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून की शुरुआत के लिए जिम्मेदार था, जो 1994 में भारत में लागू हुआ था।

मुझे पता था कि ग्रामीण मोबाइल अस्पताल मुझे कम समय में ही अत्याधिक प्रयोगात्मक अनुभव देगा, क्योंकि हमने हर दिन 400 रोगियों की जांच की और एक सप्ताह में 200 ऑपरेशन किये।"

अशोक ने ग्रामीण मोबाइल अस्पताल के साथ तीन वर्षों तक यात्रा की और एक एसी दुनिया का सामना किया जो उसके लिए बिल्कुल अलग थी।

"मैं विलासिता में बड़ा हुआ था, अपने चारों ओर की समस्याओं से संरक्षित। ग्रामीण मोबाइल अस्पताल के साथ काम करना शुरू करने से पहले मैं कभी भी किसी भारतीय गांव नहीं गया था।"

अशोक अब चरम गरीबी में रहने वाले लोगों से घिरा हुआ था। वयस्क और बच्चे जो भूखे, बीमार थे और जिन्हें किसी तरह की शिक्षा नहीं मिल रही थी।

### तिब्बत की लड़की

एक दिन, अशोक ने एक गरीब छोटी तिब्बती शरणार्थी लड़की की जाँच की। उसने देखा कि उसे एक आंख में बीमारी थी जिसे सही इलाज मिलने पर ठीक किया जा सकता था। अन्यथा वह अंधी हो जाती। अशोक ने उसे अस्पताल के बिस्तरों में से एक में रख दिया। लेकिन उसका मालिक गुस्सा हो गया और उसने लड़की को फेंक दिया, क्योंकि बिस्तर केवल उन मरीजों के लिए थे जिनका आपरेशन किया जाना था।

"एक सप्ताह या बाद में, मैंने लड़की को बाजार में देखा कि वो अपनी मां के सहारे जा रही थी। तब मुझे एहसास हुआ कि लड़की पहले ही अंधी हो चुकी थी, तब मैं निराश हो गया। मुझे इस पर शर्म आई कि मैंने उसके लिए अधिक प्रयास नहीं किया था।

अशोक ने अपने मालिक को ढूढ़ा और उस पर चिल्लायाः

"तुमने एक छोटी लड़की को अंधा कर दिया है। मैं एक मिनट भी तुम्हारे बकवास अस्पताल में नहीं रहने वाला।"

"मैं बाहर निकल आया और वापस कभी नहीं गया। मुझे अब पता था कि मैं एक अच्छे अस्पताल में अच्छा भुगतान मिलने वाले आंख का डॉक्टर बनने की अपनी योजना पूरी नहीं कर पाऊंगा। उस छोटी लड़की ने मुझे हमेशा के लिए बदल दिया था।"

### महिलाएं मर रही हैं

अशोक ने गरीब लोगों की चिकित्सा देखभाल करन का फैसला किया। 1975 में, उसने पचोड के छोटे शहर में एक पांच बिस्तरों का पुराना अस्पताल ले लिया, जो चार साल तक गंभीर सूखे और अकाल से प्रभावित हो चुका था।

"मैं लोगों से बात करने और उन्हें वास्तव में क्या चाहिए, जानने के लिए मोटरबाइक पर इधर–उधर चला जाता था। मैं हर दिन बाहर रहता था,

## भारत में लड़कियों के लिए खतरनाक जीवन

- पांच वर्ष से कम आयु की 240,000 लड़कियां हर साल भेदभाव के कारण मर जाती हैं क्योंकि उनको लड़कों की तुलना में कम भोजन, चिकित्सा उपचार और देखभाल मिल पाता है।
- 3.7 मिलियन से अधिक लड़कियां स्कूल नहीं जाती।
- विश्व की 200 मिलियन से अधिक महिलाएं जो पढ़ नहीं सकतीं, उनमें सबसे अधिक अशिक्षित लड़कियों और महिलाओं की संख्या भारत में है।
- हर पांच मिनट में, घरेलू दुर्व्यवहार का मामला पुलिस को सूचित किया जाता है।
- हर दिन 92 लड़कियों एवं महिलाओं के साथ बलात्कार होता है (2014)।
- 11–16 मिलियन कन्या भ्रूण की हत्याएं 1990 और 2018 के बीच की हुईं।

यह वो मोटरसाइकिल है जिसे अशोक 43 साल पहले यात्रा करने के लिए इस्तेमाल करता था, गांवों में लोगों से बात करने के लिए कि उन्हें वास्तव में क्या चाहिए। वह 78 गांवों वाले एक क्षेत्र में एकमात्र डॉक्टर थे।

क्योंकि मैं 78 गांवों वाले एक क्षेत्र में एकमात्र डॉक्टर था। मैंने साक्षात्कार लिए, जांचें की, आपरेशन किये और फिर से अपनी मोटरबाइक पर बाहर निकल गया!''

अशोक जल्द ही समझ गया कि ग्रामीणों को लगा कि सबसे बड़ी समस्या यह थी कि कई गर्भवती महिलाएं मर रही थीं क्योंकि महिलाओं को अच्छी मातृ स्वास्थ्य देखभाल की कमी थी, जब वे गर्भवती थीं, और प्रसव के दौरान मदद चाहती थीं। ''अस्पताल को जाने वाली सभी सड़कों खराब थीं और बैलगाड़ी से परिवहन होता था। अपने पहले सप्ताह के दौरान, अस्पताल में, दो युवा लड़कियां और उनके अजन्मे बच्चे मर गए क्योंकि वे समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाई थीं।''

अशोक के मन में भारतीय गांवों में पारंपरिक दाईयों को सरल मातृ स्वास्थ्य देखभाल पढ़ाने का विचार आया। इस तरह वे गर्भावस्था में किसी भी समस्या का बहुत पहले ही पता लगा लेते और जान लेंते कि क्या किसी महिला को अस्पताल में चिकित्सा उपचार की आवश्यकता है या नहीं। उसका विचार एक बड़ी सफल रहा और यह पूरे भारत में फैल गया। गर्भवती लड़कियों और महिलाओं को अशोक के छोटे अस्पताल ले जाया गया। अब कई महिलाओं और उनके बच्चों के जीवन को बचाना संभव था।

### बाल विवाह

''हमने महसूस किया कि युवा गर्भवती महिलाओं की कई समस्याएं इस तथ्य से संबधित थी कि वे कम आयु की थीं। गांवों में, 18 साल की उम्र तक पहुंचने से पहले, 10 में से 8 से अधिक लड़कियों को विवाह कर दिया जाता था, जिनमें से ज्यादातर 14 वर्ष की उम्र की थी। लड़कियों जन्म देने के लिए तैयार होने से पहले ही गर्भवती हो रही थीं, जबकि वे स्वयं अभी बच्ची थीं। अक्सर प्रसव के दौरान लड़की और बच्चे दोनों की मृत्यु हो जाती थी। मुझे लगा कि मुझे जीवन बचाने के लिए बाल विवाह का अंत करना पड़ेगा, लेकिन इस लिए भी कि पीड़ितों में सभी लड़कियां अपना बचपन खो चुकी थीं और उनके अधिकारों का उल्लंघन हुआ था।''

अशोक को एहसास हुआ कि विवाह से पहले ही लड़कियों से बहुत बुरा व्यवहार किया जा रहा था। ''जीवन में बहुत जल्दी ही, लड़कों की लड़कियों की अपेक्षा बेहतर देखभाल की जाती थी। पुत्रियों की तुलना में बेटों को अधिक स्तन दूध, भोजन, टीकाकरण और अन्य स्वास्थ्य देखभाल मिलती थी। लड़कियों अक्सर कुपोषण के कारण कमज़ोर हो जाती थीं और यदि वे बीमार पड़ जाती थीं, तो उन्हें डॉक्टर को देखने के लिए बाद में ले जाया जाता था, या नहीं।''

जबकि लड़के स्कूल जाते थे और अपने दोस्तों के साथ समय बिताया करते थे, अशोक ने देखा कि गांवों में लड़कियां घर पर रहती थीं, घर के सभी काम करती थीं और अपने छोटे भाई–बहनों की देखभाल करती थीं। उनका विचार लड़कियों को किसी की पत्नी और किसी की मां होने के लिए तैयार करना था, न कि उन्हें अपने जीवन जीने की अनुमति दें।

''हम लड़कियों और उनके बचावकर्ता के रूप में उनके लिये एक आवाज़

## 12 मिलियन बालिका वधु

- हर साल विश्व भर में 12 मिलियन बालिकाएं 18 साल की उम्र तक पहुंचने से पहले शादी करने के लिए मजबूर हो जाती हैं। इसका अर्थ 23 बालिकाएं हर मिनट, या लगभग एक बाल विवाह हर दो सेकंड में होता है।
- विश्व में 5 लड़कियों में से 1 लड़की 18 साल की उम्र से पहले विवाहित होती है।
- हर दिन, 15 साल की औसत उम्र की 15,600 लड़कियां विवाहित होती हैं, इस तथ्य के बावजूद कि बाल विवाह अवैध है।
- पूरी विश्व में भारत में सबसे अधिक बालिका वधु हैं।
- बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन बाल विवाह को प्रतिबंधित करता है, लेकिन विश्व के 93 देश 18 साल की उम्र तक पहुंचने से पहले लड़कियों को विवाह करने की अनुमति देते हैं।
- 2030 के लिए संयुक्त राष्ट्र के लक्ष्यों में से एक बाल विवाह को समाप्त करना है।
- अगर हम बालिका वधु की संख्या को कम करने में विफल रहते हैं, तो विश्व में 2050 तक अनुमानित 1.2 अरब लड़कियां बालिका वधु हो जाएंगी।

## हम अशोक के क्लब के सदस्य हैं!

अजय, 17

अंजली, 14

आकाश, 17

अंजली, 14

आकाश, 16

अन्युम, 14

आशोक, 17

अशोक और उनके संगठन के काम से 50,000 लड़कियों तक पहुंचा जा चुका हैं। उनमें से आधी 500 गांवों में अविवाहित लड़कियां हैं जिन्होंने लाइफ स्किल्स एजुकेशन कोर्स में भाग लिया और अब गर्ल्स क्लब की सदस्य हैं।

लाइफ स्किल्स एजुकेशन पर पुस्तक, जो इन लड़कियों के लिए अति आवश्यक है।

बनना चाहते थे।''

1985 में, अशोक और उनके सात सहयोगियों ने संगठन आईएचएमपी (इन्स्टीटयूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंन्ट अर्थात स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान, पचोड) शुरू किया – एक केंद्र जो निवारक मातृत्व देखभालएवं स्वास्थ्य देखभाल के लिये काम करेगा, और बाल विवाह तथा लड़कियों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए लड़ेंगा।

## लड़कियां दास बन जाती हैं

''बाल विवाह के अधीन होने से अधिक किसी लड़की के अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता। उसे अपने पति के दास बनने के लिए स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है, उसके बच्चों को जन्म देती है और घर के सभी काम करती है। उसके अपने परिवार, उसके दोस्तों, उसकी आजादी और उसके सपने टूट जाते हैं। लड़की अपने घर में एक कैदी बन कर रह जाती है। मैंने सोचा कि क्या परिवार वास्तव में अपनी बेटियों के लिए यही चाहता था। और इसके अतिरिक्त, बाल विवाह वास्तव में, भारत में कानून के विरुद्ध है,'' अशोक बताता है।

हजारों ग्रामीणों से बात करने के बाद, अशोक को कई महत्वपूर्ण बातें समझ में आईं। अधिकांश परिवार अपनी बेटियों को बच्चों के रूप में उनकी शादी नहीं करना चाहते थे, लेकिन पुरानी परंपराओं, समूह के दबाव और गरीबी ने उन्हें महसूस कराया कि उनके पास कोई विकल्प नहीं था। गांव के रिवाज के मुताबिक, अगर कोई परिवार अपनी बेटी की जल्दी शादी नहीं करता तो सभी पड़ोसी संदिग्ध हो जाते थे। अफवाहें शुरू हो जातीं। ''बेटी के साथ कुछ समस्या है इसलिए वे उसकी शादी नहीं करना चाहते हैं? शायद पूरे परिवार में कुछ गड़बड़ है?''

भारत में, शादी के समय होने पर लड़की का परिवार पति के परिवार को दहेज देता है, हालांकि यह भी भारतीय कानून के विरुद्ध है। दहेज पैसा, फर्नीचर, आभूषण, कार, मोटरसाइकिल, पशु या अन्य सामान हो सकता है। लड़की जितनी बड़ी होगी, उतना ही उसके परिवार को भुगतान करना होगा। यही कारण है कि गरीब परिवारों को अक्सर अपनी बेटियों से कम उम्र में शादी करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। यह इस प्रकार सस्ता पड़ता है। और क्योंकि लड़की इतनी जल्दी शादी कर रही है, परिवार नहीं सोचते कि उसे बिलकुल भी स्कूल जाने की जरुरत है। वहां पैसा बर्बाद हो जाता है, क्योंकि बेटी परिवार में पैसा नहीं दे रही है क्योंकि वह एक गृहिणी बनने जा रही है और अपने नए परिवार की देखभाल कर रही है। परिवार भी डरते हैं कि लड़के और पुरुष अपनी बेटियों को यौन उत्पीड़न के अधीन करेंगे यदि वे घर से बाहर समय बिताती हैं, जैसे स्कूल जाने और उनके रास्ते पर। यह बेटी और परिवार के सम्मान पर शर्म लाता है और लड़की की शादी करना मुश्किल हो जाता है।

## लड़कियों के लिए लाइफ स्किल्स एजुकेशन (जीवन कौशल शिक्षा)

''हम देख सकते थे कि लड़कियों के अधिकारों का उल्लंघन किया गया

आनंद, 17

अश्विनी, 14

भीमराव, 17

अश्विनी, 13

चेतन, 16

भाग्यश्री, 14

कोरान, 15

गंगासागर, 12

था क्योंकि समाज समान नहीं था और लड़कियां एवं महिलाएं का कई माइनों में मूल्य कम था। उन्हें अपने जीवन पर ज्ञान और शक्ति से वंचित कर दिया गया था। हम यह भी समझ गए कि कई परिवार नहीं चाहते थे कि चीजें इस तरह हों, और बदले में उनकी बेटियां बाल विवाह से बचने, स्कूल खत्म करने, और अधिक पढ़ें और खुश रहें।''

ग्रामीणों और अशोक ने केवल लड़कियों वाले क्लब स्थापित करने का फैसला किया, जहां वे एक–दूसरे का समर्थन कर सकती थी और महत्वपूर्ण बाते सीख सकती थीं। साथ में उन्होंने लाइफ स्किल्स एजुकेशन पर एक पाठ्यपुस्तक तैयार की जो लड़कियों को अपना जीवन अच्छे से बिताना में मदद करेगी। विषयों को इस आधार पर चुना गया था कि ग्रामीणों को स्वयं की बेटियों को सिखाने के लिए क्या महत्वपूर्ण लगता था। इसमें वयस्कों के रूप में जीवन व्यतीत करके कमाई करने में मदद करने के लिए शिल्प सीखने, लड़कियों के अधिकारों, मासिक धर्म और स्वास्थ्य, हमले की रिपोर्ट कैसे करें और बैंक कैसे काम करते हैं, सब कुछ शामिल था। अधिक ज्ञान के साथ, अशोक ने आशा व्यक्त की कि वह लड़कियों, उनके परिवारों तथा पूरे गांव की स्थिति सुधारेगा और बाल विवाह होने से उनकी रक्षा करेगा।

### लड़कियों के क्लब

''हमें सावधानी से सोचना था कि कैसे स्थिति को समझना था जिसे ग्रामीणों की मंजूरी होती, क्योंकि लड़कियां शायद ही कभी घर या स्कूल से दूर नहीं जाती थीं। उनके लिए करने की दो वास्तव में महत्वपूर्ण बाते थीं: लड़कियों को मिलने और सीखने के लिए एक सुरक्षित तरीका और एक सुरक्षित जगह खोजें। ग्रामीणों ने स्वयं जीवन कौशल पढ़ाने के लिए स्थानों का सुझाव दिया। स्कूल के बाद गांव हॉल, एक मंदिर या कक्षा जैसे स्थान।''

चूंकि ग्रामीण महिला स्वास्थ्य कर्मियों (आशा), जो हर भारतीय गांव में होते

## यही है जो लड़कियों सीखती हैं:

- बच्चे के अधिकार।
- लड़कियों के अधिकार।
- बाल विवाह।
- मासिक धर्म, स्वास्थ्य और एक साथ रहना।
- तलाक के लिए महिला का अधिकार।
- महिलाओं के प्रति पुरुषों की हिंसा, उदाहरण के लिए घरेलू दुर्व्यवहार।
- कहाँ और कहाँ लड़कियां हमले के मामलों दर्ज करा सकती हैं।
- कैसे टैबलेट और इंटरनेट का उपयोग करें।
- एक शिल्प, जैसे सिलाई–कढ़ाई।
- समाज कैसे काम करता है, उदाहरण के लिए पुलिस, बैंक और ग्राम परिषद।

''हम गर्ल्स क्लब के साथ अध्ययन यात्राओं पर जाते हैं। इससे पहले, केवल पुरुष थे जो जानते थे कि समाज कैसे काम करता है। महिलाएं पूरी तरह से पुरुषों पर निर्भर थीं और बिलकुल शक्तिहीन थीं। अब हम अधिक ज्ञान सीखते हैं और इसलिए हमें अपने जीवन पर अधिक नियंत्रण रहता है,'' सलिया, 15, कहती है, जो लगभग 25,000 लड़कियों में से एक है जिन्होंने अब तक अशोक की लाइफ स्किल्स एजुकेशन क्लास पूरा किया है।

गर्ल्स क्लब को जाते हुए।

रामडे, 16

कावेरी, 13

रवि, 16

कोमल, 13

रुषिकेस, 16

मनीषा, 12

सागर, 16

मरिजका, 13

साहिल, 16

हैं, पर बहुत भरोसा करते थे, अशोक को लगा कि वे लड़कियों के लिए सही शिक्षक होंगे। **लाइफ स्किल्स एजुकेशन क्लास** को पढ़ाने के तरीके में स्वास्थ्य श्रमिकों को आईएचएमपी द्वारा प्रशिक्षित किया गया, और 1999 में पहले क्लब शुरू हुआ। प्रत्येक क्लब 11–19 साल की 25 अविवाहित लड़कियों से बना था, जो छह महीने तक सप्ताह में दो बार मिलती थीं। ''लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ा जैसे उनका ज्ञान बढ़ा और उनको घर से बाहर निकलने और एक दूसरे से बात करने का अवसर मिला एक एसी जगह जो केवल उनके लिए थी। और जहां उनकी राय माइने रखती थी।'' लड़कियों ने अपने माता–पिता और पड़ोसियों के साथ लड़कियों के अधिकारों के बारे में साझा किया जो उन्होंने सीखा।

अशोक और आईएचएमपी ने अन्य गांवों में और अधिक लड़कियों के क्लब शुरू कर दिये। पाठ्यक्रम समाप्त होने से पहले, लड़कियों ने समूह से किसी एक को चुना और फिर उसने क्लब का नेतृत्व और प्रशिक्षण किया। गर्ल्स क्लब ने गांवों में अपने अधिकारों को उजागर करने के लिए सड़क थिएटर का प्रदर्शन शुरू किया। लड़कियों के अधिकारों में आईएचएमपी माता–पिता, पुलिस, गांव परिषदों के सदस्य और अन्य को शिक्षित किया।

## बहादुर लड़कियां

थोड़ी देर के बाद, पचोड के आसपास के गांवों में बाल विवाह की परम्परा में बदलाव आने से स्थिति बदलनी शुरू हो गई।

''जिन लड़कियों ने लाइफ स्किल्स एजुकेशन क्लास पूरा किया था और जो गर्ल्स क्लब में भाग लेती रहीं वे अपनी शादी रोकने और स्कूल समाप्त करने में कामयाब रहीं। लड़कियों को ज्ञान और साहस प्राप्त हुआ था। उन्होंने बात करने और अच्छे तर्कों का उपयोग करना सीख लिया था, जिससे उन्हें अपने माता–पिता को योजनाबद्ध बाल विवाह रोकने में मदद मिली। एक समूह जो पूरी तरह से अदृश्य और शक्तिहीन था, अचानक बेटीयों को उनके अधिकारों को समझाने में सफल होने लगा और बेटियों के महत्व को भी जिससे उनको स्कूल समाप्त करके एक पेशे में लगने की अनुमति मिल गई!'' अशोक बताता है।

यद्यपि काम अच्छी तरह से चल रहा था, अशोक तब भी चिंतित था कि चीजें पर्याप्त तेजी से आगे नहीं बढ़ रही थीं। कई लड़कियों को अभी भी शादी करने के लिए मजबूर किया जा रहा था, और कई बच्चे के जन्म में मर रही थीं।

''हमने नव विवाहित जोड़ों के साथ काम करना शुरू किया जहां लड़की 18 वर्ष से कम आयु की बच्ची थी। हमने उसे एवं उसके पति और पूरे गांव को गर्भवती होने पर लड़की के सभी खतरों के बारे में बताया, और प्रोत्साहित किया की पहली गर्भावस्था में जितनी देर तक संभव हो सके उतनी देरी करें। हमने राज्य स्वास्थ्य कर्मियों के साथ काम किया जिसमें हमने लोगों के विचारों को शादी करने की उचित उम्र के बारे में बदलने का

जिन लड़कियों ने लाइफ स्किल्स एजुकेशन कोर्स पूरा किया है और गर्ल्स क्लब में भाग लेना जारी रखा है, वे एक के बाद एक बाल विवाह को रोकने में सफल रही हैं, और स्कूल की पढ़ाई समाप्त करने में सक्षम हैं। उन्होंने ज्ञान और साहस प्राप्त किया है, और अपने माता–पिता को योजनाबद्ध बाल विवाह रोकने का विश्वास दिलाया है।

**बॉयज क्लब की बैठकें**
लड़के एक महीने में एक बार बॉयज क्लब में मिलते हैं और लड़कियों के अधिकार, बाल विवाह और लिंग समानता के बारे में जानते है।

## अशोक और आईएचएमपी कैसे काम करते हैं

बाल विवाह और लड़कियों के अधिकारों के विरुद्ध अशोक और आईएचएमपी लड़ाई:

- अविवाहित लड़कियों के लिए गर्ल्स क्लब शुरू करना, जहां वे अपने अधिकारों के बारे में जानती हैं और लाइफ स्किल्स एजुकेशन प्राप्त करती हैं। गर्ल्स क्लब लड़कियों के लिए सुरक्षित स्थानों के रूप में भी काम करते हैं, जहां वे उन मुद्दों पर बात कर सकते हैं जो उनके लिए महत्वपूर्ण हैं।
- अविवाहित लड़कों के लिए बाइज़ क्लब शुरू करना, जहां वे बाल विवाह, लड़कियों के अधिकारों तथा लिंग समानता के बारे में जानते हैं।
- नव विवाहित जोड़ों को शिक्षित करना, जहां वधु 18 साल से कम उम्र की बच्ची होती है, लड़कियों के अधिकारों और लड़की और उसके बच्चे दोनों के जीवन को बचाने के लिए जितनी देर तक संभव हो सके गर्भावस्था में देरी का महत्व समझाते हैं।
- कई देशों से अभिभावकों, पुलिस, गांव परिषदों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को लड़कियों के अधिकारों तथा लिंग समानता के बारे में शिक्षित करना।

संदीप, 17

पल्लवी, 14

रूपाली, 12

सुभाष, 15

सानिया, 13

विनोद, 17

सीमा, 14

विनोद, 22

उर्मिला, 14

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

बैशेली एवं अराती का बड़ा भाई, अशोक के बाइज़ क्लबों में से एक क्लब का सदस्य है। नतीजतन, उसने घर पर मदद करना शुरू कर दिया है, ताकि उसकी बहनों को खेलने और होमवर्क करने का समय मिल सके।

प्रयास किया। हमने गर्भ निरोधकों के लाभों की व्याख्या की और उन्हें लड़कियों के अधिकारों के बारे में सिखाया। हमने यह भी सुनिश्चित किया कि लड़कियों को समर्थन और नियमित स्वास्थ्य जांच दी गई थी। इससे कई युवा लड़कियों के जीवन को बचाने में मदद मिली।''

## तो लड़कों के बारे में क्या?

अपने चालीस वर्षों के काम के समय में, अशोक और आईएचएमपी को वास्तव में किसी भी गंभीर विपक्ष का सामना कभी नहीं करना पड़ा है, क्योंकि जो कुछ भी वे करते हैं वह ग्रामीण अपनी बेटियों के लिए चाहते हैं। लेकिन कभी–कभी गांवों में किशोर लड़कों और युवा पुरुषों ने पत्थर फेंके और चिल्लायेः ''तुम लड़कियों को हमारे सिर पर खड़े होना सिखा रहे हो!'' अगली बार तुम आओगे, तो हम तुमको पत्थर मारेंगे!'' अशोक को एहसास हुआ कि लड़कों की परवाह नहीं की गयी थी और यह एक बड़ी गलती थी।

''स्पष्ट था कि यदि हम बाल विवाह को रोकना चाहते थे तो लड़कों को इसके बारे में समझना और उनको इसमें शामिल करना आवश्यक था। आखिर वो पुरुष ही थे जो बहुत कम उम्र की लड़कियों से शादी कर रहे थे, और लड़के और पुरुष जो लड़कियों और महिलाओं को पीटते थे और उनके विरूद्ध भेदभाव करते थे। यही कारण है कि लड़कों को भी बोर्ड पर होना और लिंग समानता के बारे में जानना जरूरी था।''

2014 में, अशोक और आईएचएमपी ने लड़कों के क्लब भी शुरू कर दिये, जो गर्ल्स क्लब के समान ही काम करते थे। लड़के हर महीने एक साथ मिलते थे और लड़कियों के अधिकार, बाल विवाह और लिंग समानता के बारे में सीखते थे।

## प्रमुख सफलताएं

अशोक के काम से लगभब 50,000 लड़कियां तक पहुंचा जा चुका हैं। उनमें से आधी 500 गांवों में अविवाहित लड़कियां हैं जिन्होंने लाइफ स्किल्स एजुकेशन क्लास पूरा कर ली है और जो अब गर्ल्स क्लब की सदस्य हैं। अब तक 5,000 अविवाहित लड़के और युवा पुरुष तक लड़कों के क्लबों द्वारा पहुंचा जा चुका है।

जिन गांवों में आईएचएमपी काम करता है, वहां अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली लड़की की औसत आयु 18 हो गई है। पहले से कम मां और बच्चे प्रसव में मर रहे हैं। अब आईएचएमपी 173 गांवों में काम करता है जिसमें 120 कर्मचारी हैं, इनमें डॉक्टर, नर्स, शोधकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं।

''जब हमने पचोड में अपना काम शुरू किया, तब शादी के समय लड़की की औसत उम्र 14 थी, अब यह 17 है। यह पहले से बेहतर है, लेकिन निश्चित रूप से हम संतुष्ट नहीं होंगे जब तक कि हर शादी करने वाली लड़की कम से कम 18 वर्ष की होती है।''

जिन गांवों में अशोक काम करता है, वहीं लड़कियों की स्थिति में काफी सुधार हुआ है, और उनके काम की रिपोर्ट विश्व भर में दूर–दूर तक फैल गई है। आईएचएमपी ने अफगानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, थाईलैंड, इथियोपिया, केन्या, सोमालिया और सुडान के सामाजिक श्रमिकों के लिए पचोड के केंद्र में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाए हैं।

''हमारा लक्ष्य है लड़कियों के लिये स्वतंत्रता और एक एसा समाज जो यौन भेदभाव एवं असमानता से मुक्त हो। हमें एक लंबा रास्ता तय करना है, लेकिन हर बार जब हम अपने क्लबों में लड़कियों से मिलते हैं और उनके भविष्य के लिए सपनों के बारे में सुनते हैं, तो यह मुझे इस महत्वपूर्ण मिशन को जारी रखने के लिए नई शक्ति देता है! ''अशोक कहता है।

## एक साथ

''मैं अकेले इस काम को करने में कामयाब नहीं हो सका होता। मेरे दोस्तों और सहयोगियों के बिना लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़ाई कभी संभव नहीं होती। हम एक टीम हैं,'' अशोक कहता है। पचोड़ के कार्यालय में मनीषा ने शुरुआत से ही उसके साथ काम किया है।

# प्रस्तुतियां लड़कियों की जिंदगी बचाती हैं

जमखेद के छोटे शहर में अभी शाम है। एक मंदिर के पास, एक व्यस्त सड़क के चौराहे पर, अशोक के गर्ल्स क्लबों में से एक लड़कियों के अधिकारों के बारे में एक नाटकीय प्रतुति कर रहा है। कोयल, 14 और दीपाली, 14, एक भावनात्मक नृत्य और अभिनय प्रस्तुति देते हैं। दर्शक, जिसमें सभी उम्र के लड़के, लड़कियां, पुरुष एवं महिलएं शामिल है, स्तब्ध रह जाते हैं। ''नुक्कड़ नाटक लोगों को महत्वपूर्ण बातें बताने का एक सुन्दर तरीका है,'' कोयल कहती है।

''हमारे एक नृत्य का गीत लड़कियों को मारने के बारे में नहीं है बल्कि उन्हें स्कूल जाने और एक अच्छा जीवन पाने का मौका देने के बारे में है। भारत में, कन्याओं की भ्रूण की हत्या की जाती है जब माता–पिता पैदा होने से पहले गर्भपात करा देते हैं अगर उन्हें पता चलता है कि वे एक कन्या को जन्म देने जा रहे हैं। कभी–कभी कन्याओं की जन्म के बाद भी हत्या कर देते हैं जब उन्हें पता चलता है कि बच्चा एक लड़की है,'' दिपाली दुखी होकर कहती है।

कोयल सिर हिला कर स्वीकृति देती है और इसकी व्याख्या करने की कोशिश करती है:

''जब एक लड़की का विवाह होता है तो उसका परिवार पति के परिवार को दहेज देता है। वे पूरी विवाह की दावत के लिए भुगतान करते हैं, पति के परिवार को पैसे, घरेलू सामान, बकरियां, कारें और अन्य उपहार देते हैं। बहुत गरीब परिवारों के लिए दहेज बहुत अधिक होता है, और यही कारण है कि वे बेटियों से छुटकारा पाने का फैसला करते हैं। एक बेटे पर पैसे नहीं लगते। इसके बजाए, बेटे के विवाह होने पर दहेज वाली एक नई लड़की परिवार में शामिल हो जाती है। वह कहती है कि परिवार एक बेटे से पैसे कमाता है और बेटी से पैसा खो देता है।

''जब मैं इसके बारे में सोचता हूं तो मुझे बहुत गुस्सा आता है! यह गलत है, और यही कारण है कि हमारे वहां नुक्कड़ नाटक होते हैं। हम लोगों के लड़कियों को देखने का नजरिया बदलते हैं और उन्में जागरूकता फैलाते हैं। ''लड़कियों भी लड़कों के समान मूल्यवान हैं,'' दीपाली कहती है।

लेकिन यद्यपि गर्ल्स क्लब नाटक अक्सर गंभीर विषयों के बारे में होते हैं, और वे बहुत सारे दर्शकों के सामने प्रदशित किये जाते हैं, फिर भी लड़कियां एक सेकंड के लिए भी संकोच नहीं करती हैं।

''जब हम प्रदर्शन करते हैं, हम थोड़ा सा भी परेशान नहीं होते, यह बस मजेदार लगता है। और महत्वपूर्ण है। हम लंबे समय तक इसको करते रहेंगे।'' 🌐

## दहेज को नहीं!

''दहेज वास्तव में खराब होता है। वह लड़कियों के लिए बड़ी समस्याएं पैदा करता है। वह अवैध हैं, लेकिन यह फिर भी होता है,'' कोयल कहती है। कोयल एक डॉक्टर और दीपाली एक महिला पुलिस बनना चाहती है।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

## Salia, 15

**जीवन में:** ब्राह्मनगांव।

**प्यार करता है:** मेरा छोटा भाई!

**नफरत:** यह तथ्य कि हम लड़कियों और हमारी राय नहीं माइने रखती हैं।

सबसे अच्छी बात जो मेरे साथ हुसी: जब मैं बाल विवाह को रोकने में सफल हुयी।

सबसे बुरी बात जो मेरे साथ हुयी: जब वे मेरी शादी की योजना बना रहे थे।

**बनना चाहती है:** अशोक के संगठन, आईएचएमपी में एक शिक्षक या सामाजिक कार्यकर्ता बनना चाहती है।

**आदर्श मानती है:** मेरे दादाजी। वह मेरा सम्मान करते हैं और जो कुछ भी मैं कहती हूं उसे सुनते हैं। मैं आईएचएमपी में अपने अधिकारों के लिए लड़ने वाले सभी लोगो से प्रेरित होती हूं जो हमारे अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मैं उनके जैसे बनना चाहती हूँ!

# बाल विवाह के विरुद्ध सलिया की

**''अशोक के गर्ल्स क्लब के बिना, मेरा जीवन कुछ और ही रहा होता। मैं विवाहित होती, स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर होती और मैं एक बच्ची होते हुए शायद अभी से मां बन गई होती। अगर मैं जन्म के समय बची नहीं होती, तो मेरा जीवन समाप्त हो गया होता,'' 15 वर्षीय सलिया, गंभीर स्वर में कहती है। वह भारत में 15,600 लड़कियों में से एक बालिका वधु बनने के रास्ते पर थी, जिन्हें हर दिन बाल विवाह करने में मजबूर किया जाता है।**

''वह दिन, दो साल पहले, किसी अन्य दिन की तरह था। मैं और मां आग के पास बैठे थे, आपस में बातें कर रहे थे और मिलकर खाना पका रहे थे। वह एक सब्जी करी बना रही थी और मैं चपाती रोटी बना रही था। जब हम वहां बैठे थे, एक महिला, जो एक पारिवारिक मित्र थी, हमारे वहा आकर रुक गई। इसमें कुछ भी अजीब बात नहीं थी। रिश्तेदार, पड़ोसी एवं मित्र अक्सर हमारे गांवों में एक–दूसरे से मिलने आया करते थे। हमने खा लिया, बातें की और एक अच्छा समय बिताया। लेकिन थोड़ी देर बाद, रात के भोजने के बाद, सब कुछ बदल गया। मैंने सुना कि महिला अचानक कहने लगी: 'मैं चाहती हूं कि आप मुझे अपनी बेटी सलिया को मेरे बेटे के लिए पत्नी के रूप में दें।''

''मैं चौंक गई और रोना शुरू कर दिया। मैं वास्तव में शादी नहीं करना चाहती थी। मैं स्कूल जाना चाहती थी, जिसे मैं प्यार करती थी। मैं सिर्फ 13 साल की थी, और मुझे पता था कि उसका बेटा मुझसे कम से कम दस साल बड़ा था, वह एक वयस्क था। मैने अजीब सा महसूस किया।''

### हमने विरोध किया

''मैं अशोक के गर्ल्स क्लब में से एक में थी, और मैंने बाल विवाह के बारे में बहुत सी बुरी बातें जानीं। मुझे पता था कि मुझे स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर होना होगा और अगर मैं गर्भवती हो गई तो मैं और मेरा बच्चा मर सकता है। लेकिन सबसे अधिक, मुझे पता था कि बाल विवाह अवैध था।

''मैं चिंतित और गुस्से में थी। मुझे बहुत अजीब लगा कि मेरा परिवार बैठा था और मेरी शादी करने पर चर्चा कर रहे थे। मैं रोयी और उस रात सो नहीं सकी। मेरे दिमाग में चारों ओर विचार घूम रहे थे। महिला रात में रुक गई, लेकिन अगले दिन मैंने स्कूल जाने से पहले उससे एक शब्द नहीं कहा। मुझे लगा कि वह

### एक बेहतर जीवन के लिए शिक्षा

''लड़कियों के लिए शिक्षा प्राप्त करना सचमुच महत्वपूर्ण है! यदि कोई लड़की जिसकी कम या कोई शिक्षा नहीं है, को 12 या 13 वर्ष की उम्र में शादी करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, तो वयस्क व्यक्ति के लिए उसे अपनी संपत्ति के टुकड़े की तरह व्यवहार करना आसान होगा। वह उस पर हावी रहेगा और जो चाहेगा वह करेगा। लेकिन अगर लड़की स्कूल गई है और 18 वर्ष से अधिक है, तो यह उतना आसान नहीं होगा। तब उसके पास अधिक ज्ञान होगा, अधिक आत्मविश्वास और वह अधिक स्वतंत्र होगी, और उसका जीवन बेहतर हो सकता है,'' सलिया कहती है।

सलिया मिर्चा पीसती है और अपनी मां के साथ चपातियां बनाती है।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

# भूख हड़ताल



''मेरी सबसे अच्छी चीजें जो हैं वो मेरे स्कूल की चीजें हैं – मेरी किताबें, पेन और स्कूलबैग'', सलिया कहती है, अपने छोटे भाई के साथ होमवर्क करते हुए।

मेरी जिंदगी नष्ट करना चाहता थी। और जब मैं स्कूल से घर आयी, तो मुझे अपना ध्यान केंद्रित करना असंभव था। मुझे बहुत ज्यादा बुरा लगा था।''

''मैं इतनी चिंतित थी कि मैंने मदद के लिए अपनी दोस्तों रोजिना और सैमा से पूछने का निर्णय लिया। वे भी गर्ल्स क्लब में थीं। साथ में हमने विरोध करने का फैसला किया। बेशक मेंने बहुत बुरा महसूस किया, फिर भी



## तीन पीढ़ी

दोनों सलिया की मां सजीदा और उनकी दादी जैतून ने 12 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया था।

''जब मैं छोटी थी, तब लड़कियां स्कूल नहीं जाती थीं। हमारे बारे में कोई नहीं सोचता था। मुझे लगता है कि यह वास्तव में अच्छा है कि सलिया ने अभी तक शादी नहीं की है, और वह स्कूल खत्म कर लेगी और उसका एक अच्छा भविष्य होगा,'' उसकी दादी कहती है।

## पिताजी और दादा अच्छे पुरुष हैं

''मेरे परिवार में, मां और पिता एक साथ निर्णय लेते हैं। लेकिन परिवार में पिता के लिए सबसे ज्यादा शक्ति रखना और यह तय करना अधिक सामान्य है कि विवाह होना चाहिए या नहीं। मैं अपने पिता समद से प्यार करती हूं, क्योंकि उसने मेरी शादी रद्द कर दी है! और मेरे दादा जलाल ने पूरी तरह से अपना मन बदल दिया है। पहले उसने सोचा कि शादी एक अच्छा विचार था, लेकिन अब बिल्कुल नहीं। उन्हें गर्व है कि मैं एक गर्ल्स क्लब की सहकर्मी नेता हूं और मैं लड़कियों के अधिकारों में अधिक प्रशिक्षण के लिए पचोड शहर की यात्रा करती हूं। वह रास्ते में मेरे साथ जाना पसंद करते हैं, और यह मुझे खुश करता है!''

मुझे अच्छा लगा कि मैं अकेली नहीं थी।''

### भूख हड़ताल

''रोजिना स्कूल के बाद मेरे साथ घर आई और मेरे माता–पिता को एक लड़की के बारे में बताया जो एक व्यवस्थित बाल विवाह में मजबूर हो गयी थी। लड़की इतनी निराश हो गई थी कि उसने गांव के कूएं में डूबकर अपनी जान ले ली।

''मेरी मां चिंतित हो गई जब उसने यह सुना और मेरे पिता से बात की। मुझे पता था कि पिता वास्तव में मेरी तरफ थे, लेकिन मैं अभी भी चिंतित थी कि वह महिला के प्रस्ताव का दबाव महसूस करेंगे और उसकी बात मान लेंगे।''

''जब हम अपने मांता–पिता और परिवार के अन्य सदस्यों को लड़कियों के अधिकारों के बारे में बता रहे थे, तब मैंने भूख हड़ताल शुरू की। मैंने कहाः 'मैं इस शादी को मना करने तक कुछ भी नहीं खा रही हूं। मैं स्कूल जाना चाहती हूँ! मैं शादी करने से इनकार करती हूं!'''

''अंत में, मेरा पूरा परिवार समझ गया कि मैं गंभीर थी और उन्होंने मेरी शादी रद्द कर दी। मैं बहुत खुश थी और मुझे मुक्त होना महसूस हुआ! लेकिन महिला और उसका परिवार बहुत गुस्सा और निराश थे। वे अभी भी पूरी बात के बाद हमसे बात नहीं कर रहे हैं।''

यह संकेत जो सलिया, रोजिना और सैमा दूसरों को दिखा रहे हैं:
*सीखने के उद्देश्य*
*बाल विवाह क्या है?*
*बाल विवाह के नुकसान क्या हैं?*
*लड़के और लड़की के लिए विवाह करने की कानूनी आयु क्या है?*

### अशोक का गर्ल्स क्लब

''अशोक के गर्ल्स क्लब को धन्यवाद, मुझे अपने परिवार से बात करने और बाल विवाह के विरुद्ध लड़ने की हिम्मत करने के लिए ज्ञान, समर्थन और साहस मिला। अशोक ने मेरी जान बचाई और मैं उसकी बहुत आभारी हूं!''

''जब मैं 13 वर्ष की थी तब मैं अपने गांव में गर्ल्स क्लब में शामिल हो गयी और अब मैं खुद गर्ल्स क्लब की सहकर्मी नेता हूं। हम सप्ताह में दो बार मिलते हैं और मेरे दोस्त रोजिना और सैमा भी आते हैं। हम बीस हैं जो हर बुधवार और शनिवार को मिलते हैं, और मुझे यह पसंद है! बैठकें दो घंटों तक चलती हैं। हम साथ में समय बिताते हैं और मज़ा करते हैं, लेकिन मुख्य रूप से हम लड़कियों के अधिकारों के बारे में बात करते हैं।''

''यहां लड़कियां के अधिकारों के कई उल्लंघन होते हैं। हमारी लड़कियां कभी यह नहीं चुन सकतीं कि हम स्कूल जा सकते हैं या नहीं। हम यह कभी नहीं चुन सकते हैं कि, कि हम कब शादी करेंगें। लड़कियां हमेशा घर पर सभी काम करती हैं, क्योंकि परिवार और समाज का मानना है कि हमें एक विवाहित महिला के रूप में जीवन के लिए तैयार होने की जरूरत है। हमें पतियों और बच्चों की देखभाल करने में सक्षम होना चाहिए। अतः हम पानी लाते हैं, खाना पकाते हैं, बर्तन धोते हैं, धुलाई करते हैं और कपड़े धोते हैं। और उस के अलावा स्कूल और होमवर्क के लिए कोशिश करके समय निकालते हैं, यदि हम स्कूल जाने में भाग्यशाली होते हैं! कभी–कभी लड़के अपने पिता को खेती के साथ मदद करते हैं, लेकिन अक्सर वे अपने साथी के साथ समय बिताने के अलावा कुछ भी नहीं करते हैं। यह सही नहीं है!''

### जो हम कर रहे हैं वही सही है!

''गर्ल्स क्लब हमें ज्ञान देता है, और एक साथ हम मजबूत हैं। यह हमारे आत्मविश्वास को बढ़ावा देता है और हम जो सोचते हैं उसके बारे में हम साहसी हैं। और क्योंकि अब हमारी संख्या अधिक हैं, अतः लोग हमें सुनते हैं!''

''हम दोनों वयस्कों और बच्चों को गांव की बैठकों में एक साथ लाते हैं और हम उन्हें लड़कियों के अधिकारों के बारे में बताते हैं। जब हमने आखिरी बार गांव में एक प्रदर्शन मार्च किया था, तो शुरू होने पर हम केवल 40 लड़कियां थीं, लेकिन रास्ते में और साथ में शामिल हो गईं और अंत में हम बहुत सारे हो गए थे! हम तख्तियों को पकड़े हुये थे और चिल्ला रहे थे कि बाल विवाह को रोकना है, और लड़कियों के अधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए। बेशक, कुछ वयस्क हमसे खुश नहीं थे, और कुछ लड़कों ने हमें चिढ़ाया और हँसे, लेकिन हमनें उनकी परवाह नहीं की। हम जानते हैं कि हम जो कर रहे थे वह सही था।''

## लड़कियों को बाल विवाह में क्यों मजबूर किया जाता है?

सलिया को लगता है कि बाल विवाह मुख्य रूप से तीन कारणों से होती है:

### वित्तीय

यदि कोई परिवार गरीब है, तो वे बेटी से शादी कर सकते हैं और फिर भोजन कराने के लिए एक व्यक्ति कम होगा।

### सुरक्षा

जब एक बेटी युवावस्था तक पहुंच जाती है, तो माता–पिता चिंता करते हैं कि उसके साथ बलात्कार या किसी अन्य तरीके से उसका शोषण किया जा सकता है। उन्हें लगता है कि वह शादी के अंदर अधिक सुरक्षित रहती है।

### सम्मान

यदि आप सुनिश्चित करते हैं कि आपकी बेटी के साथ बलात्कार नहीं किया जाता है, उसके शादी के बाहर बॉयफ्रेंड या अन्य संबंध नहीं होते हैं, तो इससे परिवार का आत्म–सम्मान बना रहता है।

## लड़कियों के अधिकारों के लिए गर्वित साथी नेता

''जब गांव में मेरे दोस्त, जो मेरी आयु की हैं, और मैंने लाइफ स्किल्स एजुकेशन क्लास को पूरा कर लिया था, जो अशोक का संगठन चलता है, तब अन्य लड़कियों ने मुझे अपने क्लब के लिए सहकर्मी नेता बनने के लिए चुना था। मैं बहुत खुश थी और मुझे इस पर गर्व था! अन्य गांवों के सहकर्मी नेताओं के साथ मिलकर, मैं लड़कियों के अधिकारों और लाइफ स्किल्स एजुकेशन क्लास को पढ़ाने के तरीके के बारे में और अधिक जानने के लिए नियमित रूप से अशोक के संगठन में जाती हूं,'' सलिया कहती है।

''यह मेरे लिए महत्वपूर्ण है। मैं चाहती हूं कि अन्य लड़कियों को बाल विवाह को नहीं कहने का साहस हो, जैसा मैंने किया। क्योंकि सभी लड़कियों को अपने अधिकार जानने चाहिए, जिससे जब हमारे अधिकारों का उल्लंघन हो तब हम स्वयं को बचा सकें।''

## गर्ल्स क्लब स्वतंत्र है

''गर्ल्स क्लब एकमात्र ऐसा स्थान है जहां हम पूरी तरह स्वतंत्र हैं। हम वहां मिल सकते हैं और अपने जीवन के बारे में महत्वपूर्ण बातें सीख सकते हैं, बातचीत, हंसी और अपनी समस्याओं को साझा कर सकते हैं। इस तरह के मिलने के स्थान और अवसर आमतौर पर हम लड़कियों के लिए मौजूद नहीं होते। मेरे जैसे गांवों में, लड़कियों को बात करने का मौका नहीं मिलता। हमारी राय माइने नहीं रखती। हमे सुने नहीं जाता। अशोक और आईएचएमपी के बिना, हमें यह स्वतंत्रता कभी नहीं मिली होती,'' सलिया कहती है।

## स्वागत है!

''आज हम बाल विवाह और लड़कियों के अधिकारों के बारे में बात करने जा रहे हैं,'' सलिया कहती है, और क्लब में सब लड़कियों का स्वागत करती है।

# ज्ञान सबसे बड़ा उपहार है!

''जो 'जीवन कौशल शिक्षा' हमें अशोक के संगठन से मिली है, उसने मुझे ज्ञान दिया है और मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया है। पिताजी पहले कभी मेरी शिक्षा के बारे में सोचा नहीं करते थे। अब वह समझते है और मेरे लिए उनकी बड़ी योजनाएं हैं!'' 15 वर्षीय रोजिना कहती है, जो एक दिन शिक्षक बनने का सपना देखती है।

लेकिन रोजिना पहले से ही गर्ल्स क्लब के लिए एक सहकर्मी नेता बनकर दूसरों को पढ़ा रही है, जिसे उन्होंने सावित्रीबाई फुले कहने का निर्णय लिया है।

''सावित्रीबाई फुले 19वीं शताब्दी में जीवित थीं। वह भारत की पहली महिला शिक्षक थीं और उन्होंने लड़कियों के लिए स्कूल शुरू किया और लड़कियों और महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ा। सावित्रीबाई ने हम लड़कियों के लिए रास्ता साफ किया और वह मेरी भूमिका मॉडल है। मैं उसकी बहुत आभारी हूं। अगर वह नहीं होतीं, तो लड़कियों को इतनी ज्यादा स्वतंत्रता नहीं होती थी। हम अपने ही घरों में कैदी बने होंते।''

''मैं अपने गर्ल्स क्लब में सहकर्मी नेताओं में से एक हूं, और कभी–कभी जब हम गांवों या स्कूलों में लड़कियों के अधिकारों के बारे में पढ़ रहे होते हैं, तो मैं सावित्रीबाई फुले के बारे में एक नाटक प्रस्तुत करती हूं। मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनका लड़कियों के अधिकारों के बारे में संदेश आज उतना ही प्रासंगिक है जितना तब जब वह जीवित थीं। कुछ परिवार अभी भी अपनी बेटियों को स्कूल जाने नहीं देते हैं। उनका मानना है कि इससे कोई लाभ नहीं है क्योंकि बेटी का विवाह तब भी हो जाएगा और वह दूसरे परिवार की हो जाएगी।''

## लड़कियां गांव में सुधार लाती हैं

''मुझे लगता है कि यह सब गलत है। अगर एक लड़की को शिक्षा मिलती है, तो वह सिर्फ उसकी जिन्दगी नहीं बदलेगी, उसका परिवार, गांव और पूरे समाज को बेहतरी के लिए बदल देगी।''

''भारत में, लड़कियों को उत्पीड़न और यौन हिंसा के अधीन भी होना पड़ जाता है। घरेलू दुर्व्यवहार भी बहुत आम है। लेकिन जैसे ही अधिक लड़कियां स्कूल जाती हैं और हमारी जैसे लड़कियों के क्लबों के माध्यम से अपने अधिकारों के बारे में जानती हैं, मुझे विश्वास है कि स्थिति बदलेगी।''

''अशोक के संगठन से प्राप्त ज्ञान ने मुझमें विश्वास जगाया है। गर्ल्स क्लब में एक सहकर्मी नेता के रूप में, मैं उस ज्ञान को अन्य लोगों को दिया है जिसे लड़कियों के अधिकारों के बारे में प्राप्त किया है, दोनों बच्चों और वयस्कों को। और ज्ञान सबसे बड़ा उपहार है जिसे तुम किसी को दे सकते हो। जब मैं ऐसा करती हूं, तो मुझे थोड़ा सावित्रीबा. ई फुले जैसा लगता है, और यह वास्तव में मुझे इस पर गर्व महसूस होता है!''

## समान मूल्य

''मेरे प्रदर्शन को देखने वाले बहुत से वयस्क आश्चर्यचकित हैं कि एक मुस्लिम लड़की के रूप में मैं सावित्रीबाई के बारे में एक नाटक प्रस्तुत करती हूं, जो हिंदू थी। लेकिन हर कोई इसका आनंद लेता है और सोचता है कि यह वास्तव में अच्छा है!'' रोजिना कहती है।

यहां, रोजिना अपने स्वयं के स्कूल, स्वराज महायामिक विद्यालय स्कूल में छात्रों को भारत की पहली महिला शिक्षक सावित्रीबाई फुले के बारे में प्रस्तुति के माध्यम से लड़कियों के अधिकारों के बारे में पढ़ा रही है।

''मैं बड़ी हो कर एक शिक्षक बनने का सपना देखती हूं। तब मैं लड़कियों के अधिकारों और लिंग समानता के बारे में बहुत कुछ सिखाऊंगी। मैं ग्राम परिषद की सदस्य भी बनना चाहती हूं ताकि मैं अन्य लोगों को प्रभावित कर सकूं,'' रोजिना कहती है।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

# साइमा लड़कियों को सशक्त करती है

साइमा केवल 16 वर्ष की है, लेकिन वास्तव में उसे वर्षों पहले स्कूल छोड़ देना चाहिए था और शादी कर लेनी चाहिए थी। इसके बजाय वह लड़कियों की स्वतंत्रता एवं सम्मानपूर्वक व्यवहार किये जाने के लिए संघर्ष कर रही है।

''मेरे पिता से एक अन्य परिवार द्वारा पहली बार पूछा गया था यदि वह मेरी शादी करना चाहता था जब मैं 13 वर्ष की थी। इसके बाद कई अन्य प्रस्ताव सामने आए। लेकिन मेरे पिता ने कहा नहीं। उन्होंने समझाया कि जब तक मैं 15 साल तक शिक्षा ले रही हूं तब तक कोई शादी नहीं होगी, और इसका मतलब है कि उन्हें लगता है कि मुझे पहले विश्वविद्यालय अध्ययन समाप्त करना होगा।''

''उनके ऐसा सोचने का कारण यह है क्योंकि मैंने अशोक के गर्ल्स क्लब में लड़कियों के अधिकारों के बारे में जो कुछ भी सीखा, उसे हमेशा बताया है। पिताजी ने मुझे उनको समझाने दिया, और वह समझ गए हैं। इसी लिए मैं उनसे प्यार करती हूँ! अशोक के संगठन आईएचएमपी द्वारा मुझे जो ज्ञान और आत्मविश्वास मिला है,

स्वतंत्रता और समानता।

सूचित रखो!
साइमा लड़कियों को एक टैबलेट का उपयोग करने और इंटरनेट द्वारा सम्पर्क करने का तरीका बताती है।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

साइमा का शोरूम!

उसने मुझे अध्ययन करने और अपने सपनों को साकर करने का अवसर दिया है। मेरा सबसे बड़ा सपना एक दिन डॉक्टर बनना है।''

## आत्मनिर्भर लड़कियां

''अब मैं अपने गांव में गर्ल्स क्लब का नेतृत्व कर रही हूं। एक सहकर्मी नेता के रूप में, आईएचएमपी ने मुझे टैबलेट का उपयोग करने के पाठ्यक्रम को पढ़ने का अवसर दिया है, और अब मैं अन्य लड़कियों को ऑनलाइन जानकारी खोजने के बारे में पढ़ा रही हूं और मैं इस तरह से समाचार और ज्ञान के भण्डार तक पहुंच सकती हूं, ताकि हम लड़कियां जान सकें कि समाज और विश्व में क्या हो रहा है।''

''एक टैबलेट का उपयोग करने में सक्षम होना आत्मविश्वास बढ़ाता है और हमें अधिक सम्मान से देखा जाता है। गांव के लोग अब हमारी बात सुनते हैं। यह पहले ऐसा नहीं था। तब यहां केवल लड़के और पुरुष होते थे जिन्हें सूचित किया जाता था और चीजें सिखाई जाती थीं। लड़कियों से ज्ञान रोक दिया जाता था। और फिर पुरुषों के लिए लड़कियों का लाभ उठाना और उन्हें धोखा देना आसान होता था। लड़कियां पुरुषों की संपत्ति बन गईं, और वो उनके साथ जो भी चाहते थे कर सकते थे। अब जब हमारे पास ज्ञान है, तब हम दोनों अपनी राय व्यक्त करने में सक्षम हैं, और हम में आत्मविश्वास जगा है और अब इसका लाभ उठाना इतना आसान नहीं है। हमें अधिक सम्मान मिलता है। हम और अधिक स्वतंत्र हो गये हैं।''

## आय कमाना

''अशोक के संगठन ने मुझे सिलाई के एक कोर्स पर जाने में भी मदद की, एक प्रमाण पत्र के साथ मैंने पाठ्यक्रम पूरा किया। मैं कोर्स पर जाना चाहती थी क्योंकि मुझे कपड़े पसंद हैं, लेकिन यह भी कि मेरे पास एक व्यावसायिक प्रशिक्षण हो। यह एक लड़की के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है, क्योंकि तब हम अपना पैसा कमा सकते हैं, जो हमें अधिक स्वतंत्र करता है और पुरुषों के बराबर स्तर पर लाता है।''

''अब मैं ऑडर के अनुसार कपड़े बनाती हूं। ग्राहक कपड़ो के साथ मेरे पास आते हैं और मैं वस्त्र बना देती हूं।

मैं काम के आधार पर 100 से 200 रुपये के बीच लेती हूं। पैसे का मतलब है कि मैं स्कूल जाने के लिए अपनी स्कूल की किताबों और बस टिकटों के लिए भुगतान कर सकती हूं। मैं अपने परिवार के लिए थोड़ा योगदान भी दे सकती हूं, और यह वास्तव में अच्छा लगता है।''

## वेतन स्कूल की किताबों एवं बस टिकटों के लिए भुगतान करता है

''मैं काम के आधार पर प्रति वस्त्र 100 से 200 रुपये के बीच लेती हूं,'' साइमा कहती है।

# लड़कों को लड़कियों का सम्मान करना चाहिए!

''मैं इस प्रकार प्रतिज्ञा करता हूं: मैं 21 वर्ष की आयु तक विवाह नहीं करूँगा और मैं 18 वर्ष से कम आयु की लड़की से विवाह नहीं करूंगा!'' खुशहाली का वातावरण है और 20 लड़के एक साथ दृढ़ता एवं स्पष्ट रूप से अपनी प्रतिज्ञाएं लेते हैं, जैसा कि वे क्लब की हर बैठक समाप्त होने के बाद लेते हैं।

15 वर्षीय सागर, रोहिलागढ़ के छोटे गांव में 5,000 लड़कों एवं युवा पुरुषों में से हैं जिनके पास अशोक का संदेश पहुंच चुका है कि लड़कियों एवं लड़कों का समान मूल्य है।

''बॉयज क्लब के सदस्य महीने में दो बार मिलते हैं और बाल विवाह, लड़कियों का उत्पीड़न, घरेलू दुर्व्यवहार, मनुष्य का क्या मतलब है, लैंगिक समानता इत्यादि पर बातें करते हैं। बैठक दो घंटों तक चलती है और हमारे शिक्षक रविंद्र, अशोक के संगठन, आईएचएमपी में एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।''

''यह महत्वपूर्ण है कि हम इन विषयों पर बात करें, क्योंकि यहां लड़कीयों की जिन्दगी लड़कों की तुलना में अधिक कठिन हैं। बाल विवाह अब भी लड़कियों को प्रभावित करता है, उदाहरण के लिए।''

''क्लब में, हम सीखते हैं कि विवाह करने के लिए 18 साल से कम आयु की लड़की को मजबूर करना अवैध है, लेकिन कुछ परिवार इसे वैसे भी करते हैं। यदि वह एक लड़की के रूप में विवाहित है, तो उसे स्कूल छोड़ना होगा और अपने पति की देखभाल करनी होगा। ऐसा नहीं होना चाहिए। सभी बच्चों को विश्व में बाहर निकलने और जीवन का आनंद लेने के समान अवसर मिलना चाहिए। यदि आप अपने सपने साकार करना चाहते हैं, तो आपको पहले स्कूल जाना होगा।''

''और यह भी, एक जवान लड़की बच्चों के लिए तैयार नहीं होती। जन्म के दौरान लड़की और नवजात शिशु दोनों मर सकते हैं। और अगर वे जीवित रहते हैं, तो लड़की अभी भी

## परिवर्तन की मांग

''लड़कियों के विरुद्ध भेदभाव सही नहीं है। मैं लड़कों के क्लब में अधिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए शामिल हुआ, जिससे मैं लोगों को प्रभावित कर सकूं और उनके व्यवहार को बदल सकूं,'' सागर कहता है। यहां अशोक के संगठन, आईएचएमपी में रविंद्र लड़कों को पढ़ा रहा है।

सागर पानी लाने और कपड़े धोने में मदद करता है, जिसका मतलब है कि उसकी बहनों बैशेली, 13 एवं अराती, 12, के पास भी अपना होमवर्क करने, दोस्तों से मिलने और खेलने का समय होता है।

बच्चों और परिवार की देखभाल करने के लिए तैयार नहीं है। बाल विवाह को रोककर, आप वास्तव में लड़कियों के जीवन को बचा रहे हैं।''

## एक सच्चा पुरुष

''पहले ऐसा हुआ करता था कि 'असली पुरुष' एक बड़ा, शक्तिशाली मर्द था जो अपनी पत्नी को पीटता था। वह उसका मालिक था और उसे उसका पालन करना होता था जो भी आज्ञा वह उसे देता था। अशोक के बॉयज क्लब में, हम सीखते हैं कि असली आदमी लड़कियों और महिलाओं का सम्मान करते हैं, उनसे अच्छी तरह व्यवहार करते हैं और महिलाओं को बराबर देखते हैं।''

''एक अच्छा आदमी अपने बेटों और बेटियों को जीवन में समान ध्यान और संभावना देता है। वह समाज और गांव में हर किसी के लिए अच्छी चीजें करता है। असल में, वह एक अच्छा इंसान होता है।''

''जब मैं वयस्क हो जाऊंगा, तो मैं ऐसा ही व्यक्ति बनना चाहता हूं, लेकिन मैं पहले से ही ऐसा होने की कोशिश कर रहा हूं। घर पर मैं पानी लाता हूं और कपड़े धोता हूं। मैं अपनी मां और बहनों की मदद करना चाहता हूं, जिससे उनको सब कुछ करने की जरूरत नहीं पड़े। अगर मैं अपनी बहनों पर रौब जमाता और उनको काम करने का आदेश देता होता तो यह सही नहीं रहा होता। अब यह बेहतर है, क्योंकि हम अक्सर खाना पकाने और सफाई में मदद करते हैं।''

## अशोक एक आदर्श मॉडल

''अशोक एक ऐसा व्यक्ति है जो लड़कियों एवं महिलाओं का सम्मान करता है। वह एक महत्वपूर्ण आदर्श है और मैं उसके जैसे बनना चाहता हूं,'' सागर कहता है।

लड़कियां घर पर सब कुछ करती थीं, लेकिन बॉयज क्लब की बैठकों के बाद यह बहुत बेहतर हो गया है, जहां हम लिंग समानता के बारे में सीखते हैं।''

## लड़कों को बोर्ड पर होना चाहिए

''लड़कियों की स्थिति बेहतर होने के लिए हमें लड़कों के अधिकारों और लिंग समानता के बारे में सीखने की जरूरत है। गर्ल्स क्लब होने का कोई लाभ नहीं है, यदि हम लड़कियों को सम्मान देना चाहते हैं तो हमें लड़कों के क्लबों की भी आवश्यकता है।''

''अशोक के क्लबों के बिना, व्यवस्थित बाल विवाह यहां एक आम बात होती। लेकिन अब हम एक अंतर देखना शुरू कर रहे हैं। लड़कियां स्कूल जा रही हैं और उनसे अधिक सम्मान के साथ व्यवहार किया जा रहा है, और मुझे लगता है कि भविष्य में हर किसी के लिए जीवन अच्छा होगा।''

**सागर की सूची इस पर कि लड़कों ने लड़कियों के अधिकारों का दुरुपयोग कैसे किया?**

- पुरुष औरतों और लड़कियों को घर में सारे काम करने के लिए मजबूर करते हैं।
- लड़के स्कूल जाती हुई लड़कियों को छेड़ते हैं। वे उनसे बेवकूफी की बातें करते हैं और उनको अपने मोबाइल फोन पर अश्लील चित्रों को देखने के लिए मजबूर करते हैं।
- पुरुष अपनी बेटियों और बहनों को बाल विवाह में मजबूर करते हैं, जिसका अर्थ है कि उन्हें स्कूल छोड़ना पड़ता है।
- लड़कियों को अपने घरों में अपने पिताओं और फिर अपने पतियों द्वारा परेशान किया जाता है और उनसे दुर्व्यवहार किया जाता है।
- लड़के बलात्कार और अन्य यौन हिंसा के लिए लड़कियों को मजबूर करते हैं।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

## गायलैन्ड को क्यों नामित किया गया है?

### बाल अधिकार हीरो प्रत्याशी

# Guylande Mésadieu

पृष्ठ 70–87

गायलैन्ड मेसाडियू को हैती के सबसे संवेदनशील बच्चों, घरेलू दास बच्चों, सड़क के बच्चों एवं जेल में बच्चों के लिए लड़ने हेतु वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के लिए नामित किया गया है।

हैती में लगभग 2,25,000–3,00,000 बच्चे रेस्टावेक की तरह अलग–अलग परिवारों के साथ रहते हैं जो उनके नहीं होते। वे घरेलू दास हैं। वे शायद ही कभी स्कूल जाते हैं, पीटे जाते है और कभी–कभी उनका यौन शोषण होता है। जब गायलैन्ड ने उन सब बच्चों को देखा जिन्हें सड़क पर या घरेलू दासों के रूप में रहने के लिए मजबूर किया गया था, तो उसने और उसके मित्रों ने मिलकर अपनी क्रेओल भाषा में ज़न्मी टिमौन (चिल्ड्रेन्स फ्रेन्ड) अर्थात 'बच्चों का मित्र' नामक संस्था स्थापित की। तब से, गायलैन्ड इन असुरक्षित बच्चों के लिए लगभग 20 वर्षों से लड़ रही है। ज़न्मी टिमौन घरेलू दास बच्चों, सड़क के बच्चों और जेल में बच्चों की पहचान करती है, और उन्हें जन्म प्रमाण–पत्र प्राप्त करने तथा स्कूल शुरू करने में मदद करती है। माता–पिता को अपने छोटे व्यवसाय या कुछ अन्य गतिविधियों को शुरू करने के लिए छोटे ऋण दिये जाते हैं ताकि परिवार को थोड़ा पैसा कमाने में मदद मिल सके जिससे वे अपने बच्चों को रेस्टावेक बनने के लिये नहीं भेजें। जेल में बहुत से बच्चे हैं जिन का कोई मामला नहीं है और वे पूरी तरह निर्दोष हो सकते हैं। ज़न्मी टिमौन उन्हें बाहर निकालने में मदद करता है। ज़न्मी टिमौन के स्कूलों में, बच्चे एक वर्ष में दो ग्रेड कर सकते हैं क्योंकि वे बहुत देर से पढ़ना शुरू करते हैं।
2010 के बड़े भूकंप में, सैकड़ों हजार बच्चे सड़क पर आ गए थे और जिन परिवारों ने अपना सब कुछ खो दिया था, वह अपने बच्चों को घरेलू दासों के रूप में काम करने के लिए अन्य परिवारों को भेज दे रहे थे। ज़न्मी टिमौन इन बच्चों की बहुत मदद करता है।
ज़न्मी टिमौन हैती के राजनेताओं को भी प्रभावित करना चाहता है। इसने तस्करी और बाल शोषण के विरुद्ध राष्ट्रीय कानून को अपनाने जैसे सुधारों को जन्म दिया है। राष्ट्रपति ने गायलैन्ड को उस समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है जो सुनिश्चित करेगी कि इस नए कानून का पालन किया जाए।

**गायलैन्ड ने छोटी आयु में ही घर छोड़ दिया। जब वह वकील बनने के लिए अध्ययन कर रही थी, तब उसने उन गरीब बच्चों को देखा जिन्हें स्कूल जाने की अनुमति नहीं थी और जिन्हें अन्य परिवारों के लिए घरेलू दासों के रूप में काम करना पड़ता था। उसने इसके बारे में कुछ करने का निर्णय लिया, और संगठन जैनमी टिमौन (चिल्ड्रेन्स फ्रेंड) शुरू किया।**

जब गायलैन्ड मेसाडियू हाईस्कूल शुरू करने वाली थी, तब उनके पिता ने उन्हें बताया कि वह हैती की राजधानी, पोर्ट–औ–प्रिंस जा रही हैं।

''यह तुम्हारी स्कूल यूनीफार्म और वस्त्रों का बैग है,'' पिता ने कहा।

''लेकिन मैं कहाँ रहने जा रही हूँ?'' गायलैन्ड ने पूछा।

''हमने तुम्हारे लिए एक जगह रहने की व्यवस्था कर दी है,'' उसके पिता ने उत्तर दिया।

गायलैन्ड इसके लिए तैयार थी। उसके माता–पिता अधिकांश निर्णय लेते थे। वह अपने पिता की तुलना एक प्रधान से करती थी। उनका शब्द कानून होता था। जब वह आठ वर्ष की थी, तभी उसने सोच लिया था कि उसे किसी अन्य गांव में स्कूल जाना था।

तो जब उसके माता–पिता ने कहा कि उसके घर छोड़ने का समय था, तो गायलैन्ड ने वैसा किया जैसा उसे बताया था। उसने पहाड़ के पहाड़ी इलाकों में स्थित अपने घर के गांव से राजधानी के उपनगरों में यात्रा की।

राजधानी में, उसे उन गरीबों का सामना करना पड़ा जिसे वह अपने घर में देख चुकी थी थी। लेकिन यहां ऐसे लोग भी थे जिनके पास नौकरियां नहीं थे और जो बच्चे स्कूल नहीं जाते थे। बच्चे सड़कों पर घूमा करते थे, भिक्षा मांगने, चोरी करने और झगड़ों में उलझते थे। बहुत से बच्चे अन्य लोगों के साथ रहते थे जहां वे उन्हें सफाई करने, कपड़े धोने, भोजन पकाने, खरीदारी करने और स्कूल में अन्य बच्चों को ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ता था।

### बच्चों की मदद करना चाहता थी

हाईस्कूल के बाद, गायलैन्ड ने विश्वविद्यालय में कानून का अध्ययन करना शुरू किया। उसने एक बैठक के लिए अपने दोस्तों को एकट्ठा किया। उन्होंने इस पर चर्चा की कि जहां वे रहते थे वहां के बच्चों की मदद कैसे कर सकते थे। उन्होंने निर्णय लिया कि वे आवासीय क्षेत्र के उन बच्चों की पहचान करेंगे जो स्कूल नहीं जाते थे। उन्होंने बच्चों से पूछा कि वे स्कूल क्यों नहीं जाते थे। अधिक्तर ने कहा कि वे उन परिवारों के साथ रहते थे जो उनके स्वयं के नहीं थे। उनके अपने परिवार उनको खाना नहीं खिला पाते थे। भोजन के बदले में उन्हें अन्य परिवारों के लिए काम करना

ज़न्मी टिमौन के स्कूलों में कई छात्र जेल में घरेलू दास हैं या किसी अन्य तरह से उनके अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है।

पड़ा। स्कूल जाने के लिए कोई समय नहीं था।

गायलैन्ड ने सुझाव दिया कि वे उसके घर पर अधिक से अधिक बच्चों को एक बैठक के लिए लाएं। वे बच्चों से पूछेंगे कि वे क्या करना चाहते हैं। 2001 की पहली बैठक में लगभग 50 बच्चे आए थे। वे सबसे बड़े कमरे में इकट्ठे हुए, जो सोने का कमरा था। बच्चे बिस्तर पर, कुर्सियों पर, फर्श पर बैठे और दीवारों के सहारे खड़े हुए।

''तुम अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए क्या करना चाहते हो?'' गायलैन्ड से पूछा।

''हम स्कूल जाना चाहते हैं। और खेलने के लिये समय चाहते है।'' बच्चों ने उत्तर दिया।

प्रत्येक बच्चे ने अगली बैठक में एक दोस्त को लाने का वादा किया। फिर इतने सारे बच्चे आए कि घर में पर्याप्त जगह नहीं थी। तो वे छत पर चढ़ गए।

''तुम वहाँ क्या कर रहे हो?'' सड़क पर नीचे से एक आदमी ने कहा।

''ऊपर आओ!'' गायलैन्ड ने उत्तर दिया।

आदमी स्थानीय स्कूल में एक शिक्षक था। गायलैन्ड ने समझाया कि बच्चे पढ़ना और लिखना सीखना चाहते हैं।

''और वे सिलना, खींचना और बुनाई सीखना चाहते हैं।''

'लेकिन तुम यहाँ क्यों बैठे हो?'' आदमी ने पूछा, और उसने गायलैन्ड को अपने स्कूल की चाबी दी।

''हम केवल सुबह के समय सिखाते हैं। तुम वहां दोपहर में उनको पढ़ा सकते हो,'' शिक्षक ने कहा।

## अधिक और अधिक

गायलैन्ड और उसके दोस्तों ने विश्वविद्यालय में पढ़ना जारी रखा और साथ ही घरेलू दासों को पढ़ाना भी शुरू कर दिया। दोपहर के स्कूल की अफवाह फैल गई। जल्द ही स्कूल में जो बच्चे पहले से ही थे वे आने लगे, क्योंकि उन्हें अपना होमवर्क करने में मदद की जरूरत थी।

गायलैन्ड की तरह, दोपहर के स्कूल आने वाले कई बच्चे ग्रामीण इलाकों के थे। उनके परिवारों ने उन्हें राजधानी में काम करने के लिए भेजा था क्योंकि घर पर कोई खाना नहीं था।

बच्चों को घर से दूर जाने से रोकने के लिए, गायलैन्ड और उसके दोस्तों ने दो छोटे शहरों में भी काम करना शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने गरीब परिवारों को बच्चे के

गायलैन्ड, पौलेट के साथ, जिसकी उसने जेल से मुक्त कराने में मदद की। पौलेट को आठ वर्ष की आयु में कैद कर लिया गया था और आठ वर्ष बाद ही छोड़ा गया, जब कि वह पूरी तरह निर्दोष थी।

## गायलैन्ड और ज़न्मी टिमौन:

- उन बच्चों की पहचान करें जो 'रेस्टावेक' (घरेलू दास) हैं, जेल में हैं, सड़क पर रह रहे हैं या जो किसी अन्य तरह से संवेदनशील हैं। वे बच्चों को जेल से बाहर निकलने में मदद करते हैं।
- पता लगाएं कि बच्चों की जरूरतें क्या है और उन्हें जन्म प्रमाण–पत्र प्राप्त करने में सहायता करें यदि उन्हें कोई नहीं मिला हो।
- बच्चों को ज़न्मी टिमौन के स्कूलों, या अपने घरेलू शहरों के स्कूलों में शुरू करने के लिए प्रयास करें यदि उन्हें अपने परिवारों के साथ मिलकर जोड़ा जा सकता हो। ज़न्मी टिमौन के स्कूलों में, वे एक वर्ष में दो ग्रेड कर सकते हैं क्योंकि वे बड़ी आयु में स्कूल जाना शुरू करते हैं।
- बच्चों के परिवारों को छोटे ऋण प्रदान करें ताकि वे एक आय अर्जित करने के लिए छोटे व्यवसाय, खेती या कुछ और शुरू कर सकें और उनको अपने बच्चों को घरेलू दासों की तरह भेजने की आवश्यकता न हो।
- राजनेताओं को इस प्रकार से प्रभावित करें कि उनके द्वारा बाल अधिकारों का सम्मान किया जाने के लिये कानून बनें तथा इस दिशा में काम किया जाए ।

गायलैन्ड और संगठन ज़न्मी टिमौन घरेलू दास बच्चों, सड़क के बच्चों और जेल में कैद बच्चों की तलाश करते है, और उन्हें जन्म प्रमाण पत्र–प्राप्त करने तथा स्कूल जाने में मदद करते हैं।

अधिकारों तथा हैती के कानूनों के बारे में शिक्षित किया।

''बच्चों के पास अपना जन्म प्रमाण पत्र होना चाहिए ताकि उनकी अपनी पहचान हो और वे स्कूल जा सकें,'' गायलैन्ड ने समझाया।

अधिक से अधिक लोग उनके काम को सुनने और उनकी मदद करने के लिए स्वयंसेवी हो गए। लोगों ने वित्तीय सहायता, किताबें, पेन, कपड़े और स्कूल सामग्री प्रदान की।

और अधिक बच्चे आए जिन्हें मदद की जरूरत थी। अंत में, दोपहर का स्कूल अब इतना बड़ा नहीं था। गायलैन्ड और उसके दोस्तों ने अपना स्कूल शुरू करने का फैसला किया।

### चिल्ड्रेन्स फ्रेन्ड (ज़न्मी टिमौन) की स्थापना

दोपहर के स्कूल में आने वाले बहुत से बच्चे बड़े थे और उन्होंने स्कूल का पहले वर्ष नहीं किया था। हैतीयन कानून के अनुसार, स्कूल केवल एक शैक्षिक वर्ष में केवल एक ग्रेड पढ़ा सकते हैं। 2007 में, गायलैन्ड हैती के राजनेताओं को मनाने में कामयाब रही कि ज़न्मी टिमौन स्कूल के छात्र एक शैक्षिक वर्ष में दो ग्रेड पूरा करने में सक्षम होंगे। तो अब उनके पास अपना स्कूल था, लेकिन उनके संगठन का कोई नाम नहीं था। उन्होंने एक बड़ी बैठक के लिए सभी स्वयंसेवकों और बच्चों को एक साथ बुलाया।

''हमारे संगठन को एक नाम की जरूरत है,'' गायलैन्ड ने कहा।

''ज़न्मी टिमौन,'' एक बच्चे ने सुझाव दिया।

ज़न्मी टिमौन का मतलब क्रेओल में 'चिल्डेन्स फ्रेंड' है, जो हैती में वह भाषा है जिसमें वे बोलते हैं। कई लोगों ने सोचा कि यह एक अच्छा नाम था।

उन्होंने नाम को पंजीकृत करवाया, नियमों का एक सेट तैयार किया, एक वार्षिक बैठक बुलाई और एक बोर्ड चुना। यही है जो जैनमी टिमौन का समर्थन करने के लिए बहुत सारे पैसे मांग रहे थे। संस्थापकयह भी जानना चाहते थे कि संगठन का उद्देश्य क्या था। तो गायलैन्ड और उसके दोस्तों ने लिखा कि वे उन बच्चों के साथ क्या काम करना चाहते थे जिन्हें घरेलू दासों की तरह काम करने के लिए मजबूर किया गया था, जेल में कैद बच्चे और हिंसा और हमले के शिकार होने वाले बच्चे।

### भूकंप अधिक बाल दास बनाता है

12 जनवरी 2010 की दोपहर को, हैती में एक शक्तिशाली भूकंप का झटका आया, इसका केन्द्र पोर्ट–औ–प्रिंस से सिर्फ 25 किलोमीटर दूर था। इसने बड़ी मात्रा में विनाश किया। हजारों लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों हजार घायल तथा बेघर हो गये। भूकंप ने सैकड़ों हजारों बच्चों को सड़क पर ला दिया और दास मजदूर बनने के लिए मजबूर कर दिया। जिन परिवारों ने अपना सब कुछ खो दिया, उन्होंने अपने बच्चों को अन्य परिवारों के पास भेज दिया, जहां वे काम करने के बदले में भोजन पा सकते थे।

जब अंतर्राष्ट्रीय सहायता संगठन हैती पहुंचा, तो उनमें से कई लोग इन बच्चों की मदद करना चाहते थे। ज़न्मी टिमौन को कई वर्षों तक

गुरलाइन, गायलैन्ड के दाहिने ओर, एक और परिवार के घर में घरेलू दास बनी रही है, लेकिन अब वह हर रोज़ ज़न्मी टिमौन के स्कूल भी जाती है।

वित्तीय सहायता में लाखों डॉलर का वादा किया गया और वह एक कार्यालय स्थापित करने में सक्षम हुआ। गायलैन्ड निदेशक बनाया दिया गया और पहली बार उसको वेतन मिलने लगा। वह न केवल उन मित्रों को रोजगार दे सकती थी जिन्होंने उसके साथ नौ वर्षों तक मुफ्त में काम किया था, बल्कि सामाजिक कार्यकर्ताओं और मनोवैज्ञानिकों को भी, जो बच्चों और उनके माता–पिता को समर्थन देते थे। बड़े बच्चे जो स्कूल से तंग आ गये थे या जो अपनी परीक्षा नहीं ले सके थे उन्हें सिलाई, बेकिंग या मैकेनिक्स में शिक्षा लेने का अवसर दिया गया।

अतिरिक्त संसाधनों ने गायलैन्ड और ज़न्मी टिमौन को सिर्फ बच्चों और उनके परिवारों की मदद करने में ही सक्षम नहीं किया; बल्कि उन्होंने राजनेताओं का पक्ष जुटाव भी करना शुरू कर दिया। इस प्रयास से हैती ने दास मजदूरों तथा महिलाओं एवं बच्चों के यौन शोषण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र के तस्करी के विरुद्ध कन्वेन्शन को अपना लिया।

चार वर्ष बाद, हैती ने तस्करी तथा बाल शोषण के विरुद्ध एक राष्ट्रीय कानून अपनाया। कानून का पालन करने के लिए राष्ट्रपति ने एक विशेष समिति की स्थापना की। समिति का अध्यक्ष गायलैन्ड को चुना गया! 🌐

जब गायलैन्ड और उसके दोस्तों को उनके संगठन के लिए एक नाम की आवश्यकता थी, तो एक युवा लड़की ने सुझाव दिया: "बच्चों का मित्र", जिसे वहां की क्रेओल भाषा में 'ज़न्मी टिमौन' कहते हैं और यही वह बन गया।

TEXT: ERIK HALKJAER PHOTOS: JESPER KLEMEDSSON

# एक वर्ष में दो ग्रेड

हैती में कई बच्चे स्कूल शुरू नहीं कर पाते। वे सड़क पर रहते हैं या काम करने के लिए मजबूर होते हैं। जब वे बाद में स्कूल शुरू करना चाहते हैं, तो स्कूल वाले कहते हैं कि निचले ग्रेड में बड़े विद्यार्थियों के लिए उनके वहां जगह खाली नहीं है।

ज़न्मी टिमौन के चार स्कूल हैं जहां छात्र प्रत्येक शौक्षिक वर्ष में दो ग्रेड पूरे कर सकते हैं। ज़न्मी टिमौन स्कूल के नेताओं और शिक्षकों को यह समझने की भी कोशिश करता है कि सभी बच्चों को, उनकी आयु के बावजूद, स्कूल जाने का अधिकार है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता यदि कोई छात्र अन्य छात्रों की अपेक्षा आयु में बड़ा है। ज़न्मी टिमौन के स्कूलों में से एक और पोर्ट–औ–प्रिंस के झोपड़पट्टी क्षेत्र सीट सोलेइल में है, जो विश्व की सबसे बड़े एवं खतरनाक झोपड़पट्टी क्षेत्रों में से एक है। यही वह जगह है जहां इमानुएल, 14 और जीन–नोएल, 14, स्कूल जाते हैं।

## खाली समय में कूड़े के बारे में जानना

जब हैती में स्कूल समाप्त हो जाता है, तो बच्चे घर जा सकते हैं और खेल सकते हैं, अपना होमवर्क कर सकते हैं या घर पर मदद कर सकते हैं। वहां कई अवकाश गतिविधियां नहीं हैं, इसलिए ज़न्मी टिमौन ने स्कूल क्लब शुरू किये हैं। सप्ताहांत में बच्चे स्कूल जा सकते हैं जब युवा लोग उनको नये काम सिखा सकते हैं। वे दोपहर का भोजन भी देते हैं। बच्चे खेल सकते हैं, तथा कचरे एवं उसकी रीसाइक्लिंग के बारे में भी जानकारी ले सकते हैं, क्योंकि हैती में प्रदूषण एक बड़ी समस्या है।

## गिरोह से स्कूल तक

''पिताजी शुरू में मेरी देखभाल नहीं कर सके। माँ चली गई। स्कूल जाने के बजाय, मैं सड़क पर इधर–उधर घूमा करता था। हमारा एक गिरोह था जो एक–दूसरे की मदद करता था। पैसे कमाने के लिए, हम चौराहों पर कारें धोते थे। एक बार एक दूसरे लड़के ने मेरा पैसा ले लिया। जैसे ही जिस कार को मैंने धोया था उसका चालक मुझे पैसे देने जा रहा था, तभी दूसरे लड़के ने अपना हाथ बाहर निकाला और पैसों पर झपटा और भाग गया।

मेरे पिता स्क्रैप आयरन इकट्ठा करके पैसे कमाते हैं, उसे वह लोहे वाले बाजार में बेच देते हैं। लेकिन ज़न्मी टिमौन को धन्यवाद, मुझे स्कूल शुरू करना पड़ा। सीखने के लिए बहुत कुछ है। जब मैं बूढ़ा हो जाऊंगा तब मैं मोटरबाइक चलाना सीखने जा रहा हूं कि और टैक्सी चलाऊंगा। अब मैं पहले की तरह लडकों के साथ बाहर नहीं घूमता हूं। अब मैने नये मित्र बना लिये हैं।''

*जीन–नोएल, 14*

## एक स्कूल यूनीफार्म का सपना देखा

''जब मैं छोटा था, तब मैंने स्कूल जाना शुरू किया, लेकिन मां मेरी स्कूल यूनीफार्म और सभी आवश्यक चीजें नहीं खरीद सकती थी। इसलिए मैं सड़क पर रहता था। अपनी मां की मदद करने के लिए, मैं उन कारों को धोया करता था जो चौराहे पर लाल बत्ती पर रुकती थीं। कभी–कभी मैं एक दिन में 15 कारें तक घो देता था, लेकिन चालक अक्सर मुझे गाली देते थे। वे नहीं चाहते थे कि मैं उनकी कार धोऊं।

और सड़क पर एक गिरोह था, लेकिन मैं इसमें नहीं रहना चाहता था। वह बहुत खतरनाक था। अगर उनको पता चल जाता था कि मैंने कुछ पैसे कमा लिये हैं तो वे मुझे पीट सकते थे। उन्होंने मुझे मारा और मेरा पैसा चुरा लिये। एक बार उन्होंने मुझे एक चाकू से काट भी दिया।

जब मैं ज़न्मी टिमौन के सम्पर्क में आया, तो मुझे स्कूल जाने को मिला। उन्होंने मुझे एक स्कूल यूनीफार्म दी। जब मैं कारों को धोता था तब मैं अपने विद्यालय के बच्चों को यूनीफार्म पहने देखता था। मैं उनके जैसा बनना चाहता था। कभी–कभी मैं रोता था।

मुझे सड़क का जीवन नहीं याद आता। अब मुझे स्कूल में कई चीज़ें सीखने को मिलती हैं। हमारे मेंज़ पर भोजन मिल जाता है और पहनने के लिए कपड़े और जूते मिलते हैं। ज़न्मी टिमौन ने भी मेरी मां की मदद की है। शुरू में उसने आम बेचने की एक छोटी कंपनी शुरू की। अब वह प्लास्टिक इकट्ठा करती है, जिसे वह रीसाइक्लिंग के लिए बेचती है। पहले हम नहीं जानते थे कि हम इससे भी पैसे कमा सकते हैं।''

*इमानुएल, 14*

हैती के जेल में कई बच्चों का कभी कोई मामला नहीं रहा है। ज़न्मी टिमौन सभी बच्चों को जेलों में अपने मामले सुनवाने का अधिकार, अपने परिवारों के साथ रहने और स्कूल जाने का मौका देता है।



TEXT: ERIK HALKJAER PHOTOS: JESPER KLEMEDSSON

# पौलेट का जेल में दुःस्वप्न

**जब वह आठ वर्ष की है तो पौलेट का दुःस्वप्न शुरू होता है। उसे पुलिस ने ले जाया, जो कहती है कि उसने एक बच्चे की हत्या कर दी है। सच्चाई यह है कि बच्चे को बीमारी से मर गया, लेकिन पौलेट को जेल में डाल दिया गया। सप्ताह वर्ष बन जाते हैं, और पौलेट आठ वर्ष जेल में रहती है ...**

महिला नहीं मान रही थी। उसने पौलेट की ओर संकेत करते हुए कहा:

''यही था जिसने दूध में जहर मिलाया जिससे बच्चे की मृत्यु हो गई।''

पुलिस ने पौलेट से पूछा कि क्या उसने दिन में पहले कुछ बच्चों को दूध दिया था।

''हाँ, मेरी चचेरी बहन और मैंने पिया,'' पौलेट ने उत्तर दिया।

पौलेट आठ वर्ष की थी। वह जमीन पर बैठी, पोछा लगा रही थी। पड़ोसियों में से एक की छोटी लड़की उसके बगल में बैठी थीं। पौलेट ने उसकी देखभाल करने की ज़िम्मेदारी ली थी।

पौलेट का परिवार पहाड़ों के एक छोटे से गांव में रहता था। उसकी मां घर से कुछ हफ्तों तक दूर काम कर रही थी। उसके पिता और बड़े भाई–बहन फसल इकट्ठा करते हुए एक किसान के लिए काम कर रहे थे।

पुलिस ने पौलेट से उनके साथ आने को कहा।

''लेकिन उस लड़की का क्या होगा जिसकी मैं देखळाल कर रही हूं?'' पौलेट ने पूछा।

''वहे अपने घर का रास्ता स्वयं ढूढ़ कर चली जाएगी,'' एक पुलिसकर्मी ने कहा।

पुलिस पड़ोसी गांव के पुलिस स्टेशन में पौलेट को ले गई। पौलेट को कोई सुराग नहीं था कि क्या चल रहा था। वह डरी हुई थी, और उसने एक शब्द नहीं कहा।

## मां परेशान

जब पौलेट की मां कारमेन घर आई, तो उसने पूछा कि पौलेट कहाँ थी। कोई नहीं जानता था। वे केवल इतना जानते थे कि वह गायब हो गयी है। किसी ने कहा था कि पुलिस उसे ले गई थी, लेकिन यह कुछ अजीब सा लग रहा था।

एक मोटरसाइकिल टैक्सी ने गरीब पहाड़ी सड़कों पर पुलिस स्टेशन पर पौलेट की मां ले ली। एक पुलिसकर्मी

पौलेट अब अपने परिवार के साथ घर वापस आ गई है। वह अपने परिवार की पहली सदस्य है जो स्कूल जा रही है।

ने कहा कि पौलेट कुछ अन्य पुलिसकर्मी राजधानी पोर्ट–औ–प्रिंस के पास गया था।

यह सच नहीं हो सकता, उसकी मां कारमेन ने सोचा। वह अपनी बेटी को इस बड़े शहर में कैसे पायेगी? और वह वहां कैसे पहुंच सकती थी? कारमेन रोयी। वह समझ गई कि उसने हमेशा अपनी सबसे छोटी बेटी को खो दिया होगा।

''आठ वर्ष की लड़की कैसे सामना कर सकती है?'' उसने पुलिसकर्मी से पूछा।

''उसने एक और बच्चा मारा है। इसलिए उसे जेल में रहना है,'' पुलिसकर्मी ने कहा।

कारमेन ने पुलिस पर विश्वास नहीं किया, लेकिन वह क्या कर सकती थी? वह किससे बात कर सकती थी? वह स्कूल नहीं गई थी, न ही उसके पति या उसके कोई भी बच्चसे। वे समझते नहीं थे कि चीजें कैसे काम करती थीं।

## जेल में

पोर्ट–औ–प्रिंस में, पुलिस कार पौलेट के साथ एक बड़ी जेल पर रुकी। ऊँची सफेद दीवारों के शीर्ष पर कांटेदार तार के रोल थे। टावरों में सशस्त्र गार्ड थे, और कोनों में, कैमरे सबकुछ फिल्मा रहे थे।

''अब तुम यहां रहने जा रही हो,'' पुलिसकर्मी ने कहा।

पौलेट रोयी। वह अपनी मां से मिलना चाहती थी। उसने किसी को नहीं मार डाला था। उसने गांव में कुछ बच्चों को थोड़ा दूध दिया था। उसने क्या गलत किया था?

पौलेट को 13 अन्य लड़कियों के साथ एक जेल सेल में बंद कर दिया गया था। वह सबसे छोटी थी। वे बंक बेड में सो गए।

जेल के बाहर की दीवार पर, बड़े नीले अक्षरों में, लिखा था कि यह एक महिला जेल थी और युवा लड़कियों के लिए पुनर्वास और समर्थन की सुविधा है ताकि वे हैती के वैध समाज में फिर से जुड़ सकें। वह अंतिम हिस्सा सच नहीं था।

गार्ड ने उनकी आयु की परवाह किये बिना सभी से दुर्व्यवहार करते थे। पौलेट के सेलमेट्स में से एक ने एक सैंडविच रिफैटरी में से लिया। उसने उसे अपने तकिए के नीचे छुपा लिया। अगले दिन, सैंडविच गायब हो गया। उसके सेलमेट ने सोचा था कि पौलेट ने इसे खा लिया।

''तुमने क्या किया? तुम जानती थी कि यह मेरा था,'' उसने चिल्लाया।

''मैंने ऐसा नहीं किया,'' पौलेट ने उत्तर दिया।

''हाँ तुमने किया, मुझे पता है कि यह तुम थीं,'' सेलमेट चिल्लाया, जो लड़ना चाहती थी।

आखिरी मिनट पर एक जेल गार्ड गया। सेल में अन्य लड़कियों ने समझाया कि क्या हुआ था। गार्ड ने उस लड़की को ले लिया जिसने सैंडविच छुपाया था। उसे अलगाव में रखा गया, बिना किसी प्रकाश के। उसे चार दिनों तक वहीं रहना पड़ा।

पौलेट आठ वर्ष तक जेल में आयोजित किया गया था। वह पूरी तरह से निर्दोष था। उसे एक अलगाव कक्ष में भी रखा गया था।

पौलेट अपने परिवार की छोटे घर में।

एक और बार, लड़कियां कपड़े धो रही थीं। पौलेट आखिरी थी।

गार्ड में से एक से पूछा, ''क्या तुम अभी भी यहाँ हो?''

''हाँ, मैंने कपड़े धोना समाप्त नहीं किया,'' पौलेट ने उत्तर दिया।

''तुम अपना समय जानती हो। तुमको अलगाव में रहना होगा,'' गार्ड ने कहा।

सजा के रूप में, पौलेट को दो दिनों तक अंधेरे अलगाव कक्ष में बंद कर दिया गया। वह ठंडी सीमेंट की फर्श पर सोई।

## सप्ताह वर्षों में बदल जाते हैं

समय बीतता गया। दिन सप्ताहों में बदल गये, और सप्ताह महीनों और वर्षों में बदल गये। पौलेट ने छह वर्ष जेल में बिता दिये थे। वह 14 वर्ष की थी और अभी भी उसे पता नहीं था कि वह वहां क्यों थी। उसका कभी अदालत में मामला नहीं रहा है।

जेल में कई अन्य लड़कियां थीं जिनके पास वकील नहीं था या जिनको कानून की अदालत में स्वयं को बचाने का अवसर नहीं मिला था। उन्हें सीधे पुलिस द्वारा जेल भेज दिया गया था।

हर सप्ताह, कुछ लड़कियों से बात करने के लिए लोगों का एक समूह जेल में आया करता था। वे उनके नामों के बारे में प्रश्न पूछते थे, कहां से वे आई थीं, कहां उनके माता–पिता रहते थे, वे जेल में क्यों थीं और क्या उनके पास वकील था।

जब गायलैन्ड जेल में पौलेट से मिलने गई, तो उसे पता चला कि वे दोनों एक ही गांव के थे।

पौलेट ने उन्हें अपना नाम बताया और वह कहाँ से आई थी। जिस महिला से उसने बात की उसने कहा कि शायद वह उसकी मदद कर सकती है।

## गायलैन्ड से बैठक

थोड़ी देर बाद, पौलेट को जेल के प्रतीक्षा कक्ष में बुलाया गया। वहां एक औरत थी जिसने कहा कि उसका नाम गायलैन्ड थी और वह उसी गांव से थी जिसकी पौलेट थी।

''मैं एक वकील हूं और मैं ज़न्मी टिमौन संगठन के साथ काम करती हूं। हम तुमको जेल से बाहर निकालने में सहायता करने के लिए यहां आये हैं। क्योंकि बच्चों को जेल में नहीं होना चाहिए,'' गायलैन्ड ने कहा।

पौलेट ने गायलैन्ड को सुना, जिसने उसे बताया कि बहुत समय पहले उसने एक लड़की के बारे में

## Poulette, 16

**पसंद हैं:** क्रोशिया की कढ़ाई।

**पसंद नहीं है:** सफाई करना।

अपने खाली समय में पसंद करती है: रस्सी कूदना एवं फुटबॉल खेलना।

**बनना चाहती है:** एक सीमस्ट्रेस और दुकान मालिक।

**लेना चाहती हैं:** एक रेडियो।

**आदर्श मानती है:** सोफिया सेंट–रेमी मार्टेली (पूर्व राष्ट्रपति मिशेल मार्टेली की पत्नी तथा हैती में एक सक्रिय एचआईवी/एड्स प्रचारक)।

सुना था जो अचानक उसके गांव से गायब हो गई थी।

"एक अन्य दिन जब मेरे साथियों में से एक मेरे पास आयी और कहा कि वह मेरे घर के गांव की एक लड़की से जेल में बात करके आई, तब मैंने सोचा कि मुझे स्वयं वहां जाना चाहिए," गायलैन्ड ने कहा।

थोड़ी देर बाद, पौलेट को एहसास हुआ कि वह और गेयलैंड एक ही लोगों को जानती थीं। गायलैन्ड ने उसकी मां तक से बात की थी।

छह वर्ष में यह पहली बार हुआ जब उसने अपने गांव और परिवार के बारे में कुछ सुना। वह रोई। क्योंकि वह बहुत खुश थी, लेकिन इसलिए भी कि उसे अपनी मां की बहुत याद आती थी।

"मैं वादा करती हूं कि मैं तुम्हारी मदद करूंगी। पहली बात, जब तुम शुरू में यहां आई थी तब जितनी बड़ी थी, उस आयु के बच्चों को जेल में कभी नहीं होना चाहिए। और दूसरी बात, तुम्हारे जेल जाने से पहले तुम्हारा कोई मामला होना चाहिए," गायलैन्ड ने बताया।

ज़न्मी टिमौन के कर्मचारी पौलेट के गांव गए। उन्होंने उसके परिवार, पड़ोसियों, उस महिला जिसने पौलेट पर हत्या का आयोप लगाया था और वो पुलिस जिसने उसे गिरफ्तार किया था, से बात की।

## अंत में मुक्त

डेढ़ वर्ष बाद, ज़न्मी टिमौन पौलेट का मामला एक न्यायाधीश के सामने पेश करने में सक्षम हो गई। उसने जांच को देखा और कहा कि पौलेट दोषी थी या नहीं, उसे जेल से बाहर निकालना पड़ेगा। उसने सोचा कि इस तरह की एक युवा लड़की को सलाखों के पीछे नहीं होनी चाहिए।

वो बड़ा अच्छा दिन था। पौलेट 16 वर्ष की होने वाली थी। वह आठ वर्ष से जेल में थी, लेकिन अब उसे घर जाने की अनुमति मिलने वाली थी।

"मैं आपको बताने जा रही हूं कि उस दिन वास्तव में क्या हुआ, आठ वर्ष पहले," गायलैन्ड ने कहा।

जिस महिला ने पौलेट पर हत्या का आरोप लगाया था वह पागल थी। जो बच्चा मर गया वह गंभीर रूप से बीमार था। वह दूध नहीं था जिसने बच्चे को मार डाला। वह उसकी बीमारी थी।

महिला ने पौलेट और उसकी चचेरी बहन को दूध देते हुए देखा था। जब बच्चों में से एक की तुरंत बाद मृत्यु हो गई, तो वह पुलिस के पास गई। पुलिस ने पौलेट की बड़ी चचेरी बहन की तलाश की, लेकिन वे उनको नहीं मिली। तो उन्होंने इसके बजाय पौलेट को गिरफ्तार कर लिया। कभी कोई जांच नहीं हुई। पुलिस ने बस पौलेट को जेल में डाल दिया।

"दुर्भाग्य से ऐसा अक्सर होता है। बहुत से बच्चे जेल में हैं जबकि उन्हें वहीं नहीं होना चाहिए," गायलैन्ड ने कहा।

ज़न्मी टिमौन के कर्मचारियों ने गाड़ी से पौलेट को उसके गांव के घर पहुंचाया। वे पहाड़ों में ऊपर चलते गए, सड़कों और भी खराब हो गयीं, पहाड़ियों और हरी हो गईं और ताड़ की पत्तियां हवा में झूम रही थीं। यह कितना सुंदर है, पौलेट ने सोचा। कारमेन और शेष परिवार घर पर उसकी प्रतीक्षा कर रहा था।

"मैं विश्वास नहीं होता कि यह सच है," खुशी से माँ ने रोया, और उसने पौलेट को कस के गले लगा लिया। उनके गालों पर आँसू बह रहे थे।

"मैंने सोचा था कि तुम मर चुकी हो, लेकिन अब तुम वापस आ गई हो। यह केवल भगवान की मर्जी से हो सकता है," कारमेन ने कहा।

ज़न्मी टिमौन की मदद से, पौलेट स्कूल शुरू कर सकी। उसे चौथी कक्षा शुरू करने की अनुमति मिली क्योंकि वह जेल में बहुत कम स्कूल गई थी। वह अपने परिवार की पहली सदस्य थी जो स्कूल गई।

पौलेट पर एक बच्चे को जहरीला दूध देने का आरोप था, जबकि बच्चे की बीमारी से मृत्यु हो गई। यहाँ पौलेट एक लड़की को पीने के लिए पानी दे रही है।

पौलेट अपनी मां कारमेन के साथ, बाजार में। दोनों खुशी से रोये जब अंत में पौलेट जेल से घर आ गई।

जेल में, पौलेट क्रॉचिंग और बुनाई में अच्छी थी। वह कुछ ही घंटों में एक स्कार्फ, टोपी या बैग पर क्रोचेट कर सकती है। वह जो बनाती है उसे बेचती है, लेकिन भविष्य में वह अपनी दुकान खोलने की सोचती है। तब वह एक ऋण प्राप्त करने और अधिक सामग्री खरीदने में सक्षम हो जाएगा। वह सैंडल और टोकरी बनाने के लिए प्लास्टिक की प्लेटिंग करना पसंद करती है।

# नहीं बताने पर तीन वर्ष जेल में

**पुलिस ने कहा कि यदि लुई, 16, सिर्फ यह बता देगा कि उसका दोस्त कहाँ है तो वह जेल जाने से बच जाएगा, लेकिन लुई कोई चुगलखोर नहीं था। उसे बाहर निकलने में तीन वर्ष लग गए। अब वह एक न्यायाधीश बनना चाहता है।**

''मैं एक ऐसे दोस्त के साथ घूमा करता था जिसने एक बंदूक ले रखी थी। हम आमतौर पर एक साथ घूमते थे, लेकिन फिर वह चाहता था कि मैं कुछ करने के लिए उसके साथ आऊं, जैसा उसने मुझसे कहा। मैंने कहा नहीं।

अगले दिन, पुलिस मेरे घर आई थी।

उन्होंने मुझे चोरी करने में सहायता करने के लिए गिरफ्तार कर लिया और जेल ले गए। उन्होंने पूछा कि मेरे दोस्त कहां थे और कहा कि उन्होंने पिछले दिन की शाम को एक व्यक्ति को लूटा था। मैं कोई चुगलखोर नहीं हूं, इसलिए मैंने कहा कि मुझे नहीं पता था कि वह कहाँ था।

मेरा कोई मामला नहीं था। मेरा मित्र पहले जेल में रह चुका था और उसने मुझे बता दिया था कि वहां भोजन मिलना और कपड़े धोना मुश्किल होगा। सेल में हम कुल 20 थे। हम बंकर पलंगों में सोये। अन्य लड़कों ने ज़ोर से बात की, चिल्लाए और झगड़े किये। मैं डर गया था।मेरे माता–पिता मिलने आये। वे मुझसे नाराज नहीं थे। वे जानते थे कि मैं निर्दोष था। लेकिन अचानक एक दिन एक गार्ड आया और उसने बताया कि मेरे माता–पिता दोनों एक बीमारी के कारण मर गए। मैं दुखी था और मैं भी मरना चाहता था। मैंने अपने कपड़ों को एक साथ बांधा और खुद को लटकाने की कोशिश की, लेकिन गार्डों ने मुझे पकड़ लिया।

तीन वर्ष बाद, ज़न्मी टिमौन ने मुझे बाहर निकलवा लिया। उन्होंने एक न्यायाधीश को पत्र लिखा जिसमें कहा गया कि मुझे जेल में नहीं होना चाहिए। अब मैं अपनी बहनों के साथ रहता हूं, जिन्हें ज़न्मी टिमौन से ऋण मिला है। वे सड़क पर मिठाई बेचती हैं जिसकी कमाई से हम भोजन कर सकते हैं। ज़न्मी टिमौन मुझे स्कूल समाप्त करने में भी मदद करने जा रहा है।'' ⊕

TEXT: ERIK HALKJAER PHOTOS: JESPER KLEMEDSSON

## Guerline, 14

**बनना चाहता है:** एक नर्स।
**अपने खाली समय में वह पसंद करती है:** ड्राइंग।
**सर्वप्रिय स्कूल का विषय:** गणित।
**प्रिय है:** स्कूल।
**नहीं अच्छा लगता:** जब लोग उसे गाली देते हैं।

# घरेलू दास गुरलाइन में आशा जागती है

पांच वर्ष की आयु से गुरलाइन अन्य लोगों के घरों में दास रही है। उसे काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है और उसे फर्श पर सोना पड़ता है। लेकिन एक दिन एक आदमी उसके पास आता है और कहता है कि उसे स्कूल जाने का अधिकार है ...

जब गुरलाइन पांच वर्ष की है, तो वह घर से दूर किसी दूसरे गांव में एक औरत के साथ रहने के लिए चली गई थी। उसकी मां का कहना था कि वहां बेहतर था। वह छः भाई–बहन में से सबसे छोटी है और उसके माता–पिता उसे भोजन नहीं करा सकते।

अपने नए घर पर गुरलाइन को भोजन दिया जाता है, लेकिन उसके लिए उसे काम करना पड़ता है। वह पानी और लकड़ी लाती है और भोजन पकाने में मदद करती है। गुरलाइन फर्श पर एक कंबल रख कर सोती है। यदि उसे घर के सभी कामों के बीच समय मिलता है वह खेल सकती है।

### एक दास, फिर से

जब गुरलाइन सात वर्ष की है, तो उसकी मां उसे लेने के लिए आयी। उसकी मां कहते हैं, ''तुम राजधानी पोर्ट–औ–प्रिंस में एक महिला के साथ रहने के लिए जा रही हो।'' यह घर से और अधिक दूर है।

''मैंने वहां एक औरत के साथ समझौता किया है कि तुम उसके साथ रह सकती हो और शायद स्कूल भी जा सकती हो। लेकिन तुमको पूरे घर मदद करनी पड़ेगी, जैसा तुम यहां करती हो,'' उसकी मां ने कहा।

अगले दिन, वह महिला आती है। उसका नाम मैगाली है। वह गुरलाइन को अपने साथ राजधानी ले जाती है।

TEXT: ERIK HALKJAER PHOTOS: JESPER KLEMEDSSON









घरेलू दास गुरलाइन का काम
वह पानी लायेगी, पकायेगी, कपड़े धोयेगी और उनको फैलायेगी, लेकिन हर दिन सफाई करेगी, मेंज़ रखेगी और बिस्तर बिछायेगी।

जब वे पहुंचते हैं, तो मैगाली गुरलाइन को घर दिखाती है जहां वह रहेगी और काम करेगी। घर में एक और औरत अपने बच्चों के साथ रह रही है। वे गुरलाइन से बड़े हैं और स्कूल जाते हैं।

मैगाली कहते हैं, ''तुम्हारा सोने के लिए वहां जगह है, और रसोई की मेज के पास फर्श की ओर संकेत करती है।''

अन्य बच्चे और वयस्क बिस्तरों में सोते हैं, लेकिन गुरलाइन को लेटने के लिए कुछ कंबल ही मिलते हैं।

## कोई जन्म प्रमाण पत्र नहीं

गुरलाइन जल्दी उठती है। वह हर किसी के लिए खाना बनाती है, सफाई करती है, कपड़े धोती है, खरीदारी करती है और कपड़े धोती है। दिन के समय वह अक्सर अकेली होती है। अन्य लोग स्कूल में होते हैं या काम करने चले जाते हैं। गुरलाइन को नहीं लगता कि यह अजीब बात है कि वह स्कूल नहीं जा रही है। उसके साथ के बच्चों में से भी किसी को नहीं। लेकिन उसे घर में बच्चों को अपने विद्यालय की यूनीफार्म पहने हुए देखना अच्छा लगता है। उनके पास पीठ पर लटकाने वाले बैग है, वे होमवर्क करते हैं और स्कूल में अपने दिन के बारे में बात करते हैं।

जब गुरलाइन खरीदारी करने जाती है, तो वह अक्सर एक स्कूल पास से गुजरती है जहां बच्चे अपनी आकर्षक यूनीफार्म पहने स्कूल के मैदान में खेल रहे होते हैं। कभी–कभी वह स्कूल को आते–जाते बच्चों से मिलती है। गुरलाइन का कोई मित्र नहीं है। घर और सड़क पर अन्य बच्चे आमतौर पर अपना होमवर्क करने के बाद खेलते हैं। गुरलाइन के पास उनमें शामिल होने के लिए शायद ही कभी समय होता है, क्योंकि उसे घर का बहुत काम करना होता है। जब वह दस वर्ष की होती है, तो गुरलाइन फैसला करती है कि वह भी स्कूल जाना चाहती है। अन्य सभी बच्चों की तरह उसे भी एक स्कूल यूनीफार्म, दोस्तें और चीजों सीखने का मन है।

''मैं स्कूल कब शुरू कर सकती हूं?'' वह मैगाली से पूछती है।

''समय नहीं है। और हमारे पास इसके लिए पैसा भी नहीं है। और तुम पहले से ही दस वर्ष की हो। जब तुम छह वर्ष की थी, तब तुमको स्कूल जाना शुरू करना चाहिए था,'' मैगाली उत्तर देती है।

एक और समस्या है। गुरलाइन के पास कोई जन्म प्रमाण–पत्र नहीं है जिससे यह सिद्ध हो कि वह कब और कहाँ पैदा हुई थी, और उसके माता–पिता कौन हैं। इस दस्तावेज के बिना कोई भी हैती में स्कूल जाना शूरू नहीं कर सकता।

गुर्लाइन को रसोई के तले पर सोना पड़ता है।

## गुरलाइन का अधिकार

एक दिन, मैगाली के दरवाजे पर एक दस्तक है। बाहर एक आदमी है जो कहता है कि वह ज़न्मी टिमौन नामक संगठन से है।

''गुरलाइन स्कूल क्यों नहीं जा रही है? यह उसका अधिकार है। और हमारा स्कूल तुम्हारे घर के पास है,'' आदमी कहता है।

''हमारे पास पैसा या जन्म प्रमाण–पत्र नहीं है,'' मैगाली उत्तर देती है।

''आपको हमारे स्कूल में इनकी जरूरत नहीं है,'' आदमी कहता है। ''हमारे स्कूल में ऐसे कई अन्य बच्चे हैं जो उन परिवारों के साथ रहते हैं जो उनके स्वयं के नहीं हैं।''

मैगाली बच्चों के अधिकारों और हैती के कानून के बारे में पता लगाती है, जो कहता है कि सभी बच्चों को स्कूल जाना चाहिए। मैगाली से वादा किया गया है कि मदद करने के लिए गुरलाइन उसके साथ घर पर रहेगी।

जब उसके पास समय होता है, तब गुरलाइन तब वह चित्र बनाती है। अक्सर जब घर पर कोई और नहीं होता है तब वह चित्रकारी करती है, जो उसे उसके काम के खयाल से दूर ले जाती है। उसके दाईं ओर की लड़की उस परिवार की है जिसके लिए गुरलाइन एक घरेलू दास है, लेकिन उसे अपने घर पर कभी मदद नहीं करनी पड़ती।

गुरलाइन हर दिन स्कूल के शुरू होने की प्रतीक्षा करती है। स्कूल में उसका पहला दिन उयके जीवन का सबसे खुशी का दिन था

वह नहीं चाहती कि गुरलाइन दिन में कई घंटों के लिए स्कूल जाए। ''इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उसे स्कूल जाना है। वह दिन में चार घंटे के लिए हमारे पास आ सकती है और फिर तुमको उसे अपना होमवर्क करने के लिए कुछ समय देना चाहिए, और फिर वह तुम्हारी घर पर मदद करती रहेगी,'' जमानी टिमौन का सामाजिक कार्यकर्ता कहता है।

## घर की याद आ रही है

गुरलाइन विश्वास नहीं कर सकती कि जो वह सुन रही है वह सच है। उसे स्कूल यूनीफार्म, एक जोड़ी जूते और एक रक्सैक मिलता है। आदमी उसके साथ स्कूल में जाता है। वह अपना नाम मुख्य शिक्षक की पुस्तक में लिख देती है। फिर मैगाली आती है और उस पर हस्ताक्षर करती है।

स्कूल में पहला दिन कठिन होता है। गुरलाइन शर्मीली है। लेकिन यह उसके जीवन का सबसे खुशी का दिन है। एक सपना सच हो गया है। लेकिन गुरलाइन अभी भी फर्श पर सोती है और हर दिन उसे खाना पकाने, सफाई करने, कपड़े धोने, उनको फैलाने और भोजन खरीदने के लिए जल्दी उठना पड़ता है।

गुरलाइन में अपने घर और अपने परिवार से मिलने की लालसा जागती है। उसे अपने मांता–पिता और भाइयों–बहनों की याद आती है। वह उनके साथ क्यों नहीं रह सकती और वही स्कूल क्यों नहीं जा सकती? जब वह दो वर्ष तक स्कूल में रह चुकती है, तो ज़न्मी टिमौन उसकी घर को यात्रा करने में मदद करता है। गुरलाइन अब 12 की है और सात वर्ष तक घर नहीं गई है।

उसकी मां, पिता और भाई–बहन उसे देख कर खुश होते हैं। गुरलाइन उन्हें गर्व से बताती है कि उसने स्कूल जाना शुरू कर दिया है। वह अपने भाइ–बहन के साथ खेलती है, लेकिन खेतों में काम करने के लिए बहुत सारा काम हैं। जब स्थानीय

## गुरलाइन की संपत्ति

घरेलू दास गुरलाइन के पास केवल कुछ ही वस्तुएं हैः रक्सकैक, पेंसिल केस, स्कूल की पुस्तकें, कलम, स्कूल यूनीफार्म एवं जूते।

किसानों को मदद की जरूरत होती है, तो परिवार पैसे कमाने के लिए उनके खेतों में काम करता है जिससे मेंज पर भोजन रखा जा सके। ''तुमको मदद करनी है,'' मां कहती है।

जल्द ही गुरलाइन वो स्कूल की लड़की नहीं रह जाती जो अपने अपने परिवार से मिलने के लिए घर आई है। वह सिर्फ एक और व्यक्ति है जो परिवार के वित्त में अपना योगदान दे सकती है। गर्मी की छुट्टियों के बाद जब वह पोर्ट–औ–प्रिंस लौटती है, तो वह निर्णय लेमी है कि वह दोबारा अपने घर कभी नहीं जाएगी।

गुरलाइन को हर दिन अपने परिवार को याद आती है, लेकिन साथ ही उसे अपने मां और पिता द्वारा काम करने के लिए मजबूर होना नहीं याद रखना चाहती। वह स्कूल जाने में अपना भविष्य देखती है।

## भविष्य की आशा

सत्र के पहले दिन, गुरलाइन अपनी स्कूली प्रेमिका नथाली को बताती है कि उसके ? माता–पिता के धर पर रहने का अनुभव कितना बुरा था। वह रोती है। नथाली भी रोती है और वे एक–दूसरे को गले लगाते हैं।

हर दिन, गुरलाइन स्कूल के शुरू होने के लिए उत्सुक रहती है। तब उसे काम नहीं करना पड़ेगा और वह अपनी मित्रों से मिल सकेगी।

गुरिलाइन की तरह, बहुत कम बच्चे स्कूल के पास रहते हैं। बहुत सारे बच्चों को स्कूल पहूंचने के लिए बहुत लंबी बस यात्रा करनी पड़ती है। वे अक्सर देर से आते हैं क्योंकि जहां वे रहते हैं वहां उन्हें काम भी करना पड़ता है। जब बच्चों को घरेलू दासों की तरह काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है जहां वे रहते हैं तो उनको अपना होमवर्क के लिए शायद ही कभी समय होता है। स्कूल के शिक्षकों को इसके बारे में पता है। जिन छात्रों ने अपना होमवर्क नहीं किया होता है या जो देर से आते हैं, उनको दंडित करने के बजाय वे छात्रों से पूछते हैं कि क्या वे ठीक हैं। कभी–कभी बच्चे बताते हैं कि वे जिन परिवारों के साथ रहते हैं, वहां उन्हें पीटा जाता है। या वह परिवार उन पर चिल्लाता है और उनको गाली देता है। जब वे स्कूल आते हैं तो उनके चोटें लगी होती हैं।

गुरलाइन पूरे घर का प्रबंध स्वयं करना पड़ता है। उसे लगता है कि वह बेकार है, और जब कोई देख रहा होता तो वह रोती है।

गुरलाइन का सपना है कि वह अपना स्कूल समाप्त करे और अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू करे। जब वह 18 वर्ष की हो जाएगी तब ज़न्मी टिमौन उसे वित्तीय सहायता प्रदान कर सकती है और ऋण को निपटाने में भी मदद कर सकती है। वह उस पैसे को बचाएगी जो वह कमाती है ताकि वह नर्स बनने के लिए अध्ययन कर सके।

''जब मैं फर्श पोंछ रही होती हूं तब मैं इसके बारे में सोचती हूं,'' गुरलाइन कहते है।

जब गुरलाइन स्कूल में होती है, तो उसे काम करने से बच जाती है और अपनी दोस्तों के साथ समय बिता सकती है।

पांच वर्षों तक, गुरलाइन केवल अन्य बच्चों को विद्यालय की यूनीफार्म पहने और स्कूल में देखती थी तथा स्कूल तक उनके पीछे चलती जाती थी, लेकिन स्वयं उसमें कभी नहीं जा सकी। हालांकि, अब उसके पास एक स्कूल यूनीफार्म है और वह हर दिन स्कूल जा सकती है।

## तुम स्कूल जाने में देरी क्यों करती हो?

''मुझे काम करना और खाना बनाना होता है। मुझे अक्सर देर हो जाती है, कभी–कभी एक घंटा। मुझे देर से पसंद नहीं है। मैं अपने माता–पिता के साथ नहीं रहती, लेकिन मुझे उनकी याद आती है। मैं उनके साथ रहना चाहती हूं।''

*सेली, 14, घरेलू दास*

## तुम अपना गृहकार्य कब करते हो?

''मेरे पास घर पर अपना होमवर्क करने का समय नहीं है। मैं इसे स्कूल में करने के लिए समय खोजने का प्रयास करता हूं। यह अच्छी बात नहीं है। और मैं अक्सर देर से स्कूल पहुंचता हूं। यह भी अच्छा नहीं लगता।''

*जोज़ेफ, 16, घरेलू दास*

## तुमको चोट कैसे लगी?

''जिस महिला के साथ मैं रहता हूं उसने मुझे मारा। मुझे उसकी बेटी के लिए जूते लाने था, फिर उसने मुझे एक पुस्तक लाने के लिए कहा। मैं जूते और पुस्तक दोनों उक साथ ले आया, लेकिन वह पहले पुस्तक चाहती थी। यही कारण है कि उसने मुझे मारा। यह बहुत होता है। यह अच्छा नहीं है और ऐसा नहीं होना चाहिए।''

*वुड, 13, घरेलू दास*

## स्कूल जाना क्यों अच्छा लगता है?

''मुझे स्कूल पसंद है क्योंकि मुझे चीजों सीखने को मिलता है और एक व्यक्ति के रूप में बढ़े होना। जहां मैं रहता हूं, मैं बस इतना करता हूं कि हर समय काम करना पड़ता है, और मुझे यह अच्छा नहीं लगता। स्कूल में बेहतर है।''

*जोलिकोइर, 11, घरेलू दास*

## तुमको क्या मदद मिलती है?

''ज़न्नी टिमौन ने मुझे स्कूल शुरू करने में मदद की है। मुझे पहले अनुमति नहीं थी, लेकिन मेरे पास अभी भी घर पर अपना होमवर्क और अध्ययन करने का समय नहीं है।''

*जीन–पियरे, 14, घरेलू दास*

# भूकंप ने बचा लिया

**विल्टन, जो अब 14 वर्ष का है, छह वर्ष का था और दो वर्ष से एक और परिवार के साथ दास के रूप में रह रहा था जब 2010 में, हैती में एक बड़ा भूकंप आया। वह अपनी कहानी बताता है:**

''जब मैं कचरा उठा रहा था जभी जमीन हिलना शुरू हो गई। मैंने एक खम्बे को पकड़ लिया और तब तक पकड़े रहा जब तक यह बंद नहीं हुआ। फिर मै अपने घर गया। जिस घर में मैं रह रहा था वह अब नहीं था और जिस परिवार के साथ मैं रह रहा था वह चला गया था।

मैं सड़क पर रहता रहा जब ज़न्मी टिमौन के एक सामाजिक कार्यकर्ता ने मुझे देखा और पूछा कि मैं क्या कर रहा था। मैंने कहा कि चीजें बहुत अच्छी नहीं थीं, कि मेरे असली परिवार ने मुझे यहां रहने के लिए मजबूर किया था, लेकिन जिस घर में रहता था उसमें कुछ भी नहीं बचा था।

सामाजिक कार्यकर्ता ने मुझे अपने असली परिवार को खोजने में मदद की और मुझे घर जाना मिला। जब मैं सात वर्ष का था, तो मेरे परिवार ने कहा कि मुझे फिर से काम करने के लिए दूसरे परिवार में जाना पड़ेगा। मैं स्कूल नहीं जा सका, मुझे व्यंजन धोने और परिवार के बच्चों की देखभाल करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मैं उन्हें स्कूल भी ले गया, भले ही मुझे स्वयं स्कूल जाने की अनुमति नहीं थी। मैं फर्श पर सोया। परिवार ने मुझे पीटा और गाली दी। मुझे घर की बहुत याद बाती थी और मैं यहां गांव के स्कूल में जाना चाहता था।

ज़न्मी टिमौन ने मुझे स्कूल शुरू करने में मदद की। उन्होंने मुझे स्कूल यूनीफार्म और स्कूल की किताबें भी दी हैं। मेरे परिवार को ऋण दिया गया था ताकि वे चावल, तेल, आटा, मिठाई और उस तरह की चीजें बेच सकें। कभी–कभी मैं दुकान में मदद करता हूं जब मैं स्कूल में नहीं होता हूं या फुटबॉल नहीं खेल रहा होता हूं। ''

विल्टन और उनके परिवार दोनों को ज़न्मी टिमौन से सहायता मिली है। परिवार को सामान खरीदने के लिए ऋण दिया गया था जिसे वे अपनी छोटी दुकान में बेच सकें।

## बहुत सारे बच्चे दास

हैती में लगभग 225,000–300,000 बच्चे ऐसे परिवारों के साथ रहते हैं जो घरेलू दासों की तरह काम करते हैं जो उनके स्वयं के नहीं है। प्रणाली को क्रेओल भाषा में रेस्टावेक कहा जाता है। यह शब्द फ्रांसीसी रेस्टर एविक, ''साथ रहना'' से आया है। जो बच्चे रेस्टवेक बन जाते हैं वे गरीब परिवारों से आते हैं और उनके माता–पिता कहते हैं कि वे उनका खर्चा नहीं उठा सकते हैं। इसके बजाय वे उन्हें अन्य परिवारों के वहीं रहने के लिए भेज देते हैं, जहां उन्हें घरेलू दासों के रूप में काम करने के बदले में भोजन मिल जाता है। अक्सर उनको काम करने के लिए कोई पैसे नहीं मिलते। बच्चे शायद ही कभी स्कूल जाते हैं, और कभी–कभी उनको पीटा जाता है और उनका यौन शोषण किया जाता है। हैती में बाल श्रम निषिद्ध है, लेकिन निजी घरों में नहीं। संयुक्त राष्ट्र मांग कर रहा है कि हैती घरों में भी बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाए, और रेस्टावेक को दास श्रम मानता है। बच्चे घरेलू दास हैं।

# हैती वापस लौटने के लिए मजबूर

**कई अन्य हैटियंस की तरह, गुरलाइन और उसका परिवार डोमिनिकन गणराज्य में सीमा पार रहते थे। वह वहां स्कूल गई और उसके माता–पिता काम करते थे, लेकिन उनके पास वर्क परमिट (वहां पर काम करने की अनुमति का दस्तावेज) नहीं था। एक दिन, देश के राष्ट्रपति ने हैती को वर्क परमिट के बिना सभी हैतियनो को वापस भेजने के बारे में बात करना शुरू किया ...**

ग्वेरलाइन ने रेडियो पर सुना कि डोमिनिकन गणराज्य के राष्ट्रपति ने कहा कि वह नहीं चाहते थे कि पड़ोसी हैती के लोग वहां रहें और उसके देश में काम करें।

''हाँ, हाँ, लेकिन कोई भी उसकी सुनने नहीं जा रहा है। वह सिर्फ बकवास कर रहा है,'' अपने छोटे भाई को ग्वेरलाइन ने समझाया। उनके पिता एडमंड और उनकी मां अनीता दोनों हैंती से हैं, लेकिन वे डोमिनिकन गणराज्य में मिले। उसके पिता वहां यात्रा करके भवन निर्माण कार्य में आये थे और कभी–कभी खेतों में भी काम करते थे। उसकी मां एक घर में काम करती थी।

जब गुरलाइन छह वर्ष की थी, तब उसने डोमिनिकन गणराज्य में स्कूल शुरू किया और स्पैनिश सीखी। घर पर परिवार ने क्रेओल मे बात की, जो हैती की भाषा है।

डोमिनिकन गणराज्य और हैती, कैरिबियन में हिस्पानोला द्वीप साझा करते हैं। दोनों देशों के बीच की सीमा पहाड़ों और जंगलों में फैली हुई है जहां सड़कें खराब हैं। कई हैतियन हर वर्ष सीमा पार यात्रा करते हैं ताकि वे वर्क परमिट के साथ या उसके बिना पड़ोसी देश में काम कर सकें। वे फार्मों, निर्माण स्थलों, पर्यटक होटलों और कुछ पैसे वाले लोगों के घरों में काम करते हैं, जो चाहते हैं कि कोई उनके बच्चों और घर की देखभाल करे।

कुछ लोगों ने सोचा कि डोमिनिकन गणराज्य के राष्ट्रपति अचानक सभी हैटियनों को बाहर फेंक देंगे, लेकिन इस बार वह गंभीर थे।

## पुलिस द्वारा निर्वासित

एक शुक्रवार, गुरलाइन अपने एक मित्र के घर जा रही थी। उसने अपने घर के बाहर एक पुलिस कार देखी, जहां उसकी मां थी। उसने इसके बारे में कुछ भी नहीं सोचा, लेकिन पुलिसकर्मियों में से एक ने कहा:

''हैलो, आप कहाँ से हैं?''

''हैलो, मैं यहाँ से हूं,'' गुरलाइन का उत्तर दिया।

''लेकिन क्या तुम यहाँ पैदा हुए थे?''

''क्या आप डोमिनिकन गणराज्य से हैं?'' पुलिसकर्मी से पूछा।

''ठीक है, मैं यहां पैदा हुआ था, लेकिन मेरे माता–पिता हैती से हैं।''

''तुम्हारे माता–पिता क्या करते हैं?''

''वे काम करते हैं।''

''क्या वे अभी घर पर हैं?''

''हाँ, मेरी मां है।''

पुलिसकर्मी ने गुरलाइन से उन्हें यह दिखाने के लिए कहा कि वह कहाँ रहती है। उसने उसकी मां अनीता से पूछा कि क्या उसके पास वर्क परमिट है।

''नहीं,'' उसने उत्तर दिया।

पुलिसकर्मी ने कहा, ''तो मुझे खेद है, लेकिन मुझे आपको निर्वासित करना पड़ेगा।'' ''अब क्या? बिल्कुल अभी?''

''हाँ, आपको कार में जाना होगा और हम आपको सीमा पर ले जाएंगे।''

## हैती में वापस

कुछ ही मिनट पहले, गुरलाइन के छोटे भाई–बहन पड़ोसी के पास गए थे। पुलिस ने नहीं पूछा कि परिवार में कोई अन्य व्यक्ति है या नहीं, उन्होंने सिर्फ गुरलाइन और उनकी मां को उनके साथ ले लिया।

सीमा पर, पुलिस ने सुनिश्चित किया कि गुरलाइन और अनीता ऊँचे काले फाटकों से होकर वापस चली गईं। वहां उनसे संयुक्त राष्ट्र और हैती की सामाजिक सेवाओं के कर्मचारियों ने मुलाकात की, जिन्होंने पूछा कि उन्हें किसी भी चीज की मदद की जरूरत है या नहीं।

संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारी ने उन्हें नीली टी–शर्ट में 'ज़न्मी टिमौन' शब्द

06.00
सुप्रभात!

15.00
गुरलाइन घर साफ करती है।

प्रदर्शित करने वाली एक युवा महिला से मिला दिया।

"मैं आपकी मदद कर सकती हूं," उसने कहा।

महिला ने समझाया कि उसने हर दिन सीमा पर काम किया था। उसका संगठन ज़न्मी टिमौन उन बच्चों की देखभाल करता है जिन्हें निर्वासित किया गया है।

"लेकिन चूंकि आपके पास एक रिश्तेदार है जिसके साथ आप रह सकते हैं, मैं देख सकता हूं कि आपको उस मदद की जरूरत नहीं है," महिला ने कहा।

उसने समझाया कि कई बच्चों को निर्वासित किया गया है, जिनके पास हैती में एक रिश्तेदार के लिए जन्म प्रमाण–पत्र, पासपोर्ट या संपर्क विवरण नहीं है। इस स्थिति में ज़न्मी टिमौन एक रिश्तेदार को खोजने में मदद करने का प्रयास करता हैं। और वे जन्म प्रमाण–पत्रों का मसला हल कर सकते हैं।

"हमें अंडरवियर, साबुन, वाशिंग पाउडर और टूथब्रश दिये गए थे। ज़न्मी टिमौन ने मुझे अपनी चाची के घर ले जाने के लिए मोटरबाइक टैक्सी का भुगतान भी कर दिया।"

## स्कूल शुरू करना

अगले दिन, उस युवा औरत ने चाची के घर के दरवाजे पर दस्तक दी। उसने समझाया कि गुरलाइन के लिए सबसे अच्छी बात यह होगी कि वह हैती में रहे और स्कूल खत्म करे। उसने कहा कि उसके अपने तीन छोटे भाई–बहन के लिए हैती के घर आना और वहां स्कूल जाना सबसे अच्छा होगा। ज़न्मी टिमौन यह सुनिश्चित करेगा कि उन्हें स्कूल की यूनीफार्म और स्कूल में जगह मिल जाए।

कुछ दिनों बाद, पूरा परिवार एक साथ हो गया सिवाय गुरलाइन के पिता के। उसके पिता डोमिनिकन गणराज्य में काम करने और परिवार के लिए घर पैसे भेजने के लिए काम करते थे।

गुरलाइन के रिश्तेदारों ने परिवार को थोड़ी सी जमीन दी और उन्हें घर बनाने में मदद की। ज़न्मी टिमौन ने कुछ भवन सामग्री प्रदान करके मदद की।

स्कूल में कई छात्र डोमिनिकन गणराज्य में रहते हैं, जैसे गुरलाइन। वे सभी क्रिओल और फ्रेंच दोनों सीखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ब्रेकटाइम के दौरान वे कभी–कभी स्पेनिश बोलते थे, जो कि डोमिनिकन गणराज्य में बोली जाती थी।

जब उसकी मां अनीता लहसुन बेचने के लिए डोमिनिकन गणराज्य

07.30 स्कूल जाने के रास्ते पर।

19.30 अपने छोटे भाइयों और बहनों के साथ टीवी देखना।

की सीमा पार करती है, तो गुरलाइन घर पर अपने भाई–बहन की देखभाल करती है। फिर वह आलू को बेचने में मदद करती है जो उसकी मां पड़ोसी देश से खरीद कर लाती है।

कभी–कभी गुरलाइन की इच्छा है कि वह स्कूल न जाए, और न ही होमवर्क करे और अपने भाई–बहन से दूर कहीं हो। वह बस संगीत सुनना, नृत्य करना और संगीत के यंत्र बजाना चाहती है। वह पड़ोसी के घर में ट्रम्पेट (तुरही) बजाना सीख रही है। ''एक दिन मैं शकीरा की तरह प्रसिद्ध होने जा रही हूं,'' गुरलाइन कहती है।

09.00 कभी–कभी गुरलाइन स्कूल छोड़ने और संगीत में स्वयं को समर्पित करने के सपने देखती हैं।

## एक पहचान का अधिकार

हैती में, जब बच्चे पैदा होते हैं तो कई बच्चे कभी भी अधिकारियों के संपर्क में नहीं आते हैं, और उनके पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है। वे एक नाम के साथ बड़े हो जाते हैं, लेकिन किसी भी कागजात के बिना यह साबित करने के लिए कि वे कब और कहां पैदा हुए थे, और उनके माता–पिता कौन हैं। स्कूल जाने के लिए तुमको जन्म प्रमाण–पत्र की आवश्यकता है। यदि तुम यात्रा या काम करने के लिए पासपोर्ट चाहते हो तो तुमको इसकी आवश्यकता पड़ेगी। ज़न्मी टिमौन बच्चों को जन्म प्रमाण–पत्र प्राप्त करने में मदद करता है। वे बच्चों के माता–पिता से बात करता है कि उनके बच्चे के लिए हैतीयन समाज का हिस्सा होना कितना महत्वपूर्ण है, और बच्चों के रूप में उन्हें अपनी पहचान का अधिकार है, और स्कूल जाना का भी। बच्चों को जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने में मदद करने का काम हैतीयन सरकार और यूनिसेफ के सहयोग से होता है। प्रमाण–पत्र अक्सर गांवों में विशेष समारोहों में प्रस्तुत किए जाते हैं। अपनी पहचान प्राप्त करना बड़ी बात है।

## अंत में जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करना

''इस जन्म प्रमाण पत्र के साथ मैं आखिरकार जा सकता हूं जहां मैं चाहता हूं। मुझे स्कूल से बाहर निकाले जाने की चिंता करने की जरूरत नहीं है। यह बहुत अच्छा लगता है। मैं अब अपने चौथे वर्ष में हूं, और स्कूल के बाद मैं विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने जा रहा हूं। फिर मैं विश्व में जाऊंगा और यात्रा करूंगा। जब मैं स्कूल में नहीं होता हूं तो मैं अपनी मां की मदद करता हूं और पिताजी खेजों में काम करते हैं, या मैं फुटबॉल खेलता हूं।''

*रॉबर्टो, 15*

## हैती के प्रवासी

विदेश में रहने वाले दो लाख से अधिक हैटियन रहते हैं। उनमें से आधे अमेरिका में रहते हैं और लगभग उतने ही डोमिनिकन गणराज्य में रहते हैं, लेकिन कनाडा, फ्रांस, ब्राजील और चिली में रहने वाले हैतीयन प्रवासी भी हैं। 2015 में, लगभग 52,00 हैटियन को डोमिनिकन गणराज्य से निर्वासित कर दिया गया था।

निम्नलिखित दो वर्षों में, 200,000 से अधिक हैटियन डोमिनिकन गणराज्य से घर लौट आए। डोमिनिकन गणराज्य छोड़ने वाले हजारों गरीब हैटियनस् दक्षिण पूर्व हैती में अस्थायी बस्तियों में बेहद खराब परिस्थितियों में रह रहे हैं। 2010 में भूकंप के बाद, कुछ 60,000 हैटियनों को अमेरिका में अस्थायी निवास परमिट दिये गए थे, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उन्हें 2019 तक घर लौटना होगा। हैती के सकल राष्ट्रीय उत्पाद (जीएनपी) का एक तिहाई हिस्सा विदेश में रहने वाले हैटियन अपने घर के देश में रिश्तेदारों को भेजा करते हैं।

TEXT: ERIK HALKJAER PHOTOS: JESPER KLEMEDSSON

# विश्व भर में वैश्विक लक्ष्यों (ग्लोबल गोलस्) के लिए!

विश्व के देशों ने वर्ष 2030 तक तीन असाधारण चीजों को प्राप्त करने पर सहमत हुए हैं: अत्यधिक गरीबी खत्म करें, असमानताओं और अन्याय को कम करें और जलवायु परिवर्तन को रोकें। इसे प्राप्त करने के लिए, देशों ने सतत विकास के लिए 17 वैश्विक लक्ष्य निर्धारित किए हैं। सभी लक्ष्य समान रूप से महत्वपूर्ण हैं और अंतःस्थापित हैं।

एक बेहतर विश्व के लिए राउंड दी ग्लोब रन के संबंध में, हम विशेष रूप से निम्नलिखित वैश्विक लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं:

- लक्ष्य 5 – लिंग समानता और लड़कियों के लिए समान अधिकार
- लक्ष्य 10 – कम असमानताएं, तथा
- लक्ष्य 16 – न्याय एवं शांतिपूर्ण समाज।

राउंड दी ग्लोब रन ग्लोबल गोल 3 (स्वास्थ्य एवं कल्याण) और खेल, खेल तथा अवकाश के समय के सभी बच्चों के अधिकार में भी योगदान देता है।

प्रत्येक देश की सरकारें मुख्य रूप से लक्ष्यों को प्राप्त करने और परिवर्तन लाने के लिए जिम्मेदार होती हैं जिनसे इन लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके। लेकिन अगर विश्व में इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की कोई संभावना है, तो हर किसी को उनके बारे में अवगत होना चाहिए और शामिल होना चाहिए और बदलाव करने में मदद करनी चाहिए! इसका मतलब वयस्क और बच्चे दोनों है। यहां तक कि छोटे कार्य भी एक बड़ा अंतर ला सकते हैं।

### लिटर रहित पीढ़ी

नो लिटर जनरेशन के अनुभाग में तुम कूड़ेपन और जलवायु परिवर्तन के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जो कई लक्ष्यों के साथ जुड़े हुए हैं।

### बच्चे के अधिकार

वैश्विक लक्ष्य बच्चे के अधिकारों से जुड़े हुए हैं। यदि लक्ष्य हासिल किए जाते हैं, तो विश्व भर के बच्चों के लिए स्थिति में सुधार होगा। अगर वे हासिल नहीं किए जाते हैं, तो इसका मतलब यह होगा कि बच्चे के साथ बराबर बुरा व्यवहार किया जाता रहेगा और बच्चों के अधिकारों का सम्मान नहीं किया जाएगा। ऐसा नहीं होना चाहिए!

यहां कुछ उदाहरण दिए गए हैं कि वैश्विक लक्ष्य बच्चे के अधिकारों से कैसे जुड़े होते हैं।

### कोई निर्धनता नही

गरीबी में कोई बच्चा बड़ा नहीं होना चाहिए। और किसी बच्चे का अलग–अलग इलाज नहीं किया जाना चाहिए या अन्य बच्चों के समान अवसरों की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए इस आधार पर कि उनके या उनके परिवार के पास कितना पैसा है।

### शून्य भूखमरी

किसी भी बच्चे को भूखा अथवा कुपोषण का शिकार नहीं होना चाहिए। सभी बच्चों को पौष्टिक और सुरक्षित भोजन उपलब्ध होना चाहिए।

### अच्छा स्वास्थ्य एवं रहन–सहन

सभी बच्चों को स्वस्थ होने और अच्छी स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा उपचार प्राप्त करने का अवसर मिलना चाहिए। सभी बच्चों का टीकाकरण किया जाना चाहिए। संक्रामक बीमारियों और शराब/नशीली दवाओं के दुरुपयोग को कम किया जाना चाहिए, साथ ही सड़क दुर्घटनाएं भी कम होनी चाहिए।

### श्रेष्ठ शिक्षा

सभी बच्चों को शिक्षा मिलनी चाहिए और सभी बच्चों को पढ़ने और लिखने का अवसर मिलना चाहिए। प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूली शिक्षा मुक्त होनी चाहिए। स्कूल में किसी बच्चे के विरुद्ध भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए

### लैंगिक समानता

लड़कियों और लड़कों के पास सभी मामलों में समान अधिकार और अवसर होने चाहिए। बाल विवाह एवं लड़कियों के विरुद्ध हिंसा, जैसे एफजीएम तथा यौन हिंसा, को रोका जाना चाहिए।

### साफ पानी एवं संवेदना

सभी बच्चों के पास स्वच्छ पानी, शौचालय होने चाहिए और विशेष रूप से स्कूल में, उनको अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता रखने में सक्षम होना चाहिए।

### अनुकूल एवं स्वच्छ ऊर्जा

सभी बच्चों को सुरक्षित एवं सतत् ऊर्जा उपलब्ध होनी चाहिए जो पर्यावरण को बिगाड़े बिना उनके जीवन को आसान बनाती हो।

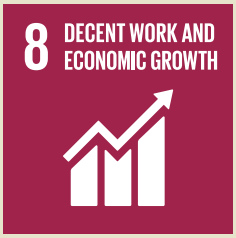


### अच्छा कार्य एवं आर्थिक विकास

बाल श्रम या लोगों की तस्करी में कोई बच्चा शामिल नहीं होना चाहिए। युवाओं की बेरोजगारी कम होनी चाहिए। माता–पिता के पास अच्छी परिस्थितियों की स्थिति होनी चाहिए ताकि उनके बच्चों की देखभाल करने के लिए समय और ऊर्जा हो।

### उद्योग, नवाचार तथा बुनियादी ढांचा

उद्योग, सड़कें, आदि बच्चों के लिए खतरनाक नहीं होनी चाहिए। सभी बच्चों के पास सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की पहुंच होनी चाहिए।

### असमानताओं में कमी

सभी बच्चों को समान अवसर मिलेने चाहिए चाहें वे किसी भी पृष्ठभूमि, लिंग, विश्वास, यौन पहचान या अभिविन्यास के हों, विक्लांगता या यह तथ्य हो कि उन्हें अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा हो।

### आत्म–निर्भर शहर एवं समुदाय

सभी बच्चों के पास खेलने के क्षेत्रों के करीब सभ्य आवास होना चाहिए और स्कूल जाने के लिए अचे सार्वजनिक परिवहन लिंक होना चाहिए। संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करते हुए बड़े शहरों को पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ तरीके से बनाया जाना चाहिए।

### उत्तरदायी खपत एवं उत्पादन

बच्चों को एक पर्यावरण में टिकाऊ तरीके से रहना सिखाया जाना चाहिए, उदाहरण के लिए सतत् खपत, पुनःनवीनीकरण और पुनः उपयोग के बारे में।

### जलवायु पर कार्रवाई

बच्चों को जलवायु परिवर्तन से लड़ना सीखना चाहिए, और यह मांग करनी चाहिए कि वयस्क उदाहरण, निर्णय लेने वाले, वही करें।

### पानी के नीचे जीवन

बच्चों को सीखना चाहिए कि कैसे कूड़ापन, अत्यधिक मछलियां पकड़ना एवं उत्सर्जन – समुद्र, झीलों, नदियों और वहां रहने वाली हर चीज को प्रभावित कर सकते हैं।

### भूमि पर जीवन

बच्चों को जंगलों और भूमि, पहाड़ों, जानवरों एवं पौधों की रक्षा करना सीखना चाहिए, और क्यों किसी को प्रकृति के संसाधनों को बर्बाद नहीं करना चाहिए।

### शांति, न्याय एवं शक्तिशाली संस्थान

किसी भी बच्चे को हिंसा, हमला या शोषण के अधीन नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि शांतिपूर्ण, बस समुदायों में बडे होने का वातावरण मिलना चाहिए।

### लक्ष्यों के लिए साझेदारी

देशों को हर किसी के लिए बेहतर विश्व बनाने के लिए एक साथ काम करना, समर्थन करना और सीखना चाहिए।

# एक बेहतर विश्व के लिए दस लाख बच्चे

1 अप्रैल को, वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी बच्चे और युवा लोग एक बेहतर विश्व के लिए राउंड दी ग्लोब रन में शामिल होंगे। इस दिन, तुम वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने के तरीके पर अपने विचार बताओगे, जहां तुम रहते हो और तुम्हारे देश में। तुम इस दिन चलोगे या दौड़ोगे, शायद विश्व के एक सौ चक्कर, एक बेहतर विश्व के लिए,!

पिछले पृष्ठों पर तुम सतत विकास के लिए 17 वैश्विक लक्ष्यों के बारे में जान सकते हो जिन्हें विश्व के देशों द्वारा स्थापित किया गया है। एक बेहतर विश्व के लिए राउंड दी ग्लोब रन ज्यादातर लक्ष्य 5 (लिंग समानता एवं लड़कियों के समान अधिकारों के लिए), लक्ष्य 10 (कम असमानताओं) तथा लक्ष्य 16 (न्याय एवं शांतिपूर्ण समाज) के बारे में है।

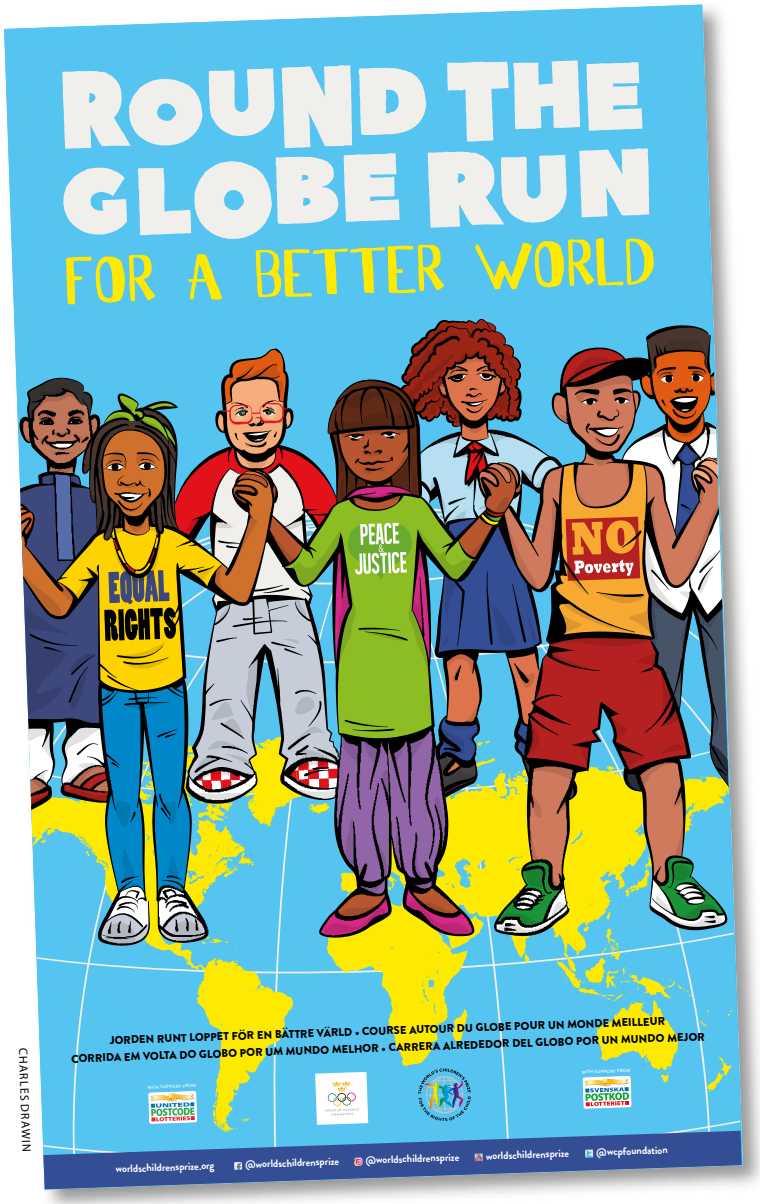


CHARLES DRAWIN

## वैश्विक लक्ष्यों को खोजो

जब तुम पृष्ठों 34–87 तथा 120–123 पर बाल अधिकार नायकों और उन बच्चों के बारे में पढ़ागे जिनके लिए वे लड़ते हैं और अपना वैश्विक वोट देने की योजना बनाते हो, तब तुमको यह भी पता लगा सकते हो कि बाल अधिकार नायकों का काम लक्ष्य 5, 10 और 16 को प्राप्त करने में योगदान देना है।

पृष्ठों 22–23 पर, तुम डीआर कांगो में अपने डब्लूसीपी दोस्तों के बारे में पढ़ सकते हो, जिन पर दि ग्लोब के आने की प्रतीक्षा करने के दौरान एक सशस्त्र हमले हुआ था। वे लगभग सभी वैश्विक लक्ष्यों से प्रभावित हैं, लेकिन अधिकांश लोग एक शांतिपूर्ण समाज (लक्ष्य 16) में रहना चाहते हैं।

पृष्ठों 94–107 और 120–123 पर, जिम्बाब्वे में तुम्हारे डब्लूसीपी दोस्त भी वैश्विक लक्ष्यों से प्रभावित होते हैं, लेकिन यहां यह ज्यादातर लड़कियों के समान अधिकारों और लक्ष्य 5 के बारे में है। तुम यह भी जान सकते हैं कि लड़कियां और लड़के लिंग समानता के लिए कैसे साथ लड़ रहे हैं। तुम भी एक 'यू मी ईक्वल राइट्स' (तुम मैं समान अधिकार) राजदूत बनो!

## 1 अप्रैल – यह हो रहा है!

जब तुम डब्लूसीपी कार्यक्रम में काम कर रहे हो और बच्चों के अधिकारों तथा वैश्विक लक्ष्यों के बारे में सीख रहे हो, तो इस बारे में सोचो कि तुम कौन से परिवर्तन देखना चाहते हों और बच्चे के अधिकारों के सम्मान में वृद्धि लाने तथा वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने में कैसें मदद करना चाहोगे। तुम 1 अप्रैल के आने तक, अपने क्षेत्र एवं देश को बेहतर बनाने की विधियों पर अपने विचारों को शब्दों में बदल सकते हो। तुम कविताएं लिख सकते हो, एक संभाषण दे सकते हो, सोशल मीडिया के माध्यम से संदेश पोस्ट कर सकते हो और पोस्टर या बैनर बना सकते हो। एक बेहतर विश्व के लिए तथा अपने वैश्विक लक्ष्यों वाले दिन को मनाने के लिए मीडिया, स्थानीय संगठनों, राजनेताओं एवं अन्य नेताओं, माता–पिता और जनता को आमंत्रित करो।

1 अप्रैल को ग्लोबल लक्ष्यों के लिए एक समारोह के साथ शुरू करो, जिसमें तुम सारे विश्व के वयस्कों को बताओ कि तुम सब कुछ कैसा चाहते हो और तुमको क्या करने की जरूरत है। फिर सभी छात्र एक लंबी मानव श्रृंखला, उंगली से उंगली तक, का निर्माण करो। यह बहुत अच्छा होगा यदि तुम अपने पोस्टर भी प्रदर्शित कर सको। याद रखो कि तुम एक ही समय में दस लाख से अधिक विद्यार्थियों के साथ ऐसा कर रहे हो! मानव श्रृंखला राउंड दी ग्लोब रन फॉर ए बैटर वर्ल्ड के माध्यम से तुम्हारे संदेश को विश्व के कई चक्कर लगाने की शुरूआत है। तुम तीन किलोमीटर चलकर या दौड़कर अपनी श्रृंखला का विस्तार कर सकते हो। पृथ्वी की परिधि 40,076 किलोमीटर है। बेहतर विश्व के लिए तुम्हारे संदेश के साथ एक सौ बार विश्व भर में पहुंचने के लिए हमें 1.3 मिलियन से अधिक बच्चों की जरूरत है!

राउंड द ग्लोब रन फॉर ए बैटर वर्ल्ड, वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज फाउंडेशन और स्वीडिश ओलंपिक समिति जो स्वीडिश पोस्टकोड लॉटरी द्वारा समर्थित है, के बीच एक सहयोग है।

चार्लटन

टायरीज़

क्विनले

कर्टले

# हम राजदूत हैं यू मी इक्वाल राइट्स के

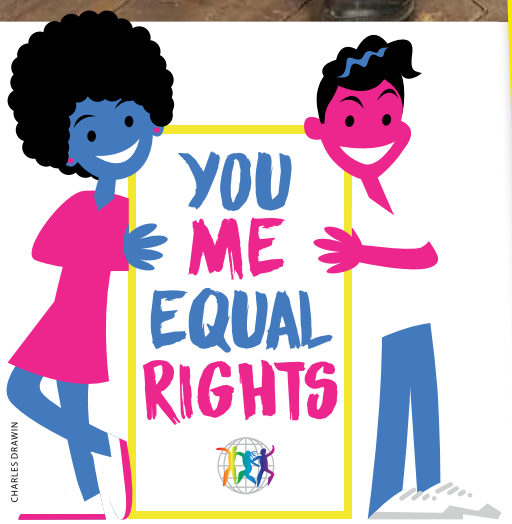


विश्व अफ्रीका के वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ समारोह में प्रस्तुति देने वाले दक्षिण अफ्रीका के युवा संगीतकार *यू मी इक्वाल राइट्स* तथा ग्लोबल गोल 5 के पहले राजदूत हैं, जिसमें लड़कियों और लड़कों को अधिक लिंग समानता और लड़कियों के लड़कों के समान सम्मान मिलने के लिए एक साथ आते हैं। पृष्ठों 92–93 पर क्विनले, पैक्सटन और उनके राजदूत मित्रों के बारे में और पढ़ें।

पृष्ठों 94–97 पर, जिम्बाब्वे में ग्लोरी और टॉकमोर इस बारे में बात करते हैं कि वे लैंगिक समानता और लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़ने के लिए कैसे मिलकर काम कर रहे हैं। पृष्ठों 98–104 पर, चिहोटा गांव में उनके मित्र इस पर बात करते हैं कि लड़कियों के अधिकारों का उल्लंघन कैसे किया गया है, लेकिन अब वे अपने अनुभवों को साझा करना चाहते हैं, क्योंकि वे बाल अधिकार क्लब में भाग ले चुके हैं। पेज 120–123 पर हसन और किम्बर्ले भी असली यू मी समान अधिकार मित्र हैं।

''मैं स्वीडन ग्लोब की हर मैजेस्टी महारानी सिल्विया को जैज यार्ड अकादमी बैंड में आमन्त्रित करता हूं,'' जिम्बाब्वे के किम ने कहा, जो डब्लूसीपी समारोह का एमसी है। बैंड के लड़कों के साथ–साथ अन्य यू मी समान अधिकार राजदूत, दक्षिण अफ्रीका के आइडल विजेता पैक्सटन और इंकवेनक्वेजी बैंड सभी केप टाउन के गिरोह से भरे उच्च–अपराध उपनगरों से आते हैं।

क्विनले, 17, चार्लटन, 16, टायरीज़, 15, एवं कर्टले, 16, अपना अभियान पर, यू मी समान अधिकार राजदूत के रूप में और स्वीडन की महारानी सिल्विया से क्रिस्टल ग्लोब प्राप्त करने के बाद।

# ''मिशन फॉर

## ड्रमर क्विनली, 17, अपने अभियान पर, एक यू मी समान अधिकार राजदूत के रूप में:

''जब मैं दक्षिण अफ्रीका लौट आया, तो मैंने लड़कियों और महिलाओं के लिए निष्पक्ष, ईमानदार और आदरणीय होने का प्रयास करने का निर्णय लिया। मेरा व्यवहार महिलाओं के इलाज के लिए अन्य युवा पुरुषों की प्रवृत्ति शुरू कर सकता है। यह करने की मेरी शक्ति में कुछ है। ''मेरे समुदाय में, पुरुषों को महिलाओं के गुलामों के रूप में पेश करने के लिए प्रेरित किया गया है, जिन्हें बच्चों की देखभाल करनी चाहिए और खाना बनाना चाहिए। यह प्रवचन पुरुषों को महिलाओं पर हावी बनाता है। पुरुषों के मन में स्थापित और व्यवहार अधिक शक्तिशाली और घर पर शासन करने का व्यवहार है। अगर महिलाएं आज्ञा नहीं मानती हैं, तो उन्हें दंडित किया जाता है और पीटा जाता है।''

### लड़कों के लिए भी बुरा

''हमारे मामले में ज्यादातर पुरुष महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन कर रहे हैं। मुझे इससे नफरत है क्योंकि यह हमारी गरिमा को नष्ट कर देता है। यह भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से महिलाओं पर नकारात्मक प्रभाव डालता है, इसके अतिरिक्त हमारे लड़कों पर भी, क्योंकि हमारे पास यह हिंसक पुरुष पिता और चाचा के रूप में हैं।''

''मुझे लगता है कि जब वे महिलाओं का उल्लंघन करते हैं तो पुरुषों को दंडित करने के लिए पुलिस द्वारा अतिरिक्त उपाय किए जाने चाहिए। मुझे यह भी लगता है कि महिलाओं को एक–दूसरे के साथ बात करनी चाहिए। मुझे लगता है कि हम महिलाओं को बोलने में मदद करने के लिए अभियान व्यवस्थित कर सकते हैं। यह दिखाएगा कि लड़के नहीं चाहते हैं कि उनकी मां और बहनों से दुर्व्यवहार किया जाए। ''मैं महिलाओं और लड़कियों के समर्थन में बात करने की हिम्मत करता हूं क्योंकि तुम्हारी आवाज उठाने से इस समस्या का हल ढूंढने में मदद मिल सकती है। महिलाओं के समर्थन के लिए बोलने के बाद मुझे आराम की भावना महसूस होती है।''

## बास गिटारवादक चार्लटन, 16, अपने अभियान पर, एक यू मी समान अधिकार राजदूत के रूप में:

''मैं महिलाओं और लड़कियों के अपमान के विरुद्ध हूं। वे सुरक्षित महसूस करने में सक्षम होनी चाहिए चाहें वे कहीं भी जाएं। मेरे पास एक मां और बहन है, इसलिए मेरा पहला वृत्ति उनकी रक्षा करना और उनके लिए खड़ा होना होगा। लेकिन किसी अन्य महिला के लिए भी जिसका दुरुपयोग किया जा रहा हो। मैं एसा ही आदमी है और यू मी समान अधिकार राजदूत बनना चाहता हूं।

जब मैं महिलाओं से बुरा व्यवहार होते देखता हूं तो मुझे बहुत खराब लगता है। एक यू मी समान अधिकार राजदूत के रूप में, मैं गर्व से दी गई भूमिका को कायम रखूंगा। मेरी मां द्वारा मेरे मनोबल और मूल्यों के साथ मिलकर, मैं महिलाओं से सम्मान के साथ व्यवहार करना जारी रखूंगा और मेरे आस–पास के लोगों के लिए एक उदाहरण बनूंगा।''

# लाइफ''

## आइडल विजेता पैक्सटन, 17, अपने अभियान पर, एक यू मी समान अधिकार राजदूत के रूप में:

''यह उन लड़कियों की ओर से ऐसा सम्मान था जिनके अधिकारों का दुरुपयोग किया गया था कि उनको यू मी समान अधिकार राजदूत के रूप में, अपने अभियान पर इसने मुझे बहुत खुश कर दिया, लेकिन इस विशेषाधिकार को अर्जित करने के लिए मेरे जीवन को खर्च करने का भी दृढ़ संकल्प किया।''

''पुरस्कार समारोह मेरे जीवन में अब तक का सबसे अच्छा जश्न था! मैं बच्चों के अधिकारों के लिए खड़ा रहूंगा और मैं लड़कियों और महिलाओं के अधिकारों के बारे में गायन करने के लिए अपनी आवाज का उपयोग करना जारी रखूंगा और जितने दिलों और दिमागों तक पहुंच सकता हूं उतनों तक पहचूंगा। जब भी मैं रेडियो या टेलीविजन पर बात करता हूं, तो मैं यह समझाने के लिए सुनिश्चित करता हूं कि राजदूत होने का क्या अर्थ है। मैं चाहता हूं कि महिलाओं और लड़कियों का इलाज किया जाए और पुरुषों के समान अवसर दिए जाएं। मैं हर किसी के लिए समानता में विश्वास करता हूं।''

पैक्सटन यू मी समान अधिकार राजदूत ग्लोब के साथ जो उसने महारानी सिल्विया से प्राप्त किया।

## गिटारवादक टायरीस, 15, अपने अभियान पर, एक यू मी समान अधिकार राजदूत के रूप में:

''मेरे स्कूल में, हमने अपनी असेंबली में क्रिस्टल ग्लोब प्रस्तुत किया और सभी के लिए हमारे मिशन के बारे में बात की। तब कुछ लड़कों ने हमें बाद में छेड़छाड़ की, लेकिन हमने उनसे कहा कि हम उन पर नजर रखेंगे और वे महिलाओं के साथ कैसे व्यवहार करेंगे। मैं अपनी महिला मित्रों के लिए देखूंगा और दुर्व्यवहार के विरुद्ध उनकी रक्षा करूंगा।''

''मुझे बात करने की हिम्मत है, लेकिन मुझे सावधान रहना होगा। मुझे लगता है कि बच्चों के अधिकारों के बारे में शिक्षा मेरे लिए सबसे शक्तिशाली चीज है।''

''पुरुषों को महिलाओं की रक्षा करना चाहिए, लेकिन यहां कई लोग उन्हें मार रहे हैं। कभी–कभी मैं प्रतिक्रिया दे सकता हूं, लेकिन कभी–कभी मेरे लिए प्रतिक्रिया करना सुरक्षित नहीं होता है।''

## कीबोर्डवादक कर्टले, 16, अपने अभियान पर, एक यू मी समान अधिकार राजदूत के रूप में:

''यह मुझे देखकर परेशान करता है कि पुरुष और अन्य लड़के लड़कियों के साथ कैसे व्यवहार करते हैं। दुर्व्यवहार करने के लिए मेरे लिए दर्दनाक है। लड़कियों के अधिकारों का सम्मान नहीं किया जाता है। मेरी राय में, हर व्यक्ति को सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए, भले ही तुम लड़के हों या लड़की हों। मुझे लगता है कि पुरुषों को महिलाओं के अधिकारों के लिए खड़े होना शुरू कर देना चाहिए! मुझे लगता है कि जब पुरुष एक महिला को पीटत हूं तो वह बीमार और पागल होते हैं।''

''मैं महिलाओं और लड़कियों के समर्थन में बात करता हूं क्योंकि किसी की आवाज में कई शक्तियां होती हैं। मैं विश्व को छोटी लड़कियों की रोना सुनवाना चाहती हूं।''

'जब मैं स्वीडन से लौट आया, मुझे लगा कि मैंने बच्चों और लड़कियों के अधिकारों के बारे में भारी मात्रा में सीखा है। मैं इसे अपने जीवन के बाकी हिस्सों के लिए महिलाओं का सम्मान करने और हर किसी को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए अपना मिशन बना दूंगा।''

PHOTO: SOFIA MARCETIC

# लिंग समानता के लिए ग्लोरी और

जिम्बाब्वे के चिहोटा गांव से बाल अधिकार राजदूत ग्लोरी, 13, और टॉकमोर, 16 से मुलाकात करें, जो दोनों मी यू मी समान अधिकार अभियान में शामिल हैं। पेज 98–104 पर, चिहोटा में उनके कुछ मित्र इस बात के बारे में बात करते हैं कि लड़कियों के अधिकारों के गंभीर उल्लंघन से वे कैसे प्रभावित हुए हैं।

"लिंग समानता एक मानव लड़ाई है, एक मादा लड़ाई नहीं!" यही फ्लायरों पर लिखा रहता है जो टॉकमोर बनाता है और सप्ताहांत में हाथ से सबको देता है। "यह बिल्कुल सही है। और लिंग समानता सिर्फ हमारे लिए लड़कियों को बेहतर ही नहीं बनाती है, यह हर किसी के लिए बेहतर होगी," उसकी दोस्त ग्लोरी कहती है।

## Glory, 13

**प्रिय है:** अपने दोस्तों के साथ फूटबॉल खेलना।
**नफरत करती है:** जब लोग बच्चों का लाभ उठाते हैं।
**सबसे अच्छी बात जो मेरे साथ हुई है:** जब मैं बाल अधिकार राजदूत बन गया।
**सबसे बुरी बात जो मेरे साथ हुई है:** मैं भाग्यशाली रहा क्योंकि मैं कुछ भी नहीं सोच सकता!
**बनना चाहता है:** एक वकील और बाल अधिकारों के लिए लड़ाई।

जिम्बाब्वे में मनीरा माध्यमिक विद्यालय में दोपहर के भोजन का समय होने वाला है, और कुछ पेड़ों की छाया में, ग्लोरी और टॉकमोर ने लड़कियों के अधिकारों और लिंग समानता के बारे में बात करने के लिए विद्यार्थियों के एक समूह को इकट्ठा किया है। वे सप्ताह में कम से कम एक बार मिलते हैं। समूह लड़कों और लड़कियों से बना है। टॉकमोर और ग्लोरी के लिए, जो डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत हैं, यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है।

"मैं बाल अधिकार राजदूत बनना चाहता था क्योंकि लड़कियां यहां खतरे में हैं। हमें सम्मान नहीं दिया जाता है और कोई भी हमारी बात सुनता नहीं है। मैंने कई लड़कियों को विवाह में मजबूर होते देखा है, उनका यौन शोषण किया गया है और उनको स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर किया गया है। एक राजदूत के रूप में, मैं अन्य लड़कियों को चेतावनी देना चाहती थी क्योंकि जो लोग हमारा लाभ उठाते हैं वे अक्सर ऐसे लोग होते हैं जैसे पिता, चाचा, अन्य परिवार के सदस्य, शिक्षक और पड़ोसी जिन्हें हमारी रक्षा करनी चाहिए," गलोरी कहती है।

टॉकमोर दुख से अपने सिर हिलाता है जब वह ग्लारी को सुनता है।

"एक लड़के के रूप में मुझे यह जान कर शर्म आती है कि कैसे लड़के और पुरुष हमारे समुदाय में लड़कियों और महिलाओं से व्यवहार करते हैं।"

### लड़कों को अधिक मूल्यवान समझा जाता है

"यहां, लड़कों और लड़कियों का

"मेरे पास जो सबसे अच्छी चीज है वह मेरा छोटा पिल्ला है, जिसे हम टाइगर कहते हैं। मैं उससे प्यार करती हूँ!"

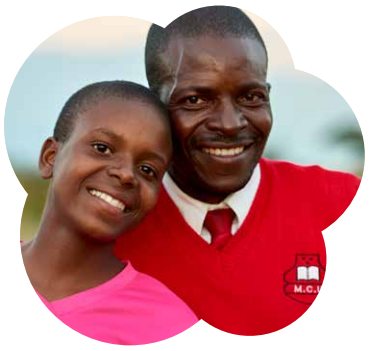

### पिताजी मेरा समर्थन करते हैं

"अपने घर पर, मेरे लिए होमवर्क और आराम करने का समय हमेशा के लिए महत्वपूर्ण रहा है, भले ही मैं एक लड़की हूं। मेरे पिता नोबर्ट भी ऐसा सोचते हैं," ग्लोरी कहती है।

# टॉकमोर लड़ते हैं

समान मूल्य नहीं है। लड़कों को बहुत जल्दी पढ़ाया जाता है कि वे लड़कियों से बेहतर हैं, और हमें कमजोर प्राणियों की तरह समझें। यहां तक कि यदि सबसे बड़ा बच्चा बेटी है, तो एक बहुत छोटा भाई ही घर में निर्णय लिया करता है अगर पिता वहां नहीं है। कुछ परिवारों में वे मां से भी ऊपर फैसला करते हैं!'' ग्लोरी कहती है।

''लड़कियों के लिए सभी कठिन घरेलू कामों को करने की भी परंपरा है। जब मेरी बहनें सफाई करती थी, खाना पकाना, कपड़े धोना और अन्य चीजों को करने के लिए, तब मुझे अपने दोस्तों के साथ घूमने और फुटबॉल खेलने और अन्य खेल खेलने की अनुमति थी! मेरी बहनों को स्कूल के बाद अपने दोस्तों के साथ समय बिताने की बिलकुल भी इजाजत नहीं थी,'' टॉकमोर कहता है।

चिहोटा में बाल अधिकार क्लब की बैठक। डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत ग्लोरी, दि ग्लोब को उठाये, लड़कियों के समान अधिकारों के बारे में पढ़ाना। उन लोगों में से वे लड़कियां हैं जिन्हें स्वयं को स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर किया गया है, जिन पर हमला किया गया है या बाल विवाह में मजबूर किया गया है।

## लड़कियों की मदद करना चाहता था

जब ग्लोरी को डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत के रूप में प्रशिक्षित किया गया, तो उसने महसूस किया कि यह सब गलत था। ''पाठों के दौरान हमने दि ग्लोब पढ़ा और सीखा कि लड़कियों और लड़कों के पास शिक्षा, संरक्षण, प्रभाव, खेल ... सब कुछ का अधिकार है! और जिम्बाब्वे में हम जो लड़कियां पीड़ित हैं, वे हमारे अधिकारों का उल्लंघन है। ''

ग्लोरी और अन्य लड़कियों जिन्हें राजदूतों के रूप में प्रशिक्षित किया गया था, लड़कियों के अधिकारों और लिंग समानता के बारे में बात करने के लिए स्कूल में विद्यार्थियों को एक साथ लाने लगे। टॉकमोर ने देखा कि क्या चल रहा था।

''जब मैंने देखा कि लड़कियों कैसे काम कर रही थीं, तब मुझे लगा कि मैं भी मदद करना चाहता हूं।'' टॉकमोर को भी डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत बनने के लिए प्रशिक्षित किया गया था और लैंगिक समानता के लिए अपने काम में ग्लोरी की मदद करना शुरू कर दिया था।''

## अन्य लड़कों को प्रभावित करना

''मुझे लगता है कि लड़कों के लिए

## लड़कियों को खरीदा और बेचा

''कई गरीब लड़कियां स्कूल नहीं जाती हैं, लेकिन इसके बजाय उन्हें शादी करने के लिए मजबूर किया जाता है, भले ही वे बच्चे हों। यहां, पुरुष को अपनी पत्नी के लिए दहेज देना होगा, इसलिए लड़की के परिवार वाले शादी से पैसा कमाते हैं। यह लड़की को बेचना और खरीदना पसंद है, और यह बिल्कुल अच्छा नहीं है। बेशक, मेरी उम्र की लड़की को शादी करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए, उसे स्कूल जाना चाहिए और चीजों को सीखना चाहिए, इसलिए वह एक अच्छा जीवन जी सकती है, "ग्लोरी कहती है।

महिमा को अपने बाल अधिकार राजदूत के डिप्लोमा पर गर्व है, जो उसके होमवर्क करते समय उसके सामने एक ग्लास फ्रेम में बैठता है।

### टॉकमोर, 16

**प्यार करता है:** अगर मैं एक अच्छा क्षेत्र में एक बहुत अच्छा घर हो सकता है और एक नया बीएमडब्ल्यू में चारों ओर ड्राइव करने के लिए मिल सकता है!
**नफरत:** उस लड़कियों और लड़कों के साथ अलग व्यवहार किया जाता है।
**सबसे अच्छी बात जो मेरे साथ हुई:** एक डब्ल्यूसीपी बाल अधिकार राजदूत बनना और महिमा की मदद करना।
**सबसे बुरी बात जो मेरे साथ हुई है:** जब मेरा बड़ा भाई मर गया।
**बनना चाहता है:** एक वकील और बच्चों के अधिकारों के लिए लड़ाई।

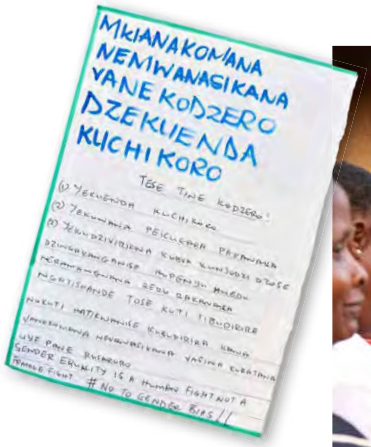


सप्ताहांत में, टॉकमोर ने यात्रियों को लिंग समानता और लड़कियों के अधिकारों के बारे में स्कूल में बनाया है

भी बाल अधिकार राजदूत होना अति महत्वपूर्ण है, जिससे लोग देख सकें कि हम लड़कियों के अधिकारों के साथ लड़ रहे हैं, और हम एक–दूसरे को बराबर के रूप में देखें। फिर जो लोग हमसे मिलते हैं, वे हमें देख कर समानता के बारे में सीख सकते हैं!'' ग्लोरी हसते हुए कहती है।

कहते हैं,

## टॉकमोर सहमत होता है।

लड़कों के अधिकारों के लिए लड़कों को निश्चित रूप से राजदूत होना चाहिए। आंशिक रूप से क्योंकि लड़कियों को लगता है कि उनके पास हमारा समर्थन है, लेकिन इसलिए भी कि हम लड़के अन्य लड़कों को प्रभावित कर सकते हैं। दुर्भाग्यवश, यहां लड़के अभी भी अन्य लड़कों को अधिक सुनते हैं, यही कारण है कि हमारे लिए शामिल होना महत्वपूर्ण है। लेकिन, निश्चित रूप से, लड़कों को लड़की राजदूतों के लिए समान सम्मान देना चाहिए, और मुझे विश्वास है कि एसा होगा जितना हम बाल अधिकार राजदूत मिलकर काम करेंगे।''

## हर किसी तक पहुंचने के लिए उत्सुक

टॉकमोर और ग्लोरी दोनों ही स्कूल के बाहर लड़कियों के अधिकारों के बारे में ज्ञान साझा करने के लिए काम करते हैं। कभी मिलकर, कभी अकेले।

''मैं हर सप्ताह के अंत में अपने गांव के बाल अधिकार क्लब में मदद करता हूं। क्लब में कई लड़कियों ने हमला और बाल विवाह जैसे भयानक अनुभव किये हैं। कई स्कूल नहीं जाती हैं, लेकिन उन्हें अभी भी अपने अधिकारों के बारे में जानने की जरूरत है। यही कारण है कि मैं वहां मदद करता हूं।''

''और मैं सप्ताहांत में लड़कियों के अधिकारों पर फलाइअर्स बनाता हूं, जिनको मैं स्वयं बनाता हूं और लोगों को बांट देता हूं। मैं अक्सर अध्ययन समय के दौरान स्कूल में फ्लायर बना देता हूं,'' टॉकमोर बताता है।

## स्वयं होने के नाते

ग्लोरी और टॉकमोर दोनों सहमत हैं कि लड़कियों के लिए अधिक ज्ञान होना बिल्कुल जरूरी है, और उस ज्ञान के माध्यम से साहस प्राप्त होता है और अपने अधिकारों की मांग करने के बारे में आश्वस्त रहें, लेकिन लड़के भी लड़कियों के अधिकारों और लिंग समानता के बारे में सीखते हैं और समझते हैं।

स्कूल में ग्लोरी ...

... और अपने खाली समय में।

पानी खींचना और घर ले जाना भारी काम है। टॉकमोर की बहनें हमेशा ऐसा करती थीं। चूंकि वह बाल अधिकार राजदूत बन गया, तब से अक्सर टॉकमोर पानी लाता है।

टॉकमोर ने खाना पकाने के साथ अपनी मां और दादी की मदद करना शुरू कर दिया है। उसके बहूत कम दोस्त ऐसा करते हैं।

टॉकमोर ने खाना पकाने के साथ अपनी मां और दादी की मदद करना शुरू कर दिया है। उसके बहूत कम दोस्त ऐसा करते हैं।

''लड़के बेहतर पिता होंगे, जो अपनी बेटियों का ख्याल रखते हैं और अपने बेटों को समझाते हैं कि उन्हें अपनी बहनों और अन्य लड़कियों के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। फिर भविष्य में लड़कियों के लिए जीवन बेहतर होगा। लेकिन मेरा मानना है कि यदि लिंग समानता होगी तो लड़कों के पास बेहतर जीवन भी होगा। मुझे विश्वास है कि वास्तव में वे हमसे सम्मान के साथ व्यवहार करना चाहते हैं, और आखिरकार स्वयं बनना चाहते हैं,'' ग्लोरी कहती है।

## घर पर मदद करता है

चिहोटा में लड़के आम तौर पर घरेलू कामों के साथ अपनी बहनों और मांओं की मदद नहीं करते हैं।

''डब्लूसीपी राजदूत प्रशिक्षण के बाद, मैं अपने माता–पिता को घर के काम के साथ मदद करने के लिए मनाने में कामयाब रहा। अपने दोस्तों के साथ घूमने के बजाय, जब मेरी मेरी दादी, मां और बहनें सभी घर का काम करती, मैं खाना पकाने, सफाई और कई अन्य चीजों में मदद करता हूं। अब मेरी दादी और मां को आराम मिल गया है, और मेरी बहनों के पास अपना होमवर्क करने का समय होता है और अपने दोस्तों के साथ समय बिताने का भी। यह बहुत अच्छा लगता है, और हर कोई मुझे बहुत पसंद करता है!'' टॉकमोर कहता है।

## खुश दादी

''मुझे खुशी है कि टॉकमोर उन चीजों की मदद करता है जो केवल लड़कियां ही पहले किया करती थीं। बेशक लड़कों और लड़कियों को एक दूसरे की मदद करनी चाहिए। यह लड़कियों के लिए जीवन बेहतर बनाता है। ऐसा नहीं था जब मैं एक बच्चा था! जब मैं युवा थी, तब हम लड़कियों को स्कूल जाने नहीं दिया जाता था, और मैं वैसे भी इतनी चालाक थी!'' टॉकमोर की दादी मरिया मुतेते, 75, हंसते हुए कहती है।

टॉकमोर और उसकी बहनें बर्तन धो रही हैं।

दादी आमतौर पर शाम को परिवार के मवेशियों को देखती है, लेकिन अब टॉकमोर उसकी यह करने में मदद करता है।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

तस्वीर में, एशले, चार्मेन, ग्लेण्डा और पर्ल बाल अधिकार क्लब की एक बाहरी बैठक में भाग लेते हैं। पृष्ठों 98–104 पर वे लड़कियों के अधिकारों के उल्लंघन के बारे में बात करते हैं जिनके अधीन वे रही हैं। क्लब को धन्यवाद, अब वे आपस में बात करती हैं जो उनके साथ हुआ था, और उनमें ऐसा करने का साहस है।

# एशले अपनी कहानी बताने का साहस करती है

जब एशले 14 वर्ष की थी, तो उसके शिक्षक ने उसे गणित की परीक्षा उत्तीर्ण करने में मदद करने का वादा किया, लेकिन एक शर्त पर। वह उसके साथ साये। एशले ने कहा नहीं, और फिर उसने चर्च से घर जाते समय उस पर हमला किया।

''हम स्कूल के बाद कक्षा में मिले और पहला सबक वास्तव में अच्छा रहा। लेकिन जब हम दूसरी बार मिले, तो यह वास्तव में अप्रिय था। उसने कहा:''

''तुम वास्तव में गणित में बहुत अच्छी नहीं हो, लेकिन अगर हमारे कोई संबंध है, तो मैं सुनिश्चित करूंगा कि तुमको अपनी परीक्षा में पास कर दूंगा, चाहें तुम पास नहीं भी हो। मैं वादा करता हूं कि यदि तुम प्रश्न नहीं कर सको तब भी तुमको पास मिलेगा।''

मक्का के क्षेत्र में इंतजार किया

''मैंने कहा कि मैं उनके साथ कोई रिश्ता नहीं रखना चाहती थी, कि यह गलत था। मैंने कहा कि मैं एक बच्ची थी और वह एक वयस्क शिक्षक था। तब मैंने जाने के लिए कहा और कहा कि मैं और अधिक सबक नहीं लेना चाहती थी। फिर सब कुछ बदल गया। उन्होंने मुझे नजरअंदाज कर दिया अगर मैंने अपना हाथ कक्षा में उठाया और प्रश्नों का उत्तर देना चाहा। अगर वर्ग में कोई गड़बड़ या बात कर रहा होता था, तो इसके लिए मुझे दोष मिलता था। मुझे पीटा भी गया।''

''एक रविवार, जब मैं मक्का के खेत से होकर एक रास्ते पर चर्च से घर जा रही थी, तो शिक्षक अचानक वहीं खड़ा था। वह मैदान में छुपा हुआ, मेरा इंतजार कर रहा था। उसने मुझे मक्का क्षेत्र में खींच लिया और मेरे मुंह में एक कपड़ा धुसड़ दिया ताकि मैं चिल्ला न सकूं। फिर उसने मुझे जमीन पर फेंक दिया। जब वह समाप्त हो गया, तो उसने मुझे वहीं छोड़ दिया जैसे कुछ भी नहीं हुआ था। वह एक शब्द कहे बिना चला गया।''

## लड़कियों को उठाया

''जब मैंने अपने पिता को बताया कि मेरे रथ क्या हुआ था, तो वह बहुत दुखी हो गया और कहा कि मुझे किसी और को नहीं बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षक की यहां बहुत इज़्ज़तदार स्थिति है, इसलिए लोग मुझ पर विश्वास नहीं करेंगे। मेरे पिता डर गए थे कि मैं गांव में अन्य तरह से तंग किया जायगा और गलत समझा जाएगा। यदि तुम पीड़ित हो जैसी कि मैं तो तुम्ही दोषी भी। लोग फुसफुसाते हैं और हंसते हैं। मुझे लगता है कि यह अजीब है। वयस्क व्यक्ति होना चाहिए जो कि तंग है, न कि लड़की, जो पीड़ित है।''

''जो हुआ उसके बाद मेरी स्कूल वापस जाने की हिम्मत नहीं हुई। मैं थक हुई थी और डरती थी कि शिक्षक एक कहानी के साथ आयेगा कि मैं ऐसा करना चाहता था। और

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

मैं गर्भवती हो गई। मुझे बाद में गर्भपात हुआ, लेकिन मेरी अभी भी स्कूल लौटने की हिम्मत नहीं हुई। अब मैं घर पर हूं, मैं वास्तव में कुछ भी नहीं करती हूं। मुझे अच्छा नहीं लगता; मुझे दुःस्वप्न आते है और मैं दुखी हूं।''

## क्लब शक्ति देता है

''जब मैं बाल अधिकार क्लब जाती हूं तो मुझे थोड़ा शक्तिशाली महसूस होता है। क्लब में हमने अपने पड़ोसी देश मोजाम्बिक में लड़कियों के बारे में ग्लोब में पढ़ा है जो स्कूल में मेरे जैसे अनुभवों से गुजर रहा है। यह मुझे दुखी करता है, लेकिन वैसे ही यह मुझे अपने शिक्षक की रिपोर्ट करने का साहस देता है, जैसा उन्होंने किया था। एक दिन मैंने अपनी सारी हिम्मत को बुलाया और अपने नेता को बताया कि क्या हुआ था। अब उसने मेरी मदद करने का वादा किया है। मुझे लगता है कि हम में से जो लोग प्रभावित हुए हैं उन्हें लोगों और रिपोर्टिंग के बारे मे गम होना चाहिए। और मुझे लगता है कि जो शिक्षक अपने विद्यार्थियों के साथ ऐसा करते हैं जेल में खत्म होना चाहिए।'' भविष्य में, मेरा सपना नर्स बनना है।

*एशले, 15*

## लड़कियों का सुरक्षा घर

''बाल अधिकार क्लब मेरे घर पर मिलता है और यह यहां के आस–पास के गांवों की सभी लड़कियों के लिए एक सुरक्षित जगह है। शामवारी यमनवासिकाना संगठन की माई स्विसवा कहती है, ''कभी–कभी जिन लड़कियों को बुरा अनुभव होता है, वह रात के मध्य में सुरक्षा के लिए मेरे पास भागी आती हैं।'' एशले, ग्लेन्डा और चार्मेन अपने घर पर आग के पास बैठते हैं तब वे अपने अधिकारों के उल्लंघन के अनुभवों के बारे में बात करते हैं।

## बेटी की तरह व्यवहार किया जाना चाहिए

''मुझे लगता है कि एक शिक्षक को अपने शिष्य के साथ बेटी की तरह व्यवहार करना चाहिए, किसी ऐसे व्यक्ति की तरह नहीं हो जो उसका उपयोग कर सके और उसका रिश्ता हो। शिक्षकों के लिए लड़कियों के अधिकारों के बारे में जानना महत्वपूर्ण है, इसलिए वे हमें सम्मान के साथ व्यवहार करते हैं। यही कारण है कि मुझे लगता है कि यह वास्तव में अच्छा है कि वयस्कों को वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के माध्यम से बच्चों के अधिकारों में भी प्रशिक्षण मिलता है, ''एशले कहती है।

# चार्मेन काम करती है जबकि उसका भाई स्कूल जाता है

**एक सुबह, जब चार्मेन अपनी स्कूल यूनीफार्म पहनने वाली थी, तब उसके पिता ने उसे परेशान न होने के लिए कहा। इसके बजाय वह एक पड़ोसी के खेत में काम करना शुरू करेगी और अपने छोटे भाई को स्कूल जारी रखने में मदद करने के लिए योगदान देगी।**

जब मैं 13 वर्ष की थी, तब मुझे सत्र के मध्य में स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। मेरे पिता ने कहा कि अब हम स्कूल शुल्क का भुगतान नहीं कर सकते। जब मैं मैं एक सोमवार की सुबह अपने स्कूल की यूनीफार्म पहनने वाली थी तब मेरे पिता ने मुझसे यह कहा। यहां बच्चे अपने माता–पिता की अवज्ञा नहीं टाल सकते और विशेष रूप से बेटियों को अपने पिता की बात माननी चाहिए। मैं माँ के पास गया, रोया और उसे बताया कि मैं कितना दुखी था। माँ ने कहा कि वह समझ गई, लेकिन वह कुछ भी नहीं कर सकती थी। यहां पति है जो निर्णय लेता है।''

## सदैव थकी रहती

''पिताजी ने कहा कि मुझे पैसे कमाने के लिए अन्य लोगों के खेतों में काम करना शुरू करना था, ताकि मेरा छोटे भाई, जो 12 वर्ष का है, स्कूल जाने जा रहे थे, यह अविश्वसनीय रूप से अनुचित महसूस किया। यह मैं क्यों था जिसे काम करना पड़ा, इसलिए मेरा भाई स्कूल में रह सकता था, न कि मैं? लेकिन मुझे पहले ही जवाब पता था। यहां, लड़कों और पुरुषों को लड़कियों और महिलाओं से बेहतर माना जाता है। वे अधिक मूल्यवान हैं। यही कारण है कि मेरा भाई स्कूल जाना जारी रख सकता था, न कि मैं।''

''मैं सुबह चार बजे उठती हूं और काम करना शुरू कर देती हूं। अब यह मक्का की फसल है और मैं दोपहर बाद पांच से पहले घर नहीं आती। तब मैं रात का भोजन करती हूं, अगर कुछ खाने के लिए होता है, और सात बजे सो जाती हूं। मैं लगातार काम करके थक जाती हूँ। मैं एक फावड़े से काम करती हूं, या मैं उस हल को चलाती हूं जो बैलों द्वारा खींचा जाता है। कभी–कभी मुझे पैसे मिलते हैं, लेकिन आम तौर पर मुझे मक्का में भुगतान मिलता है।''

## हर बच्चे का अधिकार

''मुझे अपने भाई को उसके स्कूल यूनीफार्म में देखने में दर्द होता है। मैं उससे गुस्से हो जाता हूं भले ही मुझे पता है कि यह उसकी गलती नहीं है। मेरे स्कूल छोड़ने के बारे में उसने मुझसे कभी कुछ नहीं कहा। मुझे लगता है कि यह अजीब है।''

''मुझे स्कूल पसंद था, और अंग्रेजी और गणित मेरे पसंदीदा विषय थे। मेरा सपना शिक्षक बनना था, लेकिन मुझे लगता है कि अब उस सपने को हासिल करना मुश्किल होगा।''

''मुझे नहीं लगता कि बच्चों को काम करना चाहिए, यह गलत है। बच्चों को स्कूल में होना चाहिए। बाल अधिकार क्लब में हमने सीखा है कि स्कूल जाना एक बच्चा का अधिकार है, और हमें काम करने के लिए मजबूर करना हमारे अधिकारों के विरुद्ध है। मैंने यह भी सीखा है कि यह हमारे अधिकारों के विरुद्ध है जब लड़कियों से लड़कों से भी बदतर व्यवहार किया जाता है।''

''मेरे अधिकारों का दोगुना उल्लंघन किया जा रहा है, आंशिक रूप से क्योंकि मैं एक बच्चा हूं और आंशिक रूप से क्योंकि मैं एक लड़की हूं।''

*चार्मेन, 14*

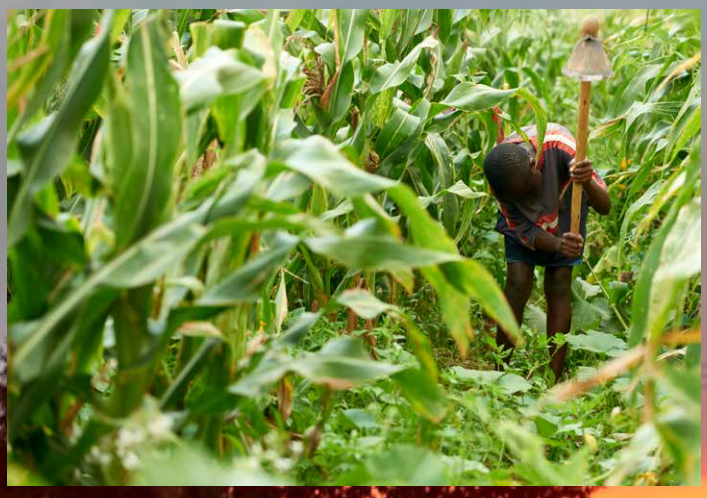

'' दोनों लड़कियों और लड़कों को स्कूल जाना चाहिए क्योंकि हम सभी के बराबर मूल्य है। मैंने सीखा कि बाल अधिकार क्लब में, जब हमारे नेता ने हमें दि ग्लोब पढ़ कर सूनाई। मुझे उम्मीद है कि क्लब मेरी मदद करने में सक्षम होगा, कि मैं और अधिक सीखूंगा और अपने पिता से बात करने और अपने अधिकारों की व्याख्या करने का आत्मविश्वास रखूंगा,'' चार्मेन कहती है।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

# ग्लेन्डा को धोखे देकर दास बनाया गया

ग्लेन्डा ने सोचा कि वह आखिर में स्कूल शुरू करने में सक्षम होने जा रही थी और खुशी से अपनी चाची के साथ लंबी यात्रा पर चली गई। लेकिन ग्लेन्डा को धोखा दिया गया था। वह मानव तस्करी का शिकार थी और पिछले दो सालों से वह एक महिला के लिए भुगतान किए बिना काम कर रही है।

मैं यहां से एक गांव में अपनी दादी के साथ रहती थी। मैं खुश था और मुझे अपनी दादी से प्यार था, लेकिन वह मेरी स्कूल की फीस का भुगतान नहीं कर सकी। एक दिन जब मैं 13 वर्ष का था, मेरी चाची यात्रा करने आई और कहा कि उसने सोचा था कि मुझे उसके साथ दूसरे गांव में जाना चाहिए और स्कूल शुरू करना चाहिए। मैं बहुत खुश थी! और मैंने तुरंत उसके साथ जाने का फैसला किया। मेरी चाची पूरी यात्रा में अच्छी और खुश रही, और उसने मेरी देखभाल की।''

## बिना वेतन के बाल श्रम

''जब हम पहुंचे, तो वह पूरी तरह से बदल गई। उसने कहा कि मैं स्कूल नहीं जा रही थी, लेकिन इसके बजाय मैं अपने एक दोस्त के लिए घरेलू नौकर के रूप में काम करने जा रही थी। मैं चौंक गयी और निराश हो गई। जब मैंने रोया और कहा कि मैं चाहती हूं कि वह मेरी दादी को घर वापस जाने में मेरी मदद करे, तो वह वास्तव में गुस्सा हो गई। उसने कहा कि अगर मैंने कहा कि एक और बार मेरी बहुत पिटाई होगी। मैं इतना डरी हुई थी कि मैंने कभी इसका जिक्र नहीं किया। मैं यहां दो साल से अपनी चाची के दोस्त के साथ रह रहा हूं। मैं अक्सर कैदी की तरह बंद कर दी जाती हूं और मैं घर नहीं छोड़ सकती। मुझे ही घर के सभी काम करने पड़ते हैं: कपड़े धोना, बर्तन धोना, खाना बनाना, पानी लाना, सफाई करना...सबकुछ। मैं अपने मक्का के खेत में भी सभी काम करती हूं। अगर वह सोचती है कि मैंने थोड़ी सी बात गलत कर दी है, तो मुझे थकावट मिलती है। और मुझे अपने काम के लिए कभी भी पैसा नहीं मिला। मुझे लगता है कि मेरी चाची को मेरी मजदूरी मिलती है। यहां तक कि अगर मैं भागना चाहती हूं, तो भी मैं ऐसा नहीं कर सकती। मेरे पास पैसा नहीं है, मुझे नहीं पता कि मैं कहां जाऊं या अपने घर कैसे पहुंचूं।''

## क्लब से मदद

''जिस महिला के लिए मैं काम करता हूं उसके तीन वयस्क बेटे हैं, लेकिन बेटे यहां कोई घरेलू काम नहीं करते हैं, इसलिए उन्हें घर में एक लड़की की जरूरत होती है। यही कारण है कि मैं यहाँ लायी गई थी।''

''कभी–कभी जब महिला घर नहीं होती है तो मैं यहां चुपके से घर से बाहर निकल जाती हूं और यहां बाल अधिकार क्लब मे समय बिताती हूं। मैंने सीखा है कि मैंने जो भी अनुभव किया है उसे तस्करी कहा जाता है और यह बाल अधिकारों का उल्लंघन है। क्लब मुझे अपनी दादी के पास फिर से घर लाने की कोशिश कर रहा है। मेरी दादी को पता नहीं है कि क्या हो रहा है, वह सोचती है कि मैं स्कूल जा रही हूं और सब कुछ ठीक है। मेरे माता–पिता अलग हो गए हैं। उनके पास नए परिवार हैं और मुझे भूल गए हैं।''

''यहां आमतौर पर लड़कियां ही होती हैं हैं जो तस्करी से पीड़ित होती हैं। लोगों को घर के काम करने के लिए किसी की जरूरत होती है, और लड़के उस तरह के काम नहीं करते हैं। जिम्बाब्वे में लड़कों की तुलना में लड़कियां बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।''

*ग्लेण्डा, 15*

धोखा दिया और कैद
वह महिला जसिके लिए ग्लेंडा बिना वेतन के काम करती है वह अक्सर उसे घर में ताला लगा कर बंद कर देती है, कैदी की तरह।

# पर्ल का जीवन बदल गया

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

डब्लूसीपी कार्यक्रम ने पर्ल, 16 को पढ़ाया है कि सभी बच्चों को स्कूल जाने का अधिकार है और बाल विवाह के अधीन नहीं है। उसे अपनी कहानी साझा करने का अधिकार भी दिया गया है। जिम्बाब्वे में चिहोटा में रहने वाले पर्ल कहते हैं, "मैं अपने बेटे को लड़कियों का सम्मान करने और कभी भी एक बच्ची लड़की से शादी नहीं करना सिखाऊंगा।"

मैं यहां 10 वर्ष की उम्र में अपनी दादी और दादाजी के पास चली गई, इसलिए मैं स्कूल जाना जारी रख सकती थी। मुझे अपने दादी और दादाजी से प्यार है, और मुझे स्कूल जाना पसंद है!

"लेकिन पिछले साल, जब मैं 15 वर्ष की था, तब मेरे लिए सब कुछ बदल गया। मैं स्कूल से घर जा रही थी। गांव से एक आदमी झाड़ियों में छुपा रहा था। वह बाहर कूदा और मुझे जमीन पर धक्का दिया। बाद में, उसने कहा कि अगर मैंने किसी से कहा कि उसने क्या है तो वह मुझे पीट देगा। मैं भयभीत थी।"

## गर्भवती

"मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए सब कुछ किया था कि मुझे कोई ध्यान न दे, लेकिन मुझे दुःस्वप्न था और महसूस हुआ कि मुझे हर जगह पीछा किया जा रहा था। मैं स्कूल में ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रही थी क्योंकि मैं हमेशा उसके बारे में सोचा करती थी जो मेरे साथ हुआ था।"

"तीन महीने बाद, मेरी दादी ने पाया कि मैं गर्भवती थी। पहले मैंने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया, लेकिन फिर मैंने उसे जो कुछ भी हुआ था उसे बताया। मेरी दादी ने कहा कि मुझे अपनी चीजें पैक करना और अपने पति के पास जाना था। यह भयानक लगा कि मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के पास जाना पड़ा जिसने मुझे इतनी बुरी तरह चोट पहुंचाई थी, और मेरे परिवार ने सोचा कि मुझे ऐसे व्यक्ति के पास जाना चाहिए। लेकिन यहां, अगर कोई आदमी एक लड़की

पर्ल अपने दादी और दादाजी के घर के बाहर अपने बेटे के साथ बैठा है। "मैं अपने बेटे को सिखाऊंगा कि लड़कियों और लड़कों के बराबर मूल्य है, और लड़कियों का सम्मान करना है," वह कहती है।

एक दोपहर, स्कूल से घर जाते समय,
पर्ल का जीवन हमेशा के लिए बदल गया।

को गर्भवती बना देता है, तो लड़की को उसकी पत्नी माना जाता है। मुझे मजबूर होकर अपनी चीजों को पैक करके उसके पासजाना पड़ गया।''

## दुर्व्यवहार

''आदमी की बूढ़ी दादी ने दरवाजे का जवाब दिया। जब मैंने समझाया कि मैं क्यों आयी हूं, जो पहले उसने मुझे पर विश्वास नहीं किया था।

''जब मैंने उस आदमी से कहा कि मेरे माता–पिता ने कहा था कि वह अब मेरे लिए जिम्मेदार था और उस बच्चे के लिए जिसकी मैं पैदा करने जा रही थी, जो वह क्रोधित हो गया। सबसे पहले वह अपनी दादी पर चिल्लाया कि उसने मुझे अंदर आने क्यों दिया, फिर उसने मेरे चेहरे पर ज़ोर से घूंसा मारा और गायब हो गया। सौभाग्य से, उसकी दादी दयालु थी और उस रात मेरी देखभाल की।

''आदमी ने मुझे पीटना जारी रखा। उसने चिल्लाया कि मुझे घर वापस अपने घर चले जाना चाहिए। मुझे मजबूर हो करउसकी दादी के पास छिपाना पड़ा। वह रोयी और हम दोनो डर गए कि वह मुझे मार डालेगा। कुछ सप्ताह बाद मुझे अपनी जान बचा कर भागना पड़ा। ''

## स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर

''जब मैं घर आयी तो मैं बिलकुल निराश थी। जब मैंने अपनी दादी और दादाजी से कहा कि मुझे पीटा

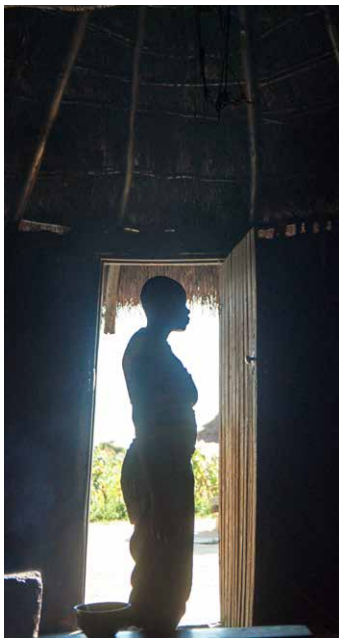

''मुझे स्कूल जाना पसंद है, लेकिन अब मैं नहीं जा सकती,'' पर्ल कहती है।

जा रहा है, तो उन्होंने कहाः 'क्या तुम नहीं जानते कि कई पुरुष अपनी पत्नियों को पीटा करते हैं? यह सामान्य है? 'मैंने कहा कि मुझे पता है कि यह कई परिवारों में ऐसा होता है, लेकिन मैंने आग्रह केया कि मुझे फिर से घर आने की इजाजत दी जाय। अंत में उन्होंने हाँ कह दिया।''

''ऐसा लगता है कि मेरी जिंदगी खत्म हो गई है, क्योंकि मैं अब स्कूल नहीं जा सकती। यहां लड़कियां बच्चों के साथ स्कूल नहीं जा सकतीं, और यह सोच कर मुझे बहुत बुरा लगता है।''

''मुझे पता है कि यह गलत है क्योंकि मैं एक क्लब से संबंधित हूं जहां हम अपने अधिकारों के बारे में जानेंगे। अब मुझे पता है कि हर बच्चे को स्कूल जाने का अधिकार है! और यह मुझे यह जानकर प्रसन्न करता है कि बाल विवाह हमारे अधिकारों का उल्लंघन है। मुझे नहीं लगता कि लड़कियों को शादी करने के लिए मजबूर होना चाहिए। हमें पत्नियां नहीं बननी चाहिए, हमें स्कूल जाना चाहिए ताकि हम एक अच्छा जीवन बिता सकें।''

''मेरा सपना एक कपड़ा सिलने वाली बनना है और पैसा कमाना है ताकि मैं अपने बेटे की देखभाल कर सकूं। मैं उसे सिखाऊंगी कि वह एक एसी लड़की से शादी नहीं करे जो बच्ची हो। और मैं उसे लड़कियों का सम्मान करने और सिखाऊंगी और समझाऊंगी कि लड़कियों और लड़कों के बराबर मूल्य है।'' ⊕

# कई माइने में मबारे गंदा

"यहां मबारे में कई तरह से गंदगी है। हर जगह कूड़ा है, लेकिन यह भी एक गरीब क्षेत्र है जिसमें बहुत खराब समस्याओं हैं। हम लड़कियां विशेष रूप से संवेदनशील हैं। मेरे लिए, मुझे ड्रग किया गया था, हमला किया गया और मुझे उस व्यक्ति के साथ रहने के लिए मजबूर होना पड़ा था," लिसा कहती है। अब वह एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत और जिम्बाब्वे में नो लिटर जनरेशन की सदस्य है।

"जब मैं छोटा था तब मेरे माता–पिता दोनों की मृत्यु हो गई। मैं स्कूल में पहली कक्षा में था। यह बहुत समय पहले की बात है, लेकिन मुझे याद है कि जब मेरे माता–पिता जीवित थे तब मैं खुश और सुरक्षित था। मेरे पिता ने कार मैकेनिक के रूप में काम किया और मेरी मां ने यहां मबारे के बाजार में सब्जियां बेचीं। मेरी मां को मधुमेह था और अंत में वह इतनी बीमार हो गई कि उसे अस्पताल जाना पड़ा। वह फिर कभी घर नहीं आई। दो हफ्ते बाद, मेरे पिता भी मर गए। उनकी मृत्यु से पहले उन्हें बहुत बुरा सिरदर्द था।"

"लेकिन मैं अभी भी भाग्यशाली था क्योंकि मैं पूरी तरह से अकेला नहीं था। मेरी दादी मेरी देखभाल करने में सक्षम थीं। और यद्यपि उसने अपनी सब्जी स्टाल से ज्यादा पैसा नहीं कमाया, लेकिन फिर भी उसने वह सुनिश्चित करने में कामयाब रही कि मेरे दो भाई–बहन और मैं और उसके अपने पांच बच्चे स्कूल जाने में सक्षम थे।"

मुझे स्कूल पसंद था, और मेरा सपना विश्वविद्यालय में पढ़ना था और एक सामाजिक कार्यकर्ता बनने के लिए प्रशिक्षण लेना था। डइंतम बहुत खराब समस्याओं के साथ एक गरीब क्षेत्र है, और मेरी उम्र में कई लड़कियों को एक मुश्किल समय है। मैं इसके बारे में कुछ करना चाहता था।

## स्कूल से प्यार

"मुझे स्कूल पसंद था और मेरा सपना विश्वविद्यालय में पढ़ना था और एक सामाजिक कार्यकर्ता बनने के लिए प्रशिक्षण लेना था। मबारे बहुत खराब समस्याओं के साथ एक गरीब क्षेत्र है, और मैंने अपनी उम्र की लड़कियों का वास्तव में मुश्किल समय देखा। उदाहरण के लिए, कई लोगों को स्कूल जाने के बजाए जीवित रहने के लिए सलाखों के पीछे काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। मैं इसके बारे में कुछ करना चाहता था।"

"लेकिन जब मैं 14 वर्ष की थी, तब सब कुछ बदल गया। मेरी दादी के पास अब पर्याप्त पैसा नहीं था, इसलिए मेरे भाई बहन और मैं और मेरी दादी के कुछ बच्चों को स्कूल

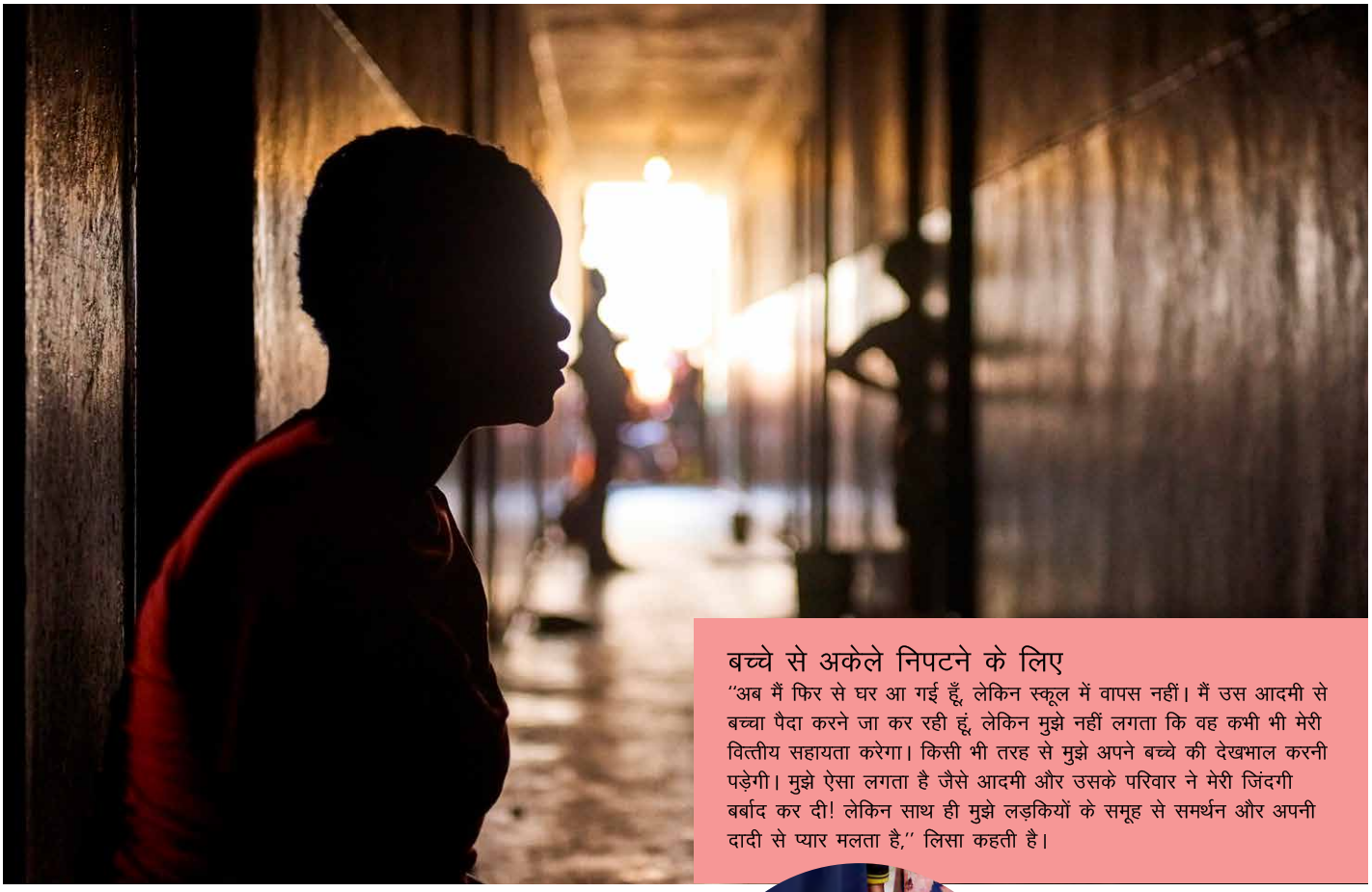

## बच्चे से अकेले निपटने के लिए

"अब मैं फिर से घर आ गई हूँ, लेकिन स्कूल में वापस नहीं। मैं उस आदमी से बच्चा पैदा करने जा कर रही हूं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह कभी भी मेरी वित्तीय सहायता करेगा। किसी भी तरह से मुझे अपने बच्चे की देखभाल करनी पड़ेगी। मुझे ऐसा लगता है जैसे आदमी और उसके परिवार ने मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी! लेकिन साथ ही मुझे लड़कियों के समूह से समर्थन और अपनी दादी से प्यार मलता है," लिसा कहती है।

छोड़ना पड़ा। मैं बरबाद हो गयी थी। मुझे एहसास हुआ कि एक सामाजिक कार्यकर्ता बनने का मेरा सपना कभी सच नहीं होगा।

"जब मेरी स्कूल से छुट्टी होती थी, तो केवल एक चीज जो मैं कर सकती थी वह था घर का काम। मैं भोजन पकाने, सफाई करने, बर्तन धोने और पानी लाने करती थी। मैं बहुत अकेली हो गयी क्योंकि मैं शायद ही कभी अपने दोस्तों से मिलती थी, और मैं अक्सर दुखी होती थी।"

### नव वर्ष की पूर्व संध्या

"लेकिन नए साल की पूर्व संध्या पर मैं खुश थी और एक दोस्त के साथ रहने और उसे मनानो के लिए उत्सुक थी। जब वह और मैं अपने घर के पास एक दुकान में कुछ मिठाई और कुरकुरा खरीदने के लिए बाहर गए, तो हम एक बार के पास से निकले। एक आदमी बाहर बैठा थ जो हम पहले कुछ बार मिला था। वह अपने दोस्तों से बातें कर रहा था। वह अच्छा और मैत्रीपूर्ण था और पूछा कि क्या हम बैठना चाहते हैं और वह हमें एक गिलास जूस पिलायेगा, क्योंकि यह नव वर्ष की पूर्व संध्या थी। हम खुश थे और हाँ कहा। सबसे पहले यह मजेदार था, लेकिन हमें नहीं पता था कि उसने रस में कुछ नशीला मिला दिया था। थोड़ी देर बाद मुझे चक्कर आने लगा और मैने अपनी चेतना खो दी। अगली बात जो मुझे याद है वह यह है कि मेरे सारे शरीर में भयानक पीड़ा हो रही थी और मैं उस आदमी के बिस्तर में नग्न सो कर उठ रही थी। मेरे कपड़े खूनी थे और मैं डर गयी थी। जब मैंने रोना शुरू किया, तो वह वास्तव में गुस्सा हो गया और मुझे घर जाने के लिए कहा। मुझे समझ में नहीं आया कि क्या हुआ था और मैं इतना डर गयी थी कि मैंने वो किया जो उसने कहा।"

### बाहर निकाल दिया

"जब मैं फिर से घर आयी, तब मेरी दादी और चाचा क्रोधित थे। मुझे सोने की अनुमति नहीं मिली थी और पड़ोसी ने हमें एक पुरुषों के समूह के साथ एक बार में देखा था। मेरी दादी को यह भी पता चला गया था कि मैं अपनी दोस्त के साथ नहीं रही थी। उन्होंने सोचा कि मैं स्वेच्छा से अपने किसी प्रेमी के साथ रह रही थी। मेरे चाचा ने चिल्लाया कि वह मेरी या मेरे बच्चे की देखभाल नहीं करेगा और मुझे अपने 'पति' के पास वापस जाना चाहिए, जो दोषी था और उसको जिम्मेदारी लेनी चाहिए। यही वह समय था जब मैंने महसूस किया कि क्या हुआ था, और मैंने समझाने की कोशिश की, लेकिन इससे कोई लाभ नहीं हुआ। मेरी दादी रोयी जब उन्होंने मुझे लात मार कर घर से बाहर निकाल दिया और दरवाजा बंद कर दिया।"

### नए सबसे अच्छे दोस्त

"अब मैं समर्थन समूह में हूं, जहां सभी को समान अनुभव और समझ है। हम एक दूसरे का समर्थन और आराम करते हैं। समूह की लड़कियां मेरी नई सबसे अच्छी दोस्त हैं," लिसा कहती हैं।

### बाल विवाह

"मैं वापस उस आदमी के घर गई, लेकिन वह उसकी चाची थी जिसने दरवाजा खोला। जब मैंने उसे समझाया कि मेरे परिवार ने क्या कहा था, तो वह इस बात पर सहमत हुई कि मैं रह सकती हूं अगर बदले में मैंने उसकी बार में काम करना शुरू कर दिया और उस आदमी के साथ ऐसे रहती जैसे कि हम विवाहित थे। मेरे पास कोई रास्ता नहीं था। हमारी संस्कृति के अनसार, पहले रात आदमी के बिस्तर में जो हुआ था उसके बाद हम पहले ही शादी कर चुके थे। और मेरे पास कहीं और जाने को नहीं था। "मैं सिर्फ 15 साल की थी और मैंने दिन के हर घंटे काम किया, बिना किसी वेतन के बार में बियर की सेवा की। मैं दास की तरह थी, और थोड़ी दिन बाद मैं गर्भवती भी हो गई। बार में पुरुषों ने मुझे पकड़ लिया और मुझसे घृणित बातें कहीं। मुझे हर सेकेंड बुरा लगा और मुझे ऐसा लगा कि मेरी जिंदगी खत्म हो गई।"

### बचाया

"लेकिन चार महीने बाद, मेरी दादी ने मरे जीवन के बारे में अफवाहें सुनाई।

शायद नो लिटर जनरेशन यह सुनिश्चित करेगा कि यहा मबारे में भी एक दिन हम बच्चों को स्वच्छ वातावरण मिल सकेगा। नो लिटर डे पर हमने कूड़े से एक कचरा ट्रक भर दिया।




TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTOS: JOHAN BJERKE

मुझे एक गुलाम के रूप में एक बार में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा और मेरा 'पति' मेरा ख्याल नहीं रख रहा था। वह क्रोधित हो गई। वह बार में आई और सभी पर चिल्लाया और कहा कि अब मेरा घर आने का समय हो गया था। उस दिन मेरी दादी ने मेरी जान बचाई, और मैं उसके लिए उससे प्यार करती हूँ।

''जब मैं घर आयी, मैंने शमवारी यमनवासिकाना संगठन से संपर्क किया, जो बुरी स्थिति वाली लड़कियों की मदद करता है। अब मैं उन युवा लड़कियों के लिए उनके समर्थन वाले समूहों में से एक हूं जिन्हें बाल विवाह से बचाया गया है। हम वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ में शामिल हैं और इससे अपने अधिकारों के बारे में सीखते है और उनकी रक्षा करते हैं। हमने दि ग्लोब पढ़ा और अब मैं उन चीजों को जानती हूं जिनके अध ीन मैं रही हूं इनको बलात्कार, बाल विवाह और बाल श्रम कहते हैं, और वे सभी मेरे अधिकारों के उल्लंघन होते रहे हैं। यह मुझे इतना अधिक गुस्सा दिलाता है! मेरी दादी और मैंने, पुलिस को उस आदमी के बारे में बताया है। लेकिन आदमी गायब हो गया है: शायद वह भाग गया क्योंकि वह पुलिस से डर गया था। अब तक चाची के साथ कुछ भी नहीं हुआ है, लेकिन मैं उसे बाल श्रम के लिए दोषी ठहराने के लिए मदद मांगूंगी।''

### भविष्य के लिए सपने

''समर्थन समूह में हम विभिन्न शिल्प भी सीखते हैं, इसलिए हम अपने और अपने बच्चों का समर्थन करने के लिए धन कमा सकते हैं। उदाहरण के लिए, आभूषण और पुनः प्रयोज्य स्वच्छता तौलिए बनाना। यह बहुत अच्छा लगता है, लेकिन मैं अभी भी एक सामाजिक कार्यकर्ता बनने का सपना देखती हूं। और अब मैं अपने अनुभव से जानती हूं कि लड़कियों के अधिकारों के लिए मैं क्या कर सकती हूं। मुझे नहीं पता कि यह कैसे संभव है क्योंकि मेरा जीवन कैसा बन गया, लेकिन मैं अभी भी सपना देखती हूं। लेकिन मैं डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत होने के नाते लड़कियों के अधिकारों के लिए पहले से ही जो कर सकती हूं करती हूं।

''मैं वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के माध्यम से नो लिटर जनरेशन की सदस्य हूं। मुझे यह पसंद है क्योंकि मैंने सीखा है कि हर बच्चे को एक स्वच्छ वातावरण का अधिकार है। सभी बच्चों के लिए यह एक वास्तविकता हो, यह मेरा सपना है। हो सकता है कि हम नो लिटर जनरेशन के सदस्य यहां भविष्य में मबारे में भी पहुंच जाएं!'' 🌐





### पुनः प्रयोज्य स्वच्छता तौलिए

शामवारी यमनवासिकाना नामक संगठन की टसिट्सी, सहायता समूह में लिसा एवं अन्य लड़कियों को पुनः प्रयोज्य स्वच्छता तौलिए बनाना सिखाती है। विचार यह है कि लड़कियां धीरे-धीरे सैनिटरी तौलिए बनाने और बेचने में सक्षम होने से उन्हे स्वयं को एवं अपने बच्चों का खर्चा चलाने में मदद मिलती है।

جیلٌ بلا مُهمَلات

JIIL QASHIN LA'AAN AH

स्वच्छ पीढ़ी

کچرے سے پاک نسل

SKRÄPFRI GENERATION

NO LITTER GENERATION

KEEP SWEDEN TIDY

NO LITTER generation

نسل بدون زباله

GÉNÉRATION SANS DÉCHETS

GENERACIÓN SIN RESIDUOS

نسل بدون كثافات

GERAÇÃO SEM SUJEIRA

फोहोर नफाल्ने दिन

THE WORLD'S CHILDREN'S PRIZE FOR THE RIGHTS OF THE CHILD

WITH SUPPORT FROM SVENSKA POSTKOD LOTTERIET

WITH SUPPORT FROM UNITED POSTCODE LOTTERIES

विश्व का शायद ही कोई भाग है जो कूड़े से प्रभावित नहीं है – धरती पर तथा झीलों एवं समुद्रों में। यदि हम इसके बारे में कुछ नहीं करते हैं, तो हमारे महासागर 2050 तक मछली की तुलना में अधिक प्लास्टिक युक्त हो सकते हैं! लेकिन तुम एवं अन्य बच्चे और विश्व भर के युवा लोग परिवर्तन ला सकते हो और कूड़ा रहित पीढ़ी बन सकते हो।

16 मई को, तुम कूड़ा रहित दिवस में शामिल हो सकते हो और अपनी गली, अपने गांव अथवा अपने पड़ोस में कूड़ा उठा सकते हो। फिर हमको रिपोर्ट करो और तुम और तुम्हारे स्कूल ने मिलकर जो कूड़ा उठाया है उसका भार worldschildrensprize.org/nolitter पर बताओ।

NO LITTER generation

'वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ फाउंडेशन' एवं 'कीप स्वीडन टायडी' के बीच एक साझेदारी

कूड़ा वह सामग्री है जो सड़कों पर अथवा झीलों एवं समुद्रों में पहुँच जाता है, जहां उसे नहीं होना चाहिए। यह कांच की बोतलें, प्लास्टिक की थैलियाँ, टिन के डिब्बे, सिगरेट के शेष अथवा मिठाई की पन्नी हो सकता है। कूड़े की वजह से दोनों पशु एवं लोग स्वयं को घायल कर सकते हैं। कुछ कूड़े में हानिकारक पदार्थ भी शामिल होते हैं जिनका पर्यावरण में रिसाव नही होना चाहिए।

## विभिन्न देश – विभिन्न चुनौतियां

कई देशों में कचरे को संभालने और छंटनी के लिए अच्छी व्यवस्था नहीं होती इसमें से अधिकांश को सड़कों पर या खुले कचरादानों में फेंक दिया जाता है। और वहां पर कोई 'रिसाइकिलिंग' (पुनः चत्रित करने वाली) प्रणाली नहीं हैं। अगर तुम पुनः उपयोग में आने वाले पदार्थों को फेंक देते हो, तो तुम पृथ्वी के संसाधनों को बर्बाद कर रहे हो, क्योंकि कई सामग्री अनेकों बार प्रयोग की जा सकती है।

जब कचरे एवं जल को अनियंत्रित तरीके से फेंका जाता है, तो वह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। उदाहरण के लिए, यदि लोग मानव एवं चिकित्सा अपशिष्ट के संपर्क में आते हैं तो बीमारी फैल सकती है। कचरे में हानिकारक रसायनिक पदार्थ भी मौजूद हो सकते हैं। बहुत सा कूड़ा एवं कचरा सड़कों एवं खुले कचरेदानों से झीलों और समुद्रों में पहुँच सकता है।

अन्य देशों में कचरा इकट्ठा करने एवं उसे रीसाइक्लि करने की अच्छी प्रणाली है। लेकिन वे अक्सर अन्य चुनौतियों का सामना करते हैं, जैसे लोग ठीक से प्रणालियों का प्रयोग नहीं करते अथवा बिना आवश्यकता के भी वस्तुएँ खरीद लेते हैं जिस कारण अधिक अपशिष्ट एवं कचरा उत्पन्न होता है। अतः विभिन्न देशों को अलग–अलग चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

## उदाहरण भारत

भारत के कई भागों में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए प्रणाली की कमी है, लेकिन तमिलनाडु राज्य के 11 जिलों ने एक महान प्रणाली शुरू की है। इन जिलों के परिवारों ने अपने कचरे को तीन पात्रों में छाँट दिया है।

भोजन का अपशिष्ट हरे रंग के पात्र में रखा गया है। यह खाद के लिए एकत्र किया जाता है, जो मिट्टी बन जाता है अथवा उसे बायोगैस बनाने के लिए उपयोग कर लिया जाता है। ऐसी

# महासागरों में प्लास्टिक का भार 25 मिलियन हाथी (250 लाख हाथी) के समान

विश्व के महासागरों में पहले से 150 मिलियन टन प्लास्टिक कूड़ा हो सकता है। यह 25 मिलियन बड़े हाथियों के समान भार है। यदि यह हाथी अपनी सूड़े फैलाए हुए एक पंक्ति में खड़े होते, तो रेखा 200,000 किमी लंबी होगी। यह पांच बार दुनिया का चक्कर लगाने के बराबर होगा।

सामग्री जिसे पुनः चक्रित या पुनः उपयोग किया जा सकता है, जैसे कि प्लास्टिक की बोतलें एवं कागज, को सफेद पात्र में रखा जाता है। सामग्री को छाँटा, बेंचा एवं पुनः विभिन्न तरह से प्रयोग किया जाता है। जो कुछ भी खाद में परिवर्तित अथवा पुनः चक्रित नहीं किया जा सकता है उसे काले पात्र में रख दिया जाता है। कचरा इकट्ठा किया जाता है, 'लैंडफिल' (मिट्टी का गड्ढा) में ले जाया जाता है अथवा किसी अन्य सुरक्षित तरीके से संचित कर दिया जाता है।

तमिलनाडु में वे यह भी सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि शरूआत से ही में कम अपशिष्ट तैयार हो। उदाहरण के लिए, लिटिल फ्लॉवर स्कूल ने पूरे स्कूल क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र बना दिया है, और इस प्रतिबंध के बारे में आगंतुकों को याद दिलाने हेतु संकेत लगे हैं।

### उदाहरण स्वीडन

स्वीडन में कचरे के प्रबंधन एवं रिसाइकिलिंग के लिए एक प्रणाली है। पुराने अखबारों को इकट्ठा किया जाता है और उनसे नया कागज़ बनाया जाता है।

धातु के डिब्बे और कांच की बोतले पिघला दी जाती हैं और सामग्री को नई बोतलें और डिब्बे बनाने के लिए उपयोग किया जाता है। कुछ प्लास्टिक नई प्लास्टिक बनाने के लिए प्रयोग की जाती है।

जो कुछ भी फिर से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है वह विशेष सुविधाओं पर जला कर भस्म कर दिया जाता है, निकास धुआं साफ कर दिया जाता है और गर्मी बहुत सारे घरों के लिए पानी को गर्म करने में उपयोग की जाती है। जिस कचरे को पुनः चक्रित नहीं किया जा सकता अथवा जलाया जा सकता उसे विशेष कचरेदानों पर ले जाया जाता है जहां वह पर्यावरण को कम से कम हानि संभवतः पहुंचा सकता है।

लेकिन स्वीडन में बहुत से लोग अपने कचरे को छाँटने से परेशान नहीं होते, या वे इसे ठीक तरह से नहीं छाँटते। जो सामग्री पुनः चक्रित की जानी चाहिए वह सामान्य अपशिष्ट में चली जाती है, और इसकी एक बड़ी मात्रा कूड़े के ही रूप में ज़मीन पर पहुँच जाती है। स्वीडन बहुत अपशिष्ट का उत्पादन करता है क्योंकि वहां लोग बहुत सारा सामान और पैकेजिंग खरीदते हैं जो केवल एक बार उपयोग किया जाता है। परिवर्तन लाने के लिए, हमें अपनी आदतें बदलनी होंगी।

### कूड़ा निपटाने में पैसा खर्च होता है

यह कहना कठिन है कि दुनिया भर में कूड़े पर कितना खर्च आता है। कई देश सफाई और कूड़े को उठाने पर बहुत से संसाधनों का निवेश करते हैं। कूड़ा फेंकने का अर्थ, उदाहरण के लिए, यह हो सकता है कि पर्यटक किसी क्षेत्र की यात्रा करना बंद कर देते हैं, जिससे देश को बाहर से आने वाले पैसे कम मिलते हैं। जितना अधिक कूड़ा जमीन पर अथवा हमारे महासागरों में पहुँचता है, उतने ही अधिक उसके परिणाम एवं लागत होते हैं। शुरूआत में ही कूड़े से ठीक से निपटना सस्ता पड़ता है। कूड़े के रूप में समाप्त होने वाली बहुत सारी सामग्री फिर से उपयोग की जा सकती है।

## मछली की तुलना में अधिक प्लास्टिक...

विश्व के महासागरों में बहुत सारा प्लास्टिक का कूड़ा पहुँचता हैं। यह वायु या नदियों अथवा वर्षा के पानी द्वारा लंबी दूरियां तय कर सकता है। यदि हम इस बारे में कुछ नहीं करते हैं, तो सन् 2050 तक दुनिया के महासागरों में मछलियों की तुलना में प्लास्टिक अधिक हो सकती है!

### व्हेल ने 30 प्लास्टिक बैग निगल लिए

- 8 मिलियन टन प्लास्टिक हर साल हमारे महासागरों में पहुँचता है।
- प्लास्टिक 600 से अधिक प्रजातियों को हानि पहुँचाता है जो समुद्र में और उसके पास रहती हैं।
- अगर इस प्रकार विकास होता रहा तो सन् 2050 तक 99 प्रतिशत समुद्री पक्षी प्लास्टिक खा चुके होंगे।
- नॉर्वे में एक फंसे हुये व्हेल के पेट में 30 प्लास्टिक बैग थे।

# 4,500 अरब सिगरेट शेष 117 बार चाँद तक पहुंच कर वापस आते हैं

पूरे विश्व में हर साल लगभग 4,500 अरब सिगरेट के शेषों को जमीन पर फेंका जाता है! यदि तुम इन सभी सिगरेट के शेषों को एक रेखा में लगाते हो, तो वह रेखा 90,000,000 किलोमीटर लंबी होगी। वह 117 बार चन्द्रमा तक जाकर वापस यात्रा करने के बराबर लंबी होगी। एक सिगरेट के शेष के छोटे टुकड़े का प्रकृति द्वारा छोटे–छोटे अदृश्य अंशों में विघटन होने में लगभग तीन साल लग जाते हैं । लेकिन यह छोटे अंश भी हानि पहुंचा सकते हैं। सिगरेट के शेषों में प्लास्टिक एवं कैडमियम होता है।

## कूड़ा पशुओं को हानि पहुंचा सकता है

कई पशु कूड़े से घायल हो जाते हैं। उस पर चलने से उनको चोट पहुंच सकती है, वे उसमें फंस सकते हैं अथवा उसे खा सकते हैं। जो पशु प्लास्टिक के छोटे–छोटे टुकड़े निगल लेते हैं वे भूखे मर सकते हैं या धीरे–धीरे कमजोर हो सकते हैं क्योंकि उनके पेट में भोजन के बजाय प्लास्टिक भर जाता है। कूड़े से दोनो बड़े और छोटे जानवर घायल हो सकते हैं, उदाहरण के लिए, व्हेल, कछुए, मछलियां, पक्षी, क्लैम एवं गाय।

## प्लास्टिक समाप्त नहीं होता

धरती पर या समुद्र में पहुँचने वाली प्लास्टिक, बहुत धीरे–धीरे, छोटे–छोटे टुकड़ों में विघटित हो जाती है। यह सैकड़ों या हजारों वर्ष ले सकता है। प्लास्टिक के अति छोटे टुकड़े (माइक्रो प्लास्टिक) तक हानि पहुँचा सकते है। माइक्रो प्लास्टिक छोटे जीवों द्वारा खाया जा सकता है जैसे पशु प्लैंकटन एवं क्लैम। जब ये जीव बड़े पशुओं द्वारा खाए जाते हैं, तो प्लास्टिक खाद्य श्रृंखला में और आगे चली जाती है। अंत में, वह प्लास्टिक उस मछली में पहुँच सकती है जिसे तुम अपने रात के खाने में खाते हो। शोधकर्ता इस पर अध्ययन कर रहे हैं कि पशु एवं लोग माइक्रो प्लास्टिक खाने से कैसे प्रभावित होते हैं।

## परिवर्तन के लिए कार्य करना

विश्व भर में अनेकों बच्चे एवं वयस्क कूड़े को कम करने के लिए अभियान चला रहे हैं।

- अधिक्तर देशों ने प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध लगा दिया है अथवा उनकी कीमत बढ़ा दी है, क्योंकि वह हानि पहुँचाती हैं। अफ्रीका में रवांडा प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध लगाने वाला विश्व का पहला देश था।
- अनेकों देश सही काम करना आसान बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं, उदाहरण के लिए, ढक्कन के साथ अधिक कचरे वाले डिब्बे डाल कर जिससे अपशिष्ट उड़ न जाए, और रीसाइक्लिंग प्रणाली में सुधार करना।
- प्रोड्यूसर्स – प्लास्टिक की पैकेजिंग करने वाली कंपनियां, को बेहतर पैकेजिंग विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है जो कूड़े के रूप में समाप्त न हो।
- कई देशों में वार्षिक कूड़ा पिकिंग अभियान हैं, जैसे कूड़ा रहित दिवस, जब दोनों वयस्क और बच्चे कूड़े उठाते हैं और कूड़े के परिणामों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करत हैं।
- विश्व भर में देश कूड़ेदान की समस्या को हल करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

2015 में, संयुक्त राष्ट्र के सभी देशों ने आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से स्थायी विकास के लिए 17 वैश्विक लक्ष्यों को अपनाया। लक्ष्यों को 2030 तक प्राप्त किया जाना है, जो केवल तब ही संभव हो सकता है जब हर कोई अपना योगदान देता है। रीसाइक्लिंग, कचरा से निपटना और कूड़ा नहीं फेंकने से लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

## कूड़ा रहित दिवस ('नो लिटर डे')

16 मई अथवा उसी सप्ताह के कोई अन्य दिन, अनेकों भिन्न देशों में बच्चे अपने स्कूल में या जहां वे रहते हैं अथवा अपने गांव में, एक साथ कूड़ा उठाने आएंगे। ये बच्चे कूड़ा रहित पीढ़ी के हैं। वे एक बेहतर विश्व के लिए सब कुछ बदल रहे हैं, और इस दिन विशेष रूप से, एक अधिक स्वच्छ एवं स्वस्थ संसार के लिए। वे कूड़ा रहित दिवस पर इकट्ठा होने वाले कूड़े को छाँटेंगे और उसका भार लेंगे। फिर जो कूढ़ा एकत्र किया गया है वे उसका कुल भार अपने देश में किसी संपर्क व्यक्ति के पास या worldschildrensprize.org/nolitter-scales पर रिपोर्ट करेंगे।

एक्करा में 'सेंट के. माइकेल स्कूल' में कचरे की छंटाई, जो 'ईको–स्कूल्स घाना' का भाग है।

# हम कूड़े से क्या बना सकते हैं?

पुनः चक्रित काँच को अक्सर बोतलों या पीने के गिलासों में परिवर्तित किया जाता हैं, लेकिन इसका उपयोग सड़कों के लिए एक विशेष प्रकार का डामर बनाने में भी किया जाता है। कागज़ एवं कार्डबोर्ड से समाचार पत्रों, ऊतकों, लेखन पत्र और अंडा बक्से बनाये जाते हैं। स्टील और टिन को स्टील के तार एवं निर्माण सामग्री, टिन की चादरें, कला के कार्य, कुर्सियों और मेंजों में बदला जा सकता है। पुनः चक्रित लकड़ी को डिब्बे, खिलौने, खेल उपकरण और फर्नीचर में बदला जा सकता है। प्लास्टिक पी.ई.टी. बोतलों को पिघलाया जा सकता है तथा कंबल, गद्दे, फाइबर से भरे खिलौने एवं 'इन्सुलेशन' सामग्री के रूप में गर्म कोट एवं सोने वाले बैगों में प्रयोग किया जा सकता है। एक टी–शर्ट बनाने के लिए पर्याप्त फाइबर का उत्पादन करने में 10 बोतलें लगती हैं, तथा एक फाइबर से भरे खिलौने को बनाने में 63 बोतलें लगती हैं। क्या तुम्हारे पास कूड़े का उपयोग करने के लिए कोई अन्य सुझाव हैं?

इस प्रकार तुम और तुम्हारे मित्र कूड़ा रहित पीढ़ी में शामिल हो सकते हैं:

1. इस कूड़ा रहित पत्रिका के मूल का अध्ययन करो और उस पर चर्चा करो।
2. इस बारे में बात करें कि तुम जिस जगह रहते हो, वह कैसे कूड़े से मुक्त हो सकती है।
3. अपने परिवार, दोस्तों एवं पड़ोसियों के लिए कूड़ा रहित पत्रिका घर ले जाओ। तुमने जो भी सीखा है उसे साझा करो और उनसे यह बात करो कि वे तुम्हारी सड़क या गांव की कूड़े से मुक्त रखने में कैसे सहायक हो सकते हैं।
4. अपना स्वयं का कूड़ा रहित दिवस आयोजित करो एवं स्वयं एकत्रित किये गए कूड़े को उठाओ, छाँटो और तौलो। सावधान रहो कि कूड़े पर स्वयं को चोट न लगे और किसी वयस्क से सहायता लो यदि तुमको कोई वस्तु तेज़ धार वाली या खतरनाक लगे।
5. रिपोर्ट करो कि तुमने क्या एकत्रित किया है और कूड़े का कुल भार बताओ।
6. सुनिश्चित करो कि सभी कूड़ा पुनः चक्रित कर दिया जाए अथवा उसे किसी जगह सुरक्षित रूप से संचित कर दिया जाए।
7. अपने प्रयासों का जश्न मनाओ!

## अपशिष्ट के बारे में सबसे अच्छी बात और सबसे बुरी बात

सबसे अच्छी बात यह होती यदि कोई अपशिष्ट होता ही नहीं। शायद हम कम पैकेजिंग का उपयोग कर सकते होते?

- कोई भी अपशिष्ट जो अभी भी तैयार होता हो, उसे पुनः उपयोग करना चाहिए अथवा उसको पुनः चक्रित करके उपयोग किया जाना चाहिए। फिर हमारे सामान एवं सामग्री फिर से उपयोगी हो सकती है और इससे पृथ्वी के संसाधनों को बचाने में मदद मिलेगी।
- अगर यह संभव नहीं है, तो अपशिष्ट को जला देना चाहिए या कचरेदान में डाल देना जाना चाहिए। लेकिन हमें इसे इस प्रकार करना चाहिए कि वायु, धरती अथवा जल दूषित न हो।
- सबसे बुरी बात तब होती है जब कचरा भूमि पर या नदियों, झीलों और समुद्र में अपशिष्ट के रूप में पहुँच जाता है।

## कूड़ा रहित पीढ़ी में तुम और तुम्हारे दोस्तों के लिए काम करने वाली बातें

तुम जहाँ रहते हो, वहाँ देखो:

क्या तुम्हारे पास कचरे से निपटने के लिए अच्छी प्रणालियाँ हैं?

जब अपशिष्ट और कूड़े की बात आती है तब क्या समस्याएं होती हैं?

सुझाव दो और परिवर्तन करो:

कूड़े से निपटने के लिए तुम्हारे क्या सुझाव हैं?

अपशिष्ट और कूड़े से निपटने के समाधान के लिए तुम्हारे क्या सुझाव हैं?

जहाँ तुम रहते हो, वहाँ कचरा प्रणाली के बारे में निर्णय कौन लेता है ? उन लोगों से मिलो जो प्रभार में हैं और उनसे अपने सुझाव साझा करो।

जहाँ तुम रहते हो, वहाँ सबको बताओ कि कचरा फेंकना क्यों गलत है। उन्हें विद्यालय, सड़क एवं गांव को कूड़ा रहित बनाने में सहायता करने के लिए प्रोत्साहित करो, और कैसे करें, इस पर सुझाव दो।

योजना बनाओ कि कूड़ा रहित पीढ़ी कूड़े को कम करने के लिए कैसे काम कर सकती है, यद्यपि उस दिन कोई कूड़ा रहित दिवस न हो।

इस पर विचारों को एकत्रित करो कि कूड़े का पुनः उपयोग कैसे किया जा सकता है।

और निश्चित रूप से, तुम स्वयं कोई कूड़ा नहीं गिराओ!

Watch the No Litter Generation film at worldschildrensprize.org/nolitter.

TEXT: KEEP SWEDEN TIDY ILLUSTRATIONS: LINUS NYSTRÖM PHOTO: JENNY BRANDT

पाकिस्तान में ईंट के भट्ठे पर जो बच्चे हैं वह 'कूड़ा रहित पीढ़ी' का भाग हैं, जैसा कि दाहिनी तरफ उर्दू में लिखा है।

PHOTO: ALI HAIDER

# कूड़ा हर किसी की जिम्मेदारी है

**मानव इतिहास के अधिकांश समय तक, कूड़ा एक बड़ी समस्या नहीं रही है। इनमें से अधिक्तर कार्बनिक, भोजन एवं रसोई का कचरा था, जो विघटित हुआ और पृथ्वी में वापस लौट गया।**

समस्याओं तब शुरू हुईं जब शहरों के आकार में वृद्धि हुई और उनमें नई प्रयोगात्मक सामग्री जैसे प्लास्टिक की मात्रा बढ़ गई। सुरक्षित पात्रों में भोजन एवं अन्य सामान को संचित करना सरल था। लेकिन इसने इस ग्रह पर बहुत अधिक कचरा पैदा कर दिया है जो स्वयं विघटित नहीं होता। अतः कई देशों ने कूड़े को संभालने के लिए प्रणालियां बनाई हैं। अनेकों गरीब देशों ने अन्य कार्यों में भी धन का निवेश किया है। इसके अतिरिक्त, कई धनवान देशों ने, कभी–कभी अवैध तरीके से, अपने सबसे अधिक हानिकारक कचरे की काफी अधिक मात्रा, गरीब देशों की ओर पहुँचा दी है। इसमें विषैले रबर से बने कार के टायर तथा मोबाइल फोन एवं कंप्यूटरों के रूप में बिजली का अपशिष्ट शामिल हैं। लेकिन अब यह कोई विकल्प नहीं है। अपशिष्ट के पहाड़ बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं।

### अधिक धन, अधिक अपशिष्ट

तुम जितने धनी हो, खासकर यदि तुम किसी शहर में रहते हो, तो तुम अधिक कचरा एवं कूड़ा बनाते हो। संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान उन देशों में से हैं जो सबसे अधिक अपशिष्ट बनाते हैं, लेकिन वे इसे निपटाने में सक्षम हैं, अतः यह गरीब देशों की तुलना में सड़कों पर कम दिखाई देता है, जबकि गरीब देश बहुत कम अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं। अपशिष्ट संग्रह प्रणालियां वहां दुर्लभ होती हैं और लोग अपने कचरे को सड़कों पर बाहर फेंक देते हैं। रोग एक आम समस्या है। लेकिन यह हालात और भी बदतर हो सकते थे, यदि हर दिन, लाखों टन कचरे और कूड़े की एक चौथाई मात्रा, गरीबों द्वारा इकट्ठा नहीं की जाती।

### कचरा बीनने वाले आवश्यक

पाकिस्तान में सिडरा दुनिया भर के लगभग 15 मिलियन लोगों में से एक है जो जीवित रहने के लिए कचरा उठाती हैं। वह और निशा, जो ईंट–श्रमिक परिवार से आती हैं, दोनों कूड़ा रहित पीड़ी का भाग बनने और कूड़ा रहित दिवस में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं। वे एसे देश में रहते हैं, जिसमें कोई ठीक से काम कर रही अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली नहीं है। धनी लोग सामग्री फेंक देते हैं और बहुत गरीब लोग इसे इकट्ठा करते हैं, छाँटते हैं और बेचते हैं अथवा उन वस्तुओं के लिए विनिमय कर देते हैं जिनकी उन्हें जरूरत होती है। सिदरा का परिवार पीढ़ियों से कूड़ा उठा रहा है और वे उसकी रीसाइक्लिंग एवं पुनः उपयोग करने में निपुण हैं। लेकिन यह एक कठिन और खतरनाक काम है जो बहुत कम पैसा देता है।

### सफल प्रदर्शन

यह अनुचित है कि कुछ लोग कूड़े का सृजन करते रहते हैं, जबकि अन्य को कूड़े को उठाना चाहिए क्योंकि वे गरीब हैं। वस्तुओं को साफ रखना और कूड़े की देखभाल करना एक महत्वपूर्ण काम है। बच्चों को बिल्कुल भी काम नहीं करना चाहिए, उन्हें स्कूल जाना चाहिए। पूरे विश्व में कचरा बीनने वालों ने अब विरोध करना शुरू कर दिया है, जैसा कि भारत के पुणे शहर में हो रहा है। और राजनेताओं ने वास्तव में सुना है! उन्होंने कचरा बीनने वालों, ज्यादातर महिलाओं को उनके काम के लिए भुगतान करने का वादा किया है। महिलाओं ने एक सफाई कंपनी की शुरुआत की और अब उनके पास वेतन, अच्छा काम करने की स्थिति और सुरक्षात्मक कपड़े हैं। वे कम घण्टे काम करती हैं, लेकिन उनको अधिक भुगतान किया जाता है। लेकिन सबसे अच्छी बात यह है कि उनके बच्चों ने कूड़ा बीनना बंद कर दिया है और उसके बजाय स्कूल जाते हैं।

### एक दूसरे की मदद करना

यह हर किसी की जिम्मेदारी है कि वह सुनिश्चित करे कि हर जगह लोग, खासकर बच्चों को रहने के लिए एक सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण मिले। हम कूड़ा लेने एवं पर्यावरण के बारे में ज्ञान का प्रसार करने के लिए एक दूसरे की मदद कर सकते हैं। लेकिन विश्व के नेताओं को भी अपना वादा रखना चाहिए: 2030 तक संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक सतत् विकास लक्ष्य प्राप्त करने और चरम गरीबी उन्मूलन, असमानता एवं अन्याय को कम करने तथा जलवायु संकट का समाधान करने के लिए लड़ने का वचन। फिर निशा और सिद्रा जैसे बच्चे स्वयं यह चयन में सक्षम होंगे कि वे बड़े होकर क्या करना चाहते हैं।

# निशा और सिदरा कूड़ा रहित पीड़ी

हर दोपहर जब निशा स्कूल से घर लौटती है तब वह ईंटें बनाती है। उसका परिवार ऋण दास है और निशा को उनके कर्ज का भुगतान करने में मदद करनी पड़ेगी। जब सिदरा स्कूल में नहीं होती तब वह कूड़ा इकट्ठा करती है और इसे विभिन्न खरीदारों को बेच देती है। पाकिस्तान में दोनों लड़कियों ने वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ कार्यक्रम के माध्यम से बाल अधिकारों को जाना है। अब वे कूड़ा रहित पीढ़ी का भाग बनना चाहती हैं तथा 16 मई को आयोजित किये जा रहे कूड़ा रहित दिवस पर कूड़ा इकट्ठा करना चाहती हैं और अन्य लोगों को सिखाना चाहती हैं कि उन्हें कूड़ा फेंकना क्यों बंद करना चाहिए!

''मैं हर दिन दो सौ ईंटे बनाती हूं।''

''जीवन को बेहतर बनाने का एकमात्र तरीका है शिक्षा।''

''हम अपना प्रथम 'विश्व मतदान दिवस' पहले ही मना चुके हैं।''

निशा, 12 कक्षा 5, ब्रिक स्कूल

''मेरी बहन और माँ हर सुबह चार बजे उठती हैं जिसके बाद वे देर संध्या तक ईंटे बनाती हैं। मेरे मां ने मेरे पिता के इलाज के लिए ईंट भट्ठा मालिक से एक बड़ी राशि उधार ले ली। तब से हम भट्ठा स्वामी के दास की तरह हैं।''

''स्कूल के बाद मैं दोपहर का भोजन पकाती हूं। फिर मैं उसे अपनी मां और बहन को लाकर देती हूं। मैं उनके साथ रहती हूं और हम शाम तक काम करते हैं। मैं हर दिन दो सौ ईंटें बनाती हूं।''

''मालिक और मुंशी (पर्यवेक्षक) भट्ठे पर काम कर रहे बच्चों से अच्छा व्यवहार नहीं करते। वे हम पर चिल्लाते हैं और अक्सर हम को निर्दयता से पीटते हैं। मैं उदास हो जाती हूँ और अपने काम को तेज़ी से करने लगती हूं। मुझे लगता है कि यदि मैं अधिक ईंट बनाऊंगी तो हम अपने कर्ज का भुगतान कर सकेंगे और तब इस काम से मुक्त हों जाएंगे।''

''बाकी शाम को मैं अपने स्कूल से मिला 'होमवर्क' करती हूं। हम केवल क्रिसमस पर कपड़े या जूते खरीद सकते हैं, लेकिन ईश्वर को धन्यवाद देती हूं कि हमें स्कूल जाने का अवसर मिला। मैं अपनी शिक्षा में कड़ी मेहनत करती हूं। मैं एक डॉक्टर बनना चाहती हूं और अस्पताल खोलना चाहती हूं। तब मैं अपनी मां और बहन के लिए कपड़े और जूते खरीदूंगी और उन्हें ईंट भट्ठे पर कोई काम नहीं करना पड़ेगा। मैं कभी स्कूल जाना नहीं छोड़ूँगी क्योंकि मुझे पता है कि शिक्षा ही जीवन को बेहतर बनाने का एक–मात्र तरीका है।''

''मैंने जान लिया है कि मेरे भी अधिकार हैं, यह कि सभी बच्चे महत्वपूर्ण होते हैं और सब लागों को हमारे अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। यहाँ सब लोग सोचते हैं कि लड़के हम लड़कियों से बेहतर हैं। इस सोच को बदलना होगा और लड़कियों का सम्मान किया जाना चाहिए!''

''मुझे यह विचार अच्छा लगता है कि हमको 'कूड़ा रहित पीड़ी' समझा जाए। कूड़ा सबके लिए बुरा हो सकता है, दोनों लोगों एवं जानवरों के लिए। हमें हर जगह कूड़ा फेंकना रोकना होगा और वयस्कों को भी समझाना होगा कि वे ऐसा करना बंद करें। हमको अन्य देशों के बच्चों के साथ कूड़ा रहित दिवस में भाग लेना बहुत अच्छा लगेगा।''

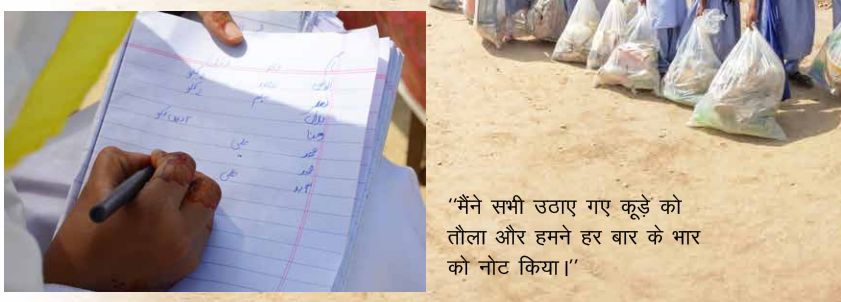

''मैंने सभी उठाए गए कूड़े को तौला और हमने हर बार के भार को नोट किया।''

# का भाग हैं

सिदरा, 12 कक्षा 3, ब्रिक स्कूल

''हम इन तंबूओं में पैदा हुए हैं और हमारी जीवन यात्रा इन तंबूओं में ही समाप्त होगी। मेरे परिवार के सभी सदस्य सप्ताह में सात दिन कचरा बटोरते हैं। हम इसे विक्रेताओं को बेचते हैं और उस पैसे से भोजन खरीदते हैं।''

''मैं सदैव से आश्चर्य करती हूँ कि लोग इतना सारा भोजन क्यों बर्बाद करते हैं? लेकिन इस तरह हम हमेशा भोजन मिलता रहता है, जो हम कभी बाज़ार से नहीं खरीद पाते। कभी–कभी हम खिलौने पा जाते हैं। अधिकांश खिलौने क्षतिग्रस्त होते हैं, लेकिन हमारे खेलने के लिए एकदम सही। हम कभी नए वस्त्र नहीं खरीदते, हम केवल वही वस्त्र पहनते हैं जो हमें कचरा में मिलते हैं।''

### मेरा चमत्कार!

''एक दिन जब मैं उठी तो मेरे पिता ने मुझसे कहा: ''तुम आज कूड़े उठाने नहीं जा रही हो, पर स्कूल जा रही हो।'' यह एक चमत्कार था! मैंने अपने सपनों में भी स्कूल जाने के बारे में नहीं सोचा था। मैं बहुत खुश थी। एसा पहले मेरे परिवार में कभी नहीं हुआ था।''

''एक बात मुझे बुरी लगी। अन्य छात्रों ने मेरा मज़ाक बनाया क्योंकि मैं वही थी जिसे लोग 'खान बादोश' लड़की (बंजारन) कहते हैं। मुझे नहीं पता था कि लोग हमसे नफरत क्यों करते हैं। हम उन्हीं के जैसे हैं! लेकिन मेरे शिक्षा के लिए जुनून ने मुझे इसे सहन करने में मदद की और बाद में मैंने स्कूल में मित्र बनाये!''

''जब मैंने स्कूल जाना शुरू कर दिया तो अन्य लागों ने भी अपने बच्चों को स्कूल भेजना शुरू कर दिया। शिक्षा के माध्यम से मैं समाज में सम्मान पा सकती हूं। मैं शिक्षा पाने और एक सामाजिक कार्यकर्ता बनने के लिए कड़ी मेहनत करती हूं, जिससे मैं अपने लोगों के अधिकारों के लिए लड़ सकूं।''

''मुझे पता चला कि सभी बच्चों के अधिकार हैं। यह एक अद्भुत अनुभव था। लेकिन यहां वयस्कों को शिक्षित करने की आवश्यकता है जिससे वे लड़कियों के अधिकारों का सम्मान करना शुरू करें।''

''स्कूल के बाद मैं सदैव कूड़ा एवं कचरा उठाती हूं। जब हम कचरा इकट्ठा करती हूँ तो अन्य लोग हमारे साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे मानो हम इंसान नहीं हैं। और विक्रेता हमारे कूड़े का भार करते समय अक्सर हमको धोखा दे देते हैं।''

''हम हमेशा कूड़े से घिरे रहे हैं। कूड़े के बिना और भी अच्छा रहा होता। लेकिन फिर हम पैसे कैसे कमाते? मैं अब भी कूड़ा रति पीढ़ी से जुड़े हुए खुश हूं। हमें कूड़े के बारे में लोगों को सिखाने, पर्यावरण के प्रति जागरूक होने और उनकी आदतों को बदलने की जरूरत है। यह सुंदर होगा जब हम कूड़ा रहित दिवस पर कूड़ा उठाएंगे।''

''स्कूल जाना एक चमत्कार था।''

### कूड़ा रहित दिवस स्कूल के लिए भुगतान करता है

निशा और उसके मित्र 'कूड़ा रहित दिवस' के दौरान उठाये गये कूड़े को विक्रेताओं को बेचेंगे। जो पैसा उनको मिलेगा वह उनके स्कूल के खर्चों में उपयोग किया जाएगा। सिदरा और उसके मित्र भी उस दिन उठाए गए कूड़े से जो पैसा पाएंगे वह उनकी स्कूली शिक्षा में इस्तेमाल हो जाएगा।

PHOTO: ALI HAIDER

### 'कूड़ा रहित पीढ़ी' कूड़ा बटोरते

निशा और उसके दोस्त पहले से ही 'कूड़ा रहित पीढ़ी' का भाग बन चुके हैं, और यहां निशा उस कूड़े का भार लेती है जो उन्होंने वहां से बटोरा है जहां वो रहते हैं और ईंट के भट्ठा से।

# आपको कितनी पृथ्वीयों की आवश्यकता है?

लोग आज इस तरह रह रहे हैं जिसके लिए प्रकृति द्वारा प्रदान किये गए संसाधनों से अधिक की आवश्यकता होती है। हमारे पास केवल एक ही पृथ्वी है, लेकिन वैश्विक स्तर पर हम भोतन कर रहे हैं, यात्रा कर रहे हैं और पृथ्वी के संसाधनों का उपभोग कर रहे हैं जैसा मानो हमारे पास 1.7 पृथ्वीयां हों।

ग्रह पर प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तिगत प्रभाव को पारिस्थितिकीय पदचिह्न कहा जाता है। इसके विपरीत, अर्थात पर्यावरण के लिए अच्छी चीजें करने को पारिस्थितिकीय हैंडप्रिंट कहा जाता है। कुवैत, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश प्रति व्यक्ति सबसे बड़े पारिस्थितिकीय पदचिह्न वाले हैं। यह उन सामानों के बारे में है जो हम खरीदते हैं, हम खाते हैं, हम कैसे यात्रा करते हैं और हम अपशिष्ट का निपटान कैसे करते हैं। पृथ्वी के संसाधनों का जितना अधिक हम उपयोग करते हैं, उतना अधिक पर्यावरण प्रभावित होता है।

## पदचिह्न क्या है?

आपका पारिस्थितिकीय पदचिह्न पृथ्वीयों की संख्या के बराबर है जिसकी आवश्यकता होती, यदि हर कोई आपके जैसा रहता होता। अधिक पृथ्वी, आपकी जीवनशैली ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन को प्रभावित कर रही है। पदचिह्न को हमारे प्राकृतिक पर्यावरण में छाप के रूप में वर्णित किया जा सकता है जो प्रत्येक व्यक्ति पृथ्वी की सतह पर पीछे छोड़ देता है। आपके पारिस्थितिक पदचिह्न का आकार इस बात पर निर्भर करता है कि आप जो भी उपयोग करते हैं, उसका उत्पादन करने के लिए क्षेत्र को कितना बड़ा होना आवश्यक है। इसमें बढ़ते भोजन के लिए भूमि, जानवरों, मछली पकड़ने का पानी, जंगल, जहां आप रहते हैं और स्कूल या काम आदि के लिए चरागाह प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, कारों, बसों और हवाई जहाज़ों के लिए ध ातु और प्लास्टिक की आवश्यकता होती है। वे तेल और पेट्रोल से चलती हैं। फिर पदचिह्न की तुलना भूमि और संसाधनों से की जाती है जो पृथ्वी पर उपलब्ध हैं।

यदि आप जो खरीदते हैं और आपके द्वारा उपयोग की जाने वाली ऊर्जा को इस तरह से उत्पन्न किया जाता है कि उसका प्राकृतिक पर्यावरण पर कम से कम संभावित प्रभाव पड़ता है, तो आपके पदचिह्न छोटे होंगे। उदाहरण के लिए, यदि आप जिस बस में यात्रा करते हैं वह पेट्रोल जैसे जीवाश्म ईंधन पर नहीं चलती है। सब्जियां, चावल और फल जैसे खाद्य पदार्थ जहां आप रहते हैं, के करीब उगाए जाते हैं, यदि आप विश्व के दूसरी तरफ उगाए गए भोजन को खाते हैं और आपको पहुंचाते हैं तो एक छोटे पदचिह्न का उत्पादन करते हैं।

## अधिक अपशिष्ट बनाना

हम केवल पृथ्वी के उत्पादन के मुकाबले ज्यादा उपयोग नहीं कर सकते हैं, हम बड़ी मात्रा में अपशिष्ट का निपटारा भी करते हैं। धनवान देशों में, प्रति व्यक्ति कचरे की मात्रा पिछले 20 वर्षों में गुणा हो गई है। एक सप्ताह में आपका घर कितना कचरा बनाता है?

और अपशिष्ट में कार्बन डाइऑक्साइड भी शामिल होती है, तो गैस हवा में मिल जाती है जब हम तेल, पेट्रोल और कोयले का उपयोग करते है या कचरा और लकड़ी जलाते है। कार्बन डाइऑक्साइड वह कचरा है जो सबसे अधिक बढ़ रहा है, और स्वीडन में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन हमारे पारिस्थितिक पदचिह्न का एक बड़ा भाग बनाता है। यह वैश्विक जलवायु परिवर्तन में योगदान देता है, जो अधिक से अधिक लोगों को उन स्थानों को त्यागने के लिए मजबूर कर रहा है जहां उन्होंने अपने सभी जीवन जीये हैं। सूखा और मूसलाधार वर्षा, बाढ़, महासागरों के अम्लीकरण और/या बढ़ते समुद्र के स्तर का मतलब है कि वे अब वहां जीवित नहीं रह सकते हैं।

## धनवान लोगों का अधिक बड़ा पदचिह्न है

विश्व की आबादी का लगभग पांचवां भाग कुल खपत का 80 प्रतिशत से अधिक है। धनवान लोगों के पास सबसे बड़ा पारिस्थितिकीय पदचिह्न हैं, जबकि गरीबी में रहने वाले लोग बहुत छोटे पैरों के निशान छोडते हैं। कई देशों में, विभिन्न लोगों के पारिस्थितिक पदचिह्नों के बीच एक बड़ा अंतर है। ब्राजील में, उदाहरण के लिए, अमेजॅनस में एक स्वदेशी समुदाय के एक बच्चे को लगभग कोई पदचिह्न नहीं छोड़ता है, जबकि एक खेत के मालिक की अपनी कार और नौकाएं होती हैं, एयर कंडीशनिंग के साथ एक हवेली, एक पूल और बहुत सारे इलेक्ट्रॉनिक्स एक विशाल पदचिह्न छोड़ देते हैं ।

## सबसे बड़ा पदचिह्न

प्रति व्यक्ति विश्व का सबसे बड़ा पारिस्थितिकीय पदचिह्न कतर द्वारा छोड़ा गया है। देश में कुछ निवासी हैं, लेकिन वे धनवान हैं और उड़ान भरने, कारों को चलाने और एयर कंडीशनिंग का उपयोग करके कार्बन डाइऑक्साइड के पर्याप्त उत्सर्जन में योगदान करते हैं (यह देश के रेगिस्तानी जलवायु में लगभग 60 डिग्री के तापमान तक पहुंच सकता है)।

## तुम क्या कर सकते हो?

इस बारे में सोचकर कि आपकी जीवनशैली प्राकृतिक पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन को कैसे प्रभावित करती है, आप बेहतर वातावरण के लिए एक बड़ा और महत्वपूर्ण पारिस्थितिक हैंडप्रिंट बना सकते हैं। आपके दैनिक जीवन में छोटे बदलाव आपके भविष्य और दूसरों के भविष्य पर एक बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। यह कूड़ा नहीं फेंकने से पानी बचाने तक कुछ भी हो सकता है। अपनी खुद की हैंडप्रिंट सूची बनाएं जो आप पहले से कर रहे हैं तथा आप और क्या करना चाहते हैं।

जलवायु न्याय के लिए लड़ रहे हैं

16 वर्षीय जेमी जलवायु न्याय के लिए लड़ रही है और आवश्यक जलवायु परिवर्तन कानूनों को अपनाने के लिए वाशिंगटन, यूएसए के अपने गृह राज्य चाहता है। जेमी ने शून्य घंटा शुरू किया है, एक आंदोलन जो जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयास में बच्चों और युवाओं को आवाज देता है।

"आइए युवा लोग आंदोलन करें जो हमारे निर्वाचित नेताओं को जलवायु परिवर्तन को अनदेखा करना बंद कर देता है!"
जेमी, 16

## जलवायु के लिए हड़ताल पर ग्रेटा

2017 में स्वीडन के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, लेकिन अगर स्वीडन को निर्धारित किए गए जलवायु लक्ष्यों को हासिल करना है, तो उत्सर्जन में हर साल 5–8 प्रतिशत की कमी होगी! 15 वर्ष की उम्र से ग्रेटा पर्यावरण के लिए प्रचार कर रही है। जब स्वीडन के सितंबर 2018 में आम चुनाव हुआ, तो उसने सोचा कि राजनेता जलवायु के बारे में बात नहीं कर रहे थे या पर्याप्त नहीं कर रहे थे। तो वह दो सप्ताह से अधिक समय तक स्कूल से हड़ताल पर गई और स्कूल के दिन स्वीडन की संसद भवन के बाहर बैठ गई।

JESSICA GOW/TT

"जलवायु के लिए विरोध करना मेरी नैतिक जिम्मेदारी है। राजनीतिज्ञों को अर्थव्यवस्था से पहले पारिस्थितिकता रखनी चाहिए! "
*ग्रेटा, 15।*

यदि हर कोई विश्व के औसत निवासियों की तरह रहता है, तो हमें 1.7 पृथ्वीयों की आवश्यकता होगी। और अगर हर कोई रहता है जैसे वे रहते हैं ...

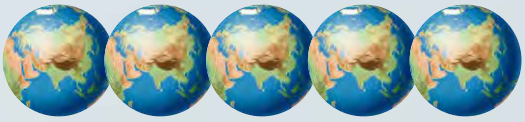

... उत्तरी अमेरिका = 5 पृथ्वीयां

... अफ्रीका = 0.8 पृथ्वीयां

... यूरोप = 2.8 पृथ्वीयां

... एशिया = 0.7 पृथ्वीयां

... दक्षिण अमेरिका = 1.8 पृथ्वीयां

## सूची में आपका देश कहां है?

सूची विश्व के कुछ देशों और प्रति व्यक्ति पारिस्थितिकीय पदचिह्न के आकार की सूची में उनकी स्थिति दिखाती है। सूची के नीचे, देश के पदचिह्न छोटे।

1.कतर
2. लक्समबर्ग
3. संयुक्त अरब अमीरात
6. यूएसए
7. कनाडा
9. डेनमार्क
11. ऑस्ट्रेलिया
15. स्वीडन
18. फिनलैंड
19. नॉर्वे
32. रूस
38. जर्मनी
39. माल्टा
42. यूनाइटेड किंगडम
43. जापान
45. फ्रांस
47. इजराइल
65. चीन
67. पुर्तगाल
75. दक्षिण अफ्रीका
86. ब्राजील
98. मेक्सिको
121. घाना
141. बर्मा / म्यांमार
146. तंजानिया
147. ग्विनिया
150. बेनिन
151. कंबोडिया
152. बुर्किना फासो
153. कोट डी'आईवोयर
153. ग्विनिया बिस्साऊ
154. कैमरून
156. सियरा लियोने
158. कांगो–ब्राजाविल
160. लाइबेरिया
161. युगांडा
163. भारत
164. नाइजीरिया
165. सेनेगल
166. टोगो
167. फिलीपींस
169. जिम्बाब्वे
170. केन्या
171. नेपाल
177. मोजाम्बिक
181. पाकिस्तान
184. डीआर कांगो
185. हैती
186. बुरुंडी

आपका देश नहीं देख सकते तो आप data.footprintnetwork.org पर ऑनलाइन पूरी सूची पा सकते हैं आप इस वेबसाइट का उपयोग अपने स्वयं के, व्यक्तिगत पारिस्थितिकीय पदचिह्न की गणना के लिए भी कर सकते हैं।

स्रोत: वैश्विक पदचिह्न नेटवर्क

### वैश्विक लक्ष्य

गरीबी, ऊर्जा और जलवायु सभी जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि वैश्विक लक्ष्यों में सभी लोगों को साफ बिजली और हीटिंग देने और पानी एवं भोजन सुरक्षित प्राप्त करने का अधिकार शामिल है।

### ओवरशॉट दिवस

मानवता एक वर्ष में अधिक संसाधनों का उपयोग कर रही है, जैसे ऊर्जा, भोजन और वनस्पति, प्राकृतिक वातावरण उस वर्ष के अंत तक फिर से बनाने में सक्षम है। हर साल, शोधकर्ताओं का एक समूह प्राकृतिक पर्यावरण पर हमारी खपत के प्रभाव की गणना करता है। जिस तारीख से हमने अपने संसाधनों का उपयोग किया है उसे *ओवरशूट दिवस* कहा जाता है। 2018 में, वह तारीख 1 अगस्त थी, इसलिए साल के अंत से पांच महीने पहले!

नो लिटर दिवस पर, हर जगह बच्चे दिखाते हैं कि वे नो लिटर जनरेशन का भाग हैं। पाकिस्तान में, जहां मीडिया में बच्चों की आवाजें शायद ही कभी सुनाई जाती हैं, बच्चों के प्रेस कॉन्फ्रेंस ने कई पत्रकारों को आकर्षित किया, और अधिक स्वच्छ पर्यावरण के लिए बच्चों की पहल को कई टीवी चौनलों के मुख्य समाचारों में भी दिखाया गया।

सबा ने कहा, "हम अधिक कूड़ेदानों की मांग करते हैं, इसलिए हम इसे जमीन पर छोड़ने के बजाय कूड़े को फेंक सकते हैं।" उसके दोस्त शमून, जो एक ईंट भट्ठी पर ऋण दास के रूप में बड़े हुए, ने समझाया कि कूड़ा दोनों लोगों और पर्यावरण के लिए खतरनाक है:

"जब ईंट भट्ठी श्रमिक ईंटों के लिए मिट्टी को मिलाते हैं, तो वे अक्सर कांच के टुकड़ों पर बुरी तरह कट जाते हैं जो लोगों ने जमीन पर फेंक दिये होते हैं।"

नेपाल

फिलीपींस

# विश्व भर में

पाकिस्तान

साबा और शमून (बीच में) पाकिस्तान में बाल प्रेस सम्मेलन का नेतृत्व करते हैं।

बेनिन

कैमरून

"एक गंदा वातावरण अधिक कूड़ा पैदा करता है क्योंकि जब लोग गंदगी एवं अपशिष्ट से घिरे होते हैं तो वे उसकी देखभाल करना बंद कर देते हैं और फिर स्थिति और भी बदतर हो जाती है।"
तफुआ, 16, एच.आई.एम.एस. बी.यू.ई.ए.

बुरुन्डी

"हमें अपने दोस्तों और माता–पिता को सिखाना चाहिए कि कूड़े से निपटने की जरूरत है।"
*जोएल, 14, ई.पी. योबा स्कूल*

"जलवायु परिवर्तन मेरे जीवन को प्रभावित कर रहा है, जैसे जब वर्षा होती है तब मेरे घर में बाढ़ आ जाती है।"
*सेनी, 10, प्रिवी नंगलोम इवांजेलिक स्कूल*

"मैं अपने माता–पिता से कहता हूं कि उन्हें कूड़े को फेंकना या जंगल और झाड़ियों को जलाना नहीं चाहिए क्योंकि यह पर्यावरण के लिए बुरा है।"
*एस्सेटा, 10, सी.एम.आई. प्रिवी डब्लू.ए.*
मालगाबा डे पाल्ग्रे

बर्किना फासो

# नो लिटर दिवस

"भविष्य में पीढ़ियों को बचाने के लिए, मैं इस ज्ञान को अपने बच्चों और पोते–बच्चों को देने करने जा रहा हूं।"
*पिटुवा, 12,*
*उजियो वा हेरी स्कूल*

डीआर कांगो

"अगर हम कूड़े की स्थिति की बेहतर देखभाल करते हैं, तो इससे मलेरिया और दस्त जैसे बीमारियों की समस्या कम हो जाएगी।"
*मेवेनेके, 13, एस्पेस एमी यूनिवर्सल–स्कूल*

बर्मा / म्यांमार

"हमने अपने गांव में प्लास्टिक के थैले और बोतलों को इकट्ठा किया और यह पहली बार था जब हमने कूड़ा बटोरने का आयोजन किया था। मेरे छोटे गांव में ज्यादा प्लास्टिक नहीं है, हम अधिकतर पत्तियों और बांस से बने बैगों एवं टोकरीयों का उपयोग करते हैं। "
*नो शा, 12, मी वाह डर्न स्कूल*

कोटे डी'आईवोयर

सियरा लिओने

सेनेगल

नाइजीरिया

घाना

कांगो ब्रैजाविल्ले

स्वीडन

ग्विनिया बिस्साऊ

मोज़ाम्बिक

"नो लिटर दिवस बस सफाई रखने के बारे में ही नहीं है, यह बच्चों, वयस्कों, शिक्षकों और अन्य नागरिकों को कूड़ेपन की समस्या के समाधान पर जागरूक करने के लिए है!"
*एस्थर, 15 ई.ए.एम. स्कूल*

"मैं दो 'बातों' का प्रचार कर रहा हूं – 50 प्रतिशत 'बाल अधिकारों को फैलाएं' और 50 प्रतिशत 'अपनी जगह साफ रखें'। और यह मैं कर रहा हूं, 100 प्रतिशत! "
*एस्पोइर, 12, ई.ए.एम. स्कूल*

टागो

# हम नो लिटर

किम्बरले और हसन नो लिटर दिवस के लिए तैयार हैं।

''आज नो लिटर दिवस पर, हमारे बच्चों ने हमारी आवाज उठाई इसलिए शहर में हर किसी ने हमें सुना। क्योंकि अगर हम अपने पर्यावरण की देखभाल नहीं करते हैं, तो ग्रह पर सभी बच्चों के लिए जीवन कठिन और छोटा हो जाएगा। और यह बात हम, नो लिटर जनरेशन, नहीं स्वीकार करेंगे!'' डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत हसन, 12, कहता है जो जिम्बाब्वे के मुरेवा शहर में रहता है। वह और उसके राजदूत मित्र किम्बर्ले पर्यावरणीय मुद्दों को बहुत गंभीरता से लेते हैं।

डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूतों को बाल अधिकारों में बहुत प्रशिक्षण दिया गया है। मैंने सीखा है कि एक स्वच्छ वातावरण बाल अधिकारों में से एक में गिना जाता है। मैं इससे पहले यह नहीं जानता था। एक डब्लूसीपी राजदूत के रूप में, अब हम स्वच्छ पर्यावरण और बच्चों के स्वास्थ्य के अधिकार के लिए लड़ रहा हूं। यह वास्तव में महत्वपूर्ण है! हमारे नो लिटर जनरेशन के सदस्य पिछली पीढ़ियों के कूड़ेपन और हमारे पर्यावरण की देखभाल में असफल होने को स्वीकार नहीं करते हैं। यह बदलाव का समय है! हम आशा करते हैं कि जो हमने नो लिटर दिवस पर शहर में सबके सामने प्रदर्शन किया और मांग की कि वयस्कों का व्यवहार बदलें, एक अच्छी शुरुआत थी।''

## पर्यावरण क्लब

''अन्य राजदूत और मैं सप्ताह में दो बार मिलते हैं, क्योंकि हम स्कूल के पर्यावरण क्लब में भी हैं। क्लब में हम सीखते हैं कि पर्यावरण के लिए रीसाइक्लिंग कितना महत्वपूर्ण है। लिटर पर्यावरण को दूषित करता है और लोगों को बीमार बनाता है। हम वर्षा के मौसम के लिए वर्षा टोपी बनाने के लिए प्लास्टिक बैग को रीसायकल करने के तरीके सीखते हैं, और हमने पुरानी बियर और रस की बोतलों से पचास कचरे के डिब्बे बनाये हैं, जो लोग असहज कबाड़ देखते हैं। हम ऐसी चीजें बनाते हैं जो उपयोगी, सुंदर और सस्ती होती हैं। आप वास्तव में एक महंगा नया कूड़ेदान खरीदने के बजाय पुरानी बोतलों या बोतलों के ऊपर के भाग से एक छोटा कूड़ेदान बना सकते हैं। और यह होशियारी है!

''हम जो कुछ भी सीखते हैं हम स्कूल सभा के अन्य लोगों के साथ साझा करते हैं।''

## लड़कियों के अधिकार

''जब मैंने बाल अधिकार राजदूत का प्रशिक्षण लिया था, तब मैंने लड़कियों के अधिकारों के बारे में बहुत कुछ सीखा। यह कि उसे बाल विवाह में मजबूर करना, उससे घर का सारा भारी काम करवाना, स्कूल जाने से रोकने या उसके सुझावों को नहीं सुनना लड़की के अधिकारों का उल्लंघन है। यहां बहुत से माता–पिता हैं जो अपने बेटों को अधिक महत्व देते हैं और जो वे कहते हैं उसे सुनते हैं। बेटियों की गिनती नहीं है। यहां तक कि जब हम लड़के छोटे होते हैं, तब भी हमें अपनी बड़ी बहनों को यह बताने की अनुमति होती है कि क्या करना है। अगर लड़कियों को लगातार कम मूल्य के रूप में देखा जाएगा और बुरी तरह से इलाज किया जाएगा, तो मुझे लगता है कि अंत में वे स्वयं भी इसे सही मानना शुरू कर देंगी। यह बहुत गलत है! चूंकि लड़कियों के अधिकारों का हमेशा उल्लंघन किया जाता है, और लड़कों के अधिकार हमेशा सुरक्षित रहते हैं, इसलिए मैंने बाल अधिकार राजदूत बनने का फैसला किया जो कि किम्बर्ले और अन्य राजदूतों के साथ लड़कियों के अधिकारों और लिंग समानता के लिए झगड़ा करता है।''

## लिटर–मुक्त स्कूल

''मेरा मानना है कि नो लिटर जनरेशन ने स्कूल में हर किसी को पर्यावरण के बारे में अधिक जानकारी दी है, और यही कारण है कि हम इसकी देखभाल करते हैं। हमारे स्कूल में एकमात्र जगह कूड़ा गिरा दिया गया है, जो हमारे कचरे के डिब्बे में है, जिसे हमने पर्यावरण क्लब में बनाया है!''

# जनरेशन हैं!

### मासिक धर्म पर जानकारी

''मैं लैंगिक समानता और लड़कियों के अधिकारों के महत्व के बारे में अक्सर अपने दोस्तों और दूसरों से स्कूल में बात करता हूं। और मैंने मासिक धर्म के बारे में सामग्री तैयार की है, जिसे हम पर्यावरण क्लब में शेल्फ पर रखते हैं। सैनिटरी तौलिए एवं पैंटी लाइनर तथा अन्य चीजें हैं। लड़कियां खुद की ठीक से देखभाल करना सीख सकती हैं। लेकिन हम लड़कों को भी अवधि के बारे में भी सिखाते हैं, इसलिए वे समझते हैं, चिढ़ाते हैं और लड़कियों का समर्थन कर सकते हैं और सम्मान के साथ उनका इलाज कर सकते हैं। यह सब आखिरकार लड़कियों के अधिकारों के बारे में है! ''भविष्य में, मैं स्कूलों और कार्यस्थलों में बाल अधिकारों और पर्यावरण के बारे में वार्ता करना चाहता हूं।''

*हसन, 12, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत, हूरुगवे प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय*



किम्बर्ले और हसन दोनों शामिल थे और नो लिटर दिवस का आयोजन किया, और कूड़े एकत्र किए।



हसन लिटर दिवस में भाग लेने वाले हर किसी को प्लास्टिक दस्ताने, बैग और सुरक्षात्मक मास्क देता है।













### हसन की अवधि शेल्फ

''हम टमाटर सॉस का उपयोग यह दिखाने के लिए करते हैं कि सैनिटरी तौलिए कैसे काम करते हैं!'' हसन बताता है।

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTO: JOHAN BJERKE

# हम एक हैं!

नो लिटर दिवस के दौरान एकत्रित सभी कूड़े का वजन लिया जाता है।

**हसन का दोस्त किम्बर्ले सोचता है कि लड़कियों और लड़कों के लिए लड़कियों के अधिकारों और पर्यावरण के लिए लड़ाई में एकजुट होना महत्वपूर्ण है यदि उन्हें अच्छे नतीजे मिलने हैं।**

''मैं एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राज. दूत और नो लिटर जनरेशन के सदस्य हसन और कुछ अन्य लोगों के साथ मिल गया। हम हर मंगलवार और गुरुवार को स्कूल में पर्यावरण क्लब में मिलते हैं। हम एक साथ दि ग्लोब पढ़ते हैं और जितना संभव हो उतने बच्चों तक पहुंचने के बारे में बात करते हैं।''

''राजदूतों के रूप में हमारा काम अन्य बच्चों को उनके अधिकारों और पर्यावरण के बारे में सिखाना है। फिर जब वे घर जाते हैं तो वे अपने परिवार और पड़ोसियों को सिखाते हैं। मैं सबसे ज्यादा लड़कियों के अधिकारों के बारे में बात करता हूं। अतीत में, लड़कियों को पूरी तरह से कम से कम देखा गया था और उनकी कीमत नहीं थी, लेकिन हमारी पीढ़ी में हम इन दृष्टिकोणों को बदलने के लिए जो भी कर सकते हैं हम कर रहे हैं। ''

## एक साथ

''यही कारण है कि जब लड़कियों की अधिकारों, लिंग समानता और पर्यावरण की बात आती है तो लड़कों के साथ मिलकर काम करना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यहां, आदत और परंपरा से बाहर, लोग लड़कों को सुनते हैं जब उनको कुछ कहना होता है, उदाहरण के लिए कि लड़कियों के पास समान अधिकार होने चाहिए, या पर्यावरण महत्वपूर्ण है। अगर हम एक ही बात कहते हैं, तो यह अभी भी होता है कि हमारी राय गिनती नहीं है, और कई लोगों को संदेह है कि हम लिंग समानता नहीं चाहते हैं, लेकिन वास्तव में हम इसे लेना चाहते हैं, हमें लगता है कि हम लड़कों और पुरुषों से बेहतर हैं । जब हम सेना में शामिल होते हैं, तो लोग देखते हैं कि हम वास्तव में बराबर हैं।''

## कोई लिटर नहीं दिवस

''कल हमारा नो लिटर दिवस था, और हमारे बाल अधिकार राजदूतों की बड़ी जिम्मेदारी थी। यह वास्तव में अव्यवस्थित एवं गंदा होता था, लेकिन चूंकि नो लिटर जनरेशन में हम ने लोगों ने पर्यावरण संबंधी मुद्दों से अवगत कराया, मुद्दों में वास्तव में सुधार आया है। यह स्पष्ट है कि लोग मुरेवा में अब कूड़े को इतना नहीं छोड़ना चाहते हैं।

हसन और किम्बर्ले के पर्यावरण क्लब में, कूड़े को किसी नए रूप में बदल दिया गया है ...

... बोतल के शीर्ष बैग बन जाते हैं ...

... जूते ...

... और कुर्सियां ...

... प्लास्टिक बैग वर्षा टोपियां बन जाते हैं ...

... कूड़ेदान वाले डिब्बे ...

... पुराने प्लास्टिक बैग कपड़े बन जाते हैं ...

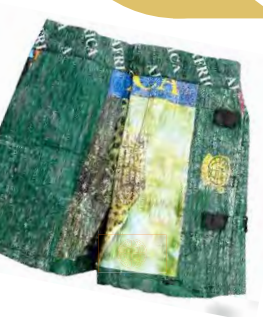

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTO: JOHAN BJERKE

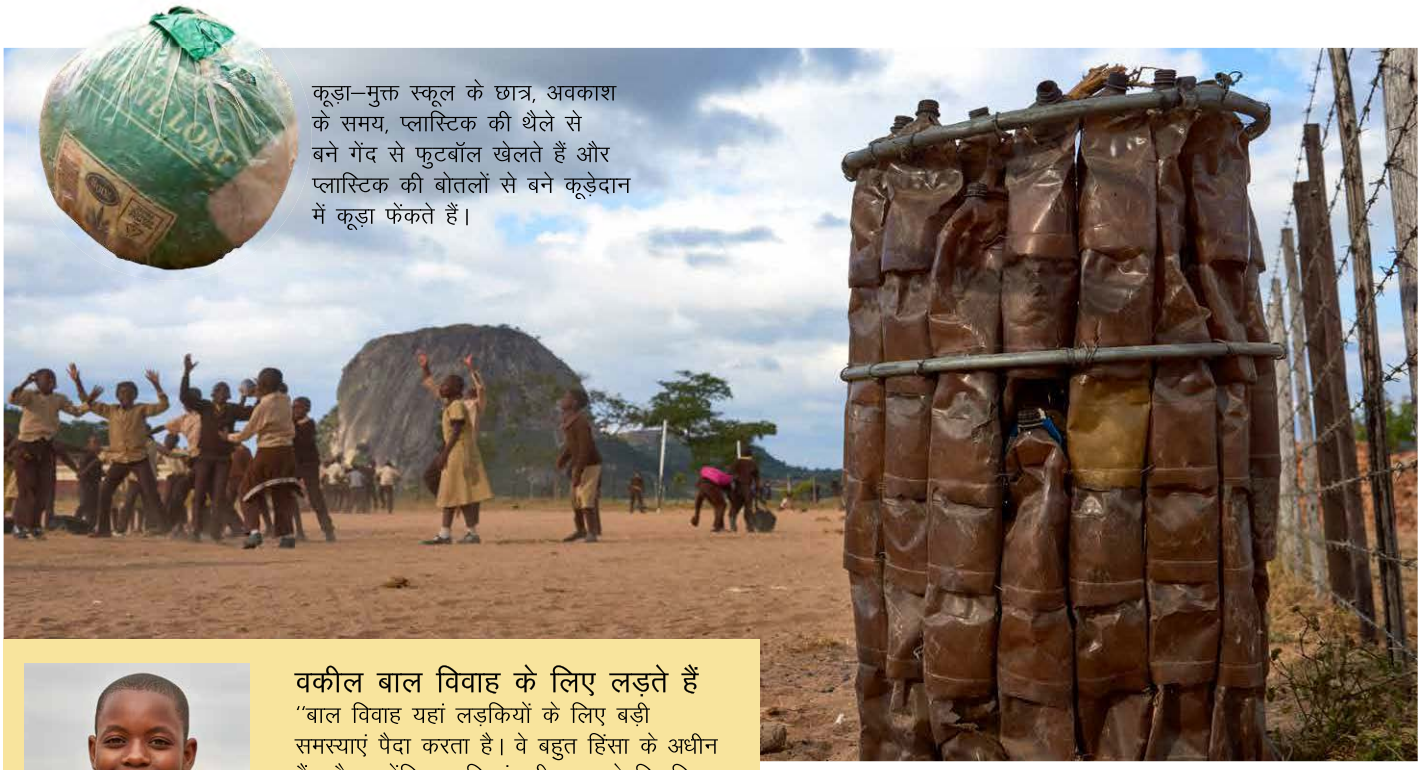

कूड़ा–मुक्त स्कूल के छात्र, अवकाश के समय, प्लास्टिक की थैले से बने गेंद से फुटबॉल खेलते हैं और प्लास्टिक की बोतलों से बने कूड़ेदान में कूड़ा फेंकते हैं।

## वकील बाल विवाह के लिए लड़ते हैं

''बाल विवाह यहां लड़कियों के लिए बड़ी समस्याएं पैदा करता है। वे बहुत हिंसा के अधीन हैं, और क्योंकि लड़कियां पूरी तरह से विकसित नहीं हो पाती है, यदि वे गर्भवती हो जाती हैं, तो उनके साथ गंभीर समस्याएं हो सकती हैं और अंत में वे मर सकती हैं। मेरा सपना बाल अधिकारों का वकील बनना है जो उन बच्चों की रक्षा करे जिनके अधिकारों का उल्लंघन किया गया है,'' किम्बर्ले कहता है।

''पर्यावरण क्लब में हम जमीन पर पड़ी बोतलों से पुराने प्लास्टिक की बोतलों से कूड़ेदान बनाते हैं इसके बजाय कि उनको वैसा ही छोड़ देते जहां वे पर्यावरण को दूषित करतीं। अब पूरे स्कूल में कूड़ेदान हैं, लेकिन हमारा उद्देश्य उनको सार्वजनिक क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर रखना है। हमारे बाल अधिकार राजदूत सिटी काउंसिल को लिखने और सुझाव देने की योजना बना रहे हैं। हम उन्हें नियमित रूप से आने और हमारे स्कूल के कूड़ेदानों को खाली करने के लिए भी कहेंगे, जिससे कूड़ा हमारे बच्चों के लिए यहां एक गंदा एवं अस्वास्थ्यकर वातावरण नहीं पैदा करें। यह हमारे अधिकारों के विरुद्ध होगा। ''

*किम्बरले, 12, डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत,*
*हुरुंगवे प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल*

## दि ग्लोब सुझाव देता है

''दि ग्लोब इतना अच्छा है क्योंकि हम सीखते हैं कि विश्व भर के बच्चों ने अपनी समस्याओं का समाधान कैसे किया है। जब हम स्वयं को इस तरह की परिस्थितियों में पाते हैं, तो हम जानते हैं कि हमें क्या करना है,'' किम्बर्ले कहता है।

हम नो लिटर जनरेशन हैं!

... रस की बोतलें कूड़ेदान बन जाते हैं ...

... बिस्कुट पैकेट टोपी बन जाते हैं ...

... प्लास्टिक पैकेजिंग टूथब्रश धारक बन जाता है ...

... और पुराने टायर एवं शौचालय फूलों के लिए बागान बन जाते हैं!

## हम वयस्कों को सिखाते हैं!

''आज हमने सारे शहर में प्रदर्शन किया और वयस्कों को सिखाया कि उन्हें कूड़े को नहीं फेंकना चाहिए, और रीसाइक्लिंग का महत्व भी। बहुत से वयस्क इस बात को नहीं जानते क्योंकि उन्होंने स्कूल में पर्यावरण के बारे में कभी नहीं सीखा। हम डब्लूसीपी कार्यक्रम और नो लिटर जनरेशन के माध्यम से बहुत सी नई चीजें सीखते हैं। अब हमारे पास वयस्कों को सिखाने का मौका है!''

''भविष्य में, मैं एक डॉक्टर बनना चाहती हूं।''

न्याशा, 12

## हर जगह गंदगी और कांच की बोतलें

''आज हमारे वहां कोई लिटर नहीं दिवस था, जब हमने अपने क्षेत्र को साफ करने में मदद की। शहर के कुछ भागें बहुत गंदे हैं। कागज, नैपी पैडं, कांच की बोतलें, प्लास्टिक की बोतलें और पुराने बियर के कैन हर जगह पड़े थे। कूड़ा बहुत से लोगों को बीमार बनाता है और कई बच्चे स्वयं को टूटी हुई कांच की बोतलों से चोटिल हो जाते हैं। तुमको कोलेरा और टेटनस हो सकता है, और तुमको अच्छे उपचार की आवश्यकता है अन्यथा तुम मर सकते हो। लेकिन यहां पर बहुत से लोग डॉक्टर के पास जाने का जोखिम नहीं उठा सकते। अगर हम बच्चे प्रभारी होते, तो बाहर कोई कूड़ा नहीं होता!

''मैं एक पायलट बनने का सपना देखता और विश्व को देखने चाहता हूं।''

*ली, 12*

## कूड़ेदानों का प्रयोग करें!

''नो लिटर जेनरेशन ने मुझे सिखाया है कि कचरा डिब्बे में सभी कूड़े फेंकना वाकई महत्वपूर्ण है, जमीन पर नहीं। उदाहरण के लिए, यदि आप प्रयुक्त नापियों को फेंक देते हैं, तो कुत्ते आ सकते हैं और उन्हें खा सकते हैं। तो शायद कुत्ते घर पर प्लेटों चाटना और फिर लोग वास्तव में बीमार हो सकते हैं। यह गलत है, क्योंकि हमें बच्चों को स्वच्छ वातावरण में रहने का अधिकार है, और हमारे पास स्वास्थ्य का अधिकार है।

''भविष्य में, मेरा सपना डॉक्टर बनना है।''

*प्रिवेलेज, 12*

## स्वच्छ वातावरण का अधिकार!

''मैंने सीखा है कि सभी बच्चों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण का अधिकार है। डब्लूसीपी कार्यक्रम हमें अपने अधिकारों और खुद को बचाने के तरीके के बारे में सिखाता है। बहुत सी लड़कियों पर हमले होते है, लेकिन यह मामले अक्सर दबा दिये जाते हैं। लेकिन अब हम जानते हैं कि ये हमले हमारे अधिकारों का उल्लंघन हैं और इनकी हमें पुलिस को रिपोर्ट करने की आवश्यकता है। डब्लूसीपी वास्तव में महत्वपूर्ण है!

''मैं एक न्यायाधीश बनने का सपना देखता हूं और उन मामलों में विशेषज्ञता देता हूं जहां बच्चों से यौन शोषण किया गया है।''

*रुविम्बो, 12*

## कोई लिटर राजदूत नहीं

''मैं पर्यावरण और पर्यावरण प्रदूषण में विशेषज्ञ हूं क्योंकि मेरे लिए यह सबसे महत्वपूर्ण बाल अधिकार मुद्दा है। नो लिटर दिवस से पहले, टीवी पर रेडियो जिम्बाब्वे और गुड मॉर्निंग जिम्बाब्वे पर मेरा साक्षात्कार प्रसारित किया गया था। मैं हर किसी, बच्चों और वयस्कों को समझाता हूं कि पर्यावरण एक बाल अधिकार का मुद्दा है! ''

*नेटाली, 17, जिम्बाब्वे के चुने गए नो लिटर राजदूत*

TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTO: JOHAN BJERKE

जिम्बाब्वे का कोई लिटर राजदूत नहीं है।

# हम विश्व को बेहतर बनाने जा रहे हैं!

**"पिछली पीढ़ियों ने हमारे ग्रह को बर्बाद कर दिया है। लेकिन हम में से जो नो लिटर जनरेशन में शामिल हो गए हैं, वे विश्व को बेहतर बनाने जा रहे हैं। और यदि हमारे बाद आने वाली पीढ़ी पर्यावरण के बारे में और भी ज्ञान प्राप्त करती है, तो यह ग्रह को फिर से रहने के लिए एक शानदार जगह बना देगा। यही कारण है कि मेरा काम इतना महत्वपूर्ण है!" 17 वर्षीय नेटाली कहती है, जो जिम्बाब्वे की नो लिटर राजदूत है।**

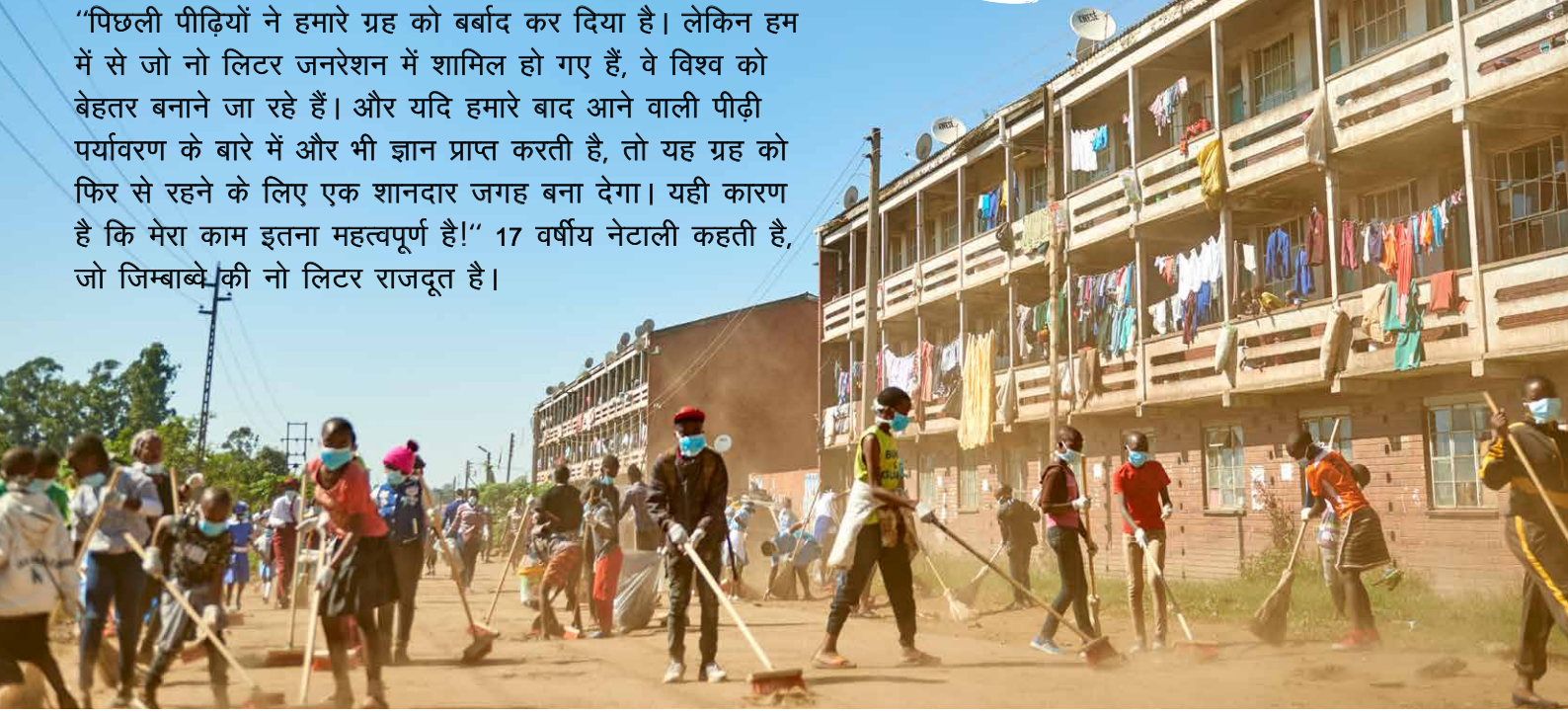

"मैं भाग्यशाली हूं किमुझे बाल अधिकारों में प्रशिक्षण और वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के माध्यम से नो लिटर जनरेशन के लिए चुना गया है। अब मैं एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत हूं और मैंने पर्यावरण और पर्यावरण प्रदूषण में विशेषज्ञ होने का फैसला किया है क्योंकि मेरे लिए यह सबसे महत्वपूर्ण बाल अधिकार मुद्दा है। सभी बच्चों को स्वच्छ वातावरण और अच्छे स्वास्थ्य का अधिकार है। और खेलने का भी!

"लेकिन जब बच्चे कूड़े, कांच की बोतलें और स्प्लिंटर्स हर जगह खेलते हैं तो वे कैसे खेल सकते हैं कि वे खुद को चोट पहुंचा सकते हैं? मेरे दोस्तों में से एक चार साल पहले रोग टायफाइड से मर गया था, जो कूड़ेदान और दूषित वातावरण के कारण हुआ था। वह सिर्फ 14 साल का था। यह दुखद और गलत है, और यही वजह है कि मैंने पर्यावरणीय मुद्दों में दिलचस्पी लेना शुरू कर दिया।"

## संयुक्त राष्ट्र विकास लक्ष्य

"मैंने डब्लूसीपी और दि ग्लोब के माध्यम से पर्यावरण के बारे में बहुत कुछ सीखा है। अब मुझे पता है कि संयुक्त राष्ट्र ने 2030 के लिए अपने प्रमुख वैश्विक सतत् विकास लक्ष्यों में से एक अधिक स्वच्छ पर्यावरण बनाया है, और मुझे लगता है कि यह वास्तव में अच्छा और बिल्कुल जरूरी है।"

"पिछली पीढ़ियों ने हमारे ग्रह को उत्सर्जन और कूड़ेदान से बर्बाद कर दिया है। प्लास्टिक और अन्य जहरीले अपशिष्ट हमारी नदियों, झीलों और महासागरों में समाप्त होते हैं और हमारे पीने के पानी को दूषित करते हैं, और हम बीमार हो जाते हैं और मर जाते हैं। यह जानवरों और समुद्र में भी जानवरों के साथ होता है। अगर हमारी पीढ़ी पर्यावरण की देखभाल शुरू नहीं करती है और इसे दूषित करने और कूड़ेदान को रोकना बंद कर देती है, तो हमारे लिए कोई भविष्य नहीं होगा। पूरा ग्रह नष्ट हो जाएगा। मैं अपने भविष्य के लिए लड़ना चाहता हूं!"

**"हम लोगों को पर्यावरण के लिए हमारे काम के बारे में बताने और कूड़ेदान से लड़ने के लिए मीडिया का उपेयोग करते हैं। हम लोगों के ज्ञान को बढ़ाना चाहते हैं," नेटाली बताते हैं।**

## टीवी पर बात कर रहे हैं

"मेरी प्रतिबद्धता का मतलब है कि मुझे पूरे जिम्बाब्वे के लिए नो लिटर राजदूत चुना गया है, और मुझे इस भूमिका पर बहुत गर्व है। मेरा काम हर किसी, बच्चों और वयस्कों को समझा देना है कि पर्यावरण एक बाल अधिकार का मुद्दा है। और एक नो लिटर राजदूत के रूप में, मुझे प्राइम टाइम के दौरान रेडियो और टीवी पर बात करने का अवसर मिला है।"

**"मेरी मां हमेशा कहती है 'स्वच्छता भगवान के बगल में है!" नेटली, हँसते हुए कहती है।**

मोबारे में नो लिटर जनरेशन के कूड़ेदान और समर्थन के खिलाफ प्रदर्शन, जो राजधानी हरारे की सबसे पुरानी टाउनशिप है।

''हरारे के टाउनशिप की राजधानी में हमारे नो लिटर दिवस की दौड़ में, मुझे रेडियो जिम्बाब्वे और टीवी कार्यक्रम गुड मॉर्निंग जिम्बाब्वे पर साक्षात्कार दिया गया था। जब मैंने सभी माइक्रोफोन और कैमरों को देखा और महसूस किया कि पूरे देश में हर कोई मुझे देखेगा और सुनेगा, तो मैं वास्तव में घबरा गई। लेकिन फिर मुझे 'वाओ' की भावना महसूस हुई, अब हर कोई मुझे सुन सकता है! यह इतना महत्वपूर्ण लगा।''

''पत्रकारों ने मुझसे पूछा कि एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत बनने का क्या मतलब है और मुझे लगता है कि बाल अधिकारों और पर्यावरण की बात आने पर सरकार को क्या करना चाहिए। लाखों श्रोताओं और दर्शकों को यह बताने का एक अद्भुत मौका था कि हम अपने भविष्य के लिए युवा लोग क्या चाहते हैं, कि सरकार को हमारे अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए और पर्यावरण के लिए खड़े रहना चाहिए। यह सबसे अच्छा मंच था जिसे हम उम्मीद कर सकते थे!''

''मुझे लगता है कि एक स्वच्छ वातावरण 2030 के लिए संयुक्त राष्ट्र का सबसे महत्वपूर्ण सतत् विकास लक्ष्य है क्योंकि अन्यथा हमारा ग्रह नष्ट हो जाएगा,'' नेटाली कहती है।

मबारे में नो लिटर दिवस में भाग लेने के लिए पंजीकरण।

## कोई लिटर दिवस नहीं

''जब हमने रेडियो और टीवी का इस्तेमाल किया तो हमें शानदार कवरेज मिला। बहुत सारे लोग, वयस्क और बच्चे जो अन्यथा हमारे सफाई दिवस से अवगत नहीं थे, हमारे नो लिटर दिवस पर आये।''

''कई वयस्कों ने मुझे बताया कि वे शर्मिंदा थे कि यह हम बच्चे और युवा लोग थे जो गंभीर समस्याओं को इंगित कर रहे थे और बदलाव के लिए पहल कर रहे थे और कुछ अच्छा कर रहे थे। मुझे रेडियो पर सुनकर उन्हें बस आना और मदद करना पड़ा!''

''हमने एमबीएआर की टाउनशिप में अपना नो लिटर दिवस मनाने के लिए चुना। यह बहुत गरीब क्षेत्र है जिसमें बहुत कूड़ेदान हैं। निर्णय लेने वालों में से कोई भी, न तो नगर परिषद, सरकार और न ही राष्ट्रपति, को इसकी परवाह हैं। और शहर की सफाई और कचरा संग्रह सेवाएं वहां काम नहीं करती हैं। सिर्फ कचरे के

## प्लास्टिक से बने अपने कपड़े

"हमने अपने सामान्य कपड़ों को गंदगी से बचाने के लिए कचरे के बैगों से वस्त्र बनाये हैं जिससे हमारे साधारण वस्त्र गंदगी से बचे रहें, साहा ही इस महत्वपूर्ण दिन पर हम वास्तव में अच्छे भी दिखें!" दोस्तें सेल्मा और समांथा कहती हैं।

ढेर हर समय और बड़े हो रहे हैं। यहां तक कि बच्चों के खेल क्षेत्र भी कूड़े से ढक गए हैं। शहर के समृद्ध भागें में वे सफाई और कचरा संग्रह सेवाओं का काम कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि यह ऐसा क्यों है, लेकिन यह गलत है!"

### खुद का कूड़े वाला ट्रक

"कोई लिटर दिवस से पहले, हमने हरारे सिटी काउंसिल से संपर्क किया और पूछा कि क्या वे एक कूड़े उठाने वाला ट्रक दिलवा सकते हैं क्योंकि हमें एहसास हुआ कि जब हम मोबारे में सफाई शुरू करेंगे तो वहां बड़ी मात्रा में कचरा होगा। वे मदद करने के लिए तैयार थे, जो हमारे लिए भाग्यशाली था! हमने इतना कचरा इकट्ठा किया कि इसका वजन करना पूरी तरह असंभव था। मुझे लगता है कि मैंने सुना है कि ट्रक ने 10 घन मीटर कचरा उठाया, और यह ऊपर तक भरा हुआ था!"

"मुझे आशा है कि कचरा ट्रक अब मबारे में आता रहेगा और लोगों के कचरे को इकट्ठा करेगा। राजनेता जो शहर में निर्णय लेते हैं उन्हें बहुत शर्मिंदा होना चाहिए कि उन्हें कुछ तो करना है!"

"लेकिन अगर कचरा ट्रक आता है, तो मुझे संदेह है कि शहर का कचरा रीसाइक्लिंग अच्छी तरह से काम नहीं कर रहा है। कुछ कूड़े का पुनर्नवीनीक. रण किया जाता है, लेकिन इस सब से बहुत दूर। उन्होंने प्लास्टिक के साथ थोड़ा सा शुरू किया है, लेकिन कंपोस्टे. बल अपशिष्ट, उदाहरण के लिए, बिल्क. ुल उपयोग नहीं किया जाता है। एक डब्लूसीपी बाल अधिकार राजदूत के रूप में, यहां मेरे सामने एक महत्वपूर्ण काम है। वो राजनेताओं जो हमारे शहर में निर्णय लेते हैं और उन्हें प्रभावित करते हैं, को इसके प्रति जागरूक करना।" 🌐

### नमस्ते और शुक्रिया!

शहर ने एक कूड़ा उठाने वाला ट्रक प्रदान किया, जिसने नो लिटर दिवस पर बच्चों द्वारा एकत्र किए गए सभी कूड़े को उठा लिया



TEXT: ANDREAS LÖNN PHOTO: JOHAN BJERKE

# अपनी आवाजें सुनवाओ!

**क्या आप और आपके दोस्त बाल अधिकारों और वैश्विक चुनौतियों के बारे में ज्ञान साझा करने में शामिल होना चाहते हैं? मीडिया के माध्यम से अपनी आवाज सुनो। जागरूकता बढ़ाना उन लोगों पर दबाव डालता है, और जब वे निर्णय लेते हैं तब वे बच्चों के बारे में और अधिक सोचते हैं।**

हर साल, जब वैश्विक वोट में लाखों बच्चों का वोट गिना जाता है, तो बच्चे विश्व भर में उसी दिन अपने स्वयं के विश्व के बच्चों के प्रेस सम्मेलन का आयोजन करते हैं। वे बाल अधिकारों के प्रति सम्मान की मांग करते हैं और बताते हैं कि नामांकित व्यक्तियों में से किसको सबसे अधिक वोट प्राप्त हुए हैं और बाल अधिकारों के लिए वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ का प्राप्तकर्ता हैं, और किन दोनों को वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज ऑनरी अवार्ड (मानद पुरुस्कार) मिलेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केवल बच्चे ही पत्रकारों से बात कर सकते हैं और उनका साक्षात्कार ले सकते हैं। क्या तुम इसमें शामिल होना चाहोगे?

### तुमने ऐसा करना है:

अपने देश में डब्लूसीपी संपर्क को बताओ कि तुम बच्चों के प्रेस कॉन्फ्रेंस को आयोजित करना चाहते हो। क्या तुम्हारे क्षेत्र में कई स्कूल हैं? मंच पर प्रत्येक स्कूल से एक प्रतिनिधि के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करो (संपर्क विवरण पृष्ठ 31)।

पाकिस्तान के कई समाचार पत्रों के साथ–साथ रेडियो और टीवी पर विश्व के बच्चों के प्रेस सम्मेलन की रिपोर्टें भी थीं। आम तौर पर बच्चों के लिए पाकिस्तान में मीडिया में बालं अधिकारों के बारे में बात करने का मौका दिया जाना काफी असामान्य है।

### अच्छा स्थान

यदि संभव हो, तो अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए अपने क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण इमारत का चयन करो ताकि यह दिखाया जा सके कि बाल अधिकार महत्वपूर्ण हैं! इसे अपने स्कूल में आयोजित करना भी ठीक है। 2019 प्रेस कॉन्फ्रेंस अप्रैल के दूसरे छमाही में आयोजित किये जाएंगे। 2019 प्रेस कॉन्फ्रेंस की निश्चित तारीख डब्लूसीपी वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी।

### मीडिया को आमंत्रित करो

अपने स्थानीय मीडिया से संपर्क करने के लिए बहुत समय दो। तुमको उन्हें अपने कार्यक्रम की ओर थोड़ा सा झुकाव देने की आवश्यकता हो सकती है। समाचार पत्र कार्यालयों और व्यक्तिगत पत्रकारों को फोन, ईमेल और टेक्स्ट संदेश भेजें। दुर्भाग्यवश, सभी वयस्कों को यह नहीं पता कि बाल अधिकार कितने महत्वपूर्ण हैं। तो आपको उन्हें समझाने की आवश्यकता होगी।

"विश्व बच्चों के प्रेस कॉन्फ्रेंस में आपका स्वागत है, जो कई देशों में बच्चों द्वारा एक ही समय में आयोजित किया जाता है," बुर्किना फासो में रेडियो पत्रकारों को कौआंडा बताता है।

### तैयारी करो

लिखें और अभ्यास करें कि आप डब्लूसीपी के बारे में क्या कहना चाहते हैं, और आपके क्षेत्र में और आपके देश के बच्चों के लिए जीवन कैसा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस से एक दिन पहले आपको ग्लोबल वोट एवं बाल अधिकार नायकों के परिणामों पर डब्लूसीपी से गुप्त जानकारी प्राप्त होगी।

### प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करो

1. यदि संभव हो, तो संगीत और नृत्य से शुरू करें, और समझाएं कि विश्व भर के अन्य बच्चे एक ही समय में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर रहे हैं।
2. डब्लूसीपी के बारे में राज्य तथ्यों और लघु वीडियो क्लिप दिखाएं।
3. बताएं कि बच्चों के लिए जीवन कैसा है और आप बाल अधिकारों के उल्लंघन के बारे में क्या जानते हैं जहां आप रहते हैं और आपके देश में। उन परिवर्तनों के बारे में बात करें जिन्हें आप देखना चाहते हैं और राजनेताओं और अन्य वयस्कों पर मांगें रखना चाहते हैं।
4. बाल अधिकार नायकों के शानदार प्रयासों के बारे में जानकारी साझा करें और वैश्विक वोट के परिणाम प्रकट करें।
5. प्रेस विज्ञप्ति और बाल अधिकार तथ्य पत्रक बाहर हाथ।

**worldschildrensprize.org/wcpc**

पर आपको मिलेगा:

- 2019 प्रेस कॉन्फ्रेंस की सही तिथि।
- प्रेस विज्ञप्ति, बाल अधिकार तथ्य पत्रक और मसौदा स्क्रिप्ट।
- राजनेताओं के लिए पत्रकारों और प्रश्नों को आमंत्रित करने के बारे में सलाह।
- डब्लूसीपी, ग्लोबल वोट और बाल अधिकार नायकों के बारे में फिल्में।
- प्रेस की छवियां

# जब कुछ सही नहीं लगे तो एक व्हिस्टलब्लॉवर बनो!

सभी वयस्क जो आपको और अन्य बच्चों को डब्लूसीपी कार्यक्रम को व्यवस्थित करने में मदद करते हैं, उन्हें बाल अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। यदि, जब आप डब्लूसीपी कार्यक्रम के साथ काम कर रहे हैं, तो आप एक बच्चे को गलत तरीके से इलाज करते हुए देखते हैं, या आप को गलत तरीके से इलाज किया जाता है, आपको कुछ कहना होगा। जो लोग गलत हैं, उन्हें रिपोर्ट करते हैं जिन्हें व्हिस्टलब्लॉवर कहा जाता है।

आपको हमेशा अपने स्कूल में भरोसा करने वाले वयस्क से बात करने और उस बात से बात करनी चाहिए जहां आप पहले रहते हैं। यदि यह संभव नहीं है, तो आप डब्लूसीपी से संपर्क कर सकते हैं। डब्लूसीपी कार्यक्रम चलाने के संबंध में जो कुछ नहीं होना चाहिए, उसके कुछ उदाहरण हैं यदि कोई वयस्क, जैसे कि शिक्षक, हेडटेकर या कोई अन्य व्यक्ति, बच्चे को निम्न विषयों पर ले जाता है:

- यौन हिंसा सहित हिंसा।
- धमकाने, नफरत भाषण या मनोवैज्ञानिक हिंसा का एक और रूप।
- किसी बच्चे की गोपनीयता का उल्लंघन (उदाहरण के लिए, यदि कोई आपकी तस्वीर लेता है या आपके बारे में व्यक्तिगत जानकारी प्रकाशित करता है, भले ही आप उन्हें नहीं चाहते हैं या आपसे नहीं पूछा गया है)।

यदि आप जो रिपोर्ट कर रहे हैं, उसका डब्लूसीपी कार्यक्रम से कोई लेना देना नहीं है, तो आपको हमेशा उस वयस्क से संपर्क करना चाहिए जिसे आप जानते हैं और जिस पर विश्वास करते हैं। अगर आपको या किसी और को तत्काल सहायता की जरूरत है, तो आपको पुलिस से संपर्क करना चाहिए।

### दि ग्लोब मुफ्त है!

दि ग्लोब एक मुफ्त शिक्षण सहायता है जिसका उपयोग बच्चों द्वारा डब्लूसीपी कार्यक्रम में भाग लेने के द्वारा किया जा सकता है। यदि आप किसी को दि ग्लोब बेचते हैं, या पैसा कमाने के लिए डब्लूसीपी कार्यक्रम से संबंधित कुछ और बेचते हैं, तो यह गलत है। हमें यहां डब्लूसीपी पर बताएं, या उस वयस्क से पूछें जिस पर आप हमसे संपर्क करने के लिए भरोसा करते हैं।

### रिपोर्ट कैसे करें

डब्लूसीपी के साथ क्या हुआ है, इसकी रिपोर्ट करने का सबसे सुरक्षित तरीका है *worldschildrensprize.org/whistle* पर हमारे व्हिस्टलब्लॉवर फॉर्म का उपयोग करना, फिर आपकी रिपोर्ट डब्लूसीपी में किसी जिम्मेदार व्यक्ति को भेजी जाएगी, जो आपकी जानकारी को आत्मविश्वास से संभझेगा।

स्वीडन की महारानी सिल्विया

नेल्सन मंडेला

मलाला यूसूफजई

डेसमंड टूटू

ग्रैका मैकेल

## हम वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज़ के संरक्षक हैं

मलाला यूसुफजई और स्वर्गीय नेल्सन मंडेला दोनों ने वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज के संरक्षक बनने का निर्णय लिया। वे दोनों नोबेल शांति पुरस्कार के एकमात्र प्राप्तकर्ता भी हैं और बाल अधिकारों के लिए वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज के जिसको मीडिया द्वारा अक्सर ''बच्चों का नोबेल पुरस्कार'' के रूप में संदर्भित किया जाता है।

कोई भी जिसने बाल अधिकारों या वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज के लिए कुछ भी अच्छा किया है, वह डब्लूसीपी का मानद वयस्क मित्र एवं संरक्षक बन सकता है। महारानी सिल्विया डब्लूसीपी की पहली संरक्षक थी। मलाला एवं स्वर्गीय नेल्सन मंडेला, ज़नाना गुस्माउ,ग्रेसा माचेल, डेसमंड टूटू और स्वीडन के प्रधान मंत्री भी डब्लूसीपी संरक्षकों में शामिल हैं।

2000 में शुरू होने के बाद से अब तक सभी 42 मिलियन बच्चों के लिए बड़ी प्रशंसा की गई, जिन्होंने डब्लूसीपी कार्यक्रम में भाग लिया है।

जिम्बाब्वे के किम, जो एक बाल अधिकार राजदूत और डब्लूसीपी जूरी के सदस्य हैं, एमसी थे।

# डब्लूसीपी समारोह में आप



हर साल, जूरी बच्चे बाल अधिकारों के जश्न में एकत्रित, स्वीडन के ग्रिपशॉल्म कासेल में वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज समारोह का नेतृत्व करने के लिए इकट्ठे होते हैं। सभी तीन बाल अधिकार नायकों को सम्मानित किया जाता है और बच्चों हेतु उनके काम के लिए पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाता है। स्वीडन की महारानी सिल्विया बाल जूरी के सदस्यों को पुरस्कार प्रस्तुत करने में मदद करती है।

राहेल लॉयड ने महारानी सिल्विया से बाल अधिकारों के लिए लाखों वोटिंग बच्चों के *वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स प्राइज* को प्राप्त किया। बाईं ओर उसकी सहयोगी शाकाना ब्लैंट हैं।

अंतिम गीत, ए वर्ल्ड ऑफ फ्रेंड्स, के दौरान जूरी के बच्चे सभी दक्षिण अफ्रीकी संगीतकारों – पैक्सटन, जैज यार्ड अकादमी और इंकवेन्चेजी के साथ–साथ लिला अकादियन के संगीतकारों और महारानी सिल्विया मंच पर शामिल हो गए।

# का स्वागत है!

गेब्रियल मीजा मोंटोया को कोलंबिया में सबसे संवेदनशील बच्चों की सहायता करने के लिए अपने लंबे संघर्ष हेतु *वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स ऑनरारी अवार्ड* मिला।

इंकवेन्चेसी बैंड से जिन्टल और सिम्बोन्गिल ने समारोह के दौरान गाया और नृत्य किया।

वैलेरियू निकोले रोमानिया में उनके द्वारा मदद किए गए रोमा लड़कों में से दो, औरियल एवं आओनट के साथ समारोह में आया था। वैलेरीयू को *वर्ल्डस चिल्ड्रेन्स ऑनरारी अवार्ड* मिला।

PHOTO: SOFIA MARCETIC/WCPF